राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

कोहली पर लगा मैच फीस का 25 फीसद जुर्माना
>> 12

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 14

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 24 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

लोकतंत्र के प्रहरी
आपातकाल के 44 साल

खौफनाक था वो मंजर... अपील न दलील, सीधे गिरफ्तारी

बरेली : आपातकाल लगने के बाद उत्तर प्रदेश के बरेली शहर के थानों, डीएम ऑफिस, आवास पर सरकार विरोधी पोस्टर चिपकाए गए थे। पुलिस ने पोस्टर लगाने वालों के घर पर छापे मार कर गिरफ्तारियां की थीं। इस दौरान न कोई दलील सुनी, न अपील का मौका दिया। ● पेज 13

हमारी सरकार

धर्मेंद्र प्रधान
केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

भरोसा जीतना इन्हें आता है ● पेज 5

सरोकार

कोमल हैं पर कमजोर नहीं, साबित करेंगी बेटियां

आगरा : आगरा से करीब 1800 जाबांज सेना में हैं। 2600 पूर्व सैनिकों के परिवार भी यहां रहते हैं। अब यहां से बेटियों ने भी इस परंपरा को अपनाने की ठानी है। यहां 'द सेनाभ्यास एजुकेशनल सेंटर' पर बेटियां रस्सी पर चढ़ने, जंप की प्रैक्टिस करते मिलेंगी। मंकी क्रॉल व टार्जन स्विंग भी उनके अभ्यास का हिस्सा है। (पेज-13)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

एयर इंडिया का क्षेत्रीय निदेशक पर्स चोरी में निलंबित

नई दिल्ली : एयर इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक स्तर के एक अधिकारी को सिडनी एयरपोर्ट पर चोरी करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद उनके स्थान पर पूर्वी क्षेत्र के मौजूदा रीजनल डायरेक्टर संजय मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

कश्मीर में पांच घंटे चली मुठभेड़, चार आतंकी ढेर

श्रीनगर : सुरक्षाबलों ने रविवार को दक्षिण कश्मीर के कीगाम शोपियां में अंसार-उल-गजवात-ए-हिंद के चार आतंकियों को मार गिराया। इनमें सात लाख का इनामी शौकत और दो दिन पहले ही एजीएच का हिस्सा बने सुहेल और रफी हसन मीर भी शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 11

राष्ट्रपति ट्रंप के लिखे खत को किम ने बताया बेहतरीन

सियोल : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर उत्तर कोरिया से वार्ता की दिशा में कदम बढ़ाया है। ट्रंप ने उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन को पत्र लिखा है। किम ने खत को बेहतरीन बताते हुए ट्रंप को सराहा है।

क्रिकेट महाकुंभ
अफगानिस्तान vs बांग्लादेश
दोपहर 3:00 बजे से
स्थान : साउथैंप्टन
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

बालाकोट के बाद समुद्र से भी पाक को सबक सिखाने की थी तैयारी

जेएनएन, नई दिल्ली

पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई हमला कर जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया था। यही नहीं, भारत ने समुद्र के क्षेत्र से भी पाकिस्तान को सबक सिखाने की तैयारी कर ली थी। बालाकोट के बाद पाकिस्तानी की अत्याधुनिक माने जाने वाली पनडुब्बी गायब हुई तो भारतीय नौसेना अत्यधिक आक्रामक हो गई थी। नौसेना ने न सिर्फ परमाणु और पारंपरिक हथियारों से लैस अपनी पनडुब्बियों को पाकिस्तान की सीमा के पास तैनात कर दिया था, बल्कि उसकी लापता पनडुब्बी की तलाश भी तेज कर दी थी।

भारत की तरफ से पनडुब्बियों और समुद्री अस्त्र-शस्त्रों की आक्रामक तैनाती से पाकिस्तान को आभास होने लगा था कि भारत किसी भी वक्त नौसेना को बदले की कार्रवाई का आदेश दे सकता है। आपको बता दें कि पुलवामा में जैश-ए-मुहम्मद के आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। इस हमले के जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश के आतंकी शिविरों पर हवाई हमला किया था, जिसमें बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए थे।

पाक सेना पर भारत की नजर : बालाकोट हमले के बाद भारत लगातार पाकिस्तान की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। वह पाक के किसी भी हिमाकत का दोहरी ताकत से जवाब देने की तैयारी में था। बालाकोट में हवाई हमले के बाद पाकिस्तान की सबसे आधुनिक मानी जाने वाली अगोस्टा श्रेणी की पनडुब्बी-पीएनएस साद, उसके जल क्षेत्र से गायब हो गई थी। पीएनएस साद में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्सन लगा होता है, जो कि एक ऐसी तकनीक है जिससे पनडुब्बी आम पनडुब्बी के मुकाबले अधिक समय तक पानी में रह सकती है। इस पनडुब्बी की तलाश के लिए भारतीय नौसेना जुट गई थी।

- पाकिस्तान की अत्याधुनिक अगोस्टा श्रेणी की पनडुब्बी पीएनएस साद उसके जल क्षेत्र से गायब थी
- भारत ने 21 दिनों के सघन अभियान के बाद लगाया था पाक पनडुब्बी का पता
- पाकिस्तानी नौसेना से हर मामले में अत्यधिक श्रेष्ठ है भारतीय नौसेना

दिसंबर 2017 में पनडुब्बी कलवरी के जलावतरण के मौके पर पीएम मोदी। एएनआइ (फाइल फोटो)

कराची से गायब हुई थी पाक पनडुब्बी : सूत्रों ने बताया कि पीएनएस साद पनडुब्बी कराची के पास से गायब हुई थी, वहां से वह तीन दिनों में गुजरात तट और पांच दिनों के भीतर मुंबई में पश्चिमी बेड़े के मुख्यालय तक पहुंच सकती है। जिससे देश की सुरक्षा के लिए काफी बड़ा खतरा दिख रहा था। इसको देखते हुए भारत ने पनडुब्बी रोधी विशेष युद्धपोत और विमान पाकिस्तान की लापता हो गई पनडुब्बी की तलाश में तैनात किए थे।

भारतीय नौसेना ने की व्यापक तलाशी : भारतीय नौसेना ने उन सभी क्षेत्रों की व्यापक तलाश की, जहां इस समयसीमा के भीतर पनडुब्बी जा सकती थी। पी-8आइएस को महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के बाद गुजरात के तटीय क्षेत्रों में पनडुब्बी का पता लगाने के लिए लगाया गया था। नौसेना द्वारा सभी एहतियाती उपाय किए गए थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीएनएस साद भारतीय जल में भले ही प्रवेश कर गई हो, लेकिन उसे सतह पर आने के लिए बाध्य किया जा सके।

आइएनएस कलवारी को भी लगाया : परमाणु हथियारों से युक्त आइएनएस चक्र और स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आइएनएस कलवारी को भी पाकिस्तानी पनडुब्बी की तलाश में लगाया गया था। अंत में 21 दिनों के बाद यह पनडुब्बी पाकिस्तान के पश्चिमी हिस्से में मिली। पाकिस्तान ने इसे सुरक्षित रखने के लिए भारत की नजरों से छिपाया था। पाक पनडुब्बी के गायब होने के बाद नौसेना को भी यही आशंका थी। उसे ऐसा लग रहा था कि या पाकिस्तान भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रणनीति बना रहा है, या फिर उसने भारत की नजरों से बचाने के लिए अपनी पनडुब्बी को कहीं छिपा दिया है।

भारत ने तैनात किए थे 60 युद्धपोत: पुलवामा और बालाकोट के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ने के बाद भारतीय नौसेना ने 60 से ज्यादा युद्धपोतों को उत्तरी अरब सागर में तैनात कर दिया था। इसमें विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य भी शामिल था।

पाक से हर क्षेत्र में बेहतर है भारतीय नौसेना : भारतीय नौसेना हर मामले में पाकिस्तान की नौसेना से बेहतर है। उस समय भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन डीके शर्मा ने कहा भी था कि भारतीय नौसेना तीनों आयामों में पाकिस्तानी नौसेना से अत्यधिक श्रेष्ठ है। पाकिस्तान भी यह अच्छी तरह से जानता है। यही कारण था कि पाक ने अपने युद्धपोत को मकरान तट के पास ही रखा, उन्हें समुद्र में नहीं भेजा था।

ईरान पर अमेरिका का साइबर हमला

बढ़ता टकराव ▶ रॉकेट और मिसाइल लांचर नियंत्रित करने वाले कंप्यूटर को जाम करने का किया दावा

तनातनी के बीच आज से ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका

वाशिंगटन, एपी/रायटर : अमेरिका और ईरान के टकराव में नया मोड़ आ गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि युद्ध के फैसले से पीछे हटने के बाद ईरान के सैन्य कंप्यूटर सिस्टम पर साइबर हमला किया गया है। यह हमला ट्रंप की अनुमति से किया गया। इसके अलावा, अमेरिका सोमवार से ईरान पर कुछ और प्रतिबंध भी लगाने की तैयारी में है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस साइबर हमले के जरिये ईरान के रॉकेट और मिसाइल लॉन्चर नियंत्रित करने वाले कंप्यूटर सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया। साइबर कमान की इस कार्रवाई के जरिये अमेरिका ने अपनी साइबर सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया है। अमेरिका इस दिशा में अपनी ताकत को लगातार बढ़ाने पर काम कर रहा है। साइबर हमले के इस दावे को लेकर ईरान ने कोई बयान नहीं दिया है। पिछले दशक में फैले स्टक्सनेट वायरस के बाद से ईरान ने अपने ज्यादातर महत्वपूर्ण विभागों और ढांचों को इंटरनेट से अलग कर लिया है। माना जाता है कि इस वायरस को फैलाने में अमेरिका और इजरायल की संयुक्त भूमिका थी। इससे ईरान के हजारों कंप्यूटर बाधित हुए थे।

डोनाल्ड ट्रंप — फाइल फोटो

ड्रोन पर हमले के बाद से युद्ध के हालात : ईरान ने गुरुवार को अमेरिका के एक ड्रोन को मार गिराया था। ईरान का दावा है कि ड्रोन उसकी सीमा में उड़ रहा था। वहीं, अमेरिका का कहना है कि ड्रोन अंतरराष्ट्रीय सीमा में था। इस घटनाक्रम के बाद से दोनों देशों में युद्ध की स्थिति बनी हुई है। शुक्रवार को ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध का आदेश भी दे दिया था। हालांकि आखिरी पल में उन्होंने यह कहते हुए हमला रोक दिया कि इसमें कई लोगों की जान चली जाएगी।

ईरान ने भी की है साइबर हमले की कोशिश : बताया जा रहा है कि पिछले कुछ हफ्तों में ईरान के लिए काम करने वाले कुछ हैकर्स ने अमेरिका की सरकारी एजेंसियों के कंप्यूटर को निशाना बनाने की कोशिश की है। वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी एजेंसियों और कंपनियों को भी निशाना बनाने का प्रयास हुआ है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किसी हैकर को इसमें सफलता मिली है कि नहीं।

तेहरान पहुंचे ब्रिटिश मंत्री : क्षेत्र में व्याप्त तनातनी के बीच ब्रिटेन के पश्चिम एशियाई मामलों के मंत्री एंड्रयू मुरिसन रविवार को ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे। उन्होंने ईरान के विदेश मामलों की रणनीतिक परिषद के प्रमुख कमाल खराजी से मुलाकात की। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। 2015 में हुए परमाणु समझौते पर भी बात हुई। ब्रिटेन ने हालिया तनाव को कम करने पर भी जोर दिया।

अमेरिका ने भी चेताया : अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा है कि आखिरी पल में युद्ध का फैसला वापस लेने के अमेरिका के कदम को ईरान उसकी कमजोरी ना समझे। उन्होंने कहा, 'ईरान या कोई भी पक्ष को अमेरिका के विवेक को उसकी कमजोरी नहीं समझे। हमारी सेना तैयार है।' बोल्टन एक त्रिपक्षीय बैठक के लिए इजरायल पहुंचे हैं। यहां वह रूस और इजरायल के समकक्ष अधिकारियों से बात करेंगे। दूसरी ओर, तनाव के बीच सऊदी अरब की सरकारी एयरलाइन ने भी रास्ता बदल दिया है। एयरलाइन के विमान ईरान की हवाई सीमा से नहीं गुजरेंगे। इससे पहले भारत भी अपने विमानों को ईरान के हवाई क्षेत्रों से न गुजरने का आदेश दे चुकी है। (पेज-11 भी देखें)

युद्ध हुआ तो संभालना मुश्किल होगा : राशिद

ईरान के सैन्य कमांडर मेजर जनरल घोलामली राशिद ने कहा है कि ईरान के साथ किसी भी तरह के टकराव से क्षेत्र में ऐसा युद्ध छिड़ेगा, जिसे संभालना मुश्किल होगा। यह अमेरिकी सेनाओं पर भी भारी पड़ेगा। अपने सैनिकों की जिंदगी को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी प्रशासन को जिम्मेदारी से कदम उठाना चाहिए। उन्होंने अमेरिका की दखल देने की नीति को तनाव का जिम्मेदार बताया। ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने भी हालात के लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया है। ईरान की संसद में 'डेथ टू अमेरिका' (अमेरिका को मौत) के नारे भी लगे।

राजस्थान में तेज आंधी और बारिश से पंडाल गिरा, 16 की मौत

बाड़मेर जिले के जसोल कस्बे में रविवार को तेज आंधी-बारिश से यही रामकथा पंडाल गिरा था। हादसे के बाद लोगों को बचाने के लिए मौके पर जुटे लोग। — जागरण

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के सीमांत बाड़मेर जिले के जसोल कस्बे में रविवार शाम तेज आंधी-बारिश से रामकथा का पंडाल गिर जाने से 10 पुरुष और छह महिलाओं समेत 16 लोगों की मौत हो गई। 55 लोग घायल बताए गए हैं। अधिकांश लोगों की मौत का कारण पंडाल गिरने के बाद उसमें फैला करंट बताया जा रहा है। कुछ की मौत भगदड़ मचने से भी हुई है। मृतकों में 12 की पहचान हो गई है, जिनमें अधिकांश बुजुर्ग हैं।

रामकथा के दौरान करीब दो हजार लोग पंडाल में मौजूद थे। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम, एसपी सहित अन्य उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को पहले तो बालोतरा के स्थानीय नाहटा अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में उन्हें एंबुलेंस और निजी वाहनों से बाड़मेर व जोधपुर के सरकारी अस्पताल के लिए रवाना किया गया है। राज्य सरकार ने चिकित्सकों की छुट्टी रद कर उन्हें काम पर लौटने को कहा है। जोधपुर से चिकित्सकों का दल भी जसोल भेजा गया है। मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

जिलाधिकारी हिंमाशु गुप्ता ने बताया कि 13 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तीन की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

▶ बाड़मेर के जसोल में रामकथा के दौरान हुआ हादसा, करंट फैलने से हुई अधिकांश मौतें, जांच के आदेश

> यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। – **नरेंद्र मोदी, पीएम**

> पंडाल गिरने से हुई मौतों पर मुझे गहरा दुख है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।
> –**अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री**

अव्यवस्था के बीच लगाया गया था पंडाल : रामकथा का आयोजन स्थानीय लोगों ने किया था। आयोजकों ने न तो प्रशासन से मंजूरी ली थी और न ही मौके पर आपात स्थिति से निपटने का कोई प्रबंध था। मौके पर एंबुलेंस भी नहीं थी। एक मंदिर के पास सरकारी स्कूल के खुले मैदान में 200 फीट बड़ा पंडाल भी केवल पतले लोहे के खंभों पर लगाया गया था। बिजली का कनेक्शन भी अस्थाई लिया गया था।

हादसे से पहले का वीडियो आया सामने : आंधी-बारिश से पंडाल उड़ने से चंद सेकेंड पहले का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथावाचक लोगों को आंधी और बारिश की जानकारी देने के साथ ही पंडाल से बाहर निकल जाने के लिए कहते दिख रहे हैं। कथावाचक और कुछ कह पाते इससे पहले ही पंडाल भरभरा कर गिर पड़ा।

बसपा के तीनों शीर्ष पद माया के परिवार में

बहनजी पार्टी की अध्यक्ष, भाई उपाध्यक्ष और भतीजा नेशनल कोआर्डिनेटर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

परिवारवाद के मुद्दे पर विरोधी पार्टियों को घेरने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने संगठन में बदलाव करते हुए अपने भाई और भतीजे को पार्टी में नंबर दो व तीन की हैसियत प्रदान की है। कार्यकर्ताओं को हिदायत भी दी कि जिस तरह से अब तक मेरी बात मानते आए हैं, उसी तरह से इन दोनों की बातें भी मानें।

रविवार को लखनऊ में राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती ने भाई आनंद कुमार को बसपा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त किया। आकाश के सहयोग के लिए रामजी गौतम को भी नेशनल कोआर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। गौतम हाल ही में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए थे। दोनों को राज्यों में संगठन को मजबूत करने का दायित्व दिया गया है।

पार्टी में अब परिवार का सीधा दखल : बसपा कैडर में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के बाद कोआर्डिनेटर का पद सबसे अहम है। इस फैसले से मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी में अब परिवार का ही सीधा दखल रहेगा। मैराथन बैठक में माया ने 2022 के विस चुनाव को लक्ष्य बनाकर तैयारी में जुटने का निर्देश देते हुए प्रदेश की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को पूर्वाभ्यास की तरह लड़ने को कहा।

उपचुनाव में गठबंधन नहीं, सपा से दूरी के फिर संकेत: उपचुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करने की बात दोहराते हुए बसपा प्रमुख ने सपा से दूरी बनाए रखने के संकेत भी दिए। 2007 की तरह भाईचारा समितियों को मजबूत व सक्रिय करने के लिए कहा ताकि 2022 में प्रदेश में बसपा की सरकार बने। प्रदेश व केंद्र सरकार को कोसने में भी कोताही नहीं की।

▶ परिवारवाद पर विरोधी पार्टियों को घेरने वाली बसपा प्रमुख खुद उसी रास्ते पर

मायावती — फाइल फोटो

बुआ-भतीजे में और बढ़ी खटास

लखनऊ : लोकसभा चुनाव में मायावती व अखिलेश यादव के बीच मधुर हुए रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। रविवार को संपन्न बसपा की बैठक में मायावती सपा नेताओं पर खूब बरसीं। यादव वोट बैंक ट्रांसफर नहीं कराने की तोहमत दोहराने के साथ अनेक सीटों पर बसपा की हार के लिए उन्होंने सपा के जिम्मेदार नेताओं को दोषी ठहराया। माया ने चुनाव खत्म होने के बाद अखिलेश द्वारा कोई फोन नहीं करने पर भी कड़ा एतराज जताया। (पेज-3)

दानिश होंगे लोकसभा में दल नेता पेज>>3

मॉब लिंचिंग पीड़ितों को मुआवजा देगी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार की कांग्रेस सरकार ने मॉब लिंचिंग (उन्मादी भीड़ की हिंसा) के पीड़ितों को मुआवजा देने का फैसला किया है। इसके लिए भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार ने 2011 में बने पीड़ित क्षतिपूर्ति कानून में संशोधन किया है। अब इस तरह की घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को सरकार तीन लाख रुपये की सहायता देगी। मानसिक पीड़ा, शैक्षणिक अवसर और जीविकोपार्जन की क्षति पर भी मुआवजा मिलेगा। (पेज-4)

देश के ज्यादातर हिस्सों में कम बारिश,जल संकट की आशंका

नई दिल्ली : जून का महीना गुजरने वाला है और मानसून की चाल बेहद धीमी है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, देश के मौसम संबंधी 84 फीसद उपखंडों में अभी तक कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं, केंद्रीय जल आयोग के आंकड़े बता रहे हैं कि देश के प्रमुख 91 जलाशयों में से 80 फीसद में सामान्य से भी कम पानी है, इनमें से 11 जलाशयों में पानी का भंडारण शून्य फीसद है, जो देश में पानी की भीषण कमी को दिखाता है। (पेज-7)

रेलवे की योजना

अपना स्पेक्ट्रम लेकर ट्रैक के किनारे मोबाइल टावर लगाने की रेलवे की योजना, ट्रेन के रफ्तार पकड़ने पर भी नहीं बाधित होंगी तरंगें, चलता रहेगा इंटरनेट

अब चलती ट्रेन में मिलेगी वाई-फाई की सुविधा

संजय सिंह, नई दिल्ली

स्टेशनों को वाई-फाई से लैस करने के बाद अब रेलवे की योजना ट्रेनों के भीतर भी यात्रियों को वाई-फाई की सुविधा मुहैया करने की है। ताकि वे बिना किसी व्यवधान के अपने कंप्यूटर और मोबाइल पर वीडियो और फिल्मों का मजा ले सकें। इसके लिए रेलवे अपना खुद का स्पेक्ट्रम हासिल करेगा।

अभी तक रेलवे ने 1603 स्टेशनों को वाई-फाई सुविधा से लैस कर दिया है, जबकि 4882 स्टेशनों को वाई-फाई से लैस करने पर काम चल रहा है। स्टेशन पर वाई-फाई सुविधा मिलने से यात्री स्टेशन परिसर और आसपास की कुछ दूरी तक तो इंटरनेट का उपयोग कर पाते हैं, परंतु ट्रेन के भीतर कुछ दूरी के बाद इसका असर समाप्त हो जाता है और तब इंटरनेट केवल मोबाइल डाटा के भरोसे चलता है। हालांकि उसमें रफ्तार के साथ बीच-बीच में व्यवधान आता रहता है। इस कारण अब तक न तो ट्रेन के भीतर लाइव टीवी का प्रसारण संभव हुआ और न ही सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की निगरानी संभव हुई है। और तो और, वंदे भारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेन के भीतर सार्वजनिक उद्घोषणा के लिए लगाए गए टीवी मानीटर्स पर आगामी और मौजूदा स्टेशनों के बारे में लाइव सूचनाएं भी इसी वजह से प्रसारित नहीं हो पा रही हैं। ट्रेन के भीतर वाई-फाई सुविधा मिलने से ये सब कुछ संभव हो जाएगा।

शताब्दी देश की लक्जरी ट्रेनों में है। — फाइल फोटो

इसके लिए रेलवे अपना खुद का स्पेक्ट्रम लेने का प्रयास कर रहा है। सरकार से स्पेक्ट्रम प्राप्त होते ही रेलवे अपनी लाइनों के किनारे जगह-जगह पर मोबाइल टॉवर स्थापित करेगा और उन्हें पहले से बिछे ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) के साथ संबद्ध करेगा। इससे ट्रेन यात्रियों को अपने कोच के भीतर निर्बाध इंटरनेट सुविधा हासिल हो सकेगी। अभी स्टेशनों पर वाई-फाई के लिए निजी कंपनियों के स्पेक्ट्रम और सेट-अप का उपयोग किया जाता है।

नौकरी पेशा लोगों के बहुत से काम हो जाएंगे आसान : स्टेशनों के बीच और ट्रैक के साथ-साथ मजबूत वाई-फाई तरंगों की उपलब्धता होने से ट्रेन के भीतर इंटरनेट सर्फिंग आसान हो जाएगी और बार-बार बफरिंग की समस्या से निजात मिलेगी। ये सुविधा व्यस्त नौकरी पेशा लोगों के लिए वरदान साबित होगी और वे सफर के दौरान अपने जरूरी कार्यों को ट्रेन के अंदर से ही निपटा सकेंगे।

हादसों पर अंकुश लगाने में मिलेगी मदद : इस सुविधा से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ट्रेन हादसों पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी। कोच के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज की कंट्रोल रूम से रियल टाइम निगरानी होने से अवांछित तत्वों को नियंत्रण में लेना और पकड़ना आसान हो जाएगा। वाई-फाई का उपयोग करते हुए भविष्य में ट्रेन प्रोटेक्शन एंड वार्निंग सिस्टम (टीपीडब्लूएस) के जरिए ट्रेन दुर्घटनाओं को भी रोकने में भी मदद मिलेगी। अभी जीपीएस आधारित इस यूरोपीय प्रणाली को महज इसीलिए नहीं अपनाया जा पा रहा है, क्योंकि ट्रैक के साथ वाई-फाई सुविधा नहीं होने से तरंगें बाधित हो जाती हैं। कोहरे के दौरान हादसे रोकने और ट्रेनों को लेटलतीफी से बचाने में भी ये व्यवस्था कारगर साबित होगी।

बसंत विहार में बुजुर्ग दंपती और घरेलू सहायिका की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ देश की राजधानी में 24 घंटे में नौ हत्याएं, कानून व्यवस्था पर भी उठे सवाल

दिल्ली के पॉश इलाके वसंत विहार के वसंत अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर शनिवार रात बुजुर्ग दंपती व नर्सिंग सहायिका की हत्या कर दी गई। दंपती के गले पर धारदार वस्तु से हमला किया गया है, जबकि नर्सिंग सहायिका का गला रेता गया है। पुलिस को गुमराह करने के लिए घर का सामान भी इधर-उधर फेंका गया है। हालांकि, मौके पर मिले शराब के दो खाली गिलास से पुलिस किसी जानकार के हत्याकांड में शामिल होने का अंदाजा लगा रही है। राजधानी में 24 घंटे में नौ लोगों की हत्या से कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

डीसीपी साउथ वेस्ट देवेंद्र आर्या के मुताबिक सीजीएचएस से सेवानिवृत्त फार्मासिस्ट विष्णु माथुर (80) व एनडीएमसी से सेवानिवृत्त उनकी पत्नी शशि माथुर (75) का वसंत अपार्टमेंट में पहली मंजिल पर फ्लैट है। उनके साथ ही उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली नर्सिंग सहायिका खुशबू नौटियाल (24) भी रहती थी। खुशबू का परिवार महरौली में रह रहा है। वहीं बुजुर्ग दंपती के बेटे की मौत हो चुकी है, जबकि बेटी ग्रेटर कैलाश में रहती है।

रविवार सुबह करीब 8.45 बजे बुजुर्ग दंपती की घरेलू सहायिका बबली पहुंची तो फ्लैट का दरवाजा खुला था। अंदर देखा तो दंपती के शव कमरे में बेड पर और खुशबू का शव ड्राइंग रूम में फर्श पर पड़ा था। घर का सामान बिखरा पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस को एक टेबल पर दो खाली गिलास मिले हैं, जिनमें शराब पी गई है। घर से दंपती व नर्सिंग सहायिका का मोबाइल गायब हुआ है। प्राथमिक जांच के मुताबिक वारदात को रात 12 बजे के बाद अंजाम दिया गया है। घर में फोर्स एंट्री के निशान नहीं मिले हैं। ऐसे में वारदात को किसी करीबी द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। इधर फॉरेंसिक टीम ने मौके से ब्लड सैंपल, फिंगर प्रिंट लिए हैं। (पेज-2 भी देखें)

राष्ट्रीय जांच एजेंसी को और धार देगा नया विधेयक

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र : कैबिनेट और आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक सोमवार को संसद भवन की नई इमारत में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को और ताकतवर बनाने के लिए नया संशोधन अधिनियम मंजूर किया जा सकता है। इसके लिए सरकार दो कानूनों में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ताकि भारतीयों और विदेश में भारतीयों के हितों के खिलाफ आतंकी कानूनों के तहत जांच की मंजूरी मिल सके। सूत्रों के अनुसार इसके लिए केंद्रीय कैबिनेट सोमवार को एनआइए एक्ट और गैर कानूनी गतिविधियों (बचाव) अधिनियम में संशोधन को पेश करेगी। इसके बाद संशोधन बिल चालू मानसून सत्र में इसी हफ्ते पेश भी कर दिया जाएगा। इस संशोधन से एनआइए को साइबर अपराधों और मानव तस्करी से जुड़े मामलों की जांच की भी अनुमति मिल जाएगी। (पेज-6)

40.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया राजधानी में। यह सामन्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सोमवार से मौसम के करवट लेने की संभावना है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 जून 2019

न्यूज गैलरी

दिल्ली में कार सवार महिला पत्रकार को मारी गोली

नई दिल्ली : शनिवार देर रात बदमाशों ने एक महिला पत्रकार की कार पर गोलियां चला दीं। एक गोली उनके हाथ में लगी। जख्मी हालत में पत्रकार मिताली चंदोला (38) को धर्मशिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार कई मीडिया संस्थानों में काम कर चुकीं मिताली अल्फा-2, ग्रेटर नोएडा में रहती हैं। परिवार में पति दलजीत और दो बच्चे हैं। वह दस वर्षों से पति से अलग रह रही हैं। बच्चे देहरादून में नाना-नानी के पास रहते हैं। शनिवार को मिताली कार से मयूर विहार इलाके में एक पार्टी में आई थीं। रात 12:00 बजे कार से ग्रेटर नोएडा जा रही थीं। न्यू अशोक नगर में धर्मशिला अस्पताल के पास पीछे से एक कार ने ओवरटेक कर उनकी कार रुकवा दी। उतरने के बाद बदमाशों ने सामने से गोलियां चला दीं। कार के शीशे में दो गोलियां लगीं। एक गोली मिताली के दाहिने हाथ के आर-पार हो गई। उन्होंने पति दलजीत पर हमला कराने की आशंका जताई है। (जासं)

आयकर आयुक्त की पत्नी पर सास की जासूसी का आरोप

गाजियाबाद : दिल्ली में तैनात आयकर विभाग के संयुक्त आयुक्त की पत्नी के खिलाफ सास की जासूसी कराने के आरोप में आइटी एक्ट व धमकी देने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी के आदेश पर केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संयुक्त आयुक्त की 12 साल पूर्व शादी हुई थी। आरोप है कि पत्नी ने भाई व बहन की मदद से एक कंपनी का स्पाइ सॉफ्टवेयर खरीदकर सास के मोबाइल पर इंस्टॉल कर दिया। इसके बाद फोन पर उसका भी कंट्रोल हो गया। उसने कॉल्स, मैसेज, वाट्सएप, फोटो व वीडियो अपने पास कॉपी कर लिए। इन्हें वायरल करने की धमकी देकर पत्नी आयकर आयुक्त से तलाक मांग रही है। एसएचओ कविनगर राजकुमार शर्मा का कहना है कि दोनों पक्षों का मामला पहले से ही कोर्ट में चल रहा है। एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। (जासं)

तीसरी मंजिल से गिरे शख्स की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

नई दिल्ली : सराय रोहिल्ला के शास्त्री नगर में शनिवार रात एक शख्स नियंत्रण खोकर तीसरी मंजिल से गिर गया। नीचे 65 वर्षीय मदन लाल सो रहे थे। तीसरी मंजिल से गिरने वाले को तो मामूली चोटें आईं, लेकिन मदन लाल की मौत हो गई। मदन लाल परिवार के साथ शास्त्री नगर कॉलोनी में रहते थे। कॉलोनी में 25-25 वर्ग गज के मकान हैं। घर में कम जगह और गर्मी के कारण मदन लाल शनिवार रात घर के बाहर गली में रिक्शा ठेला पर सो रहे थे। मदन लाल के पड़ोसी का साढ़ू 35 वर्षीय रविंद्र आया था। वह साढ़ू के साथ सोने मकान की तीसरी मंजिल पर चला गया। छत पर रविंद्र मोबाइल से किसी से बात कर रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और नीचे गली में ठेले पर सो रहे मदन लाल के ऊपर गिर गया। इस हादसे में मदन लाल की मौत हो गई, जबकि रविंद्र के पैर की हड्डी टूटने के अलावा आंख में चोट आई है। उसे लेडी हार्डिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (जासं)

फर्जी लोन कंपनी खोलकर हो रही थी ठगी, नौ गिरफ्तार

कार्रवाई ▶ छह माह से अधिक समय से कंपनी कर रही थी ठगी

बिहार निवासी एक व्यक्ति के साथ हुए फर्जीवाड़े की शिकायत की जांच में हुआ पर्दाफाश

जागरण संवाददाता, नोएडा

कोतवाली फेज तीन पुलिस की गिरफ्त में लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोपित। जागरण

सेक्टर-63 में करीब छह माह से फर्जी लोन कंपनी व कॉल सेंटर खोलकर ठगी का धंधा चल रहा था। बिहार निवासी एक व्यक्ति के साथ हुई ठगी की शिकायत की जांच में गैंग का पर्दाफाश हुआ है। कोतवाली फेज-तीन पुलिस ने गैंग में शामिल नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मेरठ निवासी फैसल, अशद, समीर, बिलाल, मौ जैनुल, आरिफ, अजीम, अमन व आकिल के रूप में हुई। इनके पास से 90 हजार रुपये, विभिन्न कंपनियों के 19 मोबाइल, दो कार, भारी मात्रा में कंपनी के सेंशन फार्म, लैटर पैड, स्टांप, फाइलें सहित अन्य सामान बरामद हुआ है। इस गैंग का मास्टरमाइंड मेरठ निवासी राजा उर्फ नजर नवाज है, जो फरार है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि पिछले छह माह से किराये की बिल्डिंग लेकर ये फर्जी कंपनी संचालित कर रहे थे। सैकड़ों लोगों से लोन दिलाने के नाम पर यहां से लाखों रुपये की ठगी हुई है। आरोपित लोगों से लोन लेने के लिए आवेदन करने के दौरान फाइल चार्ज सहित अन्य के नाम पर मोटी रकम लेते थे। पूछताछ में पता लगा है कि आरोपितों ने अब तक किसी को भी लोन नहीं दिया है। इस कंपनी से ही आरोपित कॉल सेंटर भी संचालित करते थे। लोन कंपनी का विभिन्न माध्यम से दूर-दराज के एरिया में विज्ञापन देते थे। वहां से लोग फोन करते थे तो इस कॉल सेंटर से बात होती थी। कुछ कॉल यहां से भी करने की बात सामने आई है। इनके दो बैंक अकाउंट के संबंध में जानकारी हुई है। पुलिस उन अकाउंट को खंगालने व फ्रीज कराने में जुटी है। बैंक खातों की पड़ताल से ही ठगी के शिकार लोगों के संबंध में सही जानकारी सामने आ सकेगी।

मालूम हो कि मूलरूप से बिहार निवासी एक व्यक्ति ने पिछले दिनों धोखाधड़ी की एफआइआर दर्ज कराई थी। आरोपित अपनी कंपनी नवजीवन इंफो सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में डीएसए (डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएट) के पद पर उसे फर्जी रूप से नियुक्त कर विभिन्न लोगों को लोन दिलाने के नाम पर उससे छह लाख 20 हजार रुपये वसूल चुके थे। उस मामले की जांच में गैंग का पर्दाफाश हुआ है। आरोपित एक लाख से नौ लाख तक लोन के लिए 35 सौ रुपये व नौ लाख से एक करोड़ तक के लिए 4130 रुपये फाइल चार्ज के रूप में लेते थे व लोन पास कराने के नाम पर प्रोसेसिंग फीस के रूप में 12430 रुपये वसूलते थे।

एयरपोर्ट पर उज्बेकी महिला के यौन उत्पीड़न की जांच शुरू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर विदेशी महिला के यौन उत्पीड़न में मामले में सीमा शुल्क विभाग की आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) ने जांच शुरू कर दी है। मामले में आरोपित दो अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गठित समिति दोनों अधीक्षकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करेगी और निष्कर्ष अधिकारियों को सौंपेगी।

घटना तीन मई की है। एक उज्बेकी महिला ताशकंद से आइजीआइ एयरपोर्ट पर उतरी थीं। उनकी बहन के बेटे का दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह बच्चे को देखने दिल्ली आई थीं। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद तस्करी के शक में कस्टम अधिकारी ने पीड़िता को वहीं रोक लिया। सामान की जांच के बहाने उन्हें एयरपोर्ट पर बने एक कमरे में ले जाया गया था। पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान आरोपितों ने उनका यौन शोषण किया। उस कमरे में न तो कोई महिला अधिकारी थी और न ही वहां कोई सीसीटीवी कैमरा लगा है। करीब आधे घंटे बाद महिला को छोड़ा गया। इससे महिला सदमे में आ गईं। बाद में वह घटना की शिकायत के लिए कस्टम अधिकारियों के पास गई थीं, लेकिन बजाय उनकी शिकायत सुनने के उल्टा उन्हें तस्करी के झूठे मामले में फंसाने सहित जान से मरवाने की धमकी दी गई। शिकायत नहीं सुने जाने पर वह वापस लौट गईं। उधर महिला से हुई घटना का पता चलाने पर एक अन्य शख्स ने इसकी शिकायत कस्टम के वरिष्ठ अधिकारियों से की थी। वरिष्ठ अधिकारी के हस्तक्षेप के बाद मामले की जांच शुरू हुई थी। इसमें प्राथमिक तौर पर उस वक्त एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम के दो अधीक्षकों को दोषी पाए जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

दिल्ली में थम गई विदेशी कारों की रफ्तार

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

- नहीं हो पा रही फिटनेस, 10 हजार कारें हो गई हैं खड़ीं
- स्पीड गर्वनर के बगैर नहीं हो रही है गाड़ियों की फिटनेस
- कई गाड़ियों के स्पीड गर्वनर बाजार में उपलब्ध ही नहीं

मर्सिडिज बेंज गूगल फोटो

टैक्सी ट्रांसपोर्ट के कारोबार से जुड़े ऐसे हजारों लोगों के सामने विकट समस्या खड़ी हो गई है, जिन्होंने महंगी कारें टैक्सी में चलाई हुई हैं। ये कारें अब खड़ी हो गई हैं, क्योंकि इन्हें चलाने की अनुमति नहीं है। इसका कारण इन कारों की फिटनेस नहीं हो पाना है। कारों में स्पीड गवर्नर न होने के कारण फिटनेस नहीं हो पा रही है। बड़ी बात यह है कि इन कारों का स्पीड गवर्नर बाजार में ही उपलब्ध नहीं हैं। इस प्रकरण पर टैक्सियों के मालिक परिवहन आयुक्त से लेकर परिवहन मंत्री तक से मिल चुके हैं। मगर, समाधान नहीं निकल सका। हालांकि सूत्र बताते हैं कि दिल्ली सरकार मन बना रही है कि इन कारों को स्पीड गवर्नर से छूट दे दी जाए।

परिवहन विभाग ने अब सभी व्यावसायिक वाहनों में स्पीड गवर्नर अनिवार्य कर दिया है। यह व्यवस्था एक अप्रैल 2018 से लागू की गई थी, लेकिन इसे आगे बढ़ाया जाता रहा। इसी साल 16 फरवरी से इसे अनिवार्य कर दिया है। यह व्यवस्था सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत की गई है। कोई भी व्यावसायिक वाहन तभी सड़कों पर चल सकता है, जब उसकी फिटनेस हो चुकी होगी। परिवहन विभाग के अधिकारी भी मानते हैं कि प्रतिदिन कई लोग यह समस्या लेकर आ रहे हैं कि उनकी कारों के स्पीड गवर्नर बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। टैक्सी कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार ऐसी करीब 10 हजार कारें हैं जिन्हें यह समस्या आ रही है। इनमें बहुत सी कारें विदेशी मॉडल की हैं। ये कारें अधिकतर विदेशी पर्यटक उपयोग में लाते हैं।

इन मॉडल की खड़ी हैं कारें : रॉल्स रॉयस, टोयोटा कैमरी हाईब्रिड, ऑडी ए3/ए4/ए6/ए8/क्यू3/क्यू5/क्यू7, जगुआर एक्सएफ/एसएफ, बीएमडब्ल्यू 3/5/7 सीरीज, मर्सिडीज बेंज सी/ई/एस क्लास, टोयोटा एल्फा आरडी, इसुजू एमयू 7, टोयोटा फॉर्च्यूनर, मर्सिडीज बेंज एमएल/जीएल/एफएलई, टोयोटा लैंड क्रूजर/प्राडो, मर्सिडीज वियानो, टोयोटा हाईएस कॉम्यूटर, फिएट ड्यूकाटो, टोयोटा कोस्टर, वॉल्वो/मर्सिडीज बेंज आदि हैं।

हम लोग बर्बाद हो रहे हैं। फिटनेस नहीं होने से प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लग रहा है। टैक्सी नंबर की 32 मॉडल की कारें खड़ी हैं, क्योंकि इन कारों के स्पीड गवर्नर नहीं मिल रहे हैं। दिल्ली में ऐसी करीब 10 हजार कारें हैं। हम लोग परिवहन आयुक्त और परिवहन मंत्री से मिलकर ज्ञापन दे चुके हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इसके लिए जल्द ही कोई रास्ता निकालेंगे। परिवहन मंत्री से मांग की है कि फिटनेस न होने पाने से जुर्माना न लिया जाए।

-संजय सम्राट, अध्यक्ष, दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोटर्स एसोसिएशन

पुलिस हिरासत में बोला उपेंद्र, मुझे देनी है जान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

महरौली हत्याकांड

महरौली में पत्नी व तीन बच्चों की हत्या करने वाला ट्यूटर उपेंद्र शुक्ला पुलिस हिरासत में भी जान देना चाहता है। जेल भेजे जाने के बाद उसकी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इधर मनोचिकित्सक से भी काउंसलिंग कराई गई। इसका कोई खास असर नहीं पड़ा और पूछताछ में उसने पुलिस व मनोचिकित्सक के सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया। वह बस एक ही बात कहता रहा कि 'मुझे सुसाइड करना है'।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक शनिवार दोपहर से रात तक पुलिस ने उससे बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वह हर सवाल का सिर्फ एक जवाब देता है कि 'मुझे सुसाइड करना है'। अफसरों की मानें तो रविवार को उसे अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। वहां मनोचिकित्सक की निगरानी में उसे रख गया है। यही नहीं पुलिस सूत्र बताते हैं कि तमाम कोशिशों के बाद भी उसने खाना नहीं खाया और पूरी तरह से शांत बैठा रहा। महरौली के सुरेश अपार्टमेंट में चौथी मंजिल के फ्लैट में रहने वाले ट्यूटर उपेंद्र शुक्ला ने शुक्रवार की रात पत्नी अर्चना, बेटी रान्या, बेटे रौनक व डेढ़ साल के बेटे राजा की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। सुसाइड नोट में उसने हत्याकांड के लिए खुद को जिम्मेदार बताया था। उसने खुद के हाथ की नस काटकर सुसाइड करने का भी प्रयास किया था, लेकिन हल्का घाव होते ही वह बेहोश हो गया था। चारों का पोस्टमार्टम कराने के बाद रविवार को शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी मिल गई है। पुलिस के मुताबिक इसमें गला काटकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। अभी यह पता नहीं चल सका है कि दूध के साथ नींद की गोली या फिर कोई अन्य नशीला पदार्थ दिया गया है या फिर नहीं। पुलिस का कहना है कि विसरा सुरक्षित रख लिया गया है। इसकी जांच के बाद ही पूरी तरह से ही अब यह स्पष्ट हो सकेगा कि उपेंद्र ने अपने परिवार को हत्या से पहले नींद की गोलियां दीं या नहीं।

खुद भी बीमार हो गया था उपेंद्र: तफ्तीश के दौरान जानकारी मिली है कि पत्नी की बीमारी के कारण अवसाद ग्रस्त उपेंद्र भी ब्लड प्रेशर व अन्य बीमारियों का शिकार हो गया था। बताया गया है कि डॉक्टर ने पिछले दिनों उसे धूप में ज्यादा न निकलने की सलाह दी थी। इसके बाद से वह और तनाव में आ गया था। उसे चिंता थी कि बाहर नहीं निकलेगा तो होम ट्यूशन कैसे देगा। इससे परिवार का भरण पोषण कैसे करेगा। उसके आर्थिक हालात भी पत्नी की बीमारी के चलते खराब हो गए थे। इसके चलते ही उसने पत्नी व बच्चों की हत्या करने के बाद खुदकशी करने का साजिश रची थी।

उलझी गुत्थी, आखिर किसने पी दो गिलासों में शराब

ट्रिपल मर्डर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

शशि माथुर और उनके पति विष्णु माथुर की फाइल फोटो। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

वसंत विहार में हुए ट्रिपल मर्डर की गुत्थी सुलझाना पुलिस के लिए आसान नहीं होगा। फिलहाल पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि डाइनिंग टेबल पर मिले दो गिलासों में शराब किसने पी है। इसे लेकर पुलिस दो तरह की आशंकाएं जता रही है। इनमें पहली यह है कि वारदात को अंजाम देने वाले दो लोग हो सकते हैं, जो कि परिवार के सदस्यों के जानकार हैं। दूसरी ओर यह भी आशंका जताई जा रही है कि कहीं बुजुर्गों के सोने के बाद नर्सिंग सहायिका ने ही किसी जानकार को तो नहीं बुलाया।

दरअसल, पुलिस को डाइनिंग टेबल पर जो दो गिलास मिले हैं, उनमें थोड़ी-थोड़ी शराब बची हुई थी। इसके अलावा एक सिगरेट की डिब्बी भी मिली। वारदात को रात 12 बजे के बाद अंजाम दिया गया है। ऐसे में पुलिस को शक है कि खुशबू ने अपने किसी साथी को बुलाया और उसके साथ शराब पी। इसके बाद दोनों में किसी बात पर विवाद हुआ और उसने खुशबू की हत्या कर दी। बाद में पकड़े जाने के डर से उसने बुजुर्ग दंपती को भी मौत के घाट उतार दिया। अपनी इस थ्योरी पर आगे बढ़ने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसमें यह पता चलेगा कि खुशबू शराब पीती थी या फिर नहीं। इसके साथ ही यह भी साफ हो जाएगा कि वारदात को अंजाम देने वाला एक व्यक्ति था या फिर दो लोग थे। खुशबू के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने के साथ पुलिस टीम वसंत अपार्टमेंट के मेन गेट से लेकर घटनास्थल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस अफसरों ने बताया कि वसंत विहार में कृष्णा नाम के युवक की कंसल्टेंट एजेंसी है। करीब एक साल पूर्व छह माह के लिए इसी एजेंसी के माध्यम से नर्सिंग सहायक रखी गई थी। उस वक्त उसका सत्यापन कराया गया था, लेकिन कांट्रेक्ट की मियाद खत्म होने के बाद बुजुर्ग दंपती ने उसे सीधे ही अपने यहां रख लिया था। वह 24 घंटे उनके साथ ही रहती थी। खाना बनाने व घरेलू कामकाज के लिए सुबह-शाम घरेलू सहायिका बबली आती थी। पुलिस उससे भी पूछताछ कर रही है। इसके अलावा महरौली में रहने वाले नर्सिंग सहायिका के परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है।

वाट्सएप पर रोज वीडियो कॉल करती थी बेटी : बुजुर्ग दंपती के बेटे की वर्ष 1999 में मौत हो चुकी है। उनकी बेटी अनीता एसडीएमसी में कार्यरत हैं और दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश में परिवार समेत रहती हैं। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह रोजाना साढ़े आठ से नौ बजे के बीच वाट्सएप वीडियो कॉल पर माता-पिता से बात करती थीं। नर्सिंग सहायिका अपने फोन से वीडियो कॉल पर उनकी बात कराती थी। शनिवार रात पौने नौ बजे भी उनकी वीडियो कॉल पर बात हुई थी।

भतीजे को फ्लैट देना चाहते थे विष्णु, नाखुश थी बेटी

जासं, नई दिल्ली : वसंत विहार ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस को एक महत्वपूर्ण जानकारी भी मिली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक विष्णु माथुर का एक भतीजा दिल्ली में ही रहता है। बताया गया है कि विष्णु इस फ्लैट को भतीजे को देना चाहते थे। इससे उनकी बेटी के नाखुश होने की बात सामने आ रही है। यही नहीं पुलिस सूत्रों की मानें तो विष्णु के भतीजे और बेटी-दामाद के बीच इसे लेकर विवाद भी हुआ था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि कहीं प्रॉपर्टी विवाद में ही तो वारदात को अंजाम नहीं दिया गया। फिलहाल पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने रविवार सुबह से रात तक हत्यारोपित की तलाश में 10 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान नोएडा व दिल्ली से आठ से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है।

यमुना की सफाई के लिए संघर्ष कर रही दिल्ली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : यमुना नदी को स्वच्छ बनाने के लिए रविवार को स्पर्श गंगा के तहत अभियान शुरू किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी व स्पर्श गंगा की ब्रांड एंबेसडर आरुषि निशंक ने यमुना में दुग्ध अभिषेक कर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान जाकिर हुसैन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मसरूर अहमद बेग भी उपस्थित थे। यमुना घाट को साफ-सुथरा रखने के लिए पौधरोपण भी किया गया।

मनोज तिवारी ने कहा कि वर्षों बीतने के बाद भी दिल्ली यमुना की सफाई के लिए संघर्ष कर रही है। हमें कुंभ मेले से पहले गंगा नदी की स्वच्छता के लिए लागू की गईं नीतियों को यहां भी अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहां बड़े नालों के कचरे को गंगा नदी में प्रवेश करने से रोकने के लिए एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया गया था। इसमें सीवेज पाइप लाइनों को साफ करने के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन का भी उपयोग किया गया था। इसके साथ ही पाइप लाइनों के किनारों पर पौधे लगाए गए थे जिससे अनुपचारित अपशिष्ट और कचरा जमा किया जा सके और यह बहकर गंगा नदी में न पहुंचे। तिवारी ने कहा कि हम गंगा की सफाई के लिए प्रतिबद्ध हैं और यमुना की सफाई उस लक्ष्य का एक हिस्सा है।

यमुना नदी को दूध अर्पित करते मनोज तिवारी और सामाजिक कार्यकर्ता आरुषि निशंक। जागरण

स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन में छात्राएं आगे

डीयू दाखिला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की तरफ से स्नातक समेत परास्नातक और एमफिल व पीएचडी पाठ्यक्रमों के दाखिले की आवेदन तिथि शनिवार को समाप्त हो गई। रविवार को डीयू प्रशासन ने स्नातक पाठ्यक्रम समेत अन्य पाठ्यक्रमों में आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या जारी की। स्नातक पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से 12वीं की पढ़ाई करने वाले छात्रों ने आवेदन किए हैं। कुल दो लाख पांच हजार छात्रों ने स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन किया है। बीए इंग्लिश ऑनर्स पाठ्यक्रम सबसे पसंदीदा कोर्स रहा, जिसमें एक लाख 42 हजार छात्रों ने आवेदन किया। दूसरे नंबर पर बीए पॉलिटिकल साइंस ऑनर्स रहा, जिसमें एक लाख 30 हजार छात्रों ने आवेदन किया है। सभी श्रेणियों में स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल 1,29,753 छात्राओं ने आवेदन किया है। छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही। सभी श्रेणियों में 1,28,634 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है।

पिछले साल से 20 हजार कम छात्रों ने स्नातक पाठ्यक्रम में दिया पंजीकरण शुल्क : स्नातक पाठ्यक्रम में कुल आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या तीन लाख 67 हजार है, लेकिन पंजीकरण शुल्क देने वालों की संख्या 2,58,388 है जो 2018 की तुलना में कम रही है। पिछले वर्ष स्नातक पाठ्यक्रमों में पंजीकरण शुल्क देने वाले छात्रों की संख्या 2,78,574 थी। 2018 की तुलना में 2019 में 20,186 कम छात्रों ने पंजीकरण शुल्क दिया है। सिर्फ उन्हीं आवेदन मान्य होते हैं, जिन्होंने दाखिला पोर्टल में पंजीकरण शुल्क चुकाया है।

स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल सीटें करीब 62 हजार हैं। इस वर्ष ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू हो रहा है। डीयू ने इसे दो भागों में बांटा है। इसके तहत शैक्षिक सत्र 2019-20 में 10 फीसद सीटों की स्नातक पाठ्यक्रम में बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष छह हजार ईडब्ल्यूएस श्रेणी की अतिरिक्त सीटें जुड़ रही हैं। स्नातक पाठ्यक्रम की हर सीट पर चार उम्मीदवारों की दावेदारी है।

एसओएल को मिल सकता है कॉलेज का दर्जा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की शनिवार को अकादमिक परिषद (एसी) की बैठक हुई। बैठक सुबह 11 बजे से देर रात दो बजे तक चली। इसमें कई महत्वपूर्ण एजेंडों को पास किया गया। अब इन्हें 28 जून को कार्यकारी परिषद में रखा जाएगा।

एसी के अध्यक्ष कुलपति प्रोफेसर योगेश त्यागी की अगुआई में बैठक शनिवार को देर रात संपन्न हुई। इसमें स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग को कॉलेज का दर्जा देने का भी एजेंडा मौजूद था। इसे पास कर दिया गया है। वहीं, बैठक में डीयू में दो नए केंद्र स्थापित करने पर फैसला हुआ। इसके अतिरिक्त सेंटर फॉर डिसेबिलिटी स्टडीज और स्कूल पॉलिसी प्लानिंग एंड गवर्नेंस (एसपीपीजी) जैसे दो नए केंद्रों को पास करने का फैसला हुआ है।

दिक्कत

इस महत्वाकांक्षी पॉलिसी के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होने के करीब पांच माह बाद भी किसी सेक्टर में काम शुरू होने की स्थिति नहीं बन पाई है

जमीन से उठ नहीं पा रही लैंड पूलिंग पॉलिसी

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की अति महत्वाकांक्षी लैंड पूलिंग पॉलिसी जमीन से ही नहीं उठ पा रही है। आलम यह है कि पॉलिसी के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होने के करीब पांच माह बाद भी किसी सेक्टर में काम शुरू होने की स्थिति नहीं बन पाई है। डीडीए स्वयं पसोपेश में है, मगर कह रहा है कि इस तरह की पॉलिसी के क्रियान्वयन में सालों का लंबा समय लग ही जाता है।

गौरतलब है कि दिल्लीवासियों को सस्ते दरों पर घर उपलब्ध कराने के लिए डीडीए ने लैंड पूलिंग पॉलिसी लांच की है। इसके तहत डीडीए के चार जोनों में 109 सेक्टर काटे गए हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया फरवरी 2019 में शुरू की गई थी, लेकिन पांच महीने बाद भी केवल तीन सेक्टरों में 30-30 फीसद जमीन के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई है, जबकि काम शुरू करने के लिए कम से कम एक सेक्टर में 70 फीसद जमीन मिलना जरूरी हैं। शेष सेक्टरों में तो पंजीकरण की स्थिति बहुत ही दयनीय है। विडंबना यह कि पंजीकरण के लिए डीडीए द्वारा निर्धारित तय समय सीमा खत्म होने में भी सिर्फ एक माह ही बचा है।

जानकारों के मुताबिक ऐसे में साफ है कि दिल्ली में इस पॉलिसी के क्रियान्वयन में लंबा समय लग सकता है। हालांकि डीडीए अधिकारियों का कहना है कि एन जोन के एक सेक्टर में काम शुरू करने के लिए जमीन की पंजीकरण प्रक्रिया जल्द पूरी होने की उम्मीद है। ऐसे में इस सेक्टर के लिए डीडीए की एक टीम जल्द ही किसानों और जमीन मालिकों के साथ बैठक शुरू करेगी, ताकि आगे की प्रक्रिया को गति दी जा सके।

क्या है लैंड पूलिंग पॉलिसी : डीडीए ने इस पॉलिसी के तहत दिल्ली में 75 लाख लोगों के लिए 17 लाख घर बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए डीडीए सीधे जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगा, बल्कि उसके पास जमीन का पंजीकरण कराना होगा। सिर्फ 40 फीसद जमीन की प्लानिंग करके डीडीए सड़क, जन सुविधाएं और हरित क्षेत्र इत्यादि पर काम करेगा।

इसके बाद 60 फीसद जमीन डेवलपर/बिल्डर को निर्माण कार्य के लिए वापस कर दी जाएगी। इस पॉलिसी में 95 गांवों को शामिल किया गया है। पॉलिसी के तहत निर्माण कार्य के लिए न्यूनतम दो हेक्टयर जमीन होना जरूरी है।

लैंड पूलिंग जैसी पॉलिसी पर अमल करने में एक दशक से भी ज्यादा का समय लग जाता है। यह सब इतना आसान और तीव्र नहीं होता। इसलिए परेशानी की कोई बात नहीं है। एक सेक्टर में जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है। इसी के आधार पर बाद में अन्य सेक्टरों पर भी काम आगे बढ़ेगा।

-तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

करोड़ों की ठगी करने वाली एक और कंपनी ने कार्यालय में लगाया ताला

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : बाइक बोट व गो वे कंपनी की तर्ज पर निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाली एक और एप आधारित टैक्सी कंपनी शनिवार को अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गई। उक्त कंपनी में करीब दस हजार निवेशकों ने अपना पैसा निवेश किया था। अखबारों में बाइक बोट व गो वे कंपनी की ठगी की खबरें आने के बाद उक्त कंपनी के निवेशक अपने पैसे लेने के लिए कंपनी के चक्कर काट रहे हैं, हालांकि रविवार तक किसी निवेशक ने पुलिस से शिकायत नहीं की।

ज्ञात हो कि ग्रेटर नोएडा के अल्फा वन कामर्शियल बेल्ट में काफी समय से एक एप बेस्ड टैक्सी कंपनी का कार्यालय संचालित हो रहा है। कंपनी मालिक अचानक शनिवार को कार्यालय बंद कर फरार हो गए हैं। उक्त कंपनी ने भी एक वर्ष में रुपये दो गुना करने का लालच देकर करीब दस हजार से अधिक निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर पटाखा फोड़ने पर सजा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- दिल्ली की एक अदालत ने युवक को दोषी पाते हुए दी चेतावनी, 15 हजार के निजी मुचलके पर मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर निर्धारित समय के बाद पटाखा फोड़ने पर अपनी तरह के पहले मामले में दिल्ली की एक अदालत ने युवक को दोषी ठहराया। चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जितेंद्र सिंह ने मयंक सिंह को दोषी पाते हुए 15 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि गवाह पुलिसकर्मी ने दोषी को पटाखा फोड़ने से रोका था, इसके बावजूद वह नहीं रुका।

मामला 7 नवंबर 2018 को दिवाली की रात का है। देर रात पेट्रोलिंग कर रहे सब इंस्पेक्टर खजन सिंह ने मयंक सिंह को रात दस बजे के बाद पटाखा फोड़ते देखा और उसे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए ऐसा करने से रोका और चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस आए तो देखा मयंक पटाखा फोड़ रहा था। पुलिसकर्मी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवेहलना करने के मामले में मयंक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

पटाखा फोड़ने के मामले में देश भर में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। सिर्फ दिल्ली में ही 550 मामले दर्ज हुए थे। 300 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मयंक ने स्वयं पर लगे आरोपों को तो स्वीकार किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखा फोड़ने को लेकर लगाए गए प्रतिबंध की जानकारी से इन्कार किया था। वह कोर्ट में अपने बचाव में कोई सुबूत पेश नहीं कर सका।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 अक्टूबर 2018 को कहा था कि दिवाली पर रात दस बजे तक ग्रीन पटाखा फोड़ सकते हैं। वहीं, नए साल पर रात 11 बजकर 45 मिनट से 12 बजकर 30 मिनट तक पटाखा बनाने की अनुमति होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह आदेश पूरे देश पर लागू होगा और अवमानना पर कार्रवाई की जाएगी।

18 करोड़ भारतीय परिवारों के पास टीवी सेट हैं। नौ करोड़ परिवारों के पास केबल टीवी की सुविधा है। दूरदर्शन सबसे बड़ा डीटीएच ऑपरेटर है, जिसके पास 3.5 करोड़ कनेक्शन हैं।

एयर इंडिया का क्षेत्रीय निदेशक चोरी के आरोप में निलंबित

शर्मनाक ▸ सिडनी एयरपोर्ट पर ड्यूटी फ्री शॉप से पर्स चुराने का लगा है आरोप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

एक शर्मनाक वाकिये के तहत एयर इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक स्तर के एक अधिकारी को सिडनी एयरपोर्ट पर चोरी करने के आरोप में सरकारी एयरलाइंस से निलंबित कर दिया गया है। इस त्वरित कार्रवाई के बाद उनके स्थान पर पूर्वी क्षेत्र के मौजूदा रीजनल मैनेजर (कॉमर्शियल) संजय मिश्रा को नियुक्त किया गया है। सेवा नियम 21 के तहत वह अपने पूर्ववर्ती कार्य के साथ ही पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक के पदभार की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगे।

पर्स चोरी के आरोप में निलंबित होने वाले अधिकारी हैं कैप्टन रोहित भसीन जो कमांडर पायलट होने के साथ-साथ एयर इंडिया के पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक भी हैं। कैप्टन भसीन को सिडनी एयरपोर्ट के मैनेजर की शिकायत पर न केवल निलंबित किया गया, बल्कि जांच पूरी होने तक बतौर पायलट उनके विमान उड़ाने पर भी रोक लगा दी गई है।

त्वरित कार्रवाई

- जांच पूरी होने तक कैप्टन रोहित भसीन के एयर इंडिया परिसरों में प्रवेश पर रोक
- महज एक घंटे में सिडनी एयरपोर्ट पर ही थमाया गया निलंबन

रोहित भसीन फाइल फोटो

एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक, 'जांच पूरी होने तक प्रबंधन की पूर्वानुमति के बगैर भसीन को एयर इंडिया के किसी परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। उनका पायलट लाइसेंस जब्त कर लिया गया है। सबसिस्टेंस अलाउंस को छोड़ उनकी तमाम परिलब्धियां भी रोक ली गई हैं।

एयर इंडिया की कार्मिक निदेशक श्रीमती अमृता शरण की ओर से कैप्टन भसीन को जारी निलंबन पत्र में कहा गया है कि 'आस्ट्रेलेशिया के रीजनल मैनेजर की ओर से आपके खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है कि 22 जून, 2019 को जब आप फ्लाइट एआइ 301 के प्रस्थान के सिलसिले में सिडनी एयरपोर्ट पर पहुंचे थे तो आपने ड्यूटी फ्री शॉप से चोरी थी। और इस कारण आपको कमांडर के तौर पर ड्यूटी से विलग किया गया था। इसलिए बिना किसी पूर्वाग्रह के आपको जांच पूरी होने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। इस बीच बिना प्रबंधन की लिखित पूर्वानुमति के आप एयर इंडिया के परिसरों में प्रवेश नहीं करेंगे और न ही कोलकाता छोड़ेंगे। आप कोई नौकरी या रोजगार भी नहीं करेंगे। आपको अपना पायलट-इन-चार्ज का लाइसेंस और पहचान पत्र एयर इंडिया के क्षेत्रीय सुरक्षा प्रमुख के पास जमा कराना होगा। इस दौरान नियमानुसार सबसिस्टेंस अलाउंस के अलावा आपको कोई भी वेतन प्राप्त नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक कैप्टन भसीन पर सिडनी एयरपोर्ट की ड्यूटी फ्री शॉप से कीमती वॉलेट (पर्स) चुराने का आरोप है। एयर इंडिया प्रवक्ता के अनुसार, 'यह घटना सिडनी एयरपोर्ट पर भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े छह बजे के आसपास घटित हुई। कैप्टन भसीन को सुबह साढ़े सात बजे एयरपोर्ट पर ही निलंबन आदेश थमा दिया गया था। इस तरह प्रबंधन की ओर से उदाहरण योग्य अत्यंत त्वरित कार्रवाई की गई है।'

विमानन क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और एयर इंडिया के इतने वरिष्ठ स्तर पायलट के, जो कि क्षेत्रीय निदेशक पद भी तैनात है, इस तरह के कृत्य में पकड़े जाने पर हैरानी जताई है। उनके लिए ये वाकिया इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इस स्तर के अधिकारी को हर महीने लाखों रुपये वेतन मिलता है और इस पद की अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा होती है। इससे पहले से धूमिल सार्वजनिक क्षेत्र की एयरलाइन की छवि को एक और बट्टा लगा है।

ये पहला मौका नहीं है जब एयर इंडिया के वरिष्ठ स्तर के अधिकारी ने एयरलाइन की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पहले नवंबर, 2018 में एयर इंडिया में निदेशक (ऑपरेशंस) पद पर तैनात कैप्टन अरविंद कठपलिया को भी अपने पद के अनुरूप व्यवहार न करने के कारण निदेशक और पायलट दोनो दायित्वों से मुक्त किया गया था। उन पर शराब पीकर एयरपोर्ट पहुंचने, सुरक्षा कर्मियों के साथ झगड़ा करने तथा कागजों में हेराफेरी जैसे गंभीर आरोप लगे थे। इस वर्ष अप्रैल में उन्हें बहाल कर उत्तरी क्षेत्र का क्षेत्रीय निदेशक बनाने का प्रयास किया गया था। लेकिन मामला उछलने पर प्रबंधन को निर्णय वापस लेना पड़ा था।

भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता पर खारिज की अमेरिकी रिपोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ कहा, भारत को अपने बहुलवादी धर्मनिरपेक्ष स्वरूप पर गर्व

भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रकाशित रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए उसे कड़े शब्दों में फटकार लगाई है। भारत ने कहा है कि हम किसी भी विदेशी संस्था या सरकार को यह अधिकार नहीं देते हैं कि संवैधानिक रूप से मिले अधिकारों से संरक्षित हमारे नागरिकों को लेकर कोई घोषणा करे।

हाल ही में आई अमेरिकी रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए भारत ने यह साफ कहा है कि देश के नागरिकों के संविधान द्वारा संरक्षित अधिकारों पर टिप्पणी करने का कोई औचित्य नहीं है। अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2018 में हिंदू कट्टरपंथी समूहों ने अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। इसका जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय ने यहां साफ कहा कि भारत को अपनी धर्म निरपेक्षता की विश्वसनीयता, सबसे बड़े लोकतंत्र तथा लंबे अर्से से चले आ रहे सहिष्णु एवं समावेशी समाज पर गर्व है।

रिपोर्ट के जवाब में विदेश मंत्रालय ने रविवार को यहां सफाई देते हुए कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है, जहां अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संविधान के तहत संरक्षित किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि हम हमारे नागरिकों की स्थिति पर किसी विदेशी सरकार की टिप्पणी को जरूरी नहीं समझते।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी धर्मनिरपेक्ष साख और सबसे बड़े लोकतंत्र व बहुलतावादी समाज के तौर पर सहिष्णुता और समावेश की प्रतिबद्धता पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय भी शामिल हैं, को मौलिक अधिकार देता है। रवीश कुमार ने कहा कि यह सभी जानते हैं कि भारत विविधता भरा लोकतंत्र है, जहां संविधान धार्मिक आजादी की रक्षा करता है। यहां लोकतांत्रिक शासन और कानून मौलिक अधिकारों को और बढ़ावा देता है, उनकी रक्षा करता है। बता दें कि भाजपा भी अमेरिकी रिपोर्ट खारिज कर चुकी है।

गैर-गांधी भी कांग्रेस प्रमुख हो सकता है : मणिशंकर

अय्यर बोले ▸ गांधी परिवार का पार्टी में सक्रिय बना रहना है जरूरी

कहा, कामचलाऊ गैर नेहरू-गांधी पार्टी प्रमुख से कांग्रेस का अस्तित्व बना रहेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी के अध्यक्ष पद नहीं संभालने के दावों के बीच अपनी राय जाहिर की है। मणिशंकर ने कहा कि एक गैर-गांधी कांग्रेस पार्टी का प्रमुख हो सकता है, लेकिन गांधी परिवार को पार्टी में सक्रिय बने रहना चाहिए।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने रविवार को एक इंटरव्यू में सत्तारूढ़ दल पर दोषारोपण करते हुए कहा कि भाजपा का मकसद 'गांधी मुक्त भारत' बनाना है। ताकि यहां 'कांग्रेस मुक्त भारत' बन सके। बेहतर तो यही होगा कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बने रहें लेकिन इसी के साथ राहुल की इच्छा का भी खयाल रखा जाना चाहिए। अय्यर ने कहा कि मुझे यकीन है कि कामचलाऊ गैर नेहरू-गांधी पार्टी प्रमुख के साथ कांग्रेस का अस्तित्व बना रह सकता है। लेकिन इसके साथ नेहरु-गांधी को पार्टी में सक्रिय रहना जरूरी है। इससे वह पार्टी में कोई गंभीर मतभेद खड़ा होने पर उसका समाधान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने पार्टी को एक महीने का वक्त दिया ताकि वह उनके स्थान पर किसी को चुन लें। लेकिन इससे इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदर ही तरह-तरह की काल्पनिक घटनाएं रची जाने लगीं। इससे पार्टी में यह भाव प्रमुखता से उभरा कि राहुल को अपने पद पर बने रहना चाहिए।

मणिशंकर अय्यर की फाइल फोटो। प्रेट्र

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अटकलबाजी के बजाय मीडिया को धैर्य रखते हुए राहुल गांधी की ओर से दी गई समय-सीमा का इंतजार करना चाहिए। ताकि पता चले कि राहुल का कोई विकल्प है या वह कांग्रेस प्रमुख बने रहेंगे।

78 वर्षीय नेता ने कहा कि पार्टी का पुराना इतिहास रहा है जब नेहरु-गांधी परिवार के लोगों से इतर पार्टी अध्यक्ष (यूएन धेबर से लेकर ब्रह्मानंद रेड्डी तक) रहे हैं। यही मॉडल अब भी अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि श्रीमती (सोनिया) गांधी संसदीय दल की नेता हैं और राहुल गांधी हमारे संसदीय दल का हिस्सा हैं, हमें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद राहुल गांधी रहें या कोई और, पार्टी फिर से वापसी करेगी और भारत के आंदोलन के तौर पर अपना मुकाम हासिल करेगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने विगत 25 मई को कांग्रेस कार्यकारी समिति की बैठक में अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

लोकसभा चुनाव में पार्टी की केवल 52 सीटें आने पर उन्होंने हार की जिम्मेदारी ली थी। लेकिन सीडब्लूसी ने एक स्वर में उनके इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। विगत गुरुवार को राहुल ने कहा था कि अगला कांग्रेस प्रमुख कौन होगा यह पार्टी तय करेगी, वह नहीं।

मरीजों के अधिकार संबंधी सुझावों को अपनाएं राज्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सुंदन ने सभी राज्यों से मरीजों के अधिकारों पर नेशनल काउंसिल फॉर क्लीनिकल इस्टेब्लिशमेंट (एनसीसीई) की सिफारिशें अपनाने का अनुरोध किया है। इसमें मरीजों को बीमारी के बारे में दूसरे डॉक्टर की राय लेने, अपनी बीमारी की विस्तृत जानकारी हासिल करने और उनकी सहमति का अधिकार सुनिश्चित किया गया है। एनसीसीई की सिफारिशों में यह भी कहा गया है कि कोई भी अस्पताल किसी भी कारण से मरीज के शव को परिजनों को सौंपने से इन्कार नहीं कर सकते हैं। एनसीसीई की सिफारिशें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की ओर से तैयार किए गए मसौदे पर आधारित हैं।

वाइएसआर कांग्रेस लोकसभा उपाध्यक्ष पद के लिए इच्छुक नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : वाइएसआर कांग्रेस लोकसभा उपाध्यक्ष पद के लिए इच्छुक नहीं है। पार्टी तब तक भाजपा नीत राजग में शामिल नहीं होना चाहेगी, जब तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दे देते। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि 17वीं लोकसभा में 22 सांसदों के साथ चौथी सबसे बड़ी पार्टी वाइएसआर कांग्रेस राजग व संप्रग दोनों से बराबर दूरी रखना चाहती है। उन्होंने कहा, 'आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल पाने के लिए विपक्ष और खासकर कांग्रेस भी जिम्मेदार है। उन्होंने राज्य का विभाजन किया, लेकिन विशेष दर्जा नहीं दिया। इसलिए, हम उनसे भी बराबर दूरी रखेंगे।'

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज को हटाने के लिए सीजेआइ ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) जस्टिस रंजन गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन शुक्ल को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया है। जस्टिस शुक्ल को एक आंतरिक जांच समिति द्वारा कदाचार का दोषी पाया गया है।

तीन सदस्यीय आंतरिक समिति ने जनवरी, 2018 में पाया था कि जस्टिस शुक्ल के खिलाफ शिकायत में पर्याप्त तथ्य हैं और ये गंभीर हैं, जो उन्हें हटाने की कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त हैं। समिति में मद्रास हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश इंदिरा बनर्जी, सिक्किम हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एसके अग्निहोत्री और मध्य हाई कोर्ट के न्यायाधीश पीके जायसवाल शामिल थे।

समिति की रिपोर्ट के बाद तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने प्रक्रिया के मुताबिक जस्टिस शुक्ल को सलाह दी थी कि या तो वह इस्तीफा दे दें, या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लें। वहीं, उनके ऐसा करने से मना करने पर तत्कालीन सीजेआइ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि तत्काल प्रभाव से उन्हें न्यायिक कार्य से हटा दिया जाए जिसके बाद वह कथित तौर पर लंबी छुट्टी पर चले गए। जस्टिस शुक्ल ने 23 मार्च को जस्टिस गोगोई को पत्र लिख कर उच्च न्यायालय में उन्हें न्यायिक कार्य करने की अनुमति देने का आग्रह किया। इस पत्र को इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने जस्टिस गोगोई को अग्रसारित किया था। जस्टिस गोगोई ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है, 'जस्टिस शुक्ल के खिलाफ आंतरिक जांच समिति ने गंभीर आरोप पाए हैं जो उन्हें हटाने की कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त हैं, उन्हें किसी भी हाई कोर्ट में न्यायिक कार्य करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इन परिस्थितियों में आपसे आग्रह है कि आगे की कार्रवाई पर विचार करें।'

▸ आंतरिक जांच में कदाचार के दोषी पाए गए हैं जस्टिस शुक्ल, निजी कॉलेजों को 2017-18 के शैक्षणिक सत्र में दाखिला लेने की दी थी अनुमति

रंजन गोगोई की फाइल फोटो। प्रेट्र

उल्लेखनीय है कि सीजेआइ जब किसी हाई कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखते हैं, तब राज्यसभा के सभापति सीजेआइ से विचार-विमर्श कर तीन सदस्यीय एक जांच समिति नियुक्त करते हैं। राज्यसभा के सभापति द्वारा नियुक्त समिति साक्ष्यों और रिकॉर्ड की जांच करती है और इस बारे में राय देती है कि यह उन्हें हटाने के लिए ऊपरी सदन में बहस हो या नहीं, के लिए क्या कोई आधार प्रदान करती है।

जस्टिस शुक्ल हाई कोर्ट में एक खंडपीठ की अध्यक्षता कर रहे थे, जब उन्होंने शीर्ष न्यायालय की सीजेआइ नीत पीठ के आदेशों का कथित उल्लंघन करते हुए निजी कॉलेजों को 2017-18 के शैक्षणिक सत्र में छात्रों को नामांकन देने की अनुमति दी। जांच समिति की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस शुक्ल ने 'न्यायिक मूल्यों का क्षरण किया, एक न्यायाधीश के मुताबिक आचरण नहीं किया', 'अपने पद की गरिमा, मर्यादा और विश्वसनीयता को' कमतर किया और पद की शपथ का उल्लंघन किया। इसी मामले को लेकर सीजेआइ ने पीएम को पत्र लिखकर शुक्ला को हटाने की कार्रवाई करने के लिए अनुरोध किया है।

प्लास्टिक कचरे के आयात पर पाबंदी सख्ती से लागू हो

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को पर्यावरण के लिए खतरनाक प्लास्टिक कचरे के आयात पर लगे प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि स्थानीय निकायों को प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही इनका उपयोग बिजली या तेल बनाने में करना चाहिए।

एनजीटी अमित जैन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जैन ने याचिका में आरोप लगाया था कि ईंट-भट्ठों में जलाए जाने के लिए सस्ता कागज अमेरिका और यूरोप से आयात किया जा रहा है। इससे भूमि और वायु प्रदूषण हो रहा है।

पीठ ने कहा, 'प्रत्येक निर्माता और ब्रांड मालिक को पंजीकरण के लिए या पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए आवेदन करना आवश्यक है। इस तरह का पंजीकरण सीपीसीबी की ओर से तय दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है। इसका उत्पादकों और आयातकों द्वारा पालन किया जाना आवश्यक है।' मामले की सुनवाई छह सितंबर तक टालते हुए पीठ ने कहा कि सीपीसीबी इस मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट ई-मेल के माध्यम से दो महीने के भीतर ट्रिब्यूनल को प्रस्तुत कर सकती है।

▸ एनजीटी ने स्थानीय निकायों को निस्तारण के लिए प्रोत्साहित करने को कहा

एनजीटी मुख्यालय। फाइल फोटो

सीपीसीबी ने एनजीटी को बताया कि प्लास्टिक कचरे के आयात को प्रतिबंधित करने की आवश्यकता है, क्योंकि देश में प्रतिदिन 26,000 टन खतरनाक कचरा निकलता है और इसका ठीक से प्रबंधन भी नहीं किया जाता है। बता दें कि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2016 को 2018 में संशोधित किया गया था। एनजीटी ने सीपीसीबी को प्लास्टिक कचरे के आयात पर लगे प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है ताकि वातावरण को प्रदूषित होने से रोका जा सके।

बुआ-भतीजे के बीच और बढ़ी खटास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸ मायावती ने कई सीटों पर बसपा की हार का ठीकरा सपा नेताओं पर फोड़ा

▸ चुनाव बाद अखिलेश यादव के फोन न करने पर भी जताया कड़ा एतराज

लोकसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच मधुर हुए रिश्तों में खटास अब और बढ़ती जा रही है। रविवार को संपन्न बसपा की राष्ट्रीय स्तर की बैठक में मायावती समाजवादी नेताओं पर खूब बरसीं। यादव वोट बैंक ट्रांसफर नहीं कराने की तोहमत दोहराने के साथ अनेक सीटों पर बसपा की हार के लिए उन्होंने सपा के जिम्मेदार नेताओं को दोषी ठहराया। इतना ही नहीं, मायावती ने चुनाव खत्म होने के बाद अखिलेश द्वारा कोई फोन नहीं करने पर भी कड़ा एतराज जताया।

मायावती की ओर से उपचुनाव अकेले लड़ने का एलान करने के दिन से सपा-बसपा में दूरियां बढ़ने लगी थीं। हालांकि दोनों दलों की ओर से गठबंधन कायम रखने को लेकर गोलमोल बयान दिए जा रहे थे। उहापोह की यह स्थिति रविवार की बैठक में काफी हद तक साफ होती दिखाई दी। बैठक में मायावती ने आरोप लगाया कि चुनाव में हार की एक वजह सपा शासन में दलितों पर हुए अत्याचार भी थे। सपा के नेताओं ने कई स्थानों पर बसपा को हराने का भी काम किया। उन्होंने सलेमपुर सीट का उदाहरण भी दिया। कहा कि बसपा के प्रदेश अध्यक्ष को हराने के लिए सपा के बड़े नेता जिम्मेदार हैं। मायावती ने आरोपित नेता का नाम लेते हुए अखिलेश द्वारा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न करने पर नाराजगी व्यक्त की।

मायावती अखिलेश

सपा पर निशाना साध रहीं मायावती यहीं पर नहीं ठहरीं। उन्होंने अखिलेश यादव को मुस्लिम विरोधी सिद्ध करने की कोशिश भी की। उन्होंने बताया कि लोकसभा के उम्मीदवार तय होते समय अखिलेश ने मुस्लिमों को अधिक टिकट देने पर आपत्ति जताई थी।

मुलायम सिंह पर भी उठाई अंगुली : मायावती ने कहा कि उनको ताज कॉरीडोर केस में फंसाने में भाजपा के साथ मुलायम सिंह का भी रोल था। चुनाव में गठबंधन को अनुकूल परिणाम नहीं मिलने के बाद से अखिलेश ने मुझे फोन नहीं किया। केवल सतीश मिश्रा से ही फोन पर वार्ता की जबकि हमने अखिलेश को फोन कर परिवार के हारने पर अफसोस जताया था।

अब दानिश अली होंगे लोकसभा में बसपा के नेता

प्रथम पृष्ठ से आगे

पार्टी के शीर्षस्थ पदों पर अपने परिवारीजनों को नियुक्त करने के साथ ही बसपा प्रमुख ने सर्वसमाज को साधने की कोशिश भी की। दानिश अली को लोकसभा में मुख्य सचेतक पद से हटाकर दल नेता बनाया गया है। इसे मुस्लिमों को साधने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं लोकसभा में दल नेता गिरीश चंद को मुख्य सचेतक बना दिया है। सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा में सतीश मिश्रा-दलनेता, लोकसभा में दानिश अली, विधानसभा में लालजी वर्मा और विधान परिषद में दिनेश चंद्रा के दल नेता होने से जातीय संतुलन बना है।

मोबाइल फोन बाहर रखवा कर ताबीज भी उतरवाए

बैठक सुबह दस बजे से थी लेकिन पदाधिकारी नौ बजे से पहुंचने लगे थे। बैठक स्थल में प्रवेश से पहले सभी के मोबाइल फोन ही नहीं पेन, पर्स, बैग, कार की चाबी व ताबीज भी उतरवा कर काउंटर पर जमा कराये गए। सूत्रों का कहना है कि बैठक की रिकार्डिंग न हो सके, इसलिए बहनजी ने पहली बार इतनी सख्ती बरती।

सिद्धू और उनके करीबियों पर विजिलेंस का शिकंजा

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

अपने नए विभाग की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे पूर्व स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू और उनके करीबियों की परेशानी बढ़ने जा रही है। विजिलेंस ब्यूरो ने उन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जीरकपुर नगर कौंसिल से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों के आवंटन में घोर अनियमितता की शिकायत है। ब्यूरो इसमें सिद्धू के ओएसडी बन्नी संधू की भूमिका तलाश रहा है।

विजिलेंस ब्यूरो ने शुक्रवार को जीरकरपुर नगर काउंसिल के दफ्तर में छापेमारी की थी। ब्यूरो के एआइजी आशीष कपूर ने जीरकपुर नगर कौंसिल के दफ्तर में ईओ गिरीश वर्मा के मोबाइल फोन से कुछ ऐसे मैसेज हासिल किए जो उन्हें स्थानीय निकाय विभाग की ओर से किए गए थे। ब्यूरो वर्मा से यह जानने की कोशिश कर रहा है कि यह मैसेज किसने और क्यों किए हैं। ब्यूरो ने कुछ प्रोजेक्टों की फाइल कब्जे में ली है और उनकी विशेषज्ञों द्वारा पड़ताल चल रही है। रविवार को अवकाश वाले दिन भी अधिकारी फाइलों की पड़ताल में जुटे रहे। विभागीय सूत्रों के मुताबिक जीरकपुर नगर कौंसिल के ईओ गिरीश वर्मा मनमाने तरीके से कामकाज कर रहे थे। सिविल कार्यों का अलाटमेंट अपनी मनमर्जी से कर रहे थे। कुछ पार्षदों ने भी ब्यूरो के अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है। छापे के दौरान एआइजी आशीष कपूर ने ईओ वर्मा से कई घंटे तक पूछताछ की और इसके बाद कौंसिल के कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज वह अपने साथ ले गए। पता चला है कि सिद्धू का निजी स्टाफ नगर कौंसिलों, यहां तक कि स्थानीय निकाय विभाग में अधिकारियों और क्लर्कों की तैनाती में पूरा दखल रखता था।

नवजोत सिंह सिद्धू। फाइल फोटो

▸ पंजाब के पूर्व स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत की बढ़ सकती है परेशानी

माना जा रहा है कि एक-दो दिनों में विजिलेंस ब्यूरो ऐसे ठेकेदारों से भी पूछताछ कर सकता है जो सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर के काफी करीबी हैं। एआइजी आशीष कपूर इतना ही कहते हैं कि अभी जांच चल रही है।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

बड़ा सवाल

देश के पूर्वी राज्यों के कुछ हिस्से में इनर लाइन परमिट को कोर्ट में चुनौती, सर्वोच्च न्यायालय मामले पर दो जुलाई को करेगा सुनवाई

पूर्वोत्तर राज्यों में आने-जाने के लिए परमिट क्यों

माला दीक्षित, नई दिल्ली

देश के किसी भी हिस्से में आने-जाने के लिए नागरिकों को परमिट क्यों लेना पड़े। संविधान ने सभी नागरिकों को भारत में कहीं भी स्वतंत्रता पूर्वक आने-जाने का मौलिक अधिकार दिया है और देश के किसी भी हिस्से में आने जाने के लिए इनर लाइन परमिट (आइएलपी) का नियम इस मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इसे आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इनर लाइन परमिट व्यवस्था को चुनौती दी गई है। याचिका में आइएलपी का प्रावधान करने वाले बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन 1873 की धारा 2,3 और 4 को रद करने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट मामले पर 2 जुलाई को सुनवाई करेगा।

मालूम हो कि नगालैंड में नगा हिल्स क्षेत्र में जाने के लिए नगा मूल निवासियों के अलावा सभी को आइएलपी लेना पड़ता है। इतना ही नहीं दीमापुर जिले को भी नगाहिल्स क्षेत्र में शामिल करके वहां भी आइएलपी लागू करने का प्रस्ताव है। इसका याचिका में विरोध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में यह जनहित याचिका भाजपा नेता और वकील अश्वनी कुमार उपाध्याय ने दाखिल की है।

याचिका में कहा गया है कि आइएलपी व्यवस्था एक प्रकार से अपने ही देश में वीजा सिस्टम की तरह है जो कि न सिर्फ अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव की मनाही), 19 (स्वतंत्रता) और 21 (जीवन) के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है बल्कि उस क्षेत्र के विकास, समग्र निवेश को भी नुकसान पहुंचाता है और लोगों में आपसी विश्वास नहीं बनने देता। सरकार को आइएलपी सिस्टम को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए था बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई राज्य विशेष प्रवासियों के कारण आर्थिक प्रगति के मौकों से वंचित न हो।

उपाध्याय ने याचिका दाखिल करने का कारण बताते हुए कहा है कि गत 30 मार्च को वह परिवार के साथ गुवाहाटी, दीमापुर व कोहिमा घूमने गए लेकिन उन्हें गुवाहाटी से वापस आना पड़ा क्योंकि कोहिमा जाने के लिए आइएलपी चाहिए था। उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ की सरकार दीमापुर जिले में भी आइएलपी लागू करने की तैयारी कर रही है जो कि महानगरीय शहर है। कहा गया है कि भारतीय नागरिकों पर परमिट सिस्टम लागू करने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि खराब होती है। कहा गया है कि नगा आदिवासियों को संरक्षण देने के लिए सरकार तर्कसंगत नियंत्रण तो लगा सकती है लेकिन अपने ही देश के हिस्से में आने-जाने के लिए परमिट जरूरी करना तर्कसंगत नहीं है।

कहा गया है कि आइएलपी सिस्टम बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन 1873 के प्रावधानों के तहत जारी होता है। वास्तव में अंग्रेजों ने यह कानून भारतीयों को नगालैंड के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली औषधीय और अन्य बहुमूल्य वनस्पतियों के लाभ से वंचित करने के लिए बनाया था ताकि वहां पर पाए जाने वाले उत्पादों का सिर्फ ब्रिटिश सरकार ही व्यापारिक लाभ उठा सके और व्यापार में उसका एकाधिकार कायम रहे। उपाध्याय कहते हैं कि कैबिनेट ने दो-तीन महीने पहले दीमापुर में भी आइएलपी लागू करने को मंजूरी दी है जबकि दीमापुर नगालैंड का हिस्सा नहीं है यह मैदानी क्षेत्र असम में आता है। वहां इसके लागू होने से वहां रह रहे और रोजगार कर रहे गैर नगा जनजाति के लोगों को नुकसान होगा। उपाध्याय कहते हैं कि पहले कश्मीर में भी यह लागू था और इसी के विरोध में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था और वह बिना परमिट कश्मीर गए थे जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और बाद में हिरासत में ही संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई थी। उसके बाद कश्मीर से आइएलपी हटा था।

210 किसान संगठनों ने केंद्र सरकार से देश में सूखा घोषित करने की मांग की है। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने कहा कि देश के इतिहास में इस बार जून महीने के दौरान पूरे देश में सबसे कम बारिश हुई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 जून 2019

नेहरू ने नहीं होने दी थी श्यामा प्रसाद की मौत की जांच : नड्डा

नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस : भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 66वीं पुण्यतिथि पर उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सत्तारूढ़ दल के कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की जांच का आदेश देने से इन्कार कर दिया था।

रविवार को मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए नड्डा पार्टी अध्यक्ष व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ भाजपा मुख्यालय पहुंचे। जेपी नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुखर्जी के निधन पर पूरे देश ने जांच की मांग की थी, लेकिन पंडित (जवाहरलाल) नेहरू ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। इतिहास इस बात का गवाह है। उन्होंने कहा कि मुखर्जी का बलिदान कभी भी व्यर्थ नहीं जाएगा।

इस मौके पर उपस्थित अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 'अवैध रूप से' प्रवेश करने पर उन्हें इसी राज्य में लखेनपुर में गिरफ्तार कर लिया गया था। उसके बाद जम्मू -कश्मीर में ही हिरासत के दौरान 23 जून, 1953 को उनकी मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि तब जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के लिए सभी गैर प्रांतीय भारतीयों को लिखित रूप से परमिट लेना होता था। इसी बेजा कानून का विरोध करने के लिए मुखर्जी ने राज्य में बिना परमिट के प्रवेश किया था। उनका मानना था कि देश ही सर्वोच्च है। इसीलिए देश की एकता और अखंडता के लिए उन्होंने सत्ता और सब-कुछ छोड़ दिया था। शाह ने हिंदी में ट्वीट भी किया कि देश में 'दो विधान दो निशान' नहीं होने चाहिए। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक विधान, एक प्रधान, एक निशान' आंदोलन चलाया था। शाह ने कहा कि अगर हम आज बिना किसी परमिट के जम्मू-कश्मीर जा पा रहे हैं तो इसका श्रेय डॉ. मुखर्जी को ही जाता है। मैं उनके शहीद दिवस पर ऐसे देशभक्त के चरणों में नमन करता हूं।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रविवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजन के दौरान उनकी तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह तथा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा। एएनआइ

- भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा-पार्टी मुखर्जी का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देगी
- मुखर्जी के शहीद दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

मुखर्जी ने अपना जीवन देश की अखंडता के लिए न्योछावर किया : उप राष्ट्रपति

उप राष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने कहा कि मुखर्जी ने देश के विकास के लिए अथक श्रम किया। वह प्रख्यात शिक्षाविद्, सुधारक और प्रशासक के रूप में अपने निशान छोड़ गए हैं। वह एक प्रबल देशभक्त और गौरवशाली राष्ट्रवादी थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन भारत की एकता और अखंडता के लिए न्योछावर कर दिया। वह केंद्रीय उद्योग मंत्री रहे और जाने-माने सांसद थे।

मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक मजबूत राष्ट्र और एकजुट राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने हम सबको 130 करोड़ भारतीयों की सेवा के लिए प्रेरित किया है।

उत्तराखंड में खुलेगा देश का छठा कोस्टगार्ड भर्ती सेंटर

राज्य ब्यूरो, देहरादून

- कोस्टगार्ड के महानिदेशक ने मुख्यमंत्री को सौंपा केंद्र का अनुमति पत्र
- आगामी 28 जून को देहरादून में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत करेंगे शिलान्यास

उत्तराखंड के युवाओं को अब भारतीय कोस्टगार्ड में भर्ती के लिए नोएडा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय कोस्टगार्ड अब देहरादून में नया भर्ती सेंटर स्थापित करने जा रहा है। यह भारतीय कोस्टगार्ड का देश में छठा भर्ती सेंटर होगा। 28 जून को मुख्यमंत्री इसका शिलान्यास करेंगे। इतना ही नहीं कोस्टगार्ड आपदा और बचाव राहत कार्य के लिए एसडीआरएफ को भी प्रशिक्षित करेगा। इसके लिए वह उत्तराखंड में दो मैरीन बोट और दस डाइवर भी भेजेगा।

रविवार सुबह मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से डीजी कोस्टगार्ड राजेंद्र सिंह ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को केंद्र द्वारा भर्ती सेंटर खोलने का अनुमति पत्र सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि देहरादून के कुआंवाला में 42 करोड़ की लागत से भर्ती सेंटर का निर्माण किया जाएगा। यह राशि भी प्रदेश सरकार को दे दी गई है। उत्तराखंड में खुलने वाला कोस्टगार्ड का यह छठा भर्ती सेंटर होगा। इससे पहले नोएडा, चेन्नई, मुंबई, कलकत्ता और शिलांग में कोस्टगार्ड के भर्ती सेंटर हैं। हालांकि शिलांग भर्ती सेंटर अब गुवाहाटी शिफ्ट किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड में भर्ती सेंटर खुलने से यहां के युवाओं को कोस्टगार्ड में जाने के अच्छे अवसर मिलेंगे। उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है, ऐसे में यहां कोस्टगार्ड द्वारा एसडीआरएफ को राहत एवं बचाव कार्य का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को सैन्य धाम के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है और इसी कड़ी में यह कोस्टगार्ड भर्ती केंद्र भी बन रहा है।

16 से 20 माह के भीतर बन कर होगा तैयार

डीजी कोस्टगार्ड राजेंद्र सिंह ने कहा कि यह भर्ती केंद्र 16 से 20 महीनों के भीतर बन कर तैयार हो जाएगा। इसके बनने से उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली और हरियाणा के युवाओं की यहां भर्ती होगी। उन्होंने कहा कि कोस्टगार्ड कार्यालय यहां युवाओं को आपदा राहत बचाव कार्य में भी प्रशिक्षित करेगा।

राहत ▸ 2011 में बने पीड़ित क्षतिपूर्ति कानून में राज्य सरकार ने किया संशोधन

मॉब लिंचिंग के पीड़ितों को मुआवजा देगी छग सरकार

जान गंवाने वालों के परिजनों को मिलेगा तीन लाख रुपये

संजीत कुमार, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार मॉब लिंचिंग (उन्मादी भीड़ की हिंसा) के पीड़ितों को मुआवजा देगी। इसके लिए सरकार ने 2011 में बने पीड़ित क्षतिपूर्ति कानून में संशोधन किया है। इस तरह की घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को सरकार तीन लाख रुपये की सहायता देगी। गृह विभाग के अफसरों ने पीड़ितों को अधिकतम तीन लाख व न्यूनतम 25 हजार रुपये मुआवजा देने का प्रावधान किया है। इसके मुताबिक, मानसिक पीड़ा, शैक्षणिक अवसर और जीविकोपार्जन की क्षति पर भी मुआवजा मिलेगा। नियमानुसार घटना के 30 दिन के भीतर पीड़ित को 25 फीसद अंतरिम राहत राशि दी जाएगी।

मॉब लिंचिंग पीड़ित के नाबालिग होने की स्थिति में 50 फीसद अतिरिक्त राहत राशि दी जाएगी। अफसरों ने बताया कि पीड़ित के 80 फीसद दिव्यांग होने की स्थिति में दो लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। यदि वह अव्यस्क है तो यह राशि तीन लाख रुपये हो जाएगी।

निःशुल्क होगा इलाज : उन्मादी भीड़ की हिंसा के पीड़ितों के इलाज की भी व्यवस्था राज्य सरकार करेगी। पीड़ित को निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शुल्क लेने की आवश्यकता भी पड़ी तो केवल वास्तविक मूल्य ही लिया जाएगा।

आपराधिक घटनाओं पर एक लाख का मुआवजा : आपराधिक घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा देने का नियम पहले से है। ऐसी घटनाओं में मृत्यु पर एक लाख रुपये दिया जाता है। एसिड अटैक पीड़ित को 50 हजार, दुष्कर्म पीड़िता को 25 से 50 हजार रुपये तक मुआवजा देने का नियम है।

मॉब लिंचिंग पीड़ितों के लिए तय मुआवजा

कारण	मुआवजा राशि
जीवन क्षति	3 लाख
80 फीसद या उससे अधिक दिव्यांगता	2 लाख
40 से 80 फीसद तक दिव्यांगता	1 लाख
40 फीसद से कम दिव्यांगता	50 हजार
मानसिक पीड़ा	25 हजार
पीड़ित का पुनर्वास	1 लाख
शैक्षणिक अवसरों की क्षति	50 हजार
जीविकोपार्जन के साधनों की क्षति मूल्यांकन के आधार पर	

एक माह पहले हुई घटना

छत्तीसगढ़ में करीब महीनेभर पहले ही जांजगीर-चांपा जिले में मॉब लिंचिंग की घटना हुई थी। गत छह मई को वहां एक सड़क हादसे में स्कॉर्पियो की ठोकर से दो लोगों की मौत के बाद भीड़ ने स्कॉर्पियो चालक की पत्थर, डंडा आदि से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। जून 2018 में अंबिकापुर जिले में भी इस तरह की एक घटना सामने आई थी। वहां, मेंड्राकला गांव में बच्चा चोर के शक में ग्रामीणों ने एक विक्षिप्त को लाठियों से पीट-पीटकर मार डाला था।

उप्र के घोसी से सांसद अतुल राय के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा

जागरण संवाददाता, मऊ : दुष्कर्म के आरोपों में घिरे उत्तर प्रदेश के घोसी से लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद अतुल राय की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ नामांकन के दौरान झूठा शपथ पत्र देने के आरोप में एक और मुकदमा दर्ज कराया गया है। उल्लेखनीय है कि अतुल राय ने शनिवार को वाराणसी कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी शब्बीर अहमद ने तहरीर में कहा कि 2019 के लोकसभा निर्वाचन के दौरान घोसी से बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी अतुल राय ने 25 अप्रैल को जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष जो शपथपत्र दिया था उसके कालम पांच में उन्होंने 13 आपराधिक मुकदमे लंबित होने की बात कही थी, लेकिन निर्वतमान सांसद हरिनारायण राजभर ने जब पुलिस उपमहानिरीक्षक चुनाव प्रकोष्ठ से अतुल राय पर दर्ज आपराधिक मुकदमों की जानकारी मांगी तो उपमहानिरीक्षक ने 24 आपराधिक मुकदमे होने की बात स्वीकार की। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी शब्बीर अहमद ने तहरीर में कहा है कि आपराधिक मुकदमों को छिपाने से स्पष्ट है कि झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया था, जो एक गंभीर अपराध है। उधर, शहर कोतवाली में इस मामले में सांसद अतुल राय के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीतीश से राजद को कोई परहेज नहीं : रघुवंश प्रसाद

राज्य ब्यूरो, पटना

- धर्मनिरपेक्ष दलों को मिलकर भाजपा का मुकाबला करना चाहिए

जदयू के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह ने दोहराया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनकी पार्टी को कोई परहेज नहीं है। धर्मनिरपेक्ष दलों को एकजुट होकर भाजपा से मुकाबला करना चाहिए। लोकसभा चुनाव से पहले भी रघुवंश का रुख नीतीश कुमार के प्रति नरम रहा है। कई बार खुले तौर पर उन्होंने नीतीश को महागठबंधन में आमंत्रित भी किया है।

रघुवंश ने कहा कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। जरूरत और हालात के हिसाब से लोग इधर-उधर होते रहते हैं। नीतीश अगर भाजपा का साथ छोड़कर महागठबंधन में आते हैं तो उनका स्वागत है। नरेंद्र सिंह से बातचीत का ब्योरा देने से रघुवंश ने इन्कार किया और कहा कि दोनों के बीच पारिवारिक और सामाजिक बातें हुई हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक लोग जब मिलते हैं तो बात राजनीति पर भी होती है। उन दोनों के बीच भी हुई है। नरेंद्र सिंह ने भी कहा कि उनकी व्यक्तिगत बात-मुलाकात हुई है। इसका राजनीति से वास्ता नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के देर से मुजफ्फरपुर जाने पर भी रघुवंश ने सवाल उठाया। कहा कि 17 दिन बाद जाने से क्या हुआ। बेड बढ़ा? डॉक्टर बढ़े या सुविधाएं बढ़ गईं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभी तक नहीं जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान वोट मांगने आए थे, लेकिन अब बच्चे मर रहे हैं तो आने की जरूरत नहीं समझ रहे हैं।

तेजस्वी यादव के गायब रहने के मुद्दे पर भी रघुवंश चुप नहीं रहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम मुद्दा उठाना है। सत्ता पक्ष का काम व्यवस्था करना है। विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष आएंगे। सदन में सवाल उठाएंगे। अभी राजद के विधायक और नेता दौरे कर रहे हैं।

रघुवंश प्रसाद सिंह फाइल फोटो

झारखंड में राजद दो फाड़, राणा ने बनाई अलग पार्टी

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड राजद में लगभग एक महीने से चल रही खींचतान, गुटबाजी, उठापटक और राजनीतिक ड्रामे का अंत रविवार को पार्टी के विभाजन के रूप में सामने आया। राजद के राष्ट्रीय नेतृत्व से असंतुष्ट राजद के एक खेमे ने विधानसभा सभागार में आयोजित परिवर्तन सभा में एक नई पार्टी का गठन कर लिया। राष्ट्रीय जनता दल लोकतांत्रिक पार्टी के नाम से बनाए गए इस नए दल के अध्यक्ष प्रदेश राजद के पूर्व अध्यक्ष गौतम सागर राणा बनाए गए हैं। परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व की हठधर्मिता के कारण प्रदेश राजद का झारखंड में यह हाल हुआ है।

गौतम सागर राणा ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व की लचर व्यवस्था के कारण पूर्व अध्यक्ष गिरिनाथ सिंह और अन्नपूर्णा देवी के अलावा जनार्दन पासवान तथा मनोज भुइयां सरीखे नेताओं को पार्टी छोड़नी पड़ी। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव आज लाचार नजर आते हैं। उनकी शक्ति आज कई लोगों के पास बंट गई है, जो दल की लुटिया डुबो रहे हैं। यही वजह है कि जिस अनुशासन समिति ने युवा अध्यक्ष को निष्कासित किया, उसे प्रदेश राजद का अध्यक्ष बना दिया गया।

हिंदू और हिंदुत्व को बदनाम करता आ रहा वामपंथ : वैद्य

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने वाम विचारधारा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि इसके लोग लंबे समय से हिंदू और हिंदुत्व के खिलाफ भ्रामक प्रचार करते आ रहे हैं। उनकी कोशिश थी कि जाति, भाषा और प्रांत के नाम पर हिंदू बंटे रहें अन्यथा हिंदुत्व के नाम पर सारा समाज जुड़ जाएगा। इसी तरह वह संघ को भी बदनाम करने की पूरी कोशिश कर रहा है।

दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा कि इसी भ्रामक प्रचार को दूर करने के लिए संघ ने सोशल मीडिया का सहारा लेने का फैसला किया। ऐसे आठ वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किए गए हैं, जिनमें हिंदू धर्म, समाज में स्त्रियों का स्थान, अस्पृश्यता आने के कारण और उसे दूर करने के लगातार चल रहे प्रयास, हिंदू दर्शन की व्यापकता, हिंदू राष्ट्र, आर्यों की कल्पना से भारत को बांटने की कोशिश जैसे मुद्दों की वास्तविकता पर संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने विस्तार से प्रकाश डाला है। वीडियो में उनके साथ मनमोहन वैद्य ने ही संवाद किया है।

वैद्य ने कहा कि हिंदुओं को बांटने की कोशिश में कई शक्तियां लगी हैं। इनमें कम्युनिस्ट आगे हैं। वह पहले हिंदुत्व को सांप्रदायिक बताते रहे। वे पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक सत्तारूढ़ रहे, लेकिन विवेकानंद को नहीं मानते थे, पर जैसे-जैसे संघ का कार्य बढ़ता गया उन्होंने हिंदुत्व को नरम और गरम के खांचे में बांटने की कोशिश की। उन्होंने यह सिद्धांत रखा कि हिंदूज्म तो ठीक है पर हिंदुत्व खराब है। वह हिंदुत्व को संघ से जोड़ते रहे, पर इसका कोई मतलब नहीं है। हिंदूज्म का मतलब हिंदुत्व ही है। इस प्रकार के झूठ और भ्रामक प्रचार को देखने के बाद संघ ने यह निश्चिय किया कि इसे बड़े पदाधिकारी द्वारा इन मिथ्या प्रचार को दूर करना जरूरी है। हिंदुत्व से जुड़े इन सभी मुद्दों पर संघ क्या सोचता है। यह दर्शाने की कोशिश हुई है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के संवाद का प्रयास आगे भी जारी रहेगा ताकि लोग हिंदुत्व के सही अर्थों को जान पाएं। उन्होंने एक बार फिर विपरीत विचारधारा के लोगों से आग्रह किया कि वे संघ में सीधे आएं और इसे जानें। तब धारणा बनाएं।

मध्य प्रदेश में सवर्णों को मिलेगा 10 फीसद आरक्षण, जीएडी ने भेजा प्रस्ताव

नईदुनिया, भोपाल

- पांच एकड़ से ज्यादा बंजर व पड़त भूमि वाले किसानों को भी मिलेगा लाभ
- राज्य सरकार कोटे से जुड़े केंद्र के प्रावधानों में संशोधन कर इसे करेगी लागू

मध्य प्रदेश में सवर्णों को 10 फीसद आरक्षण का फायदा विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले मिल सकता है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने आरक्षण लागू करने का मसौदा कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है राज्य सरकार कोटे से जुड़े केंद्र सरकार के प्रावधानों में संशोधन करके इसे लागू करेगी। पांच एकड़ से ज्यादा बंजर या पड़त भूमि वाले किसानों को भी कोटे का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही आवास, भूखंड व फ्लैट से जुड़े प्रावधान में भी बदलाव प्रस्तावित किया है।

सूत्रों के मुताबिक, सामान्य प्रशासन मंत्री डॉ. गोविंद सिंह की अध्यक्षता में बनी मंत्रीमंडल की समिति ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश के लिए 10 फीसदी आरक्षण देने का निर्णय लिया है। हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रावधान को बदलाव के साथ मध्य प्रदेश में लागू किया जाएगा। आठ लाख रुपये तक सालाना आय वालों को ही इसका लाभ मिलेगा। इसके साथ ही पांच एकड़ तक जमीन के मालिक की जगह बंजर या पड़त भूमि अधिक होने पर भी आरक्षण मिलेगा, लेकिन इसके लिए कम से कम तीन साल राजस्व के रिकॉर्ड में भूमि का उल्लेख बंजर या पड़त भूमि के रूप में होना अनिवार्य होगा। आवासीय भूखंड या फ्लैट के मामले में शहरी क्षेत्र में 1200 वर्गफीट और ग्रामीण क्षेत्र में दो हजार वर्गफीट तक पात्रता रहेगी।

कैबिनेट में उठ चुका है मुद्दा : विधानसभा में विपक्ष सवर्ण आरक्षण लागू करने को लेकर जमकर हंगामा कर चुका है। आठ जुलाई से मानसून सत्र की शुरुआत होगी। भाजपा इसे मुद्दा बना सकती है। वहीं, सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी नौकरी में आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 फीसद कर चुकी है। इसके संशोधन विधेयक को भी हरी झंडी दे दी है। तमाम परिस्थितियों को देखते हुए कैबिनेट में जनसंपर्क मंत्री पीसी शर्मा सहित अन्य मंत्री सवर्ण आरक्षण जल्द लागू करने की मांग उठा चुके हैं। पिछले सप्ताह हुई कैबिनेट बैठक में अगली प्रस्तावित बैठक में इसे प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पद निर्माण नहीं होगा

सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार ने मौजूदा पदों पर नई आरक्षण व्यवस्था का प्रभाव न पड़े, इसलिए नए पद बनाने और शैक्षणिक संस्थाओं में सीट बढ़ाने का निर्णय लिया था। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सभी राज्यों को अपनी परिस्थितियां देखते हुए फैसले करने की छूट दी गई है। इसके मद्देनजर तय किया गया है कि मौजूदा पदों में ही कोटा तय कर दिया जाएगा। सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं में भी इसी तरह व्यवस्था बनाई जाएगी।

सिख रेजीमेंट के साथ जश्न...

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रविवार को सिख रेजीमेंट के साथ 100 साल के पारिवारिक संबंधों का जश्न मनाया। चंडीगढ़ स्थित सेना के पश्चिमी कमांड मुख्यालय चंडी मंदिर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में वह शामिल हुए और भांगड़ा नृत्य कर रहे जवानों का हौसला बढ़ाया। अमरिंदर सिंह जेसीओ मेस भी गए और वहां अफसरों व मेहमानों के साथ रात्रि भोज भी किया। जागरण

विकास पर जोर

अमेठी की 'दीदी' ने रायबरेली को पढ़ने में खर्च किए 40 मिनट, केंद्र से प्रदेश तक की विकास योजनाएं निर्बाध पूरी कराने पर जोर

अब कांग्रेसी गढ़ रायबरेली पहुंचीं स्मृति, अफसरों से की 'मन की बात'

रसिक द्विवेदी, रायबरेली

कांग्रेस का एक गढ़ ढहाने के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दूसरे गढ़ में आई थीं। अमेठी की 'दीदी' ने रायबरेली को पढ़ने में 40 मिनट खर्च भी किए, लेकिन बेहद संजीदा हावभाव में। वाहन से उतरीं तब और जब जाने लगीं तब भी गंभीर मुद्रा में ही नजर आईं। सभाकक्ष में भी विकास पर ही सारा फोकस रखा। इसी से संबंधित मन की बातें उन्होंने अफसरशाही से कही भी। साफ कर दिया कि क्षेत्र कोई भी हो, योजनाएं सुस्ती में न रहें। विकास पूरे रौ में दिखाई पड़े।

अमेठी में राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी रविवार को सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र में बैठक करने आई थीं। केंद्रीय मंत्री के स्वागत सत्कार में रायबरेली का प्रशासनिक अमला कतारबद्ध खड़ा रहा। वह जैसे ही कलेक्ट्रेट के बचत भवन सभाकक्ष पहुंचीं, वहां मीडिया उनसे मुखातिब होने दौड़ पड़ा, मगर स्मृति सीधे सभाकक्ष में चली गईं। संक्षेप में ही अपने विचार रखते हुए साफ कर दिया कि उनका सारा जोर विकास पर ही है, उस विकास पर जो ठप पड़ा है। वह योजनाएं जो पैसे के अभाव में दम तोड़ रही हैं। उन्होंने राजनीतिक चश्मे के बगैर जन आवश्यकताओं की पूर्ति वाले मुद्दों पर अफसरशाही को गंभीर होने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि अमेठी ने दीदी का रिश्ता कायम किया है, इस नाते किसी को भी कहीं भी उनकी मदद की आवश्यकता हो तो वे उसकी खातिर हर पल तैयार हैं।

केंद्रीय मंत्री का दौरा था, ऐसे में लोगों को उम्मीद थी कि जिले के भाजपाई वहां जुटेंगे, मगर ऐसा कुछ भी नहीं दिखा। स्थानीय भाजपा नेता गजाधर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप यादव, संतोष गुप्ता सहित अमेठी के कुछ भाजपा नेता ही मौके पर मौजूद थे। कुल मिलाकर स्मृति ईरानी का यह दौरा रायबरेली को पढ़ने जैसा ही नजर आया।

अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को अपनी पीड़ा बताती चिटफंड कंपनी के जालसाजी का शिकार हुई महिलाएं। जागरण

उप्र का पहला डिजिटल जिला होगा अमेठी

अमेठी : स्मृति ईरानी ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लेखपालों को लैपटॉप वितरित करते हुए अमेठी को प्रदेश का पहला डिजिटल जिला बनाने की बात कही। उन्होंने पांच लेखपालों को लैपटॉप दिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिला डिजिटल हो जाने से काम में कम समय लगेगा। फाइलों के गायब होने और समय से न मिलने की समस्या दूर हो जाएगी। जिले में सारे सरकारी दस्तावेज एक क्लिक पर मुहैया होंगे, जिससे विकास में तेजी आएगी और जनता को भी परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिले को डिजिटल बनाने की शुरुआत सालभर पहले मुसाफिरखाना के पिंडारा ठाकुर गांव से हो चुकी है। उन्होंने लेखपालों की डिजिटल ट्रेनिंग कराने के निर्देश देते हुए कहा कि लेखपाल, पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करें। हमारी सरकार 24 घंटे जनता की सेवा के लिए समर्पित है। स्मृति ने कलेक्ट्रेट परिसर में अन्नप्राशन व गोद भराई कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने 11 बच्चों को अन्न खिलाया और 25 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कर कहा कि अमेठी में किसी भी पारिवारिक कार्यक्रम में हिस्सा लेना गौरव का बात है। उन्होंने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई और 30 व्हील चेयर दिव्यांगों में वितरित की।

मप्र में कभी भी हो सकते हैं चुनाव, कमजोर बूथों पर करें फोकस : रामलाल

नईदुनिया, भोपाल : भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल ने पार्टी के सदस्यता अभियान की बैठक में इस बात के संकेत दिए कि मप्र में चुनाव कभी भी हो सकते हैं। ऐसे में उन्होंने कमजोर बूथों पर फोकस करने पर जोर दिया। यह बात कहते हुए उन्होंने हंसते हुए कहा कि अब इसकी ज्यादा व्याख्या नहीं करूंगा, चुनाव जब भी और जो भी हों, हमें हर बूथ पर 50 फीसद वोट मिलें यह प्रयास करना है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रविवार को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत, फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रहलाद पटेल और अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी शिवराज सिंह चौहान सहित संगठन के सभी 56 जिलों के प्रभारी और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। रामलाल ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जो लक्ष्य तय किया था, उसके फलस्वरूप देश के 224 लोकसभा क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद विपक्षी दल सो रहे हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का संगठन यह मानता है कि हमारा सर्वोत्तम आना अभी बाकी है।

1.2 से 1.3 फीसद ही देश के कुल बजट का स्वास्थ्य के हिस्से में जाता है। स्वास्थ्य खर्चे की जीडीपी में हिस्सेदारी पिछले 10 सालों से 1.5 फीसद के नीचे ही बनी हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने इसे बढ़ाकर 2.5 फीसद करने की बात कही है।

हमारी सरकार | **धर्मेंद्र प्रधान**, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री

भरोसा जीतना इन्हें आता है

प्रशांत मिश्र • नई दिल्ली

वर्ष 1984 की बात है। ओडिशा में इंजीनियरिंग के एक विद्यार्थी की हत्या के विरोध में छात्र आंदोलन खड़ा हो गया था। तालचर के एक गांव में पंद्रह सोलह साल का एक बच्चा भी इस हत्या के विरोध में बैनर लेकर आंदोलन में न सिर्फ कूद पड़ा बल्कि अपने गांव में अन्य छात्रों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहा था। बौखलाए हुए प्रशासन ने आंदोलन को दबाने के लिए इस बच्चे को जेल में डाल दिया। तीन-चार दिन बाद ही 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा था। लेकिन इस बच्चे का वह दिन भी सलाखों के पीछे बीता। आठ दिनों के बाद उसकी रिहाई हुई। वह बच्चा.. यानी आज का धर्मेंद्र प्रधान। मोदी सरकार में लगातार दूसरी बार केंद्रीय मंत्री बने धर्मेंद्र प्रधान का राजनीतिक सफर शायद उसी दिन से शुरू हो गया था और उन्हें वकील बनाने की इच्छा रखने वाले डॉक्टर और बाद में राजनेता बने पिता देबेंद्र प्रधान को भी उसी दिन अहसास हो गया था कि बेटे की राह कुछ और है।

दरअसल प्रधान की जिंदगी कुछ ऐसे नेताओं में गिनी जा सकती है जिसे खून में और घुट्टी में राजनीतिक संस्कार मिला। पहले दादा और फिर पिता का संस्कार हावी हो गया। दादा जी के वक्त तालचर ब्रिटिश सरकार के अधीन एक छोटी सी रियासत थी और प्रधान के दादाजी ने आंदोलन का झंडा उठाया था। विद्रोह की आंधी कुछ इतनी बड़ी थी कि चर्चा ब्रिटेन तक पहुंच गई थी। प्रधान के अंदर भी उसी खून का संचार हो रहा था। देश में पहली राजशाही स्टेट का विलय जो सरदार पटेल ने कराया था वह यही थी। छोटी उम्र में ही प्रधान ने कई बार यह कहानी सुनी थी और आंदोलन का महत्व समझा था।

वह महज दस ग्यारह साल के होंगे जबसे घर में कुशाभाऊ ठाकरे जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता व संघ के दूसरे नेताओं का आना जाना रहा। चर्चा देश और प्रदेश की विभिन्न समस्याओं से लेकर जवाहर लाल नेहरू के शुरूआती दर्शन तक पर होती थी। विभिन्न मुद्दों पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार की नीतियों की व्याख्या होती थी। तब प्रधान बड़े चाव से इसे सुना करते थे। भाजपा की विचारधारा की घुट्टी तभी मिल गई थी। 1983 में मैट्रिक पास कर कॉलेज पहुंचे तो कुछ दिनों बाद ही एबीवीपी का सदस्यता अभियान शुरू होना था। तत्काल उस अभियान में शामिल हो गए। दो साल बाद ग्रेजुएशन में पहुंचे तब तक राजनीतिक नेतृत्व की इच्छा हिलोरें मारने लगी थीं। पहले ही साल एबीवीपी छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए खड़े हो गए। कुछ लोगों के लिए प्रधान का यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि साधारणतया अंतिम वर्ष में जाकर ही कोई अध्यक्ष पद की सोचता था। खैर, चुनाव हुआ और प्रधान एक वोट से बाजी मार गए। दोबारा मतगणना हुई लेकिन नतीजा नहीं बदला। प्रधान का जुझारूपन और कुछ नया करने की क्षमता ने रंग दिखाना शुरू कर दिया था। वह सुबह निकलते, लोगों से मिलते, जेल में जाकर रक्षाबंधन का पर्व मनाते, समाज के लिए ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करते। समाज में एक छवि बनने लगी थी कि छात्र नेता केवल आंदोलन ही नहीं कुछ सकारात्मक भी कर सकता है।

अब तक यह तय हो चुका था कि प्रधान न तो अपने पिता की इच्छा के अनुसार वकील बनेंगे और न ही किसी रोजगार की तलाश में जाएंगे। आगे का रास्ता साफ था- जिस तरह पिता जी सक्रिय राजनीति में आए और बाद में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री बने उसी पथ पर प्रधान को भी आगे बढ़ना था। भाजपा की विचारधारा शुरुआती जीवन में ही पैठ कर गई थी, मशक्कत में कोई कमी नहीं थी लिहाजा सीढ़ियां भी मिलती गईं। करीब पंद्रह साल तक एबीवीपी के साथ जुड़े रहने के बाद 1998 में भाजपा में आए और वर्ष 2000 में विधायक बने। केंद्रीय नेतृत्व ने विधायक के रूप में उनकी परख की और 2004 में लोकसभा के लिए टिकट दे दिया। वह जीत भी गए। संगठन में उनकी विशेषता, नेतृत्व की ओर से दिए गए काम के प्रति समर्पण और जनसंपर्क में विशेष रुचि जैसे कुछ ऐसे गुण थे जिससे प्रधान आगे ही बढ़ते गए। दरअसल जनसंपर्क का महत्व उन्होंने तभी सीख लिया था जब वह कॉलेज में थे। पास के गांव अंगुल में आदित्य प्रसाद सिंह एक वरिष्ठ नेता थे। हालांकि वह विरोधी पार्टी से थे लेकिन प्रधान का लगाव था। उस बार आदित्य प्रसाद चुनाव मैदान में मात खा गए थे, लेकिन जनसंपर्क बनाना और लोगों के बीच उनका आना-जाना बरकरार था। प्रधान चकित थे आखिर अब वह क्यों दौरा कर रहे हैं। तभी उन्होंने समझाया था कि जनसंपर्क केवल हार-जीत का जरिया नहीं है बल्कि हिम्मत और साहस बांटने और बटोरने का माध्यम भी है। प्रधान ने तभी से इसे मूल मंत्र बना लिया। आज वही जनसंपर्क उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

दरअसल आज की भाजपा में प्रधान ऐसे कुछ गिने-चुने नेताओं में शुमार हैं जिसे सरकार और संगठन दोनों में अहम भूमिका मिलती है। बिहार, बंगाल, कर्नाटक, त्रिपुरा, असम, झारखंड जैसे राज्यों में नेतृत्व ने संगठन का काम दिया और अधिकतर उसे पूरा कर लौटे। केंद्र में मंत्री रहते हुए उन्हें अलग-अलग राज्यों में विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी मिली जिसे बखूबी निभाया। कहा जा सकता है कि धर्मेंद्र प्रधान एक ऐसे सैनिक हैं जो अपनी कर्तव्यपरायणता के कारण भरोसे की कसौटी पर हमेशा खरा उतरने में विश्वास रखते हैं।

न्यूज गैलरी

हैदराबाद से गुवाहाटी जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

भुवनेश्वर : मानसिक रूप से दिव्यांग एक युवक के असहज व्यवहार के कारण रविवार को हैदराबाद से गुवाहाटी जा रहे इंडिगो के एक विमान की भुवनेश्वर में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया जाता है कि मानसिक रूप से दिव्यांग ईसाद अली (20) उड़ते विमान में अपनी सीट बेल्ट खोलकर विमान के गेट पर पहुंच गया और उसे खोलने का प्रयास करने लगा। इससे विमान में सवार अन्य यात्री सहम गए। ईसाद के साथ उसके एक रिश्तेदार भी यात्रा कर रहे थे। उन्होंने क्रू मेंबर को बताया कि ईसाद घर जाने की जिद कर रहा है। ऐसी स्थिति में उक्त विमान की भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसके बाद ईसाद को एयरपोर्ट पुलिस के हवाले कर दिया गया, जहां से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस घटना के कुछ देर बाद में इंडिगो विमान अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गया। (जासं)

मुलायम सिंह यादव को मेदांता से मिली छुट्टी

गुरुग्राम : शनिवार से मेदांता अस्पताल में दाखिल उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव को रविवार को छुट्टी मिल गई। मुलायम सिंह को शनिवार शाम दोबारा मेदांता अस्पताल में दाखिल कराया गया था। इससे पहले 10 जून को उन्हें भर्ती कराया गया था। तब तीन दिन बाद छुट्टी दे दी गई थी। फिर से तबीयत बिगड़ने पर 22 जून को भर्ती कराया गया। शुगर बढ़ने की वजह से उन्हें शारीरिक परेशानी बढ़ गई थी। अस्पताल की सीनियर फिजीशियन डॉ. सुशीला कटारिया की देख-रेख में उनका इलाज किया जा रहा था। (जासं)

गुरमीत के नाम से बनी फेसबुक आइडी की जांच शुरू

रोहतक : दुष्कर्म और पत्रकार की हत्या के मामले में जेल में बंद राम रहीम के नाम की फेसबुक आइडी को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस का दावा है कि गुरमीत के नाम पर फेसबुक आइडी बनाने वालों की पहचान की जा रही है। दरअसल, कई दिन पहले राम रहीम के नाम से बनी एक फेसबुक आइडी पर गुरमीत को योग करते हुए दिखाया गया था, जबकि डेरा प्रमुख सुनारिया जेल में सजा काट रहा है। हालांकि यह वीडियो पुरानी बताई जा रही है, लेकिन मामले की पड़ताल के लिए पुलिस ने इस पर जांच शुरू कर दी है। (जासं)

जहरीला पदार्थ खाने से बिगड़ी हालत, अस्पताल में तोड़ा दम

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में कंग कॉलोनी में रह रहे उत्तर प्रदेश के जिला सुल्तानपुर के गांव डाली रंगवा निवासी रामलखन की मौत हो गई। वह पिछले 20 साल से सुंदरपुर के समीप कंग कॉलोनी में रह रहा था। रविवार को दोपहर को उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसके पुत्र राहुल ने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। (जासं)

मप्र में बैरक के दो सरिये काटकर चार कैदी फरार

लापरवाही ▸ नीमच जेल अधीक्षक और चार संतरी किए गए निलंबित

कैदियों की गिरफ्तारी के लिए डीजीपी ने घोषित किया इनाम

नईदुनिया, नीमच

बैरक के दो सरिये काटने के बाद रस्सी के सहारे दीवार फांदकर मध्य प्रदेश की जिला जेल नीमच से चार कैदी फरार हो गए। भागे कैदियों में से दो तस्करी, एक दुष्कर्म और एक हत्या व लूट के मामले में जेल में बंद थे। इन कैदियों की गिरफ्तारी पर डीजीपी विजय कुमार सिंह ने 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। मामले में जेल अधीक्षक और जेल के चार संतरियों को निलंबित किया गया है।

घटना रविवार तड़के 3.30 से चार बजे के बीच की है। शहर के करीब चार किमी दूर ग्राम कनावटी में जिला जेल है। बैरक नंबर 11 के दो सरिये कटे देखकर संतरी ने जेल अधीक्षक आरपी वसुनिया को सूचना दी। जांच में वहां लोहा काटने की आरी के चार पत्ते मिले। साथ ही चार कैदी फरार पाए गए। इन कैदियों ने जेल के पिछले हिस्से की दीवार को रस्सी की मदद से फांदा और भाग निकले। रस्सी बिजली के खंभे से बांधकर जेल के अंदर फेंकी गई थी।

ये हुए फरार : वसुनिया के अनुसार, फरार कैदियों में गणेशपुरा (उदयपुर) का नाहर सिंह (20) पिता बंशीलाल बंजारा, बिलगांव (मंडला) का दुबेलाल (19) पिता दशरथ धुर्वे, नलवई बड़ी सादड़ी का पंकज (21) पिता रामनारायण मोगिया व चंदवासा (मंदसौर) का लेखराम (29) पिता रमेश बावरी है। नाहर सिंह व पंकज मोगिया मादक पदार्थ तस्करी, दुबेलाल दुष्कर्म और लेखराम हत्या व लूट के मामलों में जेल में बंद थे। इनमें से नाहर सिंह अभी आरोपित है। बाकी तीन को सजा हो चुकी थी।

इन पर गिरी गाज : मामले में जेल के संतरी विजेंद्र धाकड़, संचित शर्मा, ईश्वर और बालमुकुंद लबाना को निलंबित कर दिया गया। जांच के बाद अधीक्षक वसुनिया को भी डीजी जेल संजय चौधरी ने सस्पेंड कर दिया। घटना के बाद से मप्र और राजस्थान की पुलिस अलर्ट मोड पर है।

2009 में भागे थे पांच कैदी : जिला जेल कनावटी पूर्व में उप जेल थी। इस दौरान 2009 में भी इस जेल से मादक पदार्थ तस्करी सहित अन्य गंभीर अपराधों में बंद पांच कैदी भागे थे। इनमें से तीन कैदियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक कैदी की मौत हो चुकी थी। एक कैदी अब तक फरार है।

चार कैदियों के फरार होने के मामले में शुरुआती जांच में जेल प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। विस्तृत जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बंदियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

-मंशाराम पटेल, डीआइजी जेल, भोपाल

जिला जेलों की स्थिति अब भी बदहाल

नईदुनिया, भोपाल : मध्य प्रदेश की जेलों से अपराधों के बंदियों की फरार होने की घटनाएं साल-दो साल से लगातार हो रही हैं। भोपाल सेंट्रल जेल से सिमी आतंकियों के फरार होने और एनकाउंटर में मारे जाने की घटना के बाद प्रदेश की सेंट्रल जेलों में सीसीटीवी, इलेक्ट्रिक फेंसिंग, अंडा सेल जैसे सुरक्षा इंतजाम किए गए, लेकिन जिला जेलें अभी भी बदहाल हैं। नीमच जिला जेल से दस साल में दूसरी बार गंभीर किस्म के अपराधी जेल तोड़कर भागे हैं। यहां सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। 2009 में भी नीमच जिला जेल से गंभीर अपराधों में बंद पांच सजायाफ्ता कैदी जेल तोड़कर भाग गए थे। तब तत्कालिक जेल अधीक्षक शशिभूषण शरण को निलंबित कर दिया गया था। दस साल बाद रविवार को सुबह फिर वैसी ही घटना हुई। सूत्र बताते हैं कि नारकोटिक्स एक्ट जैसे अपराध में बंदी इस जेल में पहुंचते हैं।

मप्र में जेल ब्रेक की सबसे गंभीर घटना भोपाल सेंट्रल जेल में 30-31 अक्टूबर 2016 की दरमियानी रात हुई थी। इसमें सिमी आतंकियों ने एक जेल कर्मचारी रमाशंकर यादव की हत्या की थी। बाद में आठों फरार बंदी पुलिस एनकाउंटर मारे गए थे।

कुवैत से छुड़ाने के लिए महिला ने पीएम को दिया धन्यवाद

हैदराबाद, एएनआइ: बड़ी नौकरी का सपना लेकर कुवैत गई हैदराबाद की एक महिला को वहां जमकर यातनाएं झेलनी पड़ीं। कई-कई दिनों तक भूखा रखने के साथ ही उसे पहनने के लिए कपड़े भी नहीं दिए जाते थे। भारतीय दूतावास के प्रयास से वहां से छुड़ाकर लाए जाने पर पीड़िता ने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। महिला 25 जनवरी को कुवैत गई थी और 16 जून को भारत लौटी।

पीड़िता रेहाना बेगम ने बताया, 'मैं भारतीय दूतावास और मोदी सरकार को उस नर्क से छुड़ाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। यहां कई एजेंट हैं जो लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। हमें उनकी बताई किसी चीज पर विश्वास नहीं करना चाहिए।' महिला ने बताया, 'एक एजेंट ने उससे संपर्क किया और कुवैत स्थित एक सैलून में ब्यूटीशियन की नौकरी दिलाने की पेशकश की। एजेंट ने बताया था कि सैलून वाले उसे प्रति महीने 30,000 रुपये देंगे। हालांकि, जब मैं वहां गई तो उन्होंने मुझे बतौर नौकरानी रखा।' महिला ने कहा कि सैलून वाले न केवल उसे पीटते थे, बल्कि उसे जलाते भी थे। यहां तक कि उसे नियमित खाना और कपड़े भी नहीं देते थे। काफी दिनों तक यातनाएं झेलने के बाद महिला ने किसी तरह अपनी बेटी से संपर्क किया और अपनी स्थिति के बारे में बताया। इसके बाद उसकी बेटी ने भारतीय दूतावास से संपर्क किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता के घर बमबाजी और फायरिंग

जागरण संवाददाता, वीरभूम

▸ दलाली की रकम वापस देने की मांग को लेकर प्रदर्शन रोकने के लिए दिया गया घटना को अंजाम

पहले सियासी रंजिश तो अब सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए खाई गई दलाली के खिलाफ भाजपा के सक्रिय होते ही एक बार फिर पश्चिम बंगाल के वीरभूम में नानूर का माहौल गर्म हो उठा। गरीबों के रुपये वापस दिए जाने की मांग को लेकर पंचायत में प्रदर्शन से पहले ही भाजपा नेता के घर को निशाना बनाकर बमबाजी और फायरिंग की गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भाजपा ने तृणमूल पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ लोगों की नाराजगी का सामना करने के बाद हाल ही में तृणमूल सुप्रीमो एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किसी भी कार्य के लिए दलाली लिए जाने को लेकर सख्त नाराजगी जताई थी। इसके बाद ही विरोधियों ने सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ जुबानी हमले तेज कर दिए थे।

सूत्रों के अनुसार भाजपा ने आम लोगों को साथ लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए खाई गई दलाली की रकम को वापस किए जाने की मांग को लेकर नानूर के पांचसोया ग्राम पंचायत में रविवार को प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। लेकिन इससे पहले ही उक्त ग्राम पंचायत के मध्यक्षेत्र गांव का माहौल बिगड़ गया। आरोप है कि भाजपा के विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए तृणमूल आश्रित बदमाशों ने भाजपा नेता के घर को निशाना बनाकर बमबाजी और फायरिंग की।

'जय श्रीराम' बोलने पर भाजपाइयों की पिटाई, थाना घेरा

जागरण संवाददाता, कोलकाता : दक्षिण 24 परगना जिले के नरेंद्रपुर थाना क्षेत्र में 'जय श्रीराम' बोलने पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। घटना के प्रतिवाद में रविवार को बड़ी संख्या में भाजपाइयों ने नरेंद्रपुर थाने का घेराव किया। आरोपितों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि इलाके में रहने वाले भाजपा समर्थकों को तृणमूल कार्यकर्ताओं द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। बेवजह उन पर हमले हो रहे हैं।

भाटपाड़ा में धारा 144 के बीच तनाव बरकरार

जागरण संवाददाता, बैरकपुर : लोस चुनाव के पहले से ही अशांत बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के भाटपाड़ा में रविवार को कोई नई घटना तो नहीं हुई, लेकिन धारा 144 के बीच माहौल में तनाव बरकरार रहा। दुकान-बाजार बंद रहे और छुट्टी के दिन लोगों ने घर में ही रहना मुनासिब समझा। पुलिस की ओर से हालात सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। मौजूदा हालात पर बैरकपुर से भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने कहा कि बंगाल की जनता अब लड़ाई के मूड में है। सूबे से जल्द ही ममता बनर्जी की विदाई होगी।

'आयुष्मान' ने खुशियों से भरी जरीना की गोद

त्रिपुरेश अवस्थी, कानपुर

▸ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत ने दी जिंदगी

▸ प्राइवेट अस्पताल में बताया जा रहा था 45 हजार रुपये का खर्च

जरीना भले ही अब अपने मासूम लाडले को सीने से लगाकर उज्ज्वल भविष्य के सपने बुनने में जुटी है, लेकिन करीब सवा साल पहले हालात ठीक उलट थे। दुश्वारियों से जूझती जरीना बीते दिनों को याद कर सिहर उठती है। फिर अचानक चेहरा चमक उठता है। ऐसा हो भी तो क्यों नही? आयुष्मान योजना ने उनकी गोद खुशियों से भर दी।

कानपुर देहात स्थित अकबरपुर क्षेत्र के बिगाही गांव निवासी जरीना को जब गर्भवती होने का पता चला तो घर में खुशी की लहर दौड़ गई। गरीबी से जूझते परिवार ने उसकी देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन अचानक परिवार की खुशियों पर पानी फिर गया। डॉक्टरों ने जरीना को हाईरिस्क मदर एनीमिया का खतरा बताया। अंदरूनी समस्या बढ़ने से जरीना की गोद पुष्पित नहीं हो पा रही थी।

मजदूरी करने वाले पति तौकीर अली ने उसे कानपुर नगर के बड़े प्राइवेट अस्पताल में दिखाया। यहां 45 हजार रुपये खर्च बता दिया गया। ऐसे में परिवार को सिर्फ मायूसी मिली। तभी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत के पत्र ने परिवार को रास्ता दिखाया। पति ने जिला अस्पताल महिला अकबरपुर पहुंचकर आरोग्य मित्र से संपर्क किया और गोल्डन कार्ड बनवाकर पत्नी को भर्ती कराया। यहां सिर्फ नौ हजार रुपये के पैकेज में सामान्य प्रसव कराया गया।

कानपुर देहात स्थित अकबरपुर क्षेत्र के बिगाही गांव की जरीना। जागरण

चिकित्सक डॉ. प्रीती भगुंडे ने हाईरिस्क एनीमिया को देखते हुए रक्त भी चढ़ाया। उनकी सलाह पर जरीना ने एक माह तक प्रति सप्ताह अस्पताल में जांच कराते हुए दवाएं लीं। अब जरीना पूरी तरह स्वस्थ है।

1920 मरीज जिले के बाहर जाकर करा चुके इलाज : जिले में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 97,282 तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना के 3893 पात्र हैं। इनमे 1920 मरीज देशभर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा चुके हैं। आयुष्मान के जिला प्रोग्राम कोआर्डिनेटर डॉ. शिवम गुप्ता ने बताया कि जिले के 1920 मरीजों ने प्रदेश व आयुष्मान योजना वाले राज्यों में संबद्ध अस्पतालों में इलाज कराया है। 1787 मरीजों के इलाज में खर्च 98 लाख 60 हजार 347 रुपये क्लेम भी दिया जा चुका है।

आंकड़ों के आईने में योजना

पात्र परिवार	97,282
संबद्ध अस्पताल	14
पंजीकृत मरीज	874
लाभान्वित मरीज	794
क्लेम आया	18,92,500 रुपये
गोल्डन कार्ड	57,654

नौकाओं के सहारे ट्रैक्टर...

बिहार में गंगा और कोसी समेत कई नदियों पर हाल के वर्षों में सेतु और महासेतु के निर्माण ने आवागमन को सुगम बनाया है। हालांकि विकास की इस बुलंदी के बीच कोसी क्षेत्र की यह तस्वीर दूसरी कहानी बयां कर रही है। सहरसा जिले में कोसी नदी की उपधारा में आगरदह घाट से खगड़िया जाने के लिए कोई पुल नहीं है। ऐसे में न केवल लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं, बल्कि यहां बाइक से लेकर ट्रैक्टर तक को कुछ इस तरह नौकाओं के सहारे पार कराया जाता है। मक्के के सीजन में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर इस पार से उस पार जाते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस स्थान पर पुल का निर्माण हो जाए तो सहरसा, खगड़िया और समस्तीपुर तक आने-जाने में बेहद आसानी हो जाएगी। गौरतलब है कि यह केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के गृह जिले खगड़िया में पड़ता है। नजारूल हक

प्रतिभा

जमशेदपुर के किसान के बेटे कामदेव पान ने डिजाइन किया मल्टी वॉट एलईडी बल्ब, स्विच ऑन-ऑफ करने पर होता है पावर में बदलाव

एक एलईडी बल्ब से तीन, नौ और 12 वॉट की रोशनी

दिलीप कुमार, जमशेदपुर

हर व्यक्ति के अंदर असीम प्रतिभा छिपी होती है। जो व्यक्ति नया और अलग करने का जोखिम उठाता है, उसे निश्चित रूप से सफलता मिलती है। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड स्थित सुदूर गांव बासुड़दा के रहने वाले 24 साल के कामदेव पान ऐसे ही एक व्यक्ति हैं, जो अपने हुनर से नाम रोशन कर रहे हैं। किसान के पुत्र कामदेव पान ने मल्टी वॉट एलईडी बल्ब डिजाइन किया है, जो आवश्यकता के अनुसार तीन अलग-अलग पावर की रोशनी देता है। कामदेव के बनाए मल्टी वॉट बल्ब स्विच ऑन-ऑफ करने पर तीन, नौ और 12 पावर वॉट की रोशनी देता है। इसके साथ ही कामदेव ने कम कीमत वाला इंवर्टर बल्ब भी बनाया है, जिसे टॉर्च की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कामदेव को अपने इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी मदद का इंतजार है। उन्होंने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अमित कुमार से इस संबंध में मुलाकात की है।

मल्टी वॉट एलईडी बल्ब दिखाते कामदेव पान।

ऐसे काम करता है बल्ब

एक ही एलईडी बल्ब से तीन अलग-अलग वॉट की रोशनी के लिए तीन आइसी (इंटीग्रेटेड सर्किट) का इस्तेमाल किया गया है। जिस प्रकार पंखे का रेगुलेटर काम करता है उसी प्रकार बल्ब में रेगुलेटर की जगह स्विच काम करता है। स्विच ऑन-ऑफ करने पर बल्ब अलग-अलग वॉट की रोशनी देता है।

बाजार में बढ़ने लगी मांग

कामदेव के बनाए बल्ब की मांग बाजार में बढ़ने लगी है। उन्होंने तीन अलग-अलग वॉट की रोशनी देने वाले मल्टी वॉट बल्ब की कीमत 200 रुपये और इंवर्टर बल्ब की कीमत भी 200 रुपये रखी है। कामदेव फिलहाल जमशेदपुर के साकची में अपनी पत्नी और बेटा के साथ रहते हैं। पांच भाइयों में सबसे छोटे कामदेव के पिता विश्वनाथ पान गांव में खेती करते हैं।

बेचते थे इमरजेंसी लाइट

गांव के साधारण किसान परिवार से निकलकर कामदेव ने सुविधाओं एवं संसाधनों के नितांत अभाव में जीते हुए भी अपना लक्ष्य ऊंचा बनाए रखा और उसी के अनुरूप आगे बढ़े। पढ़ाई जारी रखने के साथ परिवार चलाने के लिए कामदेव साकची बाजार में इमरजेंसी लाइट बेचते थे। उसी समय बाजार में एलईडी लाइट आई थी। कामदेव ने फ्यूज एलईडी बनाने का काम शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कम कीमत पर नया एलईडी बनाने की सोची और इस दिशा में काम शुरू कर दिया। बाजार में लोगों को अलग-अलग कमरों के लिए अलग-अलग वॉट के बल्ब खरीदते देखते थे। सोचा कि एक ही बल्ब पर आवश्यकता के अनुसार रोशनी मिले तो लोगों को अलग-अलग बल्ब नहीं खरीदना होगा। इसी सोच को उन्होंने हकीकत में बदल दिया।

एसिड अटैक पीड़िता को आठ लाख का मुआवजा

जागरण संवाददाता, शिमला

हिमाचल प्रदेश में ऐतिहासिक निर्णय में आपराधिक क्षति मुआवजा बोर्ड ने एसिड अटैक पीड़िता को आठ लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। राज्य के इतिहास में पहली बार किसी पीड़ित को इतनी राशि प्रदान करने का फैसला हुआ है। शिमला जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव भारद्वाज की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय बोर्ड ने कहा कि ऐसी घटना ने न केवल पीड़िता के चेहरे पर प्रभाव डाला, अपितु उसे मानसिक आघात पहुंचाने के साथ उसके भविष्य में शादी और रोजगार जैसी संभावनाओं पर भी प्रतिकूल असर डाला है।

बोर्ड ने कहा कि चेहरे की बनावट का विघटन व्यक्तिगत पहचान और पहुंच को काफी प्रभावित करता है। कॉस्मेटिक सर्जरी से कुछ हद तक चोटों को ठीक किया जा सकता है। यह उपचार व्यवस्था न केवल जटिल और तनावपूर्ण है बल्कि खर्चीली और पीड़ादायक भी है। इस मामले को असाधारण रूप में लेते हुए बोर्ड ने प्रदेश सरकार को पीड़िता की प्लास्टिक सर्जरी जैसे खर्चे को वहन करने के लिए आठ लाख रुपये का मुआवजा देने के आदेश जारी किए। बोर्ड ने मुआवजा योजना के अनुसार यह मुआवजा दिया है। बोर्ड के अन्य सदस्यों में जिला मैजिस्ट्रेट शिमला, एसपी शिमला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी शिमला शामिल थे। इस कार्रवाई के दौरान पीड़िता ने बताया कि पूरी घटना और आघात से निपटने के लिए उसे प्लास्टिक सर्जरी जैसे उपाय करने होंगे, जिस पर उसे लाखों रुपये की जरूरत है।

क्या है मामला : 12 जुलाई 2004 को आरोपित विजय कुमार ने बिशप कॉटन स्कूल शिमला के पास बने बस स्टॉप के पास पीड़िता पर कॉलेज जाते समय तेजाब फेंक दिया था। इससे लड़की के चेहरे, बाजू और हाथ पर गंभीर रूप से जलने के निशान पड़ गए। उसे तुरंत इलाज के लिए आइजीएमसी ले जाया गया।

10 लाख रजिस्टर्ड एलोपैथिक डॉक्टर थे 2017 के अंत में काउंसिल ऑफ इंडिया के मुताबिक। इसमें से लगभग आठ लाख ही सक्रिय हैं। यानी लगभग 1300 लोगों पर एक ही डॉक्टर है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 जून 2019

मनोज तिवारी और पीएम को मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : उत्तरी पूर्वी दिल्ली के सांसद और दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी को जान से मारने की धमकी दी गई। एक शख्स ने मनोज तिवारी के मोबाइल पर इस संबंध में मेसेज भेजा था। इसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी हत्या की बात लिखी थी। पुलिस ने आरोपित 25 वर्षीय युवक विश्वजीत उर्फ गुड्डू को महिपालपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। वह मूल रूप से बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला है और लोगों का ध्यान खींचने के मकसद से मैसेज भेजा था।

दिल्ली भाजपा मीडिया सेल से जुड़े लोगों के मुताबिक धमकी भरा मैसेज मनोज तिवारी के पर्सनल मोबाइल फोन पर शुक्रवार दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर भेजा गया था, लेकिन सांसद ने इसे शनिवार शाम देखा, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी। मनोज तिवारी ने बताया कि उन्होंने उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त से शिकायत की थी। मैसेज में प्रधानमंत्री का नाम जुड़ा होने के कारण स्थानीय पुलिस के अलावा स्पेशल सेल की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी। इसी बीच उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने सर्विलांस के माध्यम से महिपालपुर इलाके से मैसेज भेजने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त अतुल ठाकुर ने बताया कि आरोपित विश्वजीत उर्फ गुड्डू काम की तलाश में दिल्ली आया है। उसने इंटरनेट से मनोज तिवारी का मोबाइल नंबर प्राप्त किया था। इससे पहले शनिवार को भी भाजपा मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

कश्मीर में मुठभेड़, चार आतंकी ढेर

आतंक पर अंकुश ▶ पांच घंटे चली मुठभेड़ ,अंसार-उल-गजवात-ए-हिंद के थे सभी आतंकी

मारे गए आतंकियों में सात लाख रुपये का इनामी शौकत भी शामिल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सुरक्षाबल कश्मीर में आतंकवादियों पर कहर बनकर टूट पड़े हैं। रविवार को दक्षिण कश्मीर के कीगाम शोपियां में सुरक्षाबलों ने अंसार-उल-गजवात-ए-हिंद (एजीएच) के चार आतंकियों को मार गिराया।

इनमें सात लाख का इनामी शौकत और दो दिन पहले ही एजीएच का हिस्सा बने सुहेल और रफी हसन मीर भी शामिल हैं। आतंकियों की मौत के बाद कई क्षेत्रों में हिंसा भड़क उठी। प्रशासन ने हालात को देखते हुए शोपियां और पुलवामा में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी है।

रविवार तड़के सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त दल को खबर मिली कि पंजार इलाके में आतंकियों का दल देखा गया है। इस पर सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। ऐसे में कीगाम में डारमडोरा की तरफ जाने वाले मार्ग पर बाग के पास छिपे आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद करीब पांच बजे शुरू हुई मुठभेड़ दस बजे चारों आतंकियों के मारे जाने के साथ समाप्त हो गई। सुरक्षाबलों को मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद मिला है।

मारे गए आतंकियों की पहचान दो दिन पहले आतंकी बने बटमुरन शोपियां के सुहेल यूसुफ, करालचेक के रफी हसन मीर डेढ़ माह पहले आतंकी बने आजाद अहमद खांडे निवासी बामनू और सात लाख के इनामी शौकत अहमद मीर उर्फ अरशद के रूप में हुई है। 2015 से सक्रिय शौकत अहमद मीर चंदपोरा पुलवामा का रहने वाला था। पहले वह हिजबुल मुजाहिदीन में सक्रिय था। कुछ समय पहले ही वह हिजबुल मुजाहिदीन से नाता तोड़ एजीएच का हिस्सा बना था। पिछले कई दिनों से वह सुरक्षाबलों के निशाने पर था।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में रविवार को अभियान के दौरान सेना के जवान। एएनआइ

शौकत कई वारदात में था वांछित

राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने शोपियां मुठभेड़ में शौकत, सुहेल, रफी और आजाद के मारे जाने की पुष्टि की। शौकत अहमद के खिलाफ पुलवामा, शोपियां, अवंतीपोर समेत दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में एक दर्जन से ज्यादा आतंकी हिंसा के मामले दर्ज हैं। उस पर एक दर्जन नागरिक हत्याओं में शामिल होने के अलावा पंच-सरपंचों, राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं से मारपीट और उन्हें धमकाने के मामले हैं। वह शेखहरड़, राजपोरा में पुलिस चौकी पर हमला करने, राजपोरा में सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला करने की वारदात में भी शामिल रहा है। उसी ने ही सुहेल, यूसुफ और आजाद को एजीएच में भर्ती किया था।

इस साल अब तक मारे गए कितने आतंकी

महीना	मारे गए आतंकियों की संख्या
जनवरी	20
फरवरी	21
मार्च	19
अप्रैल	11
मई	30
जून	20
कुल	121 (23 जून तक)

आतंकी आइएस की विचारधारा से प्रभावित थे

राज्य पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने शोपियां मुठभेड़ में मारे गए आतंकी आइएस की विचारधारा से प्रभावित थे। सभी स्थानीय ही थे। अभियान में सुरक्षाबलों को किसी प्रकार का नुक्सान नहीं पहुंचा है।

हादसे को भांप ऑटोमेटिक ब्रेक लगा देगी कार

ऑब्सटेक्ल अवोइडिंग एंड एल्कोहल डिटेक्टिंग के साथ विद्यार्थी। जागरण

संदीप बिश्नोई, हिसार

कार हाईवे पर दौड़ रही है। धुंध या बारिश अधिक होने के कारण दूर तक नहीं देख पा रहे हैं तो कार में लगा सेंसर आपको खुद ही बता देगा कि निर्धारित दूरी पर कोई बाधा है। जैसे आदमी, पेड़, पशु या कुछ और। इतना ही नहीं, बाधा के पहले ही निर्धारित दूरी पर कार में स्वतः ब्रेक लग जाएंगे। इस सेंसर को भारी वाहनों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

हिसार के गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के बीटेक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने इस सेंसर को तैयार किया है। इसकी विशेषता यह भी है कि अगर कोई व्यक्ति निर्धारित मात्रा से अधिक शराब पीकर कार चलाएगा, तो कार स्टार्ट नहीं होगी। इस सेंसर को मूर्तरूप देने वाले विद्यार्थियों ने बताया कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों ने उन्हें हिला दिया। कारणों की खोज की तो सामने आया कि धुंध, बारिश और शराब पीकर कार चलाना हादसे के मुख्य कारण हैं।

कार के आगे लगाया अल्ट्रासोनिक सेंसर : विद्यार्थियों ने बताया कि कार के आगे एक अल्ट्रासोनिक सेंसर लगाया जाता है, जो प्रोग्रामिंग करके निर्धारित की गई रेंज में गाड़ी के सामने आने वाली बाधाओं को डिटेक्ट करेगा। इसके बाद यह आर्डिन्हो के माध्यम से फोन या कार में लगी स्क्रीन पर सूचना भेजकर बताएगा कि कितनी दूरी पर बाधा (वाहन, आदमी, पेड़, पशु आदि) है। यही नहीं, आर्डिन्हो में की गई प्रोग्रामिंग के माध्यम से गाड़ी बाधा से निर्धारित दूरी पर जाकर अपने आप ब्रेक लगा देगी। इस निर्धारित दूरी को घटाया-बढ़ाया जा सकता है।

हवा से ही पता लगा लेगा एल्कोहल का लेवल : विद्यार्थियों अनीष, अंशुल और अतुल द्वारा गाइड डा. विनोद कुमार और प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर डा. विजयपाल के निर्देशन में बनाया है। उन्होंने बताया कि ड्राइवर की सीट के पास एक एल्कोहल सेंसर लगाया गया है, जो हवा से एल्कोहल का लेवल डिटेक्ट करेगा।

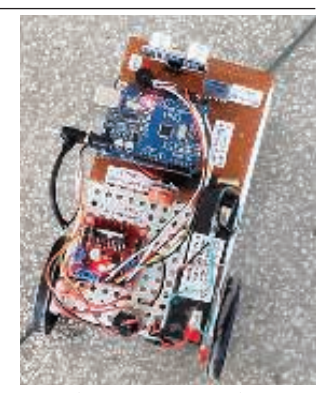

विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया ऑब्सटेक्ल अवोइडिंग एंड एल्कोहल डिटेक्टिंग सिस्टम। जागरण

क्या है आर्डिन्हो

आर्डिन्हो एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां अलग-अलग तरह की प्रोग्रामिंग की जाती है। पूरा सिस्टम इसी से कनेक्ट होता है। इसे प्रोजेक्ट का ब्रेन माना जा सकता है। जो सभी तरह की चीजें कंट्रोल कर सकता है।

हमारे विद्यार्थी इनोवेटिव आइडिया को मूर्त रूप दे रहे हैं, यह अच्छी बात है। इसके लिए विद्यार्थी और युवा टीचर बधाई के पात्र हैं। इस प्रोजेक्ट को स्टार्ट अप तक ले जाने के लिए विद्यार्थियों को जगह, पैसे और संसाधनों की जरूरत होगी तो वो उन्हें उपलब्ध करवाया जाएगा। हमने अपना इनोवेशन सेंटर भी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग में ही स्थापित किया था और विद्यार्थियों से इनोवेटिव आइडिया लिए थे। इसका असर अब दिखने लगा है। विद्यार्थी भी प्रोत्साहित हो रहे हैं और टीचर भी उनके इनोवेटिव आइडियाज को सिरे चढ़ाने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी को और धार देगा मोदी सरकार का नया विधेयक

नई दिल्ली, एएनआइ/प्रेट्र

- आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंजूर हो सकते दो कानूनों में संशोधन
- एनआरआइ को प्रॉक्सी वोटिंग का अधिकार देने पर भी होगा विचार

कैबिनेट और आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक सोमवार को संसद भवन की नई इमारत में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को और ताकतवर बनाने के लिए नया संशोधन अधिनियम मंजूर किया जा सकता है। इसके लिए सरकार दो कानूनों में संशोधन की तैयारी कर रही है। ताकि भारतीयों और विदेश में भारतीयों के हितों के खिलाफ आतंकी कानूनों के तहत जांच की मंजूरी मिल सके।

सूत्रों के अनुसार इसके लिए केंद्रीय कैबिनेट सोमवार को एनआइए एक्ट और गैर कानूनी गतिविधियों (बचाव) अधिनियम में संशोधन को पेश करेगी। इसके बाद बिल चालू मानसून सत्र में इसी हफ्ते पेश कर दिया जाएगा। इस संशोधन से एनआइए को साइबर अपराधों और मानव तस्करी से जुड़े मामलों की जांच की भी अनुमति मिल जाएगी।

यूएपीए के अनुच्छेद-4 में संशोधन से एनआइए को उन संदिग्ध आतंकियों के खिलाफ भी सीधी कार्रवाई करने का अधिकार मिल जाएगा जो आतंकी गतिविधियों में लिप्त हो सकते हैं। फिलहाल एनआइए केवल घोषित आतंकी संगठनों के खिलाफ ही जांच कर सकता है। उल्लेखनीय है कि मुंबई के आतंकी हमले में 166 लोगों के मारे जाने के बाद वर्ष 2009 में एनआइए का गठन किया गया था।

केंद्रीय कैबिनेट एनआरआइ की प्रॉक्सी वोटिंग के लिए संसद में नए सिरे से एक बिल पेश करने पर भी विचार करेगी। ऐसा ही एक बिल पिछले महीने 16वीं लोकसभा के भंग होने के साथ खत्म हो चुका है। सूत्रों के अनुसार कैबिनेट बैठक में प्रस्तावित इस ताजा बिल पर विचार किया जाएगा। इससे भारत में मतदान का हक रखने वाले विदेश में रहे रहे भारतीय के लिए प्रॉक्सी वोटर को नियुक्त किया जाएगा। वह विदेश में रह रहे भारतीय की ओर से संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में मतदान करेगा। फिलहाल विदेश में बसे भारतीय अपने संसदीय क्षेत्रों में जहां वह पंजीकृत हैं खुद आकर मतदान कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार पूरे विश्व में 3.10 करोड़ एनआरआइ रहते हैं।

चुनाव आयोग की विशेषज्ञ समिति ने 2015 में ही इसका खाका कानून मंत्रालय को संशोधन के लिए भेजा था। अनाधिकृत आंकड़ों के मुताबिक केवल दस हजार से 12,000 एनआरआइ ही भारत आकर मतदान कर पाते हैं। कैबिनेट बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, रसायन व उर्वरक मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर समेत चार अन्य मंत्री भी शामिल होंगे।

समर्पण करना चाहता है आइएमए ज्वेल्स का भगोड़ा मालिक खान

- वीडियो संदेश में अपनी बरबादी के लिए कांग्रेस नेता रहमान खान समेत कई को बताया जिम्मेदार, अपने परिवार की जान को बताया खतरा

बेंगलुरु, एएनआइ/प्रेट्र : धर्म के नाम पर झांसा देकर अरबों रुपये जमाकर फरार हुए आइ मोनेटरी एडवाइजरी (आइएमए) ज्वेल्स के मालिक मुहम्मद मंसूर खान ने भारत लौटने और पुलिस या अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने की पेशकश की है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त को संबोधित यूट्यूब पर जारी वीडियो संदेश में मंसूर खान ने अपने और अपने परिवार की जान को भी खतरा बताया है।

मंसूर खान ने अपनी कंपनी की संपत्तियों को बेचकर लोगों के पैसे लौटाने का वादा भी किया है। साथ ही कर्नाटक सरकार द्वारा गठित 11 सदस्यीय स्पेशल जांच टीम (एसआइटी) को जांच में पूरा सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया है।

मंसूर खान ने वीडियो संदेश में कहा है, 'आलोक कुमार सर (बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त), कृपया इसके बारे में विस्तृत जानकारी भेजिए कि वापस लौटने के लिए मैं किससे संपर्क करूं। मैं आपकी टीम के सामने सच्चाई रखने के लिए भारत लौटना चाहता हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप मेरे साथ न्याय करेंगे।'

मंसूर खान ने पूर्व राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस नेता के रहमान खान, जदएस विधायक श्रवण, आतंकी मुख्तियार अहमद टाडा और अपनी कंपनी के कुछ कर्मचारियों को अपनी बरबादी के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उसने अपने चचेरे भाइयों वसीम, खालिद अहमद और फहाद अहमद, अपनी कंपनी के निदेशक निजामुद्दीन पर अपनी दुकान से गहने चुराने का आरोप लगाया है। खान ने कहा कि कंपनी के उसके सहयोगियों और कुछ नेताओं ने उसे धोखा दिया। इसकी वजह से उसे जल्दबाजी में देश छोड़ना पड़ा। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि खान देश छोड़कर भाग गया था।

वीडियो संदेश में खान ने कहा है कि उसने 14 और 19 जून को देश लौटने की कोशिश की थी। लेकिन उसे यह कहकर विमान से उतार दिया गया कि वह अपने देश नहीं लौट सकता। लेकिन खान ने यह नहीं बताया कि वह किस देश में है। उसने इस मामले की सीबीआइ से जांच कराने की मांग भी की है।

उप्र के रामपुर में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या, कंकाल बरामद

जागरण संवाददाता, रामपुर

डेढ़ माह पहले छह साल की बच्ची को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पहचान मिटाने के लिए शव पर तेजाब डालकर उसे जला डाला। शनिवार को बच्ची का कंकाल एक खंडहर से बरामद होने पर परिजनों के शक के आधार पर पुलिस ने आरोपित की खोजबीन शुरू कर दी। देर रात आरोपित की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मेरठ में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। आरोपित ने अपना जुर्म कुबूल कर लिया है।

उप्र के रामपुर के सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र की कांशीराम कालोनी पहाड़ी गेट निवासी एक व्यक्ति की छह साल की बेटी सात मई को घर के बाहर खेलते समय गायब हो गई थी। परिजनों ने सिविल लाइंस कोतवाली में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी।

शनिवार रात शव मिलने पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने सिविल लाइंस पुलिस को तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके लिए क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया था। शनिवार देर रात पता लगा कि कांशीराम कालोनी पहाड़ी गेट निवासी नाजिल ने इस घटना को अंजाम दिया था। वह आश्रम पद्धति स्कूल के पास मजार के सामने खड़ा है। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो उसने फायरिंग कर दी। मुठभेड़ के बाद आरोपित को पकड़ लिया गया। उसके पास से तमंचा मिला।

अलीगढ़ में 10 रुपये का लालच देकर मासूम से दुष्कर्म

जासं, अलीगढ़ : पड़ोसी युवक ने बुधवार को छत पर खेल रही चार साल की बच्ची को 10 रुपये का लालच देकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर रविवार को आरोपित को जेल भेज दिया। अलीगढ़ के क्वार्सी क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाले व्यक्ति की चार साल की बेटी अन्य बच्चों के साथ बुधवार रात छत पर खेल रही थी। तभी पड़ोस में ही रहने वाले फय्यूम हसन (25) ने 10 रुपये का लालच देकर अपने पास बुलाया फिर उसे हवस का शिकार बनाया।

चेतावनी : डेरा प्रेमियों के केस रद होने पर ही अंतिम संस्कार

जागरण संवाददाता, कोटकपूरा (फरीदकोट)

नाभा जेल हत्याकांड

- 45 सदस्यीय समिति आरोपितों पर जल्द कार्रवाई की मांग पर अड़ी
- कोटकपूरा के नामचर्चा घर में रखा डेरा प्रेमी महिंदर पाल का शव

नाभा जेल में शनिवार को बरगाड़ी बेअदबी मामले के मुख्य आरोपित डेरा प्रेमी महिंदर पाल बिट्टू की हत्या से डेरा प्रेमी भड़क गए हैं। सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा की 45 सदस्यीय समिति ने एलान किया है कि जब तक डेरा प्रेमियों पर दर्ज बेअदबी के मामले रद नहीं किए जाते और हत्यारों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। वहीं, जेल मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि डेरा प्रेमियों पर दर्ज केस रद करने की मांग का जवाब एसआइटी या पुलिस ही दे सकती है। वह इस पर कुछ नहीं कह सकते।

शनिवार देर रात नाभा में पोस्टमार्टम के बाद बिट्टू का शव रविवार सुबह करीब सात बजे कोटकपूरा स्थित डेरा के नामचर्चा घर लाया गया। दोपहर तीन बजे समिति ने अंतिम संस्कार न करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि दो कैदियों पर कार्रवाई और डेरा प्रेमियों पर दर्ज बेअदबी के सभी केस रद करने की सूरत में ही वे अंतिम संस्कार करेंगे।

मालवा में तनाव, सुरक्षा कड़ी: बिट्टू की हत्या के बाद राज्य के मालवा क्षेत्र में तनाव है। इसे देखते हुए शनिवार देर रात ही शव का पोस्टमार्टम करा दिया था। शव के कोटकपूरा स्थित नामचर्चा घर में पहुंचते ही बड़ी संख्या में डेरा प्रेमी पहुंच गए। डेरों के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बड़ी संख्या में पुलिस व पारा मिलिट्री फोर्स तैनात की गई है।

बेटे ने कहा- कत्ल के पीछे बड़ी साजिश की आशंका : मृतक महिंदर पाल बिट्टू के बेटे अरमिंदर मनचंदा ने पिता की हत्या के पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताई है। अरमिंदर के मुताबिक शनिवार दोपहर को ही मैंने परिवार सहित पिता से नाभा जेल में मुलाकात की थी।

कोटकपूरा लौटते ही हत्या की सूचना मिली। फरवरी में जब पिता फरीदकोट जेल में बंद थे तो उनकी जान को खतरे की आशंका के चलते उन्हें नाभा जेल शिफ्ट किया था। शनिवार की मुलाकात के दौरान पिता ने कहा था कि जेल में कुछ कैदी उन्हें घूरते हैं। इस पर उन्होंने जेल सुपरिंटेंडेंट से बात करने का सुझाव दिया था।

मनिंदर कहता था- गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी बर्दाश्त नहीं करूंगा : फतेहगढ़ साहिबः महिंदर पाल बिट्टू की हत्या के एक आरोपित मनिंदर सिंह के घर पर भी पुलिस तैनात कर दी गई है। आरोपित की माता गुलजार कौर का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि ये सब कैसे और क्यों हुआ।

मनिंदर कहता था कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी सहन नहीं की जाएगी। इस बीच शिरोमणि अकाली दल अमृतसर मान समेत कुछ अन्य सिख संगठनों ने मनिंदर सिंह की माता और पिता को सिरोपा डालकर सम्मानित भी किया।

सिर पर चोट से ही हुई थी मौत, दोनों आरोपित रिमांड पर

बिट्टू की हत्या के आरोपित फतेहगढ़ साहिब के गांव भगड़ाना के मनिंदर सिंह और मोहाली के गांव झियूरहेड़ी के गुरसेवक सिंह पर सदर थाना नाभा में हत्या का केस दर्ज किया गया है। दोनों को अदालत ने चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार महिंदरपाल की मौत सिर पर चोट लगने से ही हुई है। शरीर पर कई जगह चोट के गहरे निशान भी थे।

हमले के तरीके पर जेल प्रबंधन व पुलिस में तालमेल नहीं

जासं, पटियाला: नाभा की नई जेल में डेरा प्रेमी महिंदर पाल बिट्टू की हत्या के तरीके पर जेल प्रबंधन व पंजाब पुलिस में तालमेल नहीं दिखा। जेल सुपरिंटेंडेंट बलकार सिंह ने शनिवार को कहा था कि आरोपितों मनिंदर सिंह और गुरसेवक सिंह ने बैरक की ग्रिल की दो रॉड उखाड़ कर हमला किया। वहीं, पटियाला रेंज के आइजी एएस राय ने कहा कि जेल परिसर में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। वहां पर पड़े सरिये से आरोपितों ने महिंदर पाल पर हमला किया। इसके बाद रविवार को आइजी राय ने स्पष्ट किया कि उन्हें गलतफहमी हो गई थी। पहले दिए बयान से पलटते हुए उन्होंने भी बैरक की ग्रिल से रॉड उखाड़ कर हमले की बात कही। आइजी राय ने कहा कि शनिवार को महिंदर पाल गलती से जनरल कैदियों के वार्ड में चला गया। उसके खिलाफ चल रहे केस के चलते यह वार्ड उसके लिए प्रतिबंधित था। हमलावरों ने उसकी इस गलती का फायदा उठाया।

दाभोलकर हत्याकांड में पुनलेकर को छह तक न्यायिक हिरासत में भेजा

पुणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र के पुणे स्थित एक कोर्ट ने वामपंथी विचारक नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड के आरोपित वकील संजीव पुनलेकर को छह जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश) आरएम पांडे ने पिछले गुरुवार को 23 जून तक के लिए पुनलेकर की सीबीआइ हिरासत मंजूर कर ली थी। तब सीबीआइ ने तर्क दिया था कि वकील के लैपटॉप से कुछ दस्तावेज बरामद हुए हैं। इनके बारे में उनसे पूछताछ की जरूरत है। सीबीआइ ने रविवार को कहा कि अब वह पुनलेकर को आगे हिरासत में नहीं रखना चाहती। इसके बाद अदालत ने उन्हें छह जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

वकील पुनलेकर व उनके सहयोगी विक्रम भावे को सीबीआइ ने 25 मई को गिरफ्तार किया था। पुनलेकर पर आरोप है कि उन्होंने दाभोलकर की हत्या करने वाले शूटर शरद कालस्कर को अपराध में प्रयुक्त हथियार को नष्ट करने की सलाह दी थी। उल्लेखनीय है कि 20 अगस्त 2013 को दाभोलकर की पुणे में हत्या कर दी गई थी।

संकट

प्रतिदिन पांच मरीजों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज रहा है जेल प्रशासन, अस्पताल प्रशासन ने सरकार को पत्र लिखा, कैदियों की संख्या के अनुपात में दवाएं भेजे

केंद्रीय जेल में 2000 कैदी काला पीलिया की गिरफ्त में

नितिन धीमान, अमृतसर

जेल में गुनाहों की सजा भुगत रहे कैदियों पर 'काला साया' मंडरा रहा है। अमृतसर की केंद्रीय जेल में बंद 3600 कैदियों में से 2000 कैदी काला पीलिया का शिकार पाए गए हैं। इनमें से अधिकांश कैदी नशा सेवन के आदी भी हैं। जेल प्रशासन ने कैदियों के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की मदद मांगी है।

दरअसल, पिछले कुछ समय से कैदियों को भूख न लगना, वजन कम होना, बुखार, कमजोरी, उल्टी, पेट में पानी भर जाना, खून की उल्टियां होना, रंग काला होने लगना, पेशाब का रंग गहरा होना इत्यादि शारीरिक समस्याएं आ रही थीं। जेल के डॉक्टरों की दवाई भी इन कैदियों पर कारगर साबित नहीं हुई। ऐसी स्थिति में जेल प्रशासन ने सिविल सर्जन कार्यालय को पत्र लिखकर कैदियों की चिकित्सकीय जांच करवाने का आग्रह किया। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने जेल में जाकर कैदियों की जांच की। डॉक्टरों ने प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया कि 2000 कैदी काला पीलिया यानी हैपेटाइटिस-सी का शिकार हैं। इन कैदियों का एचसीवी टेस्ट किया गया, जिसमें 2000 कैदियों में काला पीलिया होने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने पूरी तरह आश्वस्त होने के लिए कैदियों का सैंपल लिया और वायरल लोड टेस्ट भी करवाया। वायरल लोड टेस्ट लैब की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 2000 कैदी काला पीलिया से ग्रस्त हैं। डॉक्टरों ने कैदियों की रिपोर्ट सिविल सर्जन कार्यालय में जमा करवाई। स्वास्थ्य विभाग ने इन कैदियों के उपचार का निशुल्क प्रबंध किया है। हालांकि इस बीमारी का इलाज काफी महंगा है और सिविल अस्पताल में आम मरीजों का भी इलाज किया जा रहा है, ऐसे में सिविल अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिख दवाओं का अतिरिक्त स्टॉक भी मंगवाया है। दवा का कोर्स पूरा होने पर पुनः इन कैदियों का वायरल लोड टेस्ट होगा। इसके बाद ही इन्हें रोग से मुक्ति का सर्टिफिकेट मिलेगा। इनमें अधिकतर कैदी हत्या, चोरी, नशा तस्करी, लूटपाट सहित अन्य कई मामलों में सजा काट रहे हैं।

इंजेक्टेबल ड्रग की लत ने बनाया शिकार : सेहत विभाग के सूत्रों के अनुसार कैदियों में काला पीलिया फैलने का एक बड़ा कारण नशा माना जा रहा है।

पिछले कुछ महीनों से पुलिस द्वारा नशा तस्करों एवं नशे की लत का शिकार लोगों की धरपकड़ के बाद अदालत के आदेश उन्हें जेल में भेजा जा रहा है। पकड़े जाने से पहले एक ही सीरिंज से नशे का प्रयोग करने वाले अपराधी ही इस रोग का शिकार बन रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि जेल की सलाखों के पीछे पहुंचने से पहले कैदी नशा पूर्ति के लिए एक ही सीरिंज का इस्तेमाल कर रहे हैं। असल में काला पीलिया रोग का प्रसार इंजेक्शन या संक्रमित खून के जरिए एक से दूसरे इंसान में होता है।

जेल में नशे जैसी कोई बात नहीं : केंद्रीय जेल की डिप्टी जेल सुपरिंटेंडेंट हिम्मत शर्मा ने कहा कि जिल में कैदी नशे का सेवन नहीं कर रहे। काला पीलिया का शिकार मरीज जेल कब और किस हाल में आए, इस बारे में जानकारी नहीं है। हो सकता है कि ये कैदी पहले से ही नशे का सेवन करते रहे हों। क्योंकि जेल में मालवा बेल्ट के भी कई कैदी हैं तो हो सकता है कि दूषित पेयजल के सेवन से वे इस बीमारी का शिकार बने हों।

प्रतिदिन पांच कैदियों को सिविल अस्पताल भेज रहा जेल प्रशासन

जेल प्रशासन की ओर से प्रतिदिन पांच कैदियों को सिविल अस्पताल में भेजकर ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। ये पांच वो कैदी हैं जिन्हें काला पीलिया ने बुरी तरह जकड़ रखा है। कैदियों की बढ़ती संख्या के चलते अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर दवाओं का अतिरिक्त स्टॉक मंगवाया है।

नियमित रूप से जांच की जा रही है : एसएमओ

सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. राजिंदर अरोड़ा कहते हैं कि आमतौर पर जब सीरिंज को पूरी तरह भरकर एक से अधिक लोग ड्रग लेते हैं तो काला पीलिया होने की आशंका प्रबल हो जाती हैं। बहरहाल, स्वास्थ्य विभाग ने कैदियों को दवा उपलब्ध करवा दी है। इनकी नियमित रूप से जांच भी की जा रही है।

अवैध नशा मुक्ति केंद्र में टॉर्चर, पिटाई से युवक की हो गई मौत

नईदुनिया, ग्वालियर

- मध्य प्रदेश के ग्वालियर का मामला, शराब की लत छुड़वाने के लिए कराया गया था युवक को भर्ती

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बहोड़ापुर थाने की सीमा में आने वाली सागरताल रोड पर स्थित अवैध नशा मुक्ति केंद्र में युवक की बेहताशा पिटाई ने उसकी जान ले ली। परिजन के अनुसार, इलाज के नाम पर उसे इतना टॉर्चर किया गया कि अस्पताल पहुंचते ही उसने दम तोड़ दिया। 19 जून को 30 साल के इमरान खान को इस नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था और रविवार सुबह इमरान की पत्नी के पास फोन आया कि इमरान कूदकर भागने के दौरान सीढ़ियों से गिर गया है। परिजन पहुंचे और बदहवास इमरान को जय आरोग्य हॉस्पिटल (जेएएच) ले गए, लेकिन यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इमरान की मौत की खबर सुनते ही केंद्र संचालक व स्टाफ भाग गया। इमरान के पैरों सहित शरीर में थर्ड डिग्री टॉर्चर जैसे निशान थे। सामाजिक न्याय विभाग की पड़ताल में सामने आया कि न्यूलाइफ नाम का कोई केंद्र रजिस्टर्ड ही नहीं है। इमरान की पत्नी आशियाना ने नईदुनिया को बताया कि रविवार सुबह करीब 8 बजे मेरे पास नशा मुक्ति केंद्र से फोन आया कि इमरान कूदकर भाग रहे हैं। कुछ देर बाद फिर फोन आया कि वे सीढ़ियों से गिर गए हैं। नशा मुक्ति केंद्र पहुंचकर देखा कि इमरान को काफी चोटें लगी थीं। हम लोग इमरान को जेएएच ले गए। वहां नशा मुक्ति केंद्र का संचालक सूरज सिंह राजपूत, इंचार्ज अमित वर्मा, कर्मचारी कौशल सिकरवार भी पहुंचे। यहां डॉक्टर ने इमरान को मृत घोषित कर दिया गया। शराब की लत छुड़वाने के लिए इमरान को नशा मुक्ति केंद्र भेजा गया था। न्यू लाइफ नशा मुक्ति केंद्र के संचालक और स्टाफ अपने साथ जेएएच में केंद्र के एक मरीज छोटू श्रीवास को भी साथ लाए थे, जो छह माह से वहां रह रहा है। उसने बताया कि नए मरीज को डंडे से पीटा जाता है।

43.35 लाख नवजात बच्चों की मौत हुई दुनियाभर में 2017 में। इसमें से मरने वाले 8.75 लाख नवजात बच्चे भारत के थे। यह संख्या हर साल कम हो रही है। 2016 की तुलना में 2018 में इस संख्या में चार फीसद की कमी दर्ज की गई।

न्यूज गैलरी

मुंबई में उतरने के बाद इंडिगो के विमान में आई खराबी

नई दिल्ली : मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट के उतरने के बाद उसके अगले पहिये की स्टीयरिंग में तकनीकी खराबी आ गई। कंपनी ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि विमान की लैंडिंग निर्धारित समय के मुताबिक हुई, लेकिन जांच के लिए विमान को हैंगर में ले जाया गया है। विमानन कंपनी ने बताया, 'एक इंडिगो फ्लाइट 6ई 189 दिल्ली से मुंबई आ रही थी। विमान की सफल लैंडिंग के बाद उसके अगले पहिये की स्टीयरिंग में तकनीकी खराबी आ गई। जांच के लिए विमान को हैंगर में ले जाया गया। आवश्यक मरम्मत के बाद विमान को सेवा योग्य घोषित कर दिया गया है और वह फिलहाल परिचालन कर रहा है। बयान में कहा गया कि यह आपातकालीन नहीं, बल्कि एहतियाती लैंडिंग थी। (प्रेट्र)

कंप्यूटर ऑपरेट नहीं कर पाने के कारण चौकी प्रभारी ने दी जान

झाबुआ : मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के झकनावदा पुलिस चौकी प्रभारी भागीरथ बघेल (47) ने रविवार को सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उन्होंने पुलिस का आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम ऑपरेट नहीं कर पाने के साथ लोन को आत्महत्या की वजह बताया है। रविवार को जब सुबह उन्होंने स्टाफ के आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खोला तो रायपुरिया पुलिस थाना प्रभारी को सूचना देकर बुलवाया गया। उसके बाद खिड़की से देखा तो बघेल फांसी पर लटके मिले। (नईदुनिया)

मध्य प्रदेश में आपसी संघर्ष में मादा तेंदुए की मौत

सिवनी (मप्र) : मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के खवासा वन परिक्षेत्र में रविवार सुबह मादा तेंदुए का दो दिन पुराना शव वन अमले को मिला है। पोस्टमार्टम के बाद शव को मौके पर ही वन अधिकारियों की मौजूदगी में जला दिया गया। पीएम रिपोर्ट में मादा तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष में होने की पुष्टि हुई है। मादा तेंदुए की गर्दन में अन्य ताकतवर तेंदुए के दांत के निशान पाए गए हैं। सर्चिंग के दौरान जंगल में दूसरे तेंदुए की मौजूदगी के निशान भी मिले हैं। मादा तेंदुए की उम्र 8-10 साल है। (नईदुनिया)

बिहार में कोसी नदी में चार बच्चियों समेत दादा डूबे

नवहट्टा (सहरसा) : बिहार में सहरसा के नवहट्टा में कोसी नदी के साहपुर देवन घाट के समीप रविवार को पैदल नदी पार करने के दौरान चार बच्चियां समेत एक वृद्ध डूब गए। इनमें से अधेड़ का शव बरामद किया गया है, जबकि बच्चियों के बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार साहपुर की कई बच्चियां नदी के पार खेत से तरबूज लेने गई हुई थीं। लौटने के दौरान ये डूबने लगीं। इन्हें बचाने में एक बच्ची के दादा महेंद्र गुप्ता भी डूब गए। (संसू)

कमजोर मानसून से गंभीर जलसंकट की आशंका

चिंताजनक ▶ देश के अधिकतर राज्यों में देर से पहुंचा मानसून, चाल धीमी होने से कम हुई बरसात, बनी विकट स्थिति

देश के 91 बड़े जलाशयों में सामान्य से 80 फीसद कम पानी, 11 में शून्य भंडारण

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में इस बार मानसून देर से आया है और उसके बाद उसकी चाल भी बहुत धीमी बनी हुई है। मौसम विज्ञान विभाग के डाटा के मुताबिक इस साल देश के मौसम संबंधी 84 फीसद उपखंडों में कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के डाटा के मुताबिक देश के प्रमुख 91 जलाशयों में से 80 फीसद में सामान्य से भी कम पानी है। जबकि, इनमें से 11 जलाशयों में पानी का भंडारण शून्य फीसद है। इससे देश में गंभीर जलसंकट की आशंका बढ़ गई है।

हालांकि, स्थिति में थोड़ा सुधार दिख रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, मराठवाड़ा और विदर्भ के अधिकतर हिस्सों में मानसून आगे बढ़ा है। आदर्श स्थिति में मानसून को अब तक मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों, समूचे पूर्वी व मध्य उत्तर प्रदेश, झारखंड तक पहुंच जाना चाहिए था। दिल्ली में मानसून पहुंचने की सामान्य तिथि 28 जून है।

देश में बारिश का मौसम एक जून से शुरू होकर 30 सितंबर तक चलता है, लेकिन 22 जून तक मानसून में औसतन 39 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। देश में मौसम संबंधी 36 उपखंडों में से 25 प्रतिशत ने 'कम' वर्षा दर्ज की है जबकि छह उपखंडों में 'बेहद कम बारिश' दर्ज की गई है।

ओडिशा और लक्षद्वीप उपखंडों में 'सामान्य' बारिश दर्ज की गई है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वी राजस्थान में 'ज्यादा' बारिश दर्ज की गई है जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'बहुत ज्यादा बारिश' दर्ज की गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के चार उपखंड हैं- पूर्व एवं उत्तर पूर्व, दक्षिणी प्रायद्वीप, मध्य भारत और उत्तर पश्चिम भारत। पूर्व एवं उत्तर पूर्व उपखंड में पूर्वोत्तर के राज्य, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल आते हैं। इन सभी क्षेत्रों में कम बारिश हुई है। मध्य भारत के 10 उपखंडों में से सिर्फ ओडिशा में सामान्य बारिश हुई है। महाराष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र सहित चार उपखंडों में 'बेहद कम' बारिश हुई है। इन क्षेत्रों के जलाशयों में भंडारण बिलकुल निचले स्तर पर पहुंचने के कारण यहां सूखे जैसी स्थिति है। पूर्वी मध्य प्रदेश उपखंड में भी 'बेहद कम' वर्षा दर्ज हुई है। मध्य भारत के गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ उपखंडों में भी 'कम' वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि चक्रवात 'वायु' ने जरूर बारिश की कमी से कुछ राहत दिलायी है। इन दो उपखंडों में नौ जून तक बारिश की कमी 100 प्रतिशत तक थी। दक्षिणी प्रायद्वीप खंड के 10 में से 8 खंड में बेहद कम बारिश दर्ज की गई। इन दो खंडों में अंडमान और निकोबार द्वीप उपखंड में अतिरिक्त बारिश जबकि लक्षद्वीप में सामान्य बारिश दर्ज की गई। चेन्नई, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल उपखंड में करीब 38 फीसदी कम बारिश हुई।

बारिश के लिए प्रार्थना : मुंबई में रविवार को वैदिक पंडितों ने वर्षा के लिए श्री शंकर मैटट्म मांटुगा में जल से भरे ड्रमों में खड़े होकर वरुण जाप किया। मान्यता है कि इससे प्रचुर मात्रा में वर्षा होती है। हालांकि देश के कई राज्यों में मानसून की दस्तक हो चुकी है। एएनआइ

अब तक सिर्फ 70.9 मिमी ही बारिश

देश में अब तक (एक से 23 जून तक) औसत बारिश केवल 70.9 मिमी ही दर्ज की गई है जबकि इस समय तक सामान्य बारिश का आंकड़ा 114.2 मिमी है। यह सामान्य से 38 फीसद कम है। लगभग हर राज्य में औसत से कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक उत्तर प्रदेश में 54.2 मिमी बारिश हो जानी चाहिए थी, लेकिन अभी तक केवल 19.7 मिमी पानी बरसा है, यानी सामान्य से 64 फीसद कम। इसी तरह दिल्ली में 83 फीसद कम बारिश हुई है। यहां 36.1 की जगह केवल 6.3 मिमी ही पानी बरसा है। मध्य प्रदेश और झारखंड में 53 फीसद जबकि पश्चिम बंगाल में 51 फीसद कम बारिश हुई है। बिहार में सामान्य से 34 फीसद कम बारिश दर्ज की गई है।

मोमो चैलेंज का शिकार किशोर फांसी के फंदे पर झूला

जागरण संवाददाता, झांसी : रविवार की दोपहर एक किशोर ने फांसी के फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। तालपुरा स्थित ज्वाला महाराज का बगीचा निवासी 18 वर्षीय राहुल परिहार के पिता आगरा में कार्यरत हैं। मां मीना देवी पारीछा स्थित मायके में रहती हैं जबकि राहुल दादा-दादी के पास रहता है। आसपास रहने वालों के अनुसार राहुल को मोबाइल फोन पर खतरनाक गेम खेलने का शौक था। रविवार दोपहर उसने गेम खेलने के दौरान कमरे में फांसी का फंदा लगा लिया। उसकी हालत देख लोग अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया कि राहुल मोबाइल पर मोमो चैलेंज गेम खेला करता था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से पहले कुछ कहने को तैयार नहीं है।

क्या है मोमो चैलेंज : मोमो बच्चों को गेम में चैलेंज करता है और गेम के दौरान बच्चे के अंक बढ़ते जाते हैं। इस खतरनाक गेम की शुरुआत एक वाट्सएप रिक्वेस्ट से होती है। मोमो गेम वाट्सएप का कॉंटेक्ट नंबर है जिसे अब तक वाट्सएप पर ही शेयर किए जाते देखा गया है। नंबर को शेयर और एड करने के बाद एक डरावने चेहरे वाली एक लड़की की तस्वीर सामने आती है। इस ऑनलाइन खेल का लिंक वाट्सएप के जरिए सबसे ज्यादा शेयर किया जा रहा है। गेम में लगातार फोन पर अलग-अलग तरह के टास्क दिए जाते हैं, जिन्हें यूजर को पूरा करना होता है। इसमें कई तरह के टास्क को पूरा करते हुए आखिरी में आत्महत्या का टास्क भी मिलता है।

नंदा देवी में लापता पर्वतारोहियों के शव बरामद

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

नंदा देवी चोटी आरोहरण के दौरान लापता सात पर्वतारोहियों और एक भारतीय लाइजन अफसर की खोज में चलाया जा रहे अभियान डेयर डेवल में आइटीबीपी (भारत तिब्बत सीमा पुलिस) को रविवार को बड़ी कामयाबी मिली। आइटीबीपी के दल ने आठों पर्वतारोहियों के शव खोज लिए हैं। इनमें से एक महिला समेत सात के शव बेस कैंप लाए जा चुके हैं। जबकि एक अन्य शव लाने के लिए सोमवार को फिर से अभियान चलाया जाएगा।

अभियान की निगरानी कर रहे आइटीबीपी बरेली क्षेत्र के उप महानिरीक्षक एपीएस निंबाडिया ने इसकी पुष्टि की। दूरभाष पर बातचीत में उन्होंने बताया कि लापता पर्वतारोहियों के शवों की खोज एवं बचाव कार्य के लिए आइटीबीपी के 18 पर्वतारोही इस अभियान में जुटे हुए हैं। इनका नेतृत्व एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही आरएस सोनाल कर रहे हैं। रेस्क्यू दल 15 जून से नंदा देवी बेस कैंप से अभियान संचालित कर रहा है। दल के साथ चार पोर्टर्स के साथ ही 15 अन्य लोग भी शामिल हैं। 17800 फीट की ऊंचाई पर बने इस बेस कैंप क्षेत्र में पल-पल बदल रहे मौसम के चलते रेस्क्यू दल हर दिन चुनौतियों से जूझ रहा था।

डीआइजी निंबाडिया ने बताया कि रविवार सुबह भी नंदा देवी में हिमपात हुआ। बावजूद इसके आइटीबीपी का दल सुबह साढ़े तीन बजे से बर्फ में दबे शवों को निकालने में जुट गया था। चुनौतियों से जूझते हुए दल ने सात पर्वतारोहियों के शव निकाल लिए। कुछ शव ढ़ाई से तीन फीट बर्फ में दबे हुए थे, जबकि कुछ को निकालने के लिए दस फीट तक बर्फ हटानी पड़ी। बरामद शवों को टीम बेस कैंप ले आई है। यहां से उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिये पिथौरागढ़ लाया जाएगा। डीआइजी ने बताया कि दल के आठवें सदस्य का शव भी खोज लिया गया है, लेकिन इसे बेस कैंप नहीं लाया जा सका। सोमवार को अभियान चलाया जाएगा।

नंदा देवी चोटी में इसी स्थान से लापता हुए थे विदेशी पर्वतारोही। सौजन्य से आईटीबीपी

26 मई को एवलांच की चपेट में आया था दल : इंग्लैंड, अमेरिका और आस्ट्रेलिया के पर्वतारोहियों का 12 सदस्यीय दल 10 मई को दिल्ली से नंदा देवी ईस्ट अभियान के लिए निकला था। इनमें एक भारतीय लाइजन अफसर भी शामिल था। 13 मई को दल मुनस्यारी से होता हुआ नंदा देवी बेस कैंप को रवाना हुआ। अभियान शामिल एक पर्वतारोही स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसी दिन वापस लौट गया था। दल के बाकी सदस्यों में चार नंदा देवी बेस कैंप में रुके थे, जबकि आठ अन्य 26 मई को एक अनाम चोटी के आरोहरण के दौरान एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता चल रहे थे।

इंदिरा गांधी को गिरफ्तार करने वाले तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी का निधन

चेन्नई, प्रेट्र : भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को गिरफ्तार करने वाले तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वीआर लक्ष्मीनारायणन का यहां संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। उनके परिवार में एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं।

वीआरएल के नाम से लोकप्रिय रहे लक्ष्मीनारायणन 1951 बैच के आइपीएस अफसर थे। उनक पहली पोस्टिंग मदुराई में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई और तरक्की करते हुए वह सीबीआइ के संयुक्त निदेशक बने। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, चरण सिंह तथा मोरारजी देसाई के साथ काम किया। उन्होंने 1977 में भ्रष्टाचार के आरोप में स्व इंदिरा गांधी को गिरफ्तार भी किया। वह 1985 में तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक पद से रिटायर हुए। उनकी छोटी बेटी रामा नारायणन ने बताया कि उनके पिता ने रविवार रात लगभग दो बजे अंतिम सांस ली। उन्होंने अपने पिता को सच्चा हीरो बताया जिसने देश की सेवा के साथ-साथ अपने परिवार को भी पूरा समय दिया। उनका अंतिम संस्कार 25 जून को किया जाएगा।

करतारपुर कॉरिडोर के लिए चेक पोस्ट का निर्माण शुरू

डेरा बाबा नानक में चल रहा करतारपुर कॉरिडोर के लिए चेक पोस्ट का निर्माण कार्य। जागरण

संवाद सहयोगी, कलानौर (गुरदासपुर) : पाकिस्तान स्थित श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच बनाए जा रहे कॉरिडोर पर चेक पोस्ट का निर्माण शुरू हो गया है। डेरा बाबा नानक में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास यात्रियों के लिए बनाए जाने वाले कांप्लेक्स की जमीन पर लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने पूजा-अर्चना करने के बाद नारियल फोड़कर काम शुरू करवाया। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया के चेयरमैन अनिल बंब, मैनेजर सुखदेव सिंह, सुरजीत सिंह और सीगल कंपनी के अधिकारी जतिंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रथम पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव तक कॉरिडोर का निर्माण किया जाना है। अब भारत ने भी निर्माण कार्य में तेजी ला दी है। चेयरमैन अनिल बंब ने कहा कि यात्री कांप्लेक्स की बिल्डिंग 15 एकड़ में तैयार होगी। दिन रात काम करके अक्टूबर 2019 तक इसे मुकम्मल कर लिया जाएगा।

बिहार में एईएस पीड़ित छह और बच्चों की जान गई

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर

▶ सिर्फ मुजफ्फरपुर के अस्पतालों में हो चुकी है 142 बच्चों की मौत

▶ नाराज लोगों ने वैशाली में विधायक को बनाया बंधक

बिहार में एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से छह और बच्चों की मौत हो गई है। मुजफ्फरपुर में चार, सिवान और वैशाली में एक-एक की मौत हुई। शनिवार को मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि सात बच्चों को भर्ती कराया गया। उधर एईएस प्रभावित भगवानपुर प्रखंड के हरिवंशपुर गांव में रविवार को पहुंचे लालगंज के लोजपा विधायक राजकुमार साह को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया।

गांव में एईएस से सात बच्चों की मौत के दो सप्ताह बाद पहुंचे स्थानीय विधायक को देखते ही ग्रामीणों ने घेर लिया और अपशब्द कहने लगे। कुछ ग्रामीणों ने हाथ चलाने की भी कोशिश की। सदर एसडीएम ने काफी प्रयास कर विधायक को ग्रामीणों के चंगुल से निकाला। हरिवशंपुर गांव लालगंज विधानसभा क्षेत्र में पड़ता है।

लोगों का गुस्सा इस बात पर था कि एक के बाद एक गांव में सात बच्चों की मौत हो गई, लेकिन करीब दो सप्ताह तक विधायक मातमपुर्सी करने तक नहीं आए।

लापता होने का पोस्टर भी लगाया: शनिवार को हरिवंशपुर गांव में जगह-जगह बैनर लगाया गया था। इसमें केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, हाजीपुर सांसद पशुपति कुमार पारस और लालगंज के विधायक राजकुमार साह के लापता होने की बात लिखी थी। साथ ही इनकी सूचना देने वालों को नकद इनाम देने की बात कही गई थी। बैनर में निवेदक के रूप में हरिवंशपुर के पीड़ित परिवार लिखा था। लोगों में जनप्रतिनिधियों को लेकर भारी आक्रोश है।

मुजफ्फरपुर के केजरीवाल अस्पताल में एईएस पीड़ित बच्ची की जांच करते चिकित्सक। एएनआइ

बिहार में एईएस पर बयानबाजी तेज, भाजपा सांसद भी भड़के

राज्य ब्यूरो, पटना : मुजफ्फरपुर में कई बच्चों की जान लेने वाली बीमारी, इलाज में कोताही और व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा सांसद आरके सिन्हा ने मुजफ्फरपुर में एईएस से बच्चों की मौत के लिए लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा सांसद ने रविवार को अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि तीन विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने शोध करके पहले ही बता दिया है कि खाली पेट में लीची खाने से यह बीमारी होती है तो सतर्क हो जाना चाहिए था। फिर भी कोई उपाय नहीं किया गया। यह लापरवाही है।

राबड़ी का तंज: राबड़ी देवी ने ट्वीट कर कहा है कि महिलाओं को घूंघट में रहने की नसीहत देने वाले केंद्रीय मंत्री का बिना घूंघट क्या हाल है ..जरा देख लीजिए।

कक्ष के सामने गिरा छत का एक हिस्सा: श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एईएस पीड़ित बच्चों के परिजन रविवार को घायल होने से बच गए। यहां कक्ष संख्या पांच एवं छह के बीच बरामदे में छत का एक हिस्सा गिर गया।

मुजफ्फरपुर में प्रशासनिक लापरवाही से अस्पताल में सड़ रहे हैं शव

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर

▶ एसकेएमसीएच में लावारिस शवों की जैसे-तैसे की गई अंत्येष्टि का मामला

▶ अब भी पोस्टमार्टम हाउस में डेढ़ दर्जन से अधिक शव बयां कर रहे यहां की बदहाली

▶ हर माह औसतन आठ से 10 लावारिस शव लाए जाते हैं

मुजफ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसकेएमसीएच) में लावारिस शवों की जैसे-तैसे अंत्येष्टि और बिखरे मानव कंकाल के अवशेष स्थानीय पुलिस व (एफएमटी) फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिक्लॉजी विभाग की लापरवाही उजागर कर रहे।

साथ ही, पोस्टमार्टम हाउस में पड़े सड़े-गले शव भी यहां की बदहाली बयां कर रहे। जिले के विभिन्न थानों और रेल पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए लाए गए डेढ़ दर्जन से अधिक लावारिस शव पुलिस और विभाग के पेच में महीनों से पड़े हैं। इनकी अंत्येष्टि कब होगी, किसी के पास जवाब नहीं। एफएमटी विभाग की मानें तो हर माह औसतन आठ से 10 लावारिस शव लाए जाते हैं।

फ्रीजर में सिर्फ छह शव रखने की क्षमता : एसकेएमसीएच के पोस्टमार्टम हाउस में शवों को सुरक्षित रखने के लिए एकमात्र डीप फ्रीजर की व्यवस्था है। इसमें सिर्फ छह शवों को रखने की क्षमता है। इससे ज्यादा शव होने के कारण ऐसे ही कमरे में रख दिया जा रहा। भीषण गर्मी में उच्च तापमान होने के कारण इन शवों में तेजी से सड़न हो रही। समझा जा सकता है कि अप्रैल-मई से यूं ही पड़े शवों की स्थिति क्या होगी? भीषण गर्मी में शव से दुर्गंध उठ रही, जिससे पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद कर्मचारियों का रहना मुश्किल हो रहा। उनका कहना है कि संसाधनों के अभाव में वे कुछ नहीं कर सकते।

एफएमटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि लावारिस शवों की अंत्येष्टि की जिम्मेदारी संबंधित थाने की होती है। इन शवों की पहचान के लिए तीन दिन तक रखा जाता है। लेकिन, शव की संख्या अधिक होने और सीमित संसाधन के कारण बाहर ही रखा जाता है। तीन दिन के बाद यह जरूरी होता है कि संबंधित थाना उस अज्ञात शव का निदान अपने स्तर से कराए।

निकाय कर्मियों ने 62 आवारा कुत्तों को मारा चार निलंबित

सिद्दीपेट (तेलंगाना), प्रेट्र/एएनआइ : तेलंगाना के दो अलग-अलग जिलों में निकाय कर्मियों द्वारा आवारा कुत्तों को मारने का मामला प्रकाश में आया है। सिद्दीपेट में जहां 40 कुत्तों को मारने के आरोप में चार निकाय अफसरों को निलंबित कर दिया गया, वहीं विकाराबाद में 22 आवारा कुत्तों को मारने के मामले में जांच अभी जारी है। दोनों घटनाओं में आरोपितों के खिलाफ धारा 428, 429 के साथ ही धारा-11 (पशु क्रूरता अधिनियम) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

घटना के संबंध में सिद्दीपेट के पुलिस कमिश्नर ज्योल डेविस ने बताया कि पशुओं के लिए काम करने वाले एक संगठन की तरफ से इस संबंध में शनिवार को शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि सिद्दीपेट म्यूनिसिपल कारपोरेशन के कर्मचारियों ने जहर देकर 40 कुत्तों को मार डाला और डंप यार्ड में दफना दिया। आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मारे गए कुत्तों के शवों को खोजने का काम जारी है। सिद्दीपेट के जिलाधिकारी वेंकटराम रेड्डी ने एक सेनेटरी इंस्पेक्टर और तीन कर्मचारियों को जहां निलंबित कर दिया है।

व्यवस्था

कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक संजीव चतुर्वेदी ने वन मुख्यालय को भेजी संस्तुति, बाघों की सुरक्षा के मद्देनजर ढिकाला जोन में केवल डे-विजिट रखने का सुझाव

कार्बेट के ढिकाला जोन में बंद होगा नाइट स्टे

राज्य ब्यूरो, देहरादून

विश्व प्रसिद्ध कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) प्रशासन के प्रयास रंग लाए तो निकट भविष्य में ढिकाला टूरिस्ट जोन में सैलानी नाइट स्टे नहीं कर पाएंगे। सीटीआर के निदेशक संजीव चतुर्वेदी ने बाघों की सुरक्षा के मद्देनजर रिजर्व के इस कोर क्षेत्र में पर्यटकों के लिए रात्रि विश्राम व्यवस्था तत्काल समाप्त करने की संस्तुति वन मुख्यालय को भेजी है। उन्होंने यह सुविधा बंद होने से होने वाले नुकसान की भरपाई को ढिकाला जोन में डे-विजिट के लिए जिप्सियों व कैंटर की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया है।

ढिकाला पर्यटक जोन कार्बेट के कोर क्षेत्र में है और यहां बाघों की अच्छी-खासी संख्या है। बता दें कि कार्बेट को छोड़ देश के अन्य टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में पर्यटकों को रात्रि विश्राम की अनुमति नहीं दी जाती। यही कारण है कि 140 पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था वाले ढिकाला जोन को लेकर मारामारी रहती है। सबसे अधिक वीआइपी ढिकाला जोन में ही ठहरते हैं। सूरतेहाल, वहां तैनात कर्मियों का अधिकांश वक्त वीआइपी आगंतुकों के आवास, भ्रमण समेत अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू रखने में जाया हो रहा है।

वर्तमान में ढिकाला जोन में करीब 35 जिप्सियां व चार कैंटर सफारी संचालित होते हैं, 20 अतिरिक्त जिप्सियों व दो कैंटर की मांग

इस सबके मद्देनजर कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक संजीव चतुर्वेदी ने अब ढिकाला जोन में पर्यटकों के लिए रात्रि विश्राम की व्यवस्था को खत्म करने की संस्तुति की है। प्रमुख मुख्य वन संरक्षक के अलावा प्रमुख वन संरक्षक वन्यजीव को भेजे प्रस्ताव में उन्होंने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बाघ के अंगों की भारी मांग है। नतीजतन बाघों के शिकार के लिए अपराधी गिरोह हमेशा सक्रिय रहते हैं। शिकार के कारण ही पूर्व में देश के कुछ टाइगर रिजर्व में बाघ विलुप्त हो गए थे।

चतुर्वेदी ने कहा है कि बाघों की सुरक्षा के लिहाज से ढिकाला जोन में रात्रि विश्राम की अनुमति देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। ढिकाला में वीआइपी समेत अन्य लोगों के दौरों के चलते कार्मिक इस कोर क्षेत्र में सुरक्षा, संरक्षण-संवर्द्धन, वासस्थल विकास समेत अपने अन्य दायित्वों पर ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में ढिकाला जोन में सिर्फ डे-विजिट की ही व्यवस्था रखी जानी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा है कि वर्तमान में ढिकाला जोन में करीब 35 जिप्सियां व चार कैंटर सफारी संचालित होते हैं। रात्रि विश्राम व्यवस्था खत्म होने से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए वहां 20 अतिरिक्त जिप्सियों व दो कैंटर की अनुमति दी जा सकती है। साथ ही चार घंटे की बजाए सुबह से शाम तक दिनभर सफारी की व्यवस्था को अमल में लाने पर भी जोर दिया है। उन्होंने वन मुख्यालय से प्रस्ताव पर अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया है।

जम्मू से अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था 30 को रवाना होगा

राज्य ब्यूरो, जम्मू

बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालओं का पहला जत्था 30 जून को सुबह जम्मू से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना होगा। बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा एक जुलाई से शुरू हो रही है।

भगवती नगर आधार शिविर श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार हो रहा है। मरम्मत का काम तेजी से जारी हैं। यात्री निवास के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती हो गई है। जम्मू से तीस जून को रवाना होने वाले श्रद्धालु बालटाल के मार्ग से पवित्र गुफा पहुंच कर एक जुलाई को दर्शन करेंगे। पहलगाम रूट से जाने वाले श्रद्धालुओं को पहुंचने में दो तीन का समय लग जाता है। कई श्रद्धालु जम्मू में रुके बिना सीधे ही पहलगाम और बालटाल पहुंच कर यात्रा पर रवाना होते हैं। राज्यपाल जो श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के चेयरमैन भी है, यात्रा शुरू होने के पहले दिन विधिवत पूजा करते हैं। इसके साथ ही यात्रा शुरू हो जाती है।

श्री अमरनाथ गुफा में स्थापित पवित्र शिवलिंग। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के लंगर सेवकों ने यह फोटो जारी की है।

यात्रा मार्गों से बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में : अमरनाथ यात्रा के दोनों मार्गों बालटाल और पहलगाम से बर्फ हटाने का काम तेजी के साथ जारी है। मरम्मत कार्य भी चल रहे है। यह काम अंतिम चरण में हैं।

गुजरात के मंदिर में घुसा मगरमच्छ, लोग करने लगे उसकी पूजा

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात के महीसागर जिले में स्थित खोडियार माता मंदिर में एक मगरमच्छ घुस गया। उसे शुभ बताते हुए ग्रामीणों ने उसकी पूजा-अर्चना शुरू कर दी। पटेल समुदाय की कुलदेवी खोडियार माता को धार्मिक साहित्यों में मगरमच्छ पर सवार बताया गया है।

लुनवाडा तहसील के पल्ला गांव में जब छह फीट के मगरमच्छ के मंदिर में घुसने की सूचना मिली तो बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो गए। उन्होंने मगरमच्छ पर सिंदूर लगाकर उसकी पूजा-अर्चना शुरू कर दी। इस बीच उसे वहां से निकालने पहुंची वन विभाग की टीम का लोगों ने विरोध किया। महीसागर के उप वनसंरक्षक आरएम परमार के अनुसार, मंदिर के पास लोगों के इकट्ठा होने के कारण मगरमच्छ को वहां से निकालने में दो घंटे की देर हुई। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वहां इंतजार करती रही। हम धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करना चाहते थे। बाद में लोगों को समझाने में सफल रहे और मगरमच्छ को तालाब में छोड़ दिया गया।' इलाके के जलाशयों में कई मगरमच्छ पाए जाते हैं। ।

Downloaded from: www.iascgl.com

दैनिक जागरण
सेवा मानव जीवन की शोभा है

विश्व शांति के लिए खतरा

यह ठीक नहीं कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव पश्चिम एशिया के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए संकट का कारण बनता जा रहा है। इस संकट को टालने की हरसंभव कोशिश की जानी चाहिए, लेकिन ऐसी कोई कोशिश तभी रंग लाएगी जब दोनों पक्ष अर्थात अमेरिका और ईरान अपने-अपने रवैये में बदलाव लाने के लिए तैयार होंगे। विडंबना यह है कि फिलहाल दोनों ही देश टकराव के रास्ते पर चलते दिख रहे हैं। इसका प्रमाण यह है कि अमेरिका ने अपने एक ड्रोन विमान को मार गिराए जाने के बाद ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की घोषणा के साथ ही उस पर साइबर हमले करने भी शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के आक्रामक रुख के जवाब में ईरान भी आक्रामकता दिखाकर समस्या को उलझाने में लगा हुआ है। उसने अमेरिका की ओर से दी जा रही चेतावनियों के जवाब में यह कहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय सीमा से आगे ले जाएगा। इस तरह की घोषणाएं तनाव को बढ़ाने वाली हैं और इससे किसी का भी और खास तौर पर ईरान का हित तो बिल्कुल भी नहीं होने वाला। समझना कठिन है कि ईरान अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति की अनदेखी कर टकराव मोल लेने पर आमादा क्यों दिख रहा है? यह सही है कि ट्रंप प्रशासन ने 2015 में ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग करके अच्छा नहीं किया, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि ईरानी सत्ता परमाणु हथियार बनाने के लिए बेचैन नजर आने लगती।

अमेरिकी राष्ट्रपति का यह कहना सही है कि ईरान संपन्न राष्ट्र बनना चाहे तो हर्ज नहीं, लेकिन यदि वह परमाणु हथियारों से लैस होना चाहेगा तो मुश्किल होगी। आज इस्लामी जगत की जैसी स्थिति है और ईरान जिस प्रकार गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करने के साथ आतंकी तत्वों की खुली-छिपी मदद करता रहा है उसे देखते हुए विश्व समुदाय यह बिल्कुल भी पसंद नहीं करेगा कि वह परमाणु हथियारों से लैस हो जाए। निःसंदेह इसी के साथ विश्व समुदाय यह भी नहीं चाहेगा कि अमेरिका ईरान के प्रति अपनी आक्रामकता बढ़ाकर पश्चिम एशिया के हालात बिगाड़ने का काम करें। वास्तव में खुद अमेरिका को इसका आभास होना चाहिए कि अतीत में उसने गलत कदम उठाकर पश्चिम एशिया को किस तरह अस्थिरता और अराजकता में झोंका है। अमेरिका को इराक वाली गलती ईरान में नहीं करनी चाहिए। उसे यह भी पता होना चाहिए कि आज वह पहले की तरह ताकतवर महाशक्ति नहीं रह गया है। इससे इन्कार नहीं कि कुछ देश ईरान को अमेरिका के खिलाफ उकसाने में लगे हुए हैं, लेकिन समय की मांग यही है कि उन देशों की आवाज सुनी जाए जिनका जोर टकराव को टालने और बातचीत से समस्याओं का समाधान करने पर है। चूंकि ईरान में भारत के हित निहित हैं इसलिए भारतीय नेतृत्व के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इस बात को प्रबलता से रेखांकित करे कि पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात बनने से विश्व शांति खतरे में पड़ेगी। सच तो यह है कि अमेरिका और ईरान में टकराव से विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष भी नए संकट पैदा होंगे।

नौकरी का प्रलोभन

हमारे देश में आमतौर पर चुनाव के समय सियासी पार्टियां बड़े-बड़े वादे व जनता को मोहने के लिए प्रलोभन देती हैं, परंतु बंगाल में बिना किसी चुनावी मौसम के ही मुख्यमंत्री व तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने सियासी प्रलोभन देना शुरू कर दिया है। असल में उन्होंने आवारा घूमने वाले बेरोजगारों को पार्टी का काम करने पर नौकरी की व्यवस्था करने की बात कही है। उत्तर 24 परगना के बीजपुर में एक सभा में ममता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लिए अच्छा काम करने वाले बेरोजगारों को पार्टी नौकरी देगी। मंच से ही उन्होंने पार्टी नेताओं को ऐसे युवाओं का बायोडाटा एकत्रित करने तक का निर्देश दे दिया। वह उन बेरोजगारों को नौकरी देने की बात ही हैं जो उनकी पार्टी के लिए काम करेंगे। यानी यदि जो उनकी पार्टी के लिए काम नहीं करेगा उन बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं मिलेगी। आखिर ऐसे प्रलोभन की वजह क्या है? माना जा रहा है कि नौकरी के प्रलोभन के जरिये ममता संगठन को मजबूत करना चाहती हैं, ताकि 2021 में भाजपा से लड़ने में आसानी हो सके। बकौल ममता, मैं चाहती हूं कि बेकार घूम रहे युवा मेरे पास आएं। इन सबके लिए मैं नौकरी की व्यवस्था करना चाहती हूं। मंच से अपने नेताओं को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इन बेरोजगारों से पार्टी का काम कराएं। मुख्यमंत्री ने वादा किया कि उनमें से जिन्हें सख्त जरूरत होगी, उनके लिए कहीं न कहीं नौकरी की व्यवस्था वह जरूर करेंगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान यदि किसी की मौत होती है, वह उसके परिजनों के लिए नौकरी का इंतजाम करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो हर समय उनके लिए खड़े होते हैं, यदि किसी कारणवश उनकी मृत्यु भी होती है तो वह उनके परिजनों के लिए नौकरी की व्यवस्था करती हैं। इसके लिए उन्होंने कई उदाहरण भी दिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि संदेशखाली में राजनीतिक हिंसा का शिकार हुए भाजपा कर्मी के परिवार भी यदि चाहें तो उनके लिए भी वह नौकरियों का इंतजाम कर सकती हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद राज्यभर में लोगों के मन में सवाल उठने लगे हैं कि क्या किसी पार्टी के लिए काम करने पर ही नौकरी मिलेगी?

राष्ट्रीय प्रतीक का निरंतर निरादर

हृदयनारायण दीक्षित

किसी भी देश में राष्ट्रभाव-राष्ट्रगीत का विरोध नहीं होता, लेकिन भारत में कुछ लोग यदाकदा ऐसा ही करते हैं। वंदे मातरम पर उनका विरोध यही दर्शाता है

राष्ट्रभाव का विकल्प नहीं होता। वंदे मातरम भारतीय राष्ट्रभाव की काव्य अभिव्यक्ति है। यह साधारण गीत नहीं राष्ट्रगीत है। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगीत स्वीकार किया। सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा, 'एक मुद्दा विचार के लिए बाकी है अर्थात राष्ट्रगान का प्रश्न। प्रस्ताव के माध्यम से निर्णय लेने से बेहतर है कि मैं राष्ट्रगान के संबंध में कुछ कहूं। जनगणमन वाली संगीत रचना भारत का राष्ट्रगान है। 'वंदे मातरम गीत ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उसे भी जनगणमन के समान सम्मान दिया जाएगा।' कार्यवाही रिकार्ड के अनुसार सभी सदस्यों ने इस पर हर्षध्वनि की। वंदे मातरम का आदर राष्ट्रीय कर्तव्य है। संविधान के अनुच्छेद 51ए में 'संविधान का पालन, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान का आदर व राष्ट्रीय आंदोलन के प्रेरक उच्च आदर्शों का पालन मूल कर्तव्य हैं।' चीन के 1982 के संविधान में भी निर्देश है कि 'नागरिकों का कर्तव्य है कि मातृभूमि की रक्षा करें।' रूसी परिसंघ के 1993 के संविधान में 'पितृभूमि की रक्षा कर्तव्य और बाध्यता है।' इसके पहले सोवियत संघ के संविधान में 'समाजवादी मातृभूमि की रक्षा कर्तव्य है। मातृभूमि के प्रति द्रोह से अधिक कोई गंभीर अपराध नहीं।' मातृभूमि या पितृभूमि कहने से धार्मिक भावना का कोई संबंध नहीं। इसके बावजूद अपने शपथ ग्रहण में सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने वंदे मातरम का विरोध किया। प्रतिकार में कई सदस्यों ने वंदे मातरम के नारे लगाए और बर्क से माफी मांगने की अपील की।

दुनिया के किसी भी देश में राष्ट्रभाव या राष्ट्रगीत का विरोध नहीं होता, लेकिन भारत में विशिष्ट महानुभावों द्वारा होता है। बर्क ने राष्ट्रगीत के विरोध की भड़काऊ वजह ही बताई है। उनके मुताबिक यह इस्लाम विरोधी है। इसलिए वह इसका समर्थन नहीं कर सकते, लेकिन यह सच नहीं है। मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता के समय कांग्रेस के सभी सत्रों में वंदे मातरम गाया जाता था। कांग्रेसी रफी अहमद किदवई मुसलमानों के भी वरिष्ठ नेता थे। वंदे मातरम के पक्षधर थे। आरिफ मोहम्मद खान लेखक और राजनेता हैं। उन्होंने वंदे मातरम का उर्दू अनुवाद किया। उन्होंने लिखा भी कि 'वंदे मातरम का विरोध मुस्लिम लीग ने शुरू किया था। इसके विरोध का कोई कारण इस्लाम में नहीं है। यह विभाजनवादी राजनीति है। राष्ट्रगीत के विरोधी संवैधानिक आदर्शों को खारिज करते हैं।' राष्ट्रगीत संविधान का राष्ट्रभाव है। शिक्षाविद् फिरोज बख्त अहमद ने 2006 में लिखा था 'एक मुस्लिम की हैसियत से मैं देशवासियों विशेषकर मुस्लिम समाज से कहूंगा कि कुछ लोग राजनीति से प्रेरित होकर वंदे मातरम को भावनात्मक मुद्दा बनाने की कोशिश करते हैं।' प्रख्यात संगीतकार एआर रहमान ने वंदे मातरम को संगीत के नए आयाम दिए। 'मां तुझे सलाम' में इस्लाम विरोध नहीं है।

वंदे मातरम इस्लाम विरोधी नहीं है। मां संसार की आदि अनादि अनुभूति है। इस्लामी विश्वास में जन्नत बेहतरीन स्थिति है। हदीस में 'मां के पैरों' के नीचे जन्नत बताई गई है। वेदों में पृथ्वी माता है। हमारे शास्त्रों में यह बातें न भी होतीं तब भी हमें स्वाधीनता संग्राम के बीजमंत्र और संवैधानिक राष्ट्रगीत को खारिज करने का अधिकार नहीं है। वंदे मातरम के ऐसे ही विरोध पर लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेयी ने मार्मिक प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि 'ऐसे मुद्दों पर किसी को भी असहमत होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। कल वे कहेंगे कि हम तिरंगे के सामने नहीं झुकेंगे। हिंदुस्तान में रहने वाले हर इंसान को तिरंगे के सामने झुकना पड़ेगा।' आज फिर वंदे मातरम का विरोध हो रहा है। कोई भी राष्ट्रभक्त इसे राष्ट्रद्रोह कह सकता है। तब उन्हें यह अतिरेक प्रतिक्रिया लगेगी। ऐसे लोगों को राष्ट्रीय प्रतीकों का आदर करना सीखना होगा। अनेक मुस्लिम देशों के राष्ट्रगीतों में भी वंदे मातरम जैसे प्रतीक है।

'वंदे मातरम' में यह 'धरती सुजला, सुफला और मलयज शीतला' है। बांग्लादेश के राष्ट्रगीत में यह 'आमार सोनार' है। स्वर्ण दीप्ति वाली है। इस्लामी देश मिस्र के राष्ट्रगीत में भी धरती माता है। मालदीव के राष्ट्रगीत में कई बार सलाम है। जार्डन में बादशाह को सलाम है। ऐसे राष्ट्रगीतों में कोई इस्लाम विरोधी भावना नहीं है तो वंदे मातरम में इस्लाम विरोध का फिर आखिर क्या औचित्य? इसकी वजह विभाजनकारी राजनीति है। मुस्लिम लीग के अध्यक्ष सैयद अली इमाम ने अमृतसर अधिवेशन में वंदे मातरम पर हमला बोला। फिर मुहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम के विरोध को अपना अलगाववादी हथियार बना लिया। वह देश तोड़ने में कामयाब रहे। स्वतंत्र भारत की राजनीति में भी अक्सर जिन्ना का प्रेत जाग जाता है।

अवधेश राजपूत

वैदिक संस्कृति में पृथ्वी माता है। इसी सांस्कृतिक प्रवाह में बंकिम चंद्र ने वंदे मातरम लिखा। यह 1882 में प्रकाशित उनके उपन्यास 'आनंदमठ' का भाग है। तीन साल बाद 1885 में कांग्रेस बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में हमेंद्र बाबू ने वंदे मातरम गाया। अध्यक्ष मो. रहमत उल्लाह भी मंच पर थे। विरोध नहीं हुआ। 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्र नाथ टैगोर ने इसे छंदबद्ध देश राग एक ताल में गाया। बंगाल विभाजन के दौर में धरती आकाश तक वंदे मातरम का जयघोष था। डरी सत्ता ने वंदे मातरम पर प्रतिबंध लगाया। 1905 के वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन में भी वंदे मातरम गाया गया। वहीं कांग्रेस ने वंदे मातरम को राष्ट्रगीत स्वीकार किया। लाला लाजपतराय ने उर्दू में लाहौर से 'वंदे मातरम' अखबार निकाला। विपिन चंद्र पाल और योगी अरविंद भी इसके संपादक रहे। इस पर 1907 में मुकदमा चला। पाल ने इस कार्रवाई को राष्ट्रद्रोह कहा। उन्हें छह माह की सजा हुई। तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती ने इसे तमिल में गाया और पंतलु ने तेलुगु में। इसकी जड़ें भारत की धरती, आकाश और पाताल में हैं।

कांग्रेस के काकीनाडा अधिवेशन में प्रख्यात संगीत सर्जक पं. विष्णु दिगंबर पुलस्कर के वंदे मातरम गायन के समय अध्यक्ष मो. जौहर अली ने विरोध किया। 1937 में डरी कांग्रेस ने वंदे मातरम को संक्षिप्त किया। स्वतंत्रता दिवस पर आकाशवाणी के निदेशक ने पं. ओंकारनाथ ठाकुर को संदेश दिया कि सरदार पटेल ने आपको वंदे मातरम गायन के लिए बुलाया है। ठाकुर ने कहा कि हम पूरा गाएंगे। उन्हें सहमति मिली, उन्होंने पूरा गाया। वंदे मातरम के अंतरसंगीत ने महान गायकों को आकर्षित किया। यदुनाथ भट्ट ने इसे राग मल्हार, हीराबाई बड़ोदकर ने तिलक कामोद व पुलस्कर ने कई राग मिलाकर गाया। अभ्यंकर ने खंभावती व कृष्णराव ने राग झिझोटी में गाया, लेकिन राजनीति ने इसे 'तुष्टीकरण राग' में गाया। स्वाधीनता संग्राम में यह जन-जन की प्रेरणा था। गांधी जी ने 1905 में ही इसे राष्ट्रगीत बनाने की पैरवी की थी। वह राष्ट्रगीत बना। फिर इसे हिंदुत्व से जोड़कर इसका विरोध हुआ। गांधी जी ने 'हरिजन' में लिखा 'मुझे नहीं लगता कि यह हिंदू गीत है। हम बुरे दिन देख रहे हैं।' गांधी जी 1937 में बुरे दिन देख रहे थे और हम 2019 की लोकसभा में। वंदे मातरम के विरोधियों से प्रार्थना है कि वे नए भारत का संज्ञान लें। राष्ट्रभाव-राष्ट्रगीत का सम्मान करें।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं)

response@jagran.com

कानून के राज से खतरनाक खिलवाड़

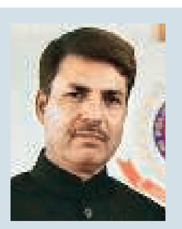

डॉ. महेश भारद्वाज

हमसे आगे निकलने वाले देशों में कानून का शासन अपेक्षाकृत मजबूत और प्रभावी है। हमें भी अपना रवैया बदलना होगा

वर्ष 2022 में भारत आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। कुछ साल बाद मनाए जाने वाले हीरक जयंती जश्न के बीच यह सवाल भी उठेगा कि एक राष्ट्र के रूप मे हमने पिछले 75 वर्षों में क्या हासिल किया है और तुलना उन मुल्कों से भी होगी जो हमारे साथ या हमारे बाद आजाद हुए और विकास यात्रा में हमसे आगे निकल गए। यह चर्चा इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि एक ओर तो नई सरकार द्वारा देश को अग्रणी देशों की श्रेणी में लाने की रणनीति बनाई जा रही हैं तो दूसरी ओर कहीं डॉक्टर भीड़ के हमले का शिकार हो रहे हैं तो कहीं पुलिसकर्मी। कोलकाता और दिल्ली-एनसीआर में डॉक्टरों और पुलिस पर हमले की हाल की घटनाओं के अलावा देश के अन्य हिस्सों में सरकारी कर्मचारियों से मारपीट और अभद्रता की घटनाओं की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है जबकि विकास के रास्ते पर चलने वाले किसी भी राष्ट्र के लिए कानून के शासन का मजबूत होना बहुत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार देशभर में वर्ष 2014 में राज्य के खिलाफ दर्ज अपराधों की संख्या 5396 थी जो 2015 में 6040 हो गई। वर्ष 2016 के 6986 मामलों में सबसे ज्यादा 1827 मामले तमिलनाडु में तथा 1414 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए थे। 1286 मामलों के साथ हरियाणा तीसरे नंबर पर रहा। गौरतलब है कि 2016 के कुल 6986 मामलों में से 5825 मामले तो अकेले सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित थे। संसाधनों के लिए जूझ रहे देश में इस कदर सरकारी संपत्ति के नुकसान को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक शांतिभंग के वर्ष 2014 में 76248 और 2015 में 76555 मामले दर्ज हुए जबकि 2016 में इनकी संख्या घटकर 72829 रह गई, जिसे अच्छा संकेत माना जा सकता है। इनमें सबसे ज्यादा 18.4 प्रतिशत मामले बिहार में, 12 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में तो 11.9 प्रतिशत महाराष्ट्र में दर्ज किए गए। इनमें बड़ी संख्या में आए दिन दर्ज होते रहने वाले राजकाज में बाधा पहुंचाने से संबंधित मामले शामिल नहीं हैं। इससे सवाल उठने लगा है कि कानून का शासन कायम करने में हम कितने कामयाब रहे हैं। इन सवालों के जवाब तलाशने की कवायद में यह बात अवश्य सामने आएगी कि हमसे आगे निकलने वाले देशों में कानून का शासन अपेक्षाकृत मजबूत और प्रभावी है। बात भी सही है कि दुनिया के समृद्ध और विकसित देशों में कानून का भय होने के कारण वहां कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहतर है। वहां जनता को कानून की अवहेलना करने से पहले कई बार सोचना पड़ता है, पूरब में सिंगापुर और पश्चिम में दुबई के उदाहरण हमारे सामने हैं जहां भारतीय खूब आते-जाते हैं और वहां जाकर उनके कानूनों के पालन के प्रति हम लोग भी उतने ही सजग रहते हैं।

कानून के इकबाल को लेकर अंग्रेजी हुकूमत के दौरान भारत में भी ऐसी ही स्थिति थी, क्योंकि औपनिवेशिक पुलिस और सरकारी मुलाजिमों का जनमानस में भय था। अंग्रेजों ने भी जानबूझकर भारत जैसे अपने सभी उपनिवेशों में उस समय आयरलैंड में प्रचलित खूंखार पुलिस प्रणाली, रॉयल आयरिस कांस्टेबुलरी मॉडल को स्थापित किया जिसका मकसद ही आमजन का भयादोहन करना था। तब बड़ी से बड़ी भीड़ को काबू में रखने के लिए चंद पुलिसकर्मी काफी होते थे। पुरानी पीढ़ी के लोग जानते हैं कि आजादी के कुछ अर्से बाद तक कमोबेश यही स्थिति रही, लेकिन स्वराज्य प्राप्ति के बाद धीरे-धीरे कानून का डर घट सा गया। अपनी सरकार बनने और पुरानी की जगह नई पीढ़ी आने से लोगों का सरकार के प्रति नजरिया बदला। आजाद मुल्क में सरकारी अमले से पैदा होने वाले डर का निकलना जरूरी भी था, लेकिन इस डर की जगह कानून के प्रति आदरभाव और सम्मान की भावना को पैदा करने में कहीं चूक रह गई और नतीजे हमारे सामने हैं।

बीबीसी के लिए भारत में लंबे समय तक काम कर चुके पत्रकार मार्क टुली ने कुछ दिन पहले लिखा कि आज भारत में कानून का इकबाल कम हो गया है। इसका मतलब यही निकाला जा सकता है कि कहीं न कहीं राज्य कमजोर पड़ता जा रहा है और वह भी ऐसे समय जब दुनियाभर के तमाम देशों में 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना का जोर है जिसके चलते राष्ट्रीय हितों की खातिर निजी हितों के त्याग की बात होने लगी है। मजबूत सरकार और कानूनों की सख्त अनुपालना वक्त का तकाजा है। सरकारी मशीनरी की अवहेलना को बयान करने वाली घटनाओं के बढ़ने का सारा दोष केवल जनता के मत्थे ही मढ़ना ठीक नहीं है, बल्कि हमारी सरकारी कार्यसंस्कृति भी एक बड़ी हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। इसे दुरुस्त करने के लिए सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को अपने तौर-तरीकों में बदलाव लाकर वास्तविक रूप से जनता का सेवक बनना होगा। अब सांकेतिक या दिखावटी बदलाव से काम नहीं चलेगा। यह कैसे हो सकता है कि सरकारी लोग स्वयं तो नियम-कानून की परवाह न करें और जनता से उनके अनुपालन की अपेक्षा रखें! कब तक सरकारी लोग यह मानते रहेंगे कि नौकरी में लापरवाही या गड़बड़ करते पकड़े जाएंगे तो कोई जुगत बिठाकर बच निकलेंगे। बच निकलने की इस पतली गली का रास्ता बंद करना ही होगा।

नई सरकार के गठन के बाद उम्मीद बढ़ी है कि ढीली-ढाली सरकारी कार्यसंस्कृति का स्थान चुस्त-दुरुस्त और जवाबदेही वाली कार्यसंस्कृति लेगी और जनप्रतिनिधियों की तर्ज पर नौकरशाही को भी जनता के प्रति उत्तरदायी बनाया जाएगा। सरकार बनते ही उठाए गए कतिपय कदम इस दिशा मे सरकार की मंशा को दर्शाते हैं। अखिल भारतीय सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन रिटायर करने से हुई शुरुआत स्वागतयोग्य है। कानून के प्रति कानून के पहरेदारों और जनता को समान रूप से गंभीर होना होगा। ऐसी स्थिति में जनता जब देखेगी कि कानून के पालन में सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं तो न तो उन पर हमले होंगे और न ही उनका निरादर होगा। देश को विश्व पटल पर लाने के लिए नागरिकों को भी कानून पालन के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा और यह काम कानून के प्रति आदर की भावना विकसित करने से हो तो अच्छा है, ताकि कानून के भय की जरूरत ही न पड़े। इसी के साथ राज्य को और सशक्त बनाने की जरूरत है ताकि कानून और उसका पालन करवाने वालों को आए दिन होने वाली घटनाओं से न जूझना पड़े। यदि सरकारी कर्मी ही सुरक्षित नहीं रहेंगे तो जनता में सुरक्षा की भावना कैसे पैदा होगी।

(लेखक भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

श्रद्धा

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है, किंतु जिन कार्यों से सम्मान मिलना संभव होता है, उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी मनुष्यों को अथक प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता और सम्मान बढ़ता है, उसे बढ़ाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी रहेगी। उचित योग्यता के अभाव में क्या किसी को सम्मान मिला भी है? योग्यता, विलक्षणता-परिश्रम और अभ्यास से मिलती है। इसके लिए सबसे पहले साहस उत्पन्न करना पड़ता है। साहस के बिना वह शक्ति नहीं आती जो विपन्न स्थिति में धैर्य स्थिर रख सके। साहस से कष्ट-सहिष्णुता आती है जिससे लोग हंसते हुए कठिनाइयों को झेल जाते हैं। जब इस तरह का विशाल हृदय मनुष्य का बन जाता है तो यश स्वयं चलकर पैर चूमने लगता है। कर्तव्य-बुद्धि के परिष्कार से ही गुणों की पराकाष्ठा तक पहुंच पाना संभव है।

श्रेष्ठता प्राप्त करने का अभ्यास, आवेश या अंधानुकरण पर आधारित न हो, अन्यथा अधिक देर तक उस सत्कर्म में टिके रहना संभव न होगा और उतना परिश्रम व्यर्थ चला जाएगा। साथ ही निंदा के पात्र बनेंगे। विपरीत स्थिति और शक्ति से बढ़कर किए गए प्रयास प्रायः निष्फल होते हैं। अच्छा यही है कि अपनी सामर्थ्य को ध्यान में रखकर ही गुणों का रचनात्मक विकास करें। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा-सच्चा उपाय है और वह है सबके प्रति बैर-भाव, ईर्ष्या-द्वेष और प्रतिशोध की भावना न रखना, सबके साथ मिलकर, प्रेम, न्याय, दया, करुणा और सहृदयता से रहकर यह स्थिति सहज में ही प्राप्त की जा सकती है। ऐसे निर्मल स्वभाव के व्यक्तियों का किसी के साथ विरोध नहीं होता। उन्हें सभी ओर से सम्मान मिलता है। सम्मान प्राप्ति की आध्यात्मिक जिज्ञासा को शांत करने के लिए हमें अपनी श्रेष्ठता और विशेषता निरंतर बढ़ाते रहना चाहिए। अपना चरित्र अपेक्षाकृत अधिक उज्ज्वल बनाने के लिए और जनहित के लिए अधिक त्याग करने का आवश्यक साहस संचय करना चाहिए। उत्कृष्टता के मूल्य पर ही कोई जनसाधारण की श्रद्धा का पात्र बन सकता है। स्मरण रहे कि सम्मान अर्जित करना पड़ता है।

श्रीमती रमन त्रिपाठी

एक देश-एक चुनाव का वक्त

डॉ. गौरीशंकर राजहंस

हर देश में राष्ट्रपति या राष्ट्राध्यक्ष नए सांसदों को संबोधित करते हैं जिसमें सरकार की भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से वर्णन रहता है

अभी-अभी राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संसद के दोनों सदनों के सासदों को संबोधित किया है। यह भाषण परंपरा के अनुरूप ही है। हर देश में राष्ट्रपति या राष्ट्राध्यक्ष नए सांसदों को संबोधित करते हैं जिसमें सरकार की भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से वर्णन रहता है। जानकार लोगों का कहना है कि अपने देश में यह अभिभाषण प्रधानमंत्री कार्यालय में तैयार किया जाता है और उसमें थोड़ा बहुत संशोधन करके उसे राष्ट्रपति को भेज दिया जाता है। राष्ट्रपति मामूली संशोधन करके उसे संसद के केंद्रीय कक्ष में दोनों सदनों के सदस्यों के सम्मुख पढ़ते हैं। उसके बाद संसद के दोनों सदनों में इस भाषण पर चर्चा होती है।

इस बार इस भाषण में कई महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं जिसमें से कुछ का जिक्र करना चाहूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई वर्षों से कह रहे हैं कि मुस्लिम महिलाओं के साथ न्याय होना चाहिए तथा 'तीन तलाक' और 'हलाला' प्रथा पर कठोरतापूर्वक रोक लगनी चाहिए। वायदे के अनुसार नरेंद्र मोदी सरकार ने गत शुक्रवार दिनांक 21 जून, 2019 को तीन तलाक समाप्त करने का बिल लोकसभा में पेश कर दिया। परंतु जैसे ही कानून मंत्री रविशंकर ने यह बिल लोकसभा में पेश किया, विपक्षी नेताओं, ने जिसमें कांग्रेस पार्टी भी शामिल है, भारी हंगामा किया। अब आगामी कुछ दिनों में इस बिल पर व्यापक चर्चा होगी और इसमें कोई संदेह नहीं कि इस चर्चा के दौरान आपस में कटुता भी बहुत आएगी, परंतु नरेंद्र मोदी अपनी बात के पक्के हैं, वह हर हालत में इस बिल को पास कराएंगे और मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाएंगे।

इसके अलावा राष्ट्रपति के अभिभाषण में यह कहा गया कि समय का तकाजा है कि 'एक देश-एक चुनाव' हो। 70 के दशक तक तो ऐसा होता ही था, परंतु बाद में यह बंद हो गया। इसका कारण था कि क्षेत्रीय दल अपना वर्चस्व चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों के नेताओं को इस मसले पर चर्चा के लिए बुलाया था। कांग्रेस, टीएमसी इस चर्चा में शामिल नहीं हुए, परंतु 40 में से 21 दलों के नेताओं ने इस चर्चा में भाग लिया। अंत में फैसला यही हुआ कि एक समिति बनाई जाएगी जो सब लोगों की राय लेकर इस मसले पर सुझाव देगी। उसके बाद दोनों सदनों में इसकी चर्चा होगी। यह कहना कठिन है कि सभी विपक्षी दल इस मामले में एक मत हो जाएंगे। चुनाव आयोग भी इस मामले में दो राय है। चुनाव आयोग के कुछ सदस्य देश में एक साथ चुनाव कराना चाहते हैं और कुछ इसके विरुद्ध हैं। और कहते हैं कि चुनाव आयोग के पास ऐसी व्यवस्था नहीं कि बहुत बड़े पैमाने पर एक साथ चुनाव कराया जाए। लगता है कि इस मसले पर अभी लंबी बहस चलेगी। कहना कठिन है कि अंत में संसद के दोनों सदनों के सदस्य इस पर क्या निर्णय करेंगे।

बहरहाल आज की जो स्थिति है उसमें प्रायः हर महीने किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं जिससे विधि-व्यवस्था बहुत प्रभावित हो जाती है और सरकार का बेशुमार धन भी खर्च होता है। इसे रोका जाना चाहिए और 'एक देश-एक चुनाव' होना चाहिए।

(लेखक पूर्व सांसद एवं पूर्व राजदूत हैं)

मेलबाक्स

सरकार और न्यायतंत्र

संजय गुप्त ने अपने आलेख 'तीव्र विकास की चुनौतियां' में जिस समग्र विकास का उल्लेख किया है, वह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जरूरी है। मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में जो सकारात्मक प्रयास किए थे, उसका प्रतिफल उन्हें प्रचंड बहुमत के रूप में मिला है। अब दूसरे कार्यकाल में जो जन अपेक्षाएं हैं, उनको पूरा करना मोदी सरकार के लिए चुनौती भरा है, क्योंकि एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसे राष्ट्रहितैषी मुद्दे पर भी जब प्रमुख विपक्षी दल प्रधानमंत्री द्वारा आहूत सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार करते हुए केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति करते नजर आएं तो देश का विकास बाधित होना स्वाभाविक है। दूसरी ओर देश के न्यायिक तंत्र की लेट-लतीफी से जब राज्य और केंद्र सरकार से संबंधित वादों का निपटारा समय से नहीं हो पाता है तो सरकारी योजनाएं बाधित हो जाती हैं। उदाहरण के तौर पर उप्र सरकार द्वारा की गई 69,000 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती से संबंधित वाद उच्च न्यायालय में लंबित होने के कारण प्राथमिक विद्यालयों के लिए आवश्यक सरकारी शिक्षक नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में सरकारी कार्यों में आने वाली न्यायिक बाधाओं से उबरने के लिए विभागीय स्तर पर लोअर और अपर न्यायाधिकरण स्थापित करने की जरूरत है। जिसमें लोअर कोर्ट में निस्तारित वाद की अपील अपर न्यायाधिकरण में करने की व्यवस्था हो। विभागीय न्यायाधिकरण से निस्तारित होने वाले वाद अंतिम रूप से निस्तारित माने जाएं, ऐसा कानून भी बनाया जाए, ताकि इस तरह के सरकारी वाद उच्च और सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए दायर न हो सकें। देश के समग्र विकास के लिए मोदी सरकार का जो विजन है, उसकी सफलता के लिए न्याय की ओट में खड़ी की जाने वाली बाधाओं से पार पाना जरूरी है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें न्यायिक तंत्र की समय सापेक्ष न्याय देने की जिम्मेदारी भी अपेक्षित है। जो फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है।

pandeyvp1960@gmail.com

योग का महत्व

जीवन के वास्तविक स्वरूप में योग का वही स्थान है जो मानव जीवन में शिक्षा का है। जिस प्रकार शिक्षित मनुष्य अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकता है, ठीक उसी प्रकार योग के माध्यम से मनुष्य के स्वास्थ्य की चिंता दूर हो सकती है। दुनिया भारतीय जीवन पद्धति को अपनाकर योग को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित कर रही है, वहीं दूसरी ओर योग के जनक हमारे देश में योग के प्रचार-प्रसार के लिए करोड़ों-अरबों रुपये खर्च हो रहे हैं। भारत की सभ्यता और संस्कृति जिन पौराणिक विरासतों पर टिकी है, उनमें योग के स्थान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। योग की जड़ें भारतीय मिट्टी के कण-कण में विद्यमान हैं और सरकारी प्रयास और जागरूकता से अवश्य ही योग के सम्मान के साथ निरोग शरीर की कामना पूर्ण होगी। हमें इस बात पर भी गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि क्या सिर्फ एक दिवसीय योग कर या तस्वीरें साझा कर निरोग होने की चाहत पूरी हो सकेगी? हमें इस बात को मानना और समझना चाहिए कि योग एक बेहद नायाब पद्धति है, जिसके लिए हमें समय निकालने की आवश्यकता है। अस्पतालों में बीमारियों से जूझने की शक्ति तक हममें नहीं है। नियमित योगाभ्यास से हमारा शरीर न सिर्फ सुगठित होता है अपितु नई ऊर्जा और स्फूर्ति भी हममें भर जाती हैं। संसार भर में योग को अपनाने का सार्थक प्रयास हो रहा है, लेकिन हमारे देश में योग के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पड़ रही है। निःसंदेह योग को अपनी दिनचर्या का अंग बनाकर हम इसके लाभों से लाभान्वित होंगे।

pathaksourabh.pathak@gmail.com

बेबस बच्चे

बच्चे देश के भविष्य हैं, इसलिए उनका बचपन संवारना हमारा पहला कर्तव्य है। लेकिन अफसोस कि देश के अधिकांश बच्चे विषम परिस्थितियों में जीने के लिए विवश हैं। न जाने कितने मासूम रोजाना लापता हो रहे हैं और उनका कुछ पता नहीं चल पाता है। हालांकि सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की मदद से बच्चों की सुरक्षा की दिशा में जरूरी कदम उठाने की बात होती है, लेकिन देश की जनसंख्या के हिसाब से यह कोशिश नाकाफी है। ऐसे में सरकार को इस तरफ नए सिरे से कानून बनाकर इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

ritesh01upadhyay@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 23359961-62, नोएडा कार्यालय : 0120-3915800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

22 विश्वविद्यालय हैं बिहार में, जिनमें प्रति 1,00,000 छात्रों पर केवल सात कॉलेजों के साथ कुल 744 कॉलेज हैं। एक कॉलेज में औसतन 2142 नामांकन हैं।

आजकल

हांगकांग की स्वायत्तता का अनिश्चित भविष्य

राहुल लाल
सदस्य, भारत-यूरोपीय यूनियन सांस्कृतिक परिषद

पूरब और पश्चिम का संधि स्थल कहा जाने वाला हांगकांग इन दिनों थम सा गया है। वहां करीब दो सप्ताह से प्रत्यर्पण कानून में संशोधन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं और इस दौरान कई बार पुलिस के साथ हिंसक झड़पें भी हुई हैं। हालांकि हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लैम ने लोगों का गुस्सा शांत करने के लिए प्रत्यर्पण बिल को निलंबित करने का एलान किया है, लेकिन यह आश्वासन भी आंदोलन समाप्त नहीं कर पाया है। आंदोलनकारियों की मांग है कि प्रत्यर्पण बिल को पूरी तरह से रद किया जाए

हांगकांग लगभग 200 छोटे-बड़े द्वीपों का समूह है और इसका शाब्दिक अर्थ है सुगंधित बंदरगाह। कहते हैं यहीं पूरब, पश्चिम से आकर मिलता है। पूरब और पश्चिम का यह संधि स्थल इन दिनों थम-सा गया है। हांगकांग में करीब दो सप्ताह से प्रत्यर्पण कानून में संशोधन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं और इस दौरान कई बार पुलिस के साथ हिंसक झड़पें भी हुई हैं। हांगकांग की चीफ एक्जीक्यूटिव (मुख्य कार्यकारी) कैरी लैम ने 15 जून को भारी दबाव के बाद लोगों का गुस्सा शांत करने के लिए प्रत्यर्पण बिल को अस्थायी रूप से निलंबित करने का एलान किया था, लेकिन यह आश्वासन भी आंदोलन समाप्त नहीं कर पाया है। आंदोलनकारियों की मांग है कि प्रत्यर्पण बिल को पूरी तरह से रद किया जाए। इस आंदोलन में जनभागीदारी भी उच्चतम स्तर पर है। लगभग 70 लाख की आबादी वाले हांगकांग में 10 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए हैं। हांगकांग के इस संपूर्ण मामले को समझने के लिए हांगकांग के इतिहास और चीन के साथ उसके रिश्ते को समझना आवश्यक है।

हांगकांग-चीन के रिश्ते

दुनिया का बड़ा कारोबारी हब और अल्फा प्लस शहरों में शामिल हांगकांग का इतिहास काफी रोचक है। अफीम बेचने और चीनियों को अफीमची बनाने के विरोध में चीन और इंग्लैंड में 1839 से 1842 तक एक युद्ध हुआ, जिसे प्रथम अफीम युद्ध भी कहते हैं। इस युद्ध में चीन की हार हुई और उसे हांगकांग, इंग्लैंड को देना पड़ा तथा साथ में अफीम के गोदामों को नुकसान पहुंचाने का मुआवजा भी भरना पड़ा। दूसरे अफीम युद्ध में बीजिंग को 1860 में कोवलून से भी पीछे हटना पड़ा। इस तरह हांगकांग 1997 तक ब्रिटेन का उपनिवेश रहा। इंग्लैंड ने चीन के साथ व्यापार करने में हांगकांग को एक व्यावसायिक बंदरगाह की तरह प्रयोग किया। हालांकि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान 1941 से 1945 तक जापान का भी इस पर कब्जा रहा। जापान के इन 4 वर्षों के शासन में हांगकांग की हालत बदतर हो गई। उस समय हांगकांग की जनसंख्या 16 लाख थी, लेकिन भूखमरी और पलायन के बाद केवल 6 लाख लोग ही बचे। जापान के जाने के बाद 1945 से आधुनिक हांगकांग के विकास की अद्भुत कहानी शुरू हुई। ब्रितानी हुकूमत में हांगकांग बड़ी तेजी से आगे बढ़ा और दुनिया का बड़ा वित्तीय और व्यावसायिक केंद्र बन गया। गगनचुंबी अट्टालिकाएं, अत्याधुनिक यातायात व्यवस्था, भ्रष्टाचार रहित प्रशासन और सबसे महत्वपूर्ण तीव्र आर्थिक प्रगति हांगकांग की पहचान बन गई। हांगकांग ने अपनी मुद्रा 'हांगकांग डॉलर' को मजबूत किया, जो आज दुनिया की नौवें नंबर की कारोबारी मुद्रा है।

चीन और ब्रिटेन का समझौता

1982 से लंदन और बीजिंग के बीच हांगकांग की सत्ता के हस्तांतरण की जटिल समझौता वार्ता शुरू हुई। चीन के मुकाबले हांगकांग में बिल्कुल अलग किस्म की राजनीति और आर्थिक व्यवस्था विकसित हो चुकी थी। वहीं चीन में 1949 से ही कम्युनिस्ट शासन व्यवस्था कायम थी। 1997 में ब्रिटेन और चीन के बीच समझौता हुआ। इसके अंतर्गत 1 जुलाई, 1997 को ब्रिटेन ने हांगकांग को स्वायत्तता की शर्त के साथ चीन को सौंपा। 'एक देश-दो व्यवस्था' की अवधारणा के साथ हांगकांग को अगले 50 वर्षों के लिए अपनी स्वतंत्रता, सामाजिक, कानूनी और राजनीतिक व्यवस्था बनाए रखने की गारंटी दी गई थी। इस तरह समझौते में हांगकांग को विदेश और रक्षा मामलों को छोड़कर अन्य अधिकार मिले। इसके बाद हांगकांग चीन का विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बन गया, जिसके पास अपनी कानून व्यवस्था, बहुदलीय व्यवस्था, अभिव्यक्ति की आजादी इत्यादि हैं। इन विशेष अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए इस क्षेत्र के पास अपना छोटा संविधान है, जिसे बेसिक लॉ कहा जाता है। बेसिक लॉ का मुख्य उद्देश्य सार्वभौमिक मताधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जरिये इस इलाके के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष को चुनना है।

हांगकांग का प्रशासन

हांगकांग के चीफ एक्जीक्यूटिव का चुनाव 1200 सदस्यों वाली चुनाव समिति करती है, लेकिन वर्तमान में इसके अधिकांश सदस्यों को बीजिंग समर्थक के रूप में देखा जाता है। हांगकांग सत्ता हस्तांतरण के समय यह तय हुआ था कि हांगकांग के लोग अपना नेता स्वयं चुनेंगे। हांगकांग के बेसिक लॉ के अनुसार व्यवस्था का मकसद है, क्रमशः उस स्थिति पर पहुंचना, जहां संसद की सभी सीटों का चुनाव जनता के वोटों से हो। चीफ एक्जीक्यूटिव के चुनाव के लिए भी ऐसे ही सिस्टम का वर्णन है। मगर ऐसा हो नहीं रहा। हांगकांग की संसद 'लेजिस्लेटिव काउंसिल' में 70 सीटें हैं। इसकी आधी यानी 35 सीटें ही सीधे लोगों द्वारा चुनी जाती हैं और शेष सीटों पर चुनाव अप्रत्यक्ष होता है, जिसपर नियंत्रण चीन समर्थित समूहों का ही रहता है।

हांगकांग की आजादी पर संकट

वर्ष 2012 में शी चिनफिंग के सत्ता में आने के बाद से ही चीन की आक्रामकता में वृद्धि हो गई है। शी चिनफिंग ने चीन के संविधान में संशोधन कर न केवल स्वयं को आजीवन राष्ट्रपति बनाया है, अपितु शक्तियों का स्वयं में भारी संकेंद्रण भी किया है। शी चिनफिंग आलोचनाओं के लिए थोड़ी सी भी सहनशीलता नहीं रखते हैं। वैसे शी चिनफिंग से पूर्व वर्ष 2003 में हांगकांग में दंगा संबंधी कानून के विरोध में एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। दंगा संबंधी कानून के तहत प्रावधान था कि चीन के खिलाफ किसी भी किस्म का दंगा भड़काने, साजिश करने या विद्रोह करने पर दोषी को उम्र कैद तक हो सकती है। इस कानून के विरोध में करीब 5 लाख लोग सड़कों पर उतरे थे और इसका असर यह हुआ था कि उस कानून को रद करना पड़ा था, लेकिन शी चिनफिंग के आने के बाद से हांगकांग में स्वायत्तता परोक्ष रूप में घट रही है। वर्ष 2015 में हांगकांग के कई किताब विक्रेताओं को नजरबंद कर लेने के बाद से लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। वर्ष 2014 में बीजिंग ने कहा था कि वह मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष को सीधे चुनाव की इजाजत देगा, परंतु केवल पहले से अधिकृत उम्मीदवारों की सूची से ही इनका चुनाव होगा, लेकिन पूरी तरह लोकतंत्र चाहने वाले लोगों की ओर से इसका बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हो गया। यह आंदोलन अंब्रेला आंदोलन के नाम से प्रसिद्ध हुआ। करीब 79 दिनों तक लोग आंदोलन करते रहे। आखिरकार अंब्रेला आंदोलन को चीन ने असफल कर दिया, क्योंकि इसे नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन नहीं मिला था, लेकिन इस बार का आंदोलन हांगकांग में 1997 के बाद अब तक का सबसे बड़ा आंदोलन है, जिससे शी चिनफिंग अब तनाव में होंगे। स्पष्ट है कि अंब्रेला मूवमेंट में स्वायत्तता की बात इस तरह सामने नहीं आई थी, लेकिन प्रत्यर्पण को लोगों ने सीधे हांगकांग की राजनीतिक स्वायत्तता पर हमले के रूप में देखा है।

भविष्य की राह

दरअसल चीन इस वक्त कई मोर्चों पर बहुपक्षीय संघर्ष कर रहा है। अमेरिका के साथ जारी ट्रेड वार, देश की धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था और तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति दर चीन के सामने चुनौती पेश कर रही हैं। इन सबके बीच चीन हांगकांग के आंदोलनकारियों पर दमनात्मक कार्रवाई से बचना चाहता है।

वास्तव में बीजिंग यहां पूर्ण नियंत्रण को बनाए रखना चाहता है और अर्द्ध स्वायत्तता वाले इस क्षेत्र में पूर्ण लोकतंत्र की अनुमति नहीं देना चाहता है। सवाल यह है कि अगर चीफ एक्जीक्यूटिव का चयन हांगकांग की जनता ने किया होता तो उन्हें इस तरह अपने मूल अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता? इस संपूर्ण टकराव से चीन को महसूस हुआ कि उसे काफी नुकसान हो सकता है। चीन का जो पूरा वित्तीय बाजार है, उसका बहुत बड़ा हिस्सा हांगकांग में है। बड़ी-बड़ी चीनी कंपनियों के 40 से 50 प्रतिशत तक स्टॉक हांगकांग में लिस्टेड हैं। ऐसे में अगर चीन आंदोलनकारियों पर कार्रवाई करता तो उसका वित्तीय बाजार टूट जाता। यही कारण है कि चीन ने हांगकांग के 2014 के आंदोलन के महत्वपूर्ण लोकतंत्र समर्थक नेता जोशुआ वांग को भी पिछले सप्ताह छोड़ दिया था। अभी यह आंदोलन रुका नहीं है, आंदोलनकारी बिल को रद करने की मांग पर अड़े हैं। इस समय चीन झुकता हुए नजर आ रहा है। अभी शायद आंदोलनकारियों की मांग स्वीकार किए जाने पर आंदोलन समाप्त हो जाए, लेकिन लोकतांत्रिक आकांक्षाओं से प्रेरित युवा पीढ़ी की संख्या बढ़ने के साथ हांगकांग के भविष्य को लेकर राजनीतिक संघर्ष और बढ़ेगा।

नए प्रत्यर्पण बिल का विरोध क्यों?

हांगकांग की सरकार इसी फरवरी में मौजूदा प्रत्यर्पण कानून में संशोधन का प्रस्ताव लेकर आई थी। ताइवान में एक व्यक्ति अपनी प्रेमिका की कथित तौर पर हत्या कर हांगकांग वापस आ गया था। इसके बाद ही इस कानून में संशोधन का प्रस्ताव लाया गया था। इसके अनुसार अगर कोई व्यक्ति अपराध करके हांगकांग भाग जाता है तो उसे जांच प्रक्रिया में शामिल होने के लिए चीन भेजा जाएगा। यह कानून चीन को उन क्षेत्रों से संदिग्धों को प्रत्यर्पित करने की अनुमति देगा, जिनके साथ हांगकांग के समझौते नहीं हैं। दरअसल इस प्रस्तावित कानून से हांगकांग की स्वायत्तता प्रभावित होगी। इस प्रस्तावित बिल में 37 तरह के अपराधों पर प्रत्यर्पण संभव होगा। इसमें आपराधिक गतिविधियों के अतिरिक्त राजनीतिक आरोप भी शामिल हैं। इसके अंतर्गत जो वांछित अपराधी होगा, उसे भेजने की मंजूरी हांगकांग के चीफ एक्जीक्यूटिव देंगे। प्रत्यर्पित करके चीन या ताइवान भेजे जाने से पहले हांगकांग की अदालत इस तरह के केस देखेगी, जिससे तय किया जा सके कि मामला बनता है या नहीं।

बेशक इसमें हांगकांग के पास कुछ अधिकार होंगे, पर लोगों का मानना है कि बिल पास हो जाने की स्थिति में अगर चीन की तरफ से प्रत्यर्पण की मांग आई तो हांगकांग के लिए इन्कार करना मुश्किल हो जाएगा। हमलोग यह पहले ही समझ चुके हैं कि वहां का चीफ एक्जीक्यूटिव मूलतः चीन समर्थक ही होता है। ऐसे में नया कानून अगर बन गया तो हांगकांग से जिसे चाहे उसे उठाकर चीन भेजा जा सकेगा। न केवल अपराधी विशेषकर चीन के विरोध में बोलनेवाले, आलोचकों तथा लोकतंत्र समर्थकों को पकड़कर उन पर भी फर्जी मुकदमा चलाना आसान हो जाएगा। चीन में एक बार आरोप लगा तो व्यक्ति को ऐसी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना होता है, जहां अधिकांश आपराधिक मामले सजा पर समाप्त होते हैं। यही कारण है कि हांगकांग की चीफ एक्जीक्यूटिव कैरी लैम द्वारा प्रस्तावित कानून पर अस्थायी निलंबन आंदोलनकारियोंको संतुष्ट नहीं कर पा रहा है तथा वे इसे पूरी तरह से रद करने की मांग कर रहे हैं।

खरी-खरी

टूटकर बिखरते माला के सफेद मनके

ओम वर्मा

कभी वे भी अपनी-अपनी बगियाओं के रंग-बिरंगे महकते फूल ही थे। मगर अब उन्हें कुदरत ने सफेद लिबास पहना दिया। और इस लिबास की वजह से वे सब रंग-रूप और आकार-प्रकार में किसी माला के मनकों की तरह एक समान नजर आ रहे थे। मानो आज उनमें समाजवाद उतर आया हो। चमकी माला के पूरे 108 मनके। दुर्भाग्य तो ये कि माला अपने 108 मनकों का फेरा तोड़कर और मनकों को जोड़े चले जा रही है।

जाहिर है कि मल-मूत्र की उनकी देह बौद्ध विहार में तो विहार न कर सकी, मगर सुना है कि आत्मा इन बंधनों से मुक्त हो कहीं भी विचरण कर सकती है। लिहाजा मासूम मनके सांसों की माला तोड़ विहार करने के बहाने सरकार से मिलने निकल पड़े। उनकी आत्माओं ने सोचा कि इधर-उधर कहीं भटकने के बजाय पहले उसी जगह का अवलोकन किया जाए, जहां उनके ही बारे में कोई चिंता, कोई चिंतन, कोई मनन और कोई प्रदर्शन कर रहा हो। आत्माओं को एक बड़ी सुविधा यह रहती है कि इधर उन्होंने सोचा नहीं कि फटाक दनी से वे वहां पहुंच सकती हैं। लिहाजा सभी ने स्वयं को एक प्रेस कांफ्रेंस में पाया। सभी आत्माएं यह देखकर खुश हुईं कि सरकार उनकी कितनी चिंता कर रही है। उनके स्वास्थ्य की चिंता करने के लिए जो चिंतक नियुक्त थे, वे इस समय इतने चिंतित थे कि चिंता से चिंतन और चिंतन से मनन करते-करते वे ध्यान-निद्रा की मुद्रा में चले गए।

आत्माएं यह दृश्य देखकर सचमुच द्रवित हो गईं। दूसरे चिंतक ने अपने किसी सहायक या साथी से पूछा कि कितना विकेट हुआ था तो सहायक ने कहा चार विकेट! सुनकर चिंतक महोदय आलू की पपड़ी खाने लगे। ये ठहरी आत्माएं और वो भी बच्चों की। पहले चिंतक की ध्यान मुद्रा देखकर जो आत्माएं सिर्फ द्रवित हुई थीं, वे इस बार यह देखकर हिमीकृत हो गईं कि उनके चिंतक उनकी डेथ टोल को लेकर कितने चिंतित हैं कि हर पल अपडेट्स ले रहे हैं और अंकल चिप्स से गुजारा कर रहे हैं। उनका सहायक भी कितना चतुर है, जो सांकेतिक भाषा में बता रहा है कि अभी चार बच्चों के मरने की खबर आ रही है।

तो हे आत्माओं! अब तो सुख-चैन से रहो। वहां न कोई चमकी है, न कोई धमकी। अभी हमें सुशासन लाना है, अभी हम बिजी हैं। इन सबके बाद हर शहर में भव्य चाइल्ड हॉस्पिटल बनाने के बारे में भी अवश्य सोचेंगे।

ट्वीट-ट्वीट

अब बसपा में भी भाई-भतीजावाद आधिकारिक तौर पर आ ही गया! इस आम चुनाव में जनता जनार्दन ने परिवारवाद को जमकर नकारा है तब भी बहनजी हैं कि मानती नहीं! वैसे भी बहनजी की राजनीति को समझना आसान नहीं!
सुमित अवस्थी@awasthis

भारत-अफगानिस्तान के बीच खेले गए दोनों अंतिम वनडे मुकाबले कांटे की टक्कर वाले रहे हैं। एशिया कप में मैच टाई हुआ तो विश्व कप में भारत को मामूली अंतर से जीत हासिल हुई। असल में अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के साथ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं की दरकार है। इसे संभव बनाना चाहिए।
आकाश चोपड़ा@cricketaakash

भारत में खस्ताहाल सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को सुधारने का एक ही तरीका है कि यह अनिवार्य कर दिया जाए कि नेता और वरिष्ठ अधिकारी केवल सरकारी अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं। अगर भारत में किसी बीमारी का इलाज उपलब्ध हो तो उस स्थिति में उन्हें विदेश भी न जाने दिया जाए।
मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

राज्यनामा
उत्तर प्रदेश

अपने तरीके से डैमेज कंट्रोल में जुटे मंत्री जी!

लोकसभा चुनाव जीतकर भी मंत्री पद गंवा चुके तीन माननीयों की सूबे की सरकार से राहें जुदा हुईं तो हारने वाले की ओर अंगुलियां उठनी स्वाभाविक हैं, पर ठसक के साथ उनका मंत्री पद भी बचा है। लिहाजा वह अब अपने तरीके से डैमेज कंट्रोल करने और अपना प्रभाव बनाने एवं दिखाने में जुट गए हैं। आए दिन समीक्षा बैठक और बेहतरी के फरमान जारी हो रहे हैं। मंत्री जी की सक्रियता भी बढ़ गई है। उन पर कुछ भ्रष्ट अफसरों को संरक्षण देने का भी आरोप था। सुना जा रहा है कि अब वह अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए भ्रष्टाचार के आरोपितों पर भी तलवार चलाने को तैयार हो गए हैं। भर्ती घोटाले में निलंबित एक अफसर भले अदालती फरमान से बहाल हो गए, लेकिन विभागीय कार्रवाई के जरिये माननीय उन्हें भी बख्शने के मूड में नहीं हैं। काश! मंत्री जी ने पहले ही ऐसी कोशिश की होती तो जलवा-जलाल भी रहता और किसी को कुछ कहने की हिम्मत भी नहीं पड़ती। खैर देर से ही सही अगर वह कार्रवाई के मूड में हैं तो माहौल तो बन ही जाएगा।

पुलिस को चाय, तौबा-तौबा : पुलिस की दोस्ती अच्छी और न दुश्मनी। यूपी में खाकी कितनी भी हाईटेक हो जाए, लेकिन इस कहावत का रंग उससे कभी उतरता नहीं दिखता। अब पुलिस की सिग्नेचर बिल्डिंग वजूद में आ चुकी है। कुछ बचे हुए काम को युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। इस शानदार बिल्डिंग में सब सुख-सुविधाएं हैं। इनमें चार चांद लगाने के लिए कैफेटेरिया की दरकार है। इसके लिए अलग शानदार स्पेस भी दिया गया है, लेकिन पुलिस के लिए कैटरिंग करने के लिए कोई कदम नहीं बढ़ा रहा। पुलिस इसके लिए कई स्तर पर प्रयास कर रही है, लेकिन पुलिस से बकाया की वसूली। यह सवाल ही कैंटीन संचालकों के कदम खुद-ब-खुद रोक देता है। वे इसकी गुणा-गणित लगाना शुरू कर देते हैं। पुलिस अफसर भी पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। खाकी अब आइआरसीटीसी को सिग्नेचर बिल्डिंग में उसकी सेवाएं देने के लिए मना रही है। फिलहाल पीएसी ने अपने स्तर से कैंटीन का अस्थायी मोर्चा संभाल रखा है।

लंका में सब बावन गज के : शिक्षा से जुड़े विभागों की समीक्षा बैठक में बुनियादी तालीम वाले महकमे की मंत्री साहिबा ने मुख्यमंत्री को बताया कि परिषदीय विद्यालयों को संचालित करने वाली परिषद को संगम नगरी से राजधानी लाने की कवायद शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री के डिप्टी साहब को भी मौका मिल गया और उन्होंने भी झट से फरमाइश कर दी कि शिक्षा निदेशालय को भी प्रयागराज से नवाबों के शहर स्थानांतरित कर दिया जाए। डिप्टी साहब की यह फरमाइश सुनते ही बैठक में मौजूद महकमे के आला अधिकारी इस सोच में पड़ गए कि बुनियादी तालीम वाली परिषद की तरह शिक्षा निदेशालय लखनऊ आ पाएगा या नहीं। उनकी यह सोच अकारण नहीं है। आखिर शिक्षा निदेशालय जैसे स्वयंभू संस्थान की महिमा को उनसे बेहतर कौन जानता है। वहां के अधिकारियों-कर्मचारियों की जड़ें कितनी गहरी हैं और सियासी आकाओं से उनके रिश्ते कितने गहरे, आला अफसर इससे भलीभांति वाकिफ हैं। फिर इतने वर्षों से प्रयागराज में वे जो 'खेती' करते आए हैं, भला उसे छोड़कर राजधानी का रुख क्यों करेंगे। बैठक के बाद लोकभवन से निकलते हुए अफसर इसकी चर्चा कर ही रहे थे कि शिक्षा निदेशालय के घुटे हुए कर्मचारियों की रग-रग से वाकिफ एक वरिष्ठ अधिकारी ने उसे लखनऊ लाए जाने के आइडिया को दूर की कौड़ी ठहराया। यह कहते हुए कि 'लंका में सब बावन गज के।'

घर के रहे, न घाट के : साइकिल और हाथी (साथी) का गठजोड़ दरकते ही समाजवादियों की रंगत भी बदलने लगी है। चुनाव के दौरान हाथी वाली पार्टी का गुणगान करने वाले साइकिल सवार इन दिनों उन्हें कोसने में जुटे हैं। विधानसभा के अगले चुनाव में अपनी सरकार बनने का ख्वाब देखने वालों को पंचायत चुनाव में भी हालात सुधरने की उम्मीद नजर नहीं आ रही। जिन साइकिल सवारों ने उत्साह में अपने घरों पर नीले झंडे लगाए थे, वे रात के अंधेरे में चुपचाप उन्हें उतार रहे हैं। उन्हें डर है कि ताकतवर हुआ हाथी पंचायत चुनाव में भी साइकिल को न कुचल डाले। उधर पार्टी मुख्यालय के सामने लगे गठबंधन के होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर भी रातों-रात गायब हो गए। प्रचार सामग्री बेचने वाली दुकानों पर नीला रंग अब दिखायी नहीं देता है। साइकिल वाली पार्टी के जिन लोगों को यह गठबंधन नहीं सुहा रहा था, वे अब साथी समाजवादियों की चुटकी ले रहे हैं। यह कह कर कि न घर के रहे, न घाट के।

जिंदगी इम्तिहान लेती है : आंकड़ेबाजी में माहिर अधिकारी इस समय पसीना पोछ रहे हैं। मानसून में देरी के बीच सरकार के मुखिया के फील्ड चेकिंग के एलान के कारण पसीना रुकने का नाम नहीं ले रहा। उन्हें बखूबी अहसास है कि दौरे के नाम पर सरकार रस्म अदायगी नहीं करते। ऐसे में शिक्षा-दीक्षा से जुड़े विभाग के अफसर ज्यादा परेशान हैं। सरकार के सामने प्रजेंटेशन के दौरान महकमों की गुलाबी तस्वीर पेश की गई थी। अब उनके इम्तिहान की घड़ी आ गई है। गुरुजी को संदेश भेजे जा रहे हैं। अधिकारी कह रहे हैं देखो सब चाक-चौबंद रहे, वरना हम फेल हुए तो साल भर तुम्हारे रिपोर्ट कार्ड पर गोला ही गोला बनेगा। अब अधिकारी एग्जाम फोबिया से परेशान हैं और भविष्य के परीक्षाफल को सोचकर यही गा रहे हैं कि जिंदगी इम्तिहान लेती है...।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या प्रीमियम ट्रेनों को निजी क्षेत्र की मदद से चलाने की योजना सही है?

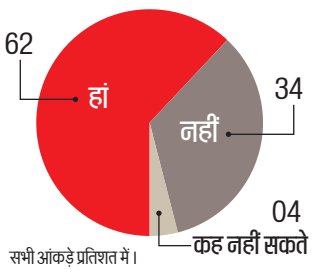

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या मौजूदा हालात में केंद्र को हुर्रियत से वार्ता करनी चाहिए?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बिस्कुट खाए प्लेट से चहिए ऐसा श्वान,
इन्हीं गुणों को सीखकर 'पिद्दी' बना महान।
पिद्दी बना महान डूबती नैया खेता,
उसकी जूठन खाय बन गए कितने नेता!
राहुल जी को सैन्य श्वान लगते हैं चिरकुट,
प्यारा है बस एक खायं जिसके संग बिस्कुट।
– ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

बिहार में शिक्षा क्रांति की दरकार

डॉ. संजय कुमार
इंडिया कंट्री डायरेक्टर, लक्ष्मी मित्तल एंड फैमिली साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास यह मौका है कि जिस तरह उन्होंने बिहार में सड़क, बिजली, पानी आदि सुविधाएं जन-जन तक पहुंचाई है वैसे ही शिक्षा को भी अपनी प्राथमिकता सूची में जगह दें

भारत में यदि कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों की बात की जाए तो अच्छी गुणवत्ता के साथ शिक्षा का स्थान सर्वप्रथम आएगा। खासकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता दिन-प्रतिदिन गिरती जा रही है। जहां कुछ ही शहर शिक्षा के केंद्र बनते जा रहे हैं, वहीं कई प्रदेशों में अच्छी शिक्षा सामान्य जन के हाथों से निकलती जा रही है। शिक्षा, आधार है मानव प्रगति का एवं समाज-निर्माण का। अच्छी शिक्षा ही एकमात्र साधन है जो परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में परिवर्तन ला सकती है। शिक्षा और रोजगार के अवसर एक-दूसरे से इस प्रकार जुड़े हुए हैं कि दोनों में से एक के गड़बड़ होने से प्रदेशों से पलायन शुरू हो जाता है। यदि दोनों की स्थिति खराब हो जाए तो युवा वर्ग का अपने क्षेत्र से कटाव होना निश्चित हो जाता है। शिक्षा-व्यवस्था के खराब होने से उस क्षेत्र में बचे-खुचे लोगों की शिक्षा-यात्रा भी अधूरी रह जाती है। शिक्षा की वजह से होते पलायन और निम्नस्तरीय शिक्षा व्यवस्था होने के कारण बिहार जैसा इन दिनों प्रदेश गहरे संकट से गुजर रहा है। इसका अंदाजा वहां की जनता को है, परंतु सम्मिलित रूप से सभी आंकड़े क्या कह रहे हैं, शायद इसका अंदाजा नहीं।

बिहार की खराब शिक्षा व्यवस्था एक राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। जिस राज्य की जनसंख्या विकास दर 25 प्रतिशत हो, भारत की कुल जनसंख्या का 9 प्रतिशत यानी 11 करोड़ हो, उस राज्य की लगातार गिरती हुई शिक्षा-व्यवस्था निःसंदेह ही हमारे देश के लिए अच्छा संकेत नहीं है। बिहार जैसे राज्य में जहां एक तरफ निजी विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों की कतार लंबी होती जा रही है, वहीं सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों की स्थिति लगातार नाजुक बनती जा रही है। बिहार में शिक्षा का प्रत्येक सूचकांक यह दर्शाता है कि सरकारी शिक्षा-व्यवस्था में सब कुछ नीचे ही जा रहा है। व्यवस्था के खराब होने का सबसे अधिक असर युवाओं पर पड़ रहा है जो अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा से वंचित रह जा रहे हैं। राज्य में अच्छी शिक्षा से वंचित युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है और शायद यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आने वाले वर्षों में भारत के तृतीय सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य बिहार में जनसांख्यिकीय लाभ के बजाय जनसांख्यिकीय आपदा के पूर्ण आसार हैं।

बिहार की शिक्षा-व्यवस्था से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालने से वास्तविक स्थिति की गहराई का पता लगता है। बिहार में केवल 22 विश्वविद्यालय हैं, जिनमें प्रति 1,00,000 छात्रों पर केवल 7 कॉलेजों के साथ कुल 744 कॉलेज हैं। एक कॉलेज में औसतन 2142 नामांकन हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत प्रति लाख आबादी पर 28 कॉलेज है और 2015-16 में प्रति कॉलेज औसत नामांकन 721 थे। कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के बीच लगभग 70 प्रतिशत की ड्रॉप आउट दर को देखते हुए कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर कम नामांकन आश्चर्यजनक नहीं है।

असर 2016 की रिपोर्ट और डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सेंटर फॉर एजुकेशन (डीआइएसई) की स्कूली शिक्षा रिपोर्ट, दोनों इंगित करते हैं कि लगभग 92 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर नहीं हैं। 15-16 आयु वर्ग के लगभग 82 प्रतिशत छात्र सरकारी स्कूल में जाते हैं। लगभग 31 प्रतिशत स्कूलों में पुस्तकालय नहीं हैं और यदि पुस्तकालय हैं तो 36.6 प्रतिशत स्कूलों में बच्चे पुस्तकालय का उपयोग नहीं करते हैं, जो जुड़कर 70 प्रतिशत तक हो जाता है। केवल 38 प्रतिशत स्कूलों में खेल के मैदान की सुविधा है, जो शारीरिक गतिविधियों और खेलकूद की व्यवस्था को दर्शाता है। सिर्फ 40 फीसद स्कूलों में बिजली है। केवल 53.38 फीसद स्कूलों में चाहरदीवारी है और बाकी विद्यालय असुरक्षित हैं।

बिहार में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कानून के मानदंडों के आधार पर 2,78,602 शिक्षकों की कमी है। अर्थात प्राथमिक विद्यालयों में जरूरत से 37.3 प्रतिशत कम शिक्षक हैं। विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात प्राथमिक स्तर पर 82 है, उच्च प्राथमिक स्तर पर 47, माध्यमिक स्तर पर 71 और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 45 है, जो कि राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। माध्यमिक स्तर पर केवल 55 फीसद शिक्षक और उच्च माध्यमिक स्तर पर 40 फीसद पेशेवर रूप से योग्य हैं। राज्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार 2,400 कोचिंग संस्थान केवल पटना में स्थित हैं, जिनमें 190 पंजीकृत हैं।

दरअसल शिक्षकों को निरंतर एवं चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। सबसे पहले सरकारी शिक्षकों को प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर तक निजी ट्यूशन बंद करने होंगे। 100 प्रतिशत कंप्यूटरीकरण छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों में मदद करेगा। समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए सभी सरकारी शिक्षण-संस्थानों में खेल, जीवन कौशल, करियर परामर्श और मार्गदर्शन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राज्य की भयावह स्थिति को देखते हुए मध्यम-वर्गीय एवं प्रभावशाली व्यक्तियों को भी नेतृत्व लेने की आवश्यकता है। वे ज्ञान-दान के माध्यम से स्वेच्छा स्वरूप महीने में 2-4 घंटे अपने आसपास के स्कूल-कॉलेज के बच्चों को देकर बच्चों को बहुमुखी बनाने में एवं शिक्षा की स्थिति को सुधारने में एकजुट हो सकते हैं। पूर्व छात्रों को इस प्रक्रिया में लाने से अभूतपूर्व बदलाव आ सकता है। यह समूचे विश्व में शैक्षणिक संस्थानों की मजबूती में कारगर साबित हुआ है, पर ऐसे समुदाय को नई नीति के द्वारा अधिकृत करने पर ही ये प्रभावी हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास यह मौका है कि जिस तरह उन्होंने बिहार में सड़क, बिजली, पानी आदि की मूलभूत सुविधाएं जन-जन तक पहुंचाई है उसी प्रकार शिक्षा को भी अपनी प्राथमिकता सूची में जगह दें। राज्य के नेतृत्व एवं समृद्ध लोगों के पास यह मौका है कि इतिहास उन्हें गिरती शिक्षा को संभालने के लिए जाने, ना कि शिक्षा की बदहाली को मूकदर्शक बनकर निहारते रहने वालों के रूप में देखे। इसके लिए आने वाली हर पीढ़ी उनका नाम गर्व से लेगी।

जेट एयरवेज के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली : निजी विमानन कंपनी जेट एयरवेज ने शेयर बाजारों को बताया कि उसके खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ बोर्ड (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ में दिवालिया प्रक्रिया शुरू हो गई है। कर्ज के बोझ तले दबी जेट एयरवेज ने 18 अप्रैल से परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के नेतृत्व में 26 बैंकों का कर्जदाता कंसोर्टियम कंपनी के लिए नया निवेशक तलाश करने में पिछले महीने नाकामयाब रहा।

रोजगार सृजन के रास्ते में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों को देखते हुए सरकार को एक राष्ट्रीय रोजगार बोर्ड के गठन पर विचार करना चाहिए।

— चंद्रजीत बनर्जी
महानिदेशक, सीआइआइ

फैसला ▸ सितंबर से ग्राहकों के पास होगा अलग से ओन डैमेज बीमा सुविधा लेने या नहीं लेने का विकल्प

आपदा के लिए अलग से ले सकेंगे मोटर बीमा

इरडा ने कहा, सितंबर से बंडल्ड पॉलिसी नहीं रह जाएगी अनिवार्य

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीमा क्षेत्र के नियामक भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने साधारण बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे पहली सितंबर से नए-पुराने कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अलग से सालाना ओन डैमेज (ओडी) बीमा योजना पेश करें। इरडा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पुराने आदेश में बदलाव करते हुए नया निर्देश दिया है। इरडा ने कहा कि ताजा निर्देश के बाद पहली सितंबर से कारों और दोपहिया वाहनों के लिए बंडल्ड (सामूहिक किस्त वाली) पॉलिसी जारी करना अनिवार्य नहीं रह जाएगा।

वाहनों के लिए ओडी पॉलिसी को खरीदना वैकल्कि रखा गया है। ओडी कवर के अंदर भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं और दंगा-फसाद में होने वाली तोड़-फोड़ जैसी घटनाओं से वाहनों को होने वाले नुकसान पर बीमा शामिल है। इरडा के नए सर्कुलर में कहा गया है कि पहली सितंबर 2019 से बीमा कंपनियों को नए और पुराने दोनों तरह की कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अलग से वार्षिक ओन डैमेज कवर उपलब्ध कराना होगा। अलग ओन डैमेज कवर में आग और/या चोरी का अलग ओडी भी शामिल होगा, जो पॉलिसी लेने वाले द्वारा चुनाव किए जाने पर उसे दिया जाएगा।

इसके साथ ही बीमा कंपनियों को ओडी और थर्ड-पार्टी पॉलिसी अलग-अलग देने के साथ पैकेज पॉलिसी देने की भी सुविधा होगी। हालांकि अभी लंबी अवधि वाली अलग ओडी पॉलिसी पेश करने की अनुमति नहीं दी गई है। इरडा ने कहा कि यदि मोटर वाहन की बंडल्ड पॉलिसी में ओन डैमेज कंपोनेंट की अवधि पहली सितंबर 2019 को या उसके बाद खत्म हो रही है, तो पॉलिसी धारक के पास इसका नवीनीकरण करवाने का भी विकल्प होगा। वह इसका नवीनीकरण उसी बीमा कंपनी या किसी अन्य बीमा कंपनी से करवा सकता है और इसकी अवधि एक साल की होगी।

थर्ड पार्टी कवर है जरूरी : सालभर की अवधि वाला अलग ओडी कवर जारी करने या बंडल्ड कवर में ओडी कंपोनेंट का नवीनीकरण किए जाने के मामले में बीमा कंपनियों को एक शर्त का पालन करना होगा। बीमा कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वाहन का पहले से ही थर्ड पार्टी (टीपी) कवर मौजूद हो या ओडी कवर के साथ थर्ड पार्टी कवर भी लिया जा रहा हो।

ओडी की किस्त में नहीं होगा बदलाव : ताजा निर्देश के मुताबिक अलग ओडी पॉलिसी की किस्त भी उतनी ही होगी, जितनी पैकेज पॉलिसी के तहत ओडी कंपानेंट के लिए ली जा रही है।

नियमों में आई स्पष्टता : इरडा के ताजा आदेश पर अपनी टिप्पणी में पर बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के कंपनी सचिव और कंप्लायंस अधिकारी आंकार कोठारी ने कहा कि नए सर्कुलर से नियमों स्पष्टता आई है। इतना स्पष्ट हो गया है कि यह वार्षिक पॉलिसी होगी। यह भी निश्चित हो गया है कि वाहन का अकेले ओडी बीमा नहीं होगा और बीमा कंपनियों को ओडी पॉलिसी देते समय थर्ड पार्टी पॉलिसी की अवधि शुरू और खत्म होने की तिथि देनी होगी और उसे जारी करने वाली कंपनी का नाम भी बताना होगा। यह भी स्पष्ट हो गया है कि ग्राहक अब बंडल्ड पॉलिसी में ओडी का नवीनीकरण अपनी पसंद की बीमा कंपनी से करवा सकते हैं।

ग्राहकों को सब बीमा एक साथ लेने के बोझ से मिलेगी मुक्ति। फाइल

क्रिकेट वर्ल्ड कप में बारिश डुबा सकती है बीमा कंपनियों के 100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली : क्रिकेट वर्ल्ड कप की मैचों में हुई बारिश से बीमा कंपनियों को 100 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। बारिश के कारण न्यूजीलैंड के साथ भारत का मैच रद हो गया था। वर्ल्ड कप के बाकी मैचों पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। अभी तक बारिश के कारण कुल चार मैचों को रद करना पड़ा है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय बीमा कंपनियों ने इस टूर्नामेंट में करीब 150 करोड़ रुपये का बीमा किया है। बारिश के कारण मैच बाधित होने से ब्रॉडकास्टिंग कंपनियों की विज्ञापन से होने वाली कमाई घट जाती है, जिसके लिए इन कंपनियों ने बीमा करा रखा है।

क्या है एफएटीएफ?

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

▸ मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग जैसे अपराधों की रोकथाम के लिये नीतियां और मानक तैयार करता है एफएटीएफ

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए नीतियां और मानक तैयार करता है। इसकी स्थापना जुलाई, 1989 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित जी-7 देशों की शिखर बैठक की पहल पर हुई। इसका मुख्यालय पेरिस में है। अभी एफएटीएफ में 38 सदस्य हैं जिसमें दो क्षेत्रीय संगठन - यूरोपीय कमीशन और गल्फ कॉपरेशन काउंसिल शामिल हैं। साथ ही दो देश - इंडोनेशिया और सऊदी अरब बतौर ऑब्जार्वर इसमें शामिल हैं। भारत 2010 में एफएटीएफ का सदस्य बना।

एफएटीएफ वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी करता है। एफएटीएफ ने पहली बार 1990 में दिशा-निर्देश जारी किये थे। इसके बाद 1996, 2001 और 2003 में दिशा-निर्देश जारी किये। सबसे ताजा दिशा-निर्देश 2012 में जारी किए गए हैं। कुल मिलाकर एफएटीएफ ने अब तक 40 दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों में वे सभी उपाय हैं जिनके जरिये मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग रोकी जा सके। इनमें बैंक खाते और रियल एस्टेट ट्रांजेक्शन के लिए केवाईसी की जरूरत, आर्थिक अपराध की जांच का तंत्र स्थापित करना, आर्थिक अपराधों के संबंध में सूचनाओं का आदान-प्रदान करने जैसे उपाय शामिल हैं।

एफएटीएफ विभिन्न देशों में इन दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन के लिए किए गए जरूरी उपायों की निगरानी भी करता है। जिन देशों में मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग रोकने का तंत्र नाकाफी है लेकिन उन्होंने एफएटीएफ के दिशानिर्देशों को लागू करने की प्रतिबद्धता प्रकट की है उन्हें निगरानी सूची यानी ग्रे लिस्ट में रखा जाता है। लेकिन जो देश इस तरह की प्रतिबद्धता नहीं दर्शाते उन्हें ब्लैक लिस्ट मे डाल दिया जाता है। ऐसे देशों को हाई रिस्क देश भी कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि उनके साथ किसी भी तरह का आर्थिक लेनदेन करना जोखिम भरा हो सकता है। एफएटीएफ अगर किसी देश को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव करता है, तो वह देश इससे तभी बच सकता है जब कम से कम तीन सदस्य उसके पक्ष में हों। पाकिस्तान को भी ब्लैक लिस्ट होने से बचाने के लिए तीन देशों - चीन, मलेशिया और तुर्की ने समर्थन दिया है। फिलहाल ईरान और उत्तर कोरिया ब्लैक लिस्ट में हैं। एक बार किसी देश के ब्लैक लिस्ट में जाने के बाद अन्य देश उसके साथ कारोबार करने में ड्यू डिलिजेंस बढ़ा देते हैं या बंद कर देते हैं जिससे उसके आर्थिक हितों पर कड़ी चोट पहुंचती है। पाकिस्तान सहित करीब दर्जनभर देश एफएटीएफ की निगरानी सूची में हैं।

जागरण पाठशाला

हाल में आपने खबरों में पढ़ा होगा कि एफएटीएफ ने पाकिस्तान को निगरानी सूची (ग्रे लिस्ट) में बनाए रखने का फैसला किया है। भारत ने एफएटीएफ में पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट कराने यानी काली सूची में ले जाने की कोशिश की। लेकिन चीन, तुर्की और मलेशिया का समर्थन पाकर वह इससे बचने में कामयाब रहा। एफएटीएफ क्या है? इसकी ग्रे लिस्ट व ब्लैक लिस्ट का मतलब क्या है? जागरण पाठशाला के इस अंक में हम यही समझने का प्रयास करेंगे।

कारोबार करना सरकार का काम नहीं : अग्रवाल

▸ वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन ने पीएम की बजट पूर्व बैठक में दिया सुझाव

▸ कहा सरकार एनएमडीसी सहित पांच खनन कंपनियों का करे निजीकरण

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिग्गज धातु कारोबारी अनिल अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि सरकार को एनएमडीसी सहित पांच खनन कंपनियों का निजीकरण कर देना चाहिए। इससे देश का सालाना करीब 400 अरब डॉलर (करीब 27.8 लाख करोड़ रुपये) का आयात खर्च बच जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का काम कारोबार करना नहीं है। वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन मोदी की बजट पूर्व बैठक में आमंत्रित तीन उद्योगपतियों में शामिल थे। मोदी ने 40 से अधिक अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ यह बैठक शनिवार को की थी। अग्रवाल ने कहा कि रोजगार घटाए बिना किए गए निजीकरण से क्षमता सुधरेगी और घरेलू उत्पादन बढ़ेगा। इससे अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी।

मोदी की बैठक में शामिल अन्य दो कारोबारियों में टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और आइटीसी के चेयरमैन संजीव पुरी भी शामिल थे। चंद्रशेखरन ने मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र पर अपने सुझाव दिए, जबकि पुरी ने अर्थव्यवस्था में मूल्यवर्धन पर अपनी राय दी। अग्रवाल ने बैठक में खनन और प्राकृतिक संसाधन पर सुझाव दिए।

अग्रवाल ने एक साक्षात्कार में कहा कि नीति आयोग द्वारा शनिवार को आयोजित बैठक में मैंने प्रधानमंत्री से कहा कि सरकार का काम कारोबार करना नहीं है। उसे कम से कम पांच सरकारी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बेच देनी चाहिए। ऐसी कंपनियों में हिंदुस्तान जिंक, हिंदुस्तान कॉपर, कोलार गोल्ड, यूरेनियम कॉरपोरेशन, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और एनएमडीसी शामिल हैं। जब मैंने हिंदुस्तान जिंक को खरीदा था, तब उसमें 5,000 कर्मचारी थे। आज उसमें 25,000 कर्मचारी काम कर रहे हैं।

वेदांता ने 2002-2003 के दौरान हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) में सरकार की 64.9 फीसद हिस्सेदारी खरीदी थी। सरकार की अभी भी इस कंपनी में 29.5 फीसद हिस्सेदारी है, जिसे वेदांता खरीदना चाहती है। अग्रवाल ने कहा कि भारत यदि तेल एवं गैस, खनिज और सोना जैसी धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ाता है, तो देश का आयात खर्च 400 अरब डॉलर जल्द ही बढ़कर एक लाख करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा। यदि पेट्रोलियम उत्पादन दोगुना कर दिया जाए और सोने का उत्पादन बढ़ाकर 300 टन पर पहुंचा दिया जाए, तो देश का संपूर्ण चालू खाता घाटा खत्म हो जाएगा।

अनिल अग्रवाल। फाइल

चीन की हुआवे ने भारत से किया निष्पक्ष फैसले का आग्रह

बीजिंग, प्रेट्र : दुनिया की अग्रणी टेलीकॉम उपकरण कंपनी हुआवे ने भारत से आग्रह किया है कि वह 5जी परीक्षण के लिए उसे अनुमति देने या नहीं देने का फैसला स्वतंत्र और निष्पक्ष और पूरी सूचना के आधार पर ले। चीन की इस कंपनी पर अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे का हवाला देकर प्रतिबंध लगाया हुआ है। अमेरिका अन्य देशों पर भी हुआवे को अपने यहां परिचालन की अनुमति नहीं देने का दबाव बना रहा है। हालांकि भारत ने अभी 5जी परीक्षण में इस कंपनी को अनुमति देने या नहीं देने के बारे में कोई फैसला नहीं किया है। भारत ने पिछले दिनों कहा था कि वह 100 दिनों में 5जी परीक्षण शुरू कर देगा।

एक बयान में हुआवे ने कहा कि भारत सरकार या किसी भी अन्य देश को अपने मानकों, परीक्षण तंत्र या नीतियों के आधार पर नेटवर्क या डाटा सुरक्षा संबंधी फैसला खुद निष्पक्षता से करना चाहिए। साइबर सुरक्षा संबंधी खतरों से प्रमाण और तथ्यों पर आधारित नजरिये से निपटना महत्वपूर्ण है। सिर्फ किसी डर के आधार पर प्रतिबंधित करना ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि इसी महीने टेलीकॉम मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा था कि हुआवे को 5जी परीक्षण में शामिल होने की इजाजत देने के मामले में सुरक्षा संबंधी कुछ मसले हैं।

हश. ष्ठ्ठश्वह्लद्बश्वठ्ठ

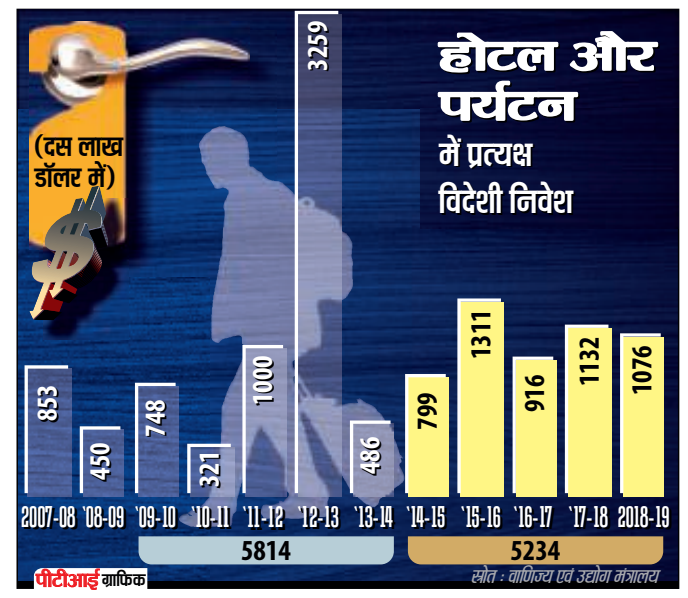

निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बनीं स्पेस स्टार्ट-अप कंपनियां

▸ वेंचर कैपिटल से लेकर फिल्मी सितारे तक इन स्टार्टअप्स में कर रहे निवेश

▸ एक दर्जन से अधिक स्टार्ट-अप्स सरकारी एकाधिकार को दे रहे चुनौती

मुंबई, रायटर : देश में अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करने वाली कई स्टार्ट-अप कंपनियों की नई पौध सामने आई है और इन कंपनियों ने निवेशकों का भी ध्यान अपनी ओर खींचा है। ये कंपनियां हथेली के आकार का उपग्रह बनाने से लेकर स्वच्छ ऊर्जा के बल पर उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने तक का काम कर रही हैं।

बेंगलुरु की बेलाट्रिक्स एरोस्पेस के सह-संस्थापक यशास करनम ने कहा कि उसकी कंपनी ने कई निवेशकों से 30 लाख डॉलर (करीब 21 करोड़ रुपये) जुटा लिए हैं। यह कंपनी इलेक्ट्रिक और नॉन-टॉक्सिक केमिकल के सहारे उपग्रहों को धरती की कक्षा में स्थापित करना चाहती है। वेंचर कैपिटल फंड आइडीएफसी परंपरा बेलाट्रिक्स के प्री-सीरीज ए राउंड का अग्रणी निवेशक है। कंपनी के सात अन्य निवेशकों में सुमन कांत मुंजाल का पारिवारिक कार्यालय और फिल्म अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं। सुमन कांत मुंजाल का संबंध हीरो मोटोकॉर्प का संचालन करने वाले अरबपति परिवार से है।

मुंबई की कंपनी कावा स्पेस के एक निवेशक विशेष रंजन ने बताया कि इस कंपनी ने सीड फंड का एक चरण पूरा किया है। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि इस चरण में कितने का निवेश हुआ है। रंजन स्पेशिएल इन्वेस्ट के मैनेजिंग पार्टनर हैं। कावा स्पेस पृथ्वी का ऑब्जर्वेशन करने वाले उपग्रहों की डिजाइन और उसका परिचालन करने का काम करती है।

एक दर्जन से अधिक स्टार्ट-अप्स उपग्रह, रॉकेट्स और संबंधित सहायक प्रणालियों के विकास का काम कर रहे हैं। भारत में इस क्षेत्र में लगभग सरकार का एकाधिकार है, लेकिन इन कंपनियों ने निजी क्षेत्र से बड़े पैमाने पर निवेश हासिल किया है। ऑनलाइन स्पेस प्रोडक्ट्स मार्केटप्लेस स्टैटसर्च के सह-संस्थापक नारायण प्रसाद ने बेलाट्रिक्स की फंडिंग का हवाला देते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी में निवेश करने वाली किसी भी वेंचर कैपिटल कंपनी ने स्पेस टेक्नोलॉजी में पहले इतना बड़ा निवेश नहीं किया था।

पहले नहीं दिखा था इतना निवेश। प्रतीकात्मक

भविष्य के लिए दक्ष नहीं अधिकांश भारतीय कारोबारी लीडर : रिपोर्ट

▸ बिजनेस लीडरशिप पर कॉर्न फेरी की वैश्विक रिपोर्ट में सामने आई बात

▸ निवेशकों के मुताबिक सिर्फ 26 फीसद भारतीय लीडर भविष्य की चुनौतियों के लिए दिख रहे तैयार

▸ भारतीय कंपनियों को अपने काबिल कामगारों को उचित मौके देने की जरूरत बताई गई रिपोर्ट में

नई दिल्ली, प्रेट्र : दुनियाभर के निवेशकों को लगता है कि भारत में कारोबार का नेतृत्व करने वाले अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी भविष्य के कारोबार को चलाने के लिहाज से पूरी तरह दक्ष नहीं हैं। इन निवेशकों का मानना है कि भारत में कारोबार का नेतृत्व करने वालों में महज 26 फीसद शीर्ष अधिकारी के पास भविष्य के कारोबार को चला सकने लायक दक्षता है। ऐसा मानने वाले निवेशक छोटे और खुदरा निवेशक नहीं, बल्कि संपत्तियों का प्रबंधन करने वाली कंपनियां (एएमसी) तथा निवेश प्रबंधक हैं। इनका वैश्विक असेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) कम से कम 100 करोड़ डॉलर (रुपये के वर्तमान भाव पर करीब 7,000 करोड़ रुपये) है। ये निवेशक फाइनेंशियल सर्विसेज, बिजनेस सर्विसेज, टेक्नोलॉजी, मीडिया व टेलीकम्यूनिकेशंस तथा मैन्यूफैक्चरिंग शामिल हैं।

यह रिपोर्ट कॉर्न फेरी ने तैयार की है, जो कंपनियों की लीडरशिप और उनकी क्षमताओं के बारे में दुनियाभर के निवेशकों और विश्लेषकों की राय लेती है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कारोबारी नेतृत्व में 72 फीसद उत्तरदाता मानते हैं कि कारोबार की परंपरागत और पुश्तैनी सोच भविष्य में कारोबार चलाने के काम नहीं आने वाली है। रिपोर्ट का कहना है कि भविष्य आधारित नेतृत्व क्षमता विकसित करने की तत्काल जरूरत है।

भारत के निवेशकों और विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी कारोबार को सफलतापूर्वक चलाने के लिए शीर्ष प्रबंधन स्तर पर टैलेंट की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। करीब 92 फीसद उत्तरदाताओं ने कहा कि किसी भी संस्था या कंपनी की सफलता के लिए असाधारण नेतृत्व क्षमता वाला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बहुत जरूरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों में कुशल कामगारों की आमद कोई समस्या नहीं है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि इनमें से बेहतर प्रदर्शन करने वालों की पहचान की जाए और उन्हें शीर्ष नेतृत्व के लिए तैयार किया जाए। अगर भारत ऐसा करने में नाकामयाब रहता है, तो अन्य देश भविष्य के लिए उपयुक्त शीर्ष नेतृत्व तैयार करने में आगे निकल सकते हैं। रिपोर्ट में काबिल कामगारों को कंपनी के साथ जुड़े रहने के उपाय भी किए जाने चाहिए।

बेहतर प्रदर्शन करने वालों की पहचान बड़ी चुनौती। प्रतीकात्मक

बजट अनुमान के 22 फीसद पर पहुंचा राजकोषीय घाटा

▸ जीडीपी के मुकाबले 0.75 फीसद है अप्रैल का राजकोषीय घाटा

▸ अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटा का अनुमान 3.4 फीसद रखा गया है

नई दिल्ली, आइएएनएस : देश का राजकोषीय घाटा अप्रैल महीने में 1,57,048 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। व्यय विभाग के आंकड़ों के मुताबिक यह वित्त वर्ष 2019-20 के लिए तय किए गए बजट अनुमान का 22 फीसद है और यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दर्ज किए गए 24 फीसद राजकोषीय घाटे के मुकाबले थोड़ा कम है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात के लिहाज से अप्रैल का राजकोषीय घाटा 0.75 फीसद है।

केंद्र सरकारी की यह राजकोषीय स्थिति लेखा महानिरीक्षक (सीजीए) के अकाउंट्स के आधार पर आंकी गई है। इस राशि से सिर्फ 38 फीसद खर्च की भरपाई हो सकती है। अंतरिम बजट में चालू वित्त वर्ष के लिए देश के राजकोषीय घाटा का अनुमान 3.4 फीसद रखा गया है। सीजीए के रिव्यू ऑफ अकाउंट्स में कहा गया है कि जीडीपी के अनुपात के लिहाज से अप्रैल में राजकोषीय घाटा 0.75 फीसद है और वित्तीय घाटा 0.61 फीसद है।

अप्रैल में सरकार का कुल व्यय 2,54,679 करोड़ रुपये रहा, जो बजट अनुमान का नौ फीसद है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह अनुपात नौ फीसद ही था। कुल व्यय में राजस्व व्यय 2,24,091 करोड़ रुपये का रहा, जो बजट अनुमान का नौ फीसद है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह अनुपात आठ फीसद था। वहीं पूंजीगत व्यय इस दौरान 30,588 करोड़ रुपये का रहा, जो बजट अनुमान का नौ फीसद है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में अनुपात 16 फीसद का था। अप्रैल में सरकार की कुल प्राप्ति 97,631 करोड़ रुपये रही।

हलचल

खाड़ी क्षेत्र का तनाव और अमेरिका-चीन वार्ता पर टिका रहेगा निवेशकों का ध्यान, मानसूनी बारिश और बजट संबंधी कयासबाजी पर भी प्रतिक्रिया दिखा सकता है बाजार

इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों से दिशा ले सकते हैं बाजार

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में बाजार को प्रभावित करने वाली किसी विशेष घटना के अभाव में इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम घरेलू शेयर बाजारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों के मुताबिक निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान तनाव और जापान में जी20 सम्मेलन के दौरान अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता से जुड़े मामलों पर टिका रहेगा। पिछले सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में दो ऑयल टैंकरों पर हमला होने और अमेरिका के एक निगरानी ड्रोन को निशाना बनाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय तनाव गहरा गया था, जिसका दबाव दुनियाभर के शेयर बाजारों पर देखा गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर हमला करने का आदेश दिए जाने और बाद में इसे रोक देने संबंधी खबरों के बीच शुक्रवार को कच्चे तेल में भी उछाल देखा गया। सैमको सिक्युरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक और सीईओ जिमीत मोदी ने कहा कि इस सप्ताह बजट में अपनाई जाने वाली नीतियों को लेकर कयासबाजी शुरू हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों का प्रभाव बाजार पर पड़ेगा और मध्यपूर्व में तनाव बढ़ाने वाली कोई भी घटना बाजार में गिरावट का कारण बनेगी।

अमेरिका-ईरान तनातनी का रहेगा असर। प्रतीकात्मक

विशेषज्ञों के मुताबिक डॉलर-रुपया विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमत पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रेलीगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के प्रेसिडेंट- रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन जयंत मांगलिक ने कहा कि ट्रेड वार और अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर जल्द खत्म होने वाला नहीं है। कोटक सिक्युरिटीज के पीसीजी रिसर्च के वाइस प्रेसिडेंट संजीव जरवाड़े ने कहा कि बाजार में आने वाले दिनों में गिरावट जारी रह सकती है और यह मानसूनी बारिश के प्रदर्शन पर भी प्रतिक्रिया करेगा।

सैंक्टम वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी सुनील शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तनाव और कच्चे तेल में मजबूती के अलावा पिछले सप्ताह अमेरिका के साथ भारत का व्यापार युद्ध छिड़ने की आशंका ने भी बाजार पर नकारात्मक असर डाला।

छह ब्लूचिप कंपनियों ने एमकैप में 53,459 करोड़ गंवाए

नई दिल्ली : देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में पिछले सप्ताह कुल 53,458.8 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल) का एमकैप सर्वाधिक 23,929.9 करोड़ रुपये घट गया। इसके बाद हिंदुस्तान यूनीलिवर (एचयूएल) का एमकैप 12,177 करोड़ रुपये, एचडीएफसी का 7,148.88 करोड़, एचडीएफसी बैंक का 4,785.48 करोड़ रुपये, आइटीसी का 4,535.7 करोड़ और टीसीएस का एमकैप 881.81 करोड़ रुपये घटा। दूसरी ओर इन्फोसिस, एसबीआइ, कोटक महिंद्रा बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक के एमकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई। सर्वाधिक एमकैप के साथ टीसीएस देश की सबसे बड़ी कंपनी बनी रही।

पी-नोट्स निवेश मई तक 82,619 करोड़ का हुआ

नई दिल्ली : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के मुताबिक देश के शेयर, डेट और डेरिवेटिव बाजारों में मई 2019 के अंत तक पी-नोट बढ़कर 82,619 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो अप्रैल अंत में 81,220 करोड़ रुपये पर था। पी-नोट को भारतीय पूंजी बाजार में पंजीकृत एफपीआइ जारी करते हैं। यह ऐसे विदेशी निवेशकों को जारी किया जाता है, जो भारतीय बाजार में निवेश तो करना चाहते हैं, लेकिन यहां अपना पंजीकरण नहीं कराना चाहते। उनकी जांच-पड़ताल हालांकि की जाती है।

जून में अब तक 10,312 करोड़ का विदेशी निवेश

नई दिल्ली : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने जून में भारतीय पूंजी बाजारों (शेयर और डेट बाजार) में अब तक 10,312 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआइ ने तीन से 21 जून के बीच शेयर बाजारों में 552.07 करोड़ रुपये का और डेट बाजारों में 9,760.59 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इस तरह से इस दौरान उन्होंने 10,312.66 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

कारोबारियों को चौबीसों घंटे जीएसटी से संबंधित सलाह देगी आइसीएआइ

राजीव सक्सेना, कानपुर : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) से जुड़ी सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआइआरसी) एक जुलाई से एक हेल्प डेस्क शुरू करेगा। इसमें 24 घंटे में टैक्स समस्याओं का समाधान देने के लिए 30 एक्सपर्ट तैनात किए गए हैं। दरअसल, जीएसटी में बहुत से नियम कारोबारियों की समझ से परे हैं। आयकर नियमों में भी तमाम संशोधन किए गए हैं। टैक्स से जुड़ी समस्या के लिए सीआइआरसी ने अलग व्यवस्था शुरू की है। एक जुलाई को सीए दिवस होता है, नई व्यवस्था को यादगार बनाने के लिए यही दिन चुना गया है।

यह हेल्प डेस्क सीआइआरसी के वेब पेज पर मौजूद रहेगा। सीआइआरसी के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान आते हैं। हेल्प डेस्क के लिए चुने गए 30 एक्सपर्ट सातों राज्यों से हैं। ऐसा इसलिए कि अगर किसी राज्य में खास टैक्स पर अलग व्यवस्था है तो विशेषज्ञ पूरी जानकारी के साथ जवाब दे सकें।

17 हो गई है कम्बोडिया में निर्माणाधीन इमारत गिरने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर। यह घटना दक्षिण पश्चिमी कम्बोडिया के तटवर्ती सिहानुकविले कस्बे के कसीनो-रिजॉर्ट में शनिवार को हुई थी। इस संबंध में निर्माण कंपनी के प्रमुख और ठेकेदार समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है।

...तो इसलिए सीधी जंग से पीछे हटे ट्रंप

अपने ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद ईरान पर हमला करने जा रहे अमेरिका को एकदम से फैसला बदलना पड़ा। अब अमेरिका ईरान के खिलाफ प्रत्यक्ष की बजाय परोक्ष युद्ध छेड़ चुका है। इसके तहत ईरान के कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर अमेरिका ने साइबर हमले किए। ईरान पर सीधा हमला न करने को विशेषज्ञ अमेरिका की विवशता भी बता रहे हैं। अमेरिका के विदेशी मामलों से जुड़े मंत्रालय के सलाहकार रहे एरॉन डेविड मिलर और इसी मंत्रालय में छह प्रशासकों के साथ काम कर चुके रिसर्च सोकोल्सकाई का आकलन है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो अमेरिका के लिए यह ठीक नहीं होगा। पेश है एक नजरः

युद्ध का कोई सार्थक अंत नहीं

ट्रंप प्रशासन ने युद्ध के लिए कोई लक्ष्य घोषित नहीं किया है। वैसे भी ईरान एक ताकतवर और बड़ा देश है। आसानी से इसे झुकाया नहीं जा सकता। वहां कोई मजबूत विपक्ष या विपक्षी एकता भी नहीं है जो अमेरिकी हमलों के बाद वहां के शासक को उखाड़ फेंके। एक पल को अगर ऐसा हुआ भी तो जो विकल्प बनेगा, वह और कट्टर अमेरिका विरोधी होगा। वहां के मौजूदा शासक के बारे में यह सोचना भी गलत होगा कि वह अमेरिका के सामने मजबूर होकर उसकी शर्तों पर संधि को राजी होगा। ज्यादा से ज्यादा अमेरिका वहां अस्थिरता पैदा कर सकता है। लेकिन बदले में ईरान अमेरिका के साथ लेबनान, ईराक, यमन, अफगानिस्तान जैसे उसके मित्र देशों के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है।

तेल बाजार में उबाल

पश्चिमी एशिया के बिगड़ते हालातों के बीच तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ओमान की खाड़ी में दो तेल टैंकरों पर हमले की घटना के बाद तेल की कीमतों में वृद्धि भी हुई है। इतना ही नहीं फारस की खाड़ी में तेल का व्यापार करना भी अमेरिकी के लिए आसान और अर्थपूर्ण नहीं होगा। ईरान अपने सैन्य उपकरणों से अभी इतना ताकतवर है कि अमेरिका की तमाम घेराबंदी के बावजूद वह खाड़ी क्षेत्र से भेजे जाने वाले तेल टैंकरों को कभी भी निशाना बना सकता है। उस रास्ते को रोक सकता है।

एक और युद्ध में फंसना नहीं चाहता अमेरिका

ट्रंप अंतहीन युद्ध से अलग दिशा में चलने वाले राष्ट्रपति हैं। इसे अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी से जोड़कर देखा जा सकता है। कई बार कह भी चुके हैं कि वे अंतहीन युद्ध में संसाधन और समय बर्बाद करने के पक्षधर नहीं है। ईरान से भी उन्होंने युद्ध की बजाय बातचीत की इच्छा पूर्व में कई बार जताई है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के लिहाज से भी ईरान से खुला युद्ध ट्रंप को अपने विरोधी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों, निर्दलीयों के आगे कमजोर कर सकता है।

अलग-थलग पड़ने का डर

कोरिया के साथ 1953 के युद्ध के बाद अमेरिका ने जितने भी युद्ध लड़े उसमें दूसरे देशों को का साथ जरूर लिया। इस समय अगर युद्ध छिड़ता है तो ब्रिटेन, सऊदी अरब, यूएई व इजरायल को छोड़ शायद ही कोई देश साथ दे। रूस और अमेरिका के शुरू से रिश्ते ठीक नहीं रहे। चीन के साथ आर्थिक मोर्चों पर भिडंत जगजाहिर है। ऐसे में ये दोनों बड़े देश दुनियाभर में अमेरिका के खिलाफ माहौल बनाने का मौका नहीं छोड़ेंगे।

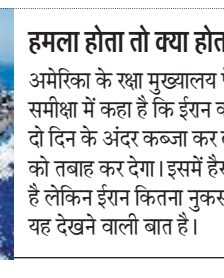

हमला होता तो क्या होता

अमेरिका के रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने ताजा समीक्षा में कहा है कि ईरान की नौसेना पर अमेरिका दो दिन के अंदर कब्जा कर लेगा। हर मोर्चे पर ईरान को तबाह कर देगा। इसमें हैरानी वाली बात भी नहीं है लेकिन ईरान कितना नुकसान पहुंचा सकता है, यह देखने वाली बात है।

हमले में आर्थिक चपत

हरमूज की खाड़ी से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार का 40 फीसद तेल गुजरता है और यहां ईरान काफी मजबूत है। वह यहां किसी को भी नुकसान पहुंचाने में सक्षम है। युद्ध हुआ तो तेल की कीमतों में भारी इजाफा होगा और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल होगा। जानकारों का यह भी मानना है कि अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका के साथ ही उसके मित्र देश भी ईरान के निशाने पर आ जाएंगे। यमन में हउथी विद्रोहियों के जरिए सऊदी अरब में ड्रोन-मिसाइल से हमले करवा सकता है, ईराक में शिया कट्टरपंथियों के जरिए तो हिजबुल्लाह की मदद से इजरायल व अन्य अमेरिकी प्रतिष्ठानों पर हमले करा सकता है। शिया कट्टरपंथी संगठन बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास को निशाना बना सकते हैं। बता दें कि 9-11 के हमले से पहले तक सबसे अधिक अमेरिकी लोगों की हत्या हिजबुल्लाह ने ही की थी। अब भी लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी घुसपैठ है।

वार्ता के आसार ▶ रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलाने की कोशिश में लगे हैं अमेरिका और उत्तर कोरिया

ट्रंप का खत मिलने पर किम ने कहा बेहतरीन

न्यूयॉर्क टाइम्स से

किम ने भी पत्र भेजकर अमेरिकी राष्ट्रपति को दी थी जन्मदिन की शुभकामना

सियोल : दो बार की विफल वार्ता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर उत्तर कोरिया से बातचीत की दिशा में कदम बढ़ाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ट्रंप ने उत्तर कोरिया के बादशाह किम जोंग उन को पत्र लिखा है। किम ने इस खत में लिखी बातों के लिए ट्रंप के साहस की तारीफ की है। साथ ही कहा है कि इन बातों पर विचार करेंगे।

समाचार एजेंसी ने किम की एक तस्वीर जारी की है, जिसमें उन्हें अपने कार्यालय में बैठकर खत पढ़ते हुए देखा जा सकता है। हालांकि रिपोर्ट में खत के मजमून की कोई जानकारी नहीं दी गई। ना ही इस बारे में बताया गया कि यह खत किम को कम मिला। उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच तनातनी के हालात बने हुए हैं। हाल में रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाने की पहल करते हुए किम ने खत भेजकर ट्रंप को प्योंगयांग आने का न्योता दिया था। ट्रंप ने 11 जून को उत्तर कोरिया से खत मिलने की बात कही थी। टाइम मैगजीन से साक्षात्कार में ट्रंप ने किम की ओर से अपने जन्मदिन पर शुभकामना पत्र मिलने की जानकारी भी दी थी। 14 जून को ट्रंप 73 साल के हो गए हैं।

दो बार विफल हो चुकी है वार्ताः उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच हाल में बातचीत के प्रयास विफल हो चुके हैं। ट्रंप और किम की पहली मुलाकात पिछले साल जून में सिंगापुर में हुई थी। यह वार्ता विफल होने के बाद इस साल फरवरी में दोनों नेताओं ने वियतनाम में मुलाकात की। वियतनाम की राजधानी हनोई में हुई इस वार्ता के लिए किम ट्रेन से 70 घंटे का सफर करके पहुंचे थे। इस वार्ता से दोनों पक्षों को बहुत उम्मीद थी। हालांकि यह मुलाकात भी बेनतीजा रही।

प्योंगयांग स्थित अपने दफ्तर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पत्र पढ़ते उत्तर कोरियाई लीडर किम जोंग उन। उनकी यह तस्वीर कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने जारी की है। रायटर

कहां अटकी है बात?

अमेरिका चाहता है कि उत्तर कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर दे। साथ ही परमाणु हथियार और मिसाइल भी नष्ट कर दे। इसके बाद ही अमेरिका उस पर लगे प्रतिबंध हटाएगा। वहीं, उत्तर कोरिया क्रमिक रूप से परमाणु कार्यक्रमों पर थोड़ा नियंत्रण और प्रतिबंधों में थोड़ी छूट चाहता है। वियतनाम में किम ने प्रस्ताव दिया था कि अमेरिका अगर अपने सख्त आर्थिक प्रतिबंध हटाए, तो उत्तर कोरिया अपने परमाणु संयंत्र बंद कर देगा। हालांकि परमाणु हथियार और मिसाइलें जस की तस रहेंगी। ट्रंप ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया था कि अमेरिका बिना शर्त पूर्ण निशस्त्रीकरण चाहता है।

गुलाम कश्मीर में हो रहे अत्याचार

- यूरोपीय देशों में रहने वाले कश्मीरियों ने ब्रिटेन आकर उठाई आवाज
- शांति, मानवाधिकार और आतंकवाद के खिलाफ आयोजित किया सम्मेलन

बर्मिंघम, एएनआइ : यूरोपीय देशों में रहने वाले कश्मीरी रविवार को ब्रिटेन के शहर बर्मिंघम में एकत्रित हुए और उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। सम्मेलन में कहा गया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, गिलगित और बालटिस्तान में पाकिस्तानी फौज का उत्पीड़न चल रहा है। यह सम्मेलन शांति, मानवाधिकार और आतंकवाद के खिलाफ आयोजित किया गया था।

सम्मेलन में इलाके की जमीन का उपयोग बदलते हुए वहां से प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर भी चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा, गिलगित और बालटिस्तान का इलाका दुनिया के सबसे पिछड़े इलाकों में से एक हैं। लेकिन पाकिस्तान उसको लेकर अपनी नीति नहीं बदल रहा। पाकिस्तान सरकार वहां पर आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के चेयरमैन शौकत अली कश्मीरी ने कहा, इलाके से होकर बह रहीं नीलम और झेलम नदियों की दिशा बदल दी गई है।

इसके खिलाफ तीन महीने से इलाके में आंदोलन हो रहा है। लेकिन स्थानीय सरकार ने पाकिस्तान की इमरान खान सरकार से इस बाबत एक शब्द नहीं बोला है। नदियों की दिशा बदले जाने के विरोध में लोग स्थायी रूप से धरने पर बैठे हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 30 से ज्यादा आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर रखा है जिनका कोई पता नहीं चल रहा। इसके अलावा आंदोलनकारियों के डेरे-तंबू भी उखाड़ दिए गए हैं। पाक कब्जे वाले कश्मीर, गिलगित और बालटिस्तान में लोगों को अपनी बात कहने का अधिकार नहीं है। वहीं, आतंकी शिविरों के लिए सारी सुविधाएं हैं। उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी, बिजली और सड़क की सुविधाएं दी जा रही हैं। इन आतंकी शिविरों में पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आइएसआइ की सरपरस्ती में युवकों को आतंकी बनने की ट्रेनिंग दी जाती है। सम्मेलन में लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता साबिर चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए।

बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर जिसे पीओके भी कहा जाता है। वहां के निवासियों पर पाकिस्तान आर्मी के जवानों की बर्बरता की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। साथ ही पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में भी हालात बदतर हैं। यहां आर्मी का खौफ कुछ इस कदर है कि इन क्षेत्रों में रह रहे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को पश्चिमी देशों में शरण लेनी पड़ती है।

पीओके में भी पुलिस की ज्यादती के खिलाफ अक्सर प्रदर्शन होते रहते हैं। प्रतीकात्मक

लॉर्ड्स स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन

लंदन स्थित लॉर्ड्स के मैदान के बाहर बलोच रिपब्लिकन पार्टी और वर्ल्ड बलोच ऑर्गनाइजेशन के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तानी सेना के उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों में पर्चे बांटकर पाकिस्तान की कलई खोली। पर्चों में बताया गया है कि पाकिस्तानी सेना किस तरह से बलूचिस्तान और सिंध प्रांतों में बलोच और अन्य अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न कर रही है। आवाज उठाने वाले लोगों को बिना मुकदमा दर्ज किए जेल में डाल दिया जाता है या उनकी हत्या कर लाश गायब कर दी जाती है। बलोच संगठनों ने यह प्रदर्शन पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच के दौरान किया।

कार्बन उत्सर्जन में अमेरिकी सेना आगे

- दुनिया के ज्यादातर देश कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं, पर वर्तमान में अमेरिका हाइड्रोकार्बन ईंधन के उपभोग में कमी करता नहीं दिख रहा

लंदन, प्रेट्र: दुनियाभर में प्रदूषण फैलाने और कार्बन उत्सर्जन के मामले में अमेरिकी सेना सबसे बड़ी भागीदार है। अमेरिकी सेना दुनिया में सबसे ज्यादा ईंधन का खपत करती है और सबसे ज्यादा कार्बन जनित प्रदूषण भी फैलाती है। कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी से उपजे ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के मद्देनजर ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन के जरिये यह तथ्य सामने रखे।

ब्रिटेन के डरहम और लैंसेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में पाया कि अमेरिकी सेना को अगर एक देश मान लिया जाए तो यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में दुनिया का 47वां सबसे बड़ा प्रदूषक देश कहा जाएगा। शोध को ट्रांजैक्शन ऑफ द इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिटिश जियोग्राफर्स में प्रकाशित किया गया है।

अध्ययन में दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को शामिल किया गया है। डरहम यूनिवर्सिटी के ओलीवर बेल्चर ने कहा कि इससे साबित होता है कि जलवायु परिवर्तन मामले में अमेरिकी सेना एक बड़ा प्रभाव छोड़ती है। यह शोध ऐसे वक्त पर आया है जब अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में यह एक अहम मुद्दा बन रहा है।

वर्तमान में अपने सैन्य अभियानों को लेकर अमेरिका हाइड्रोकार्बन ईंधन के उपभोग में कोई कमी करता नहीं दिख रहा है।

हालांकि जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर अमेरिक का सेना अपने सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल सप्लाई नेटवर्क में बदलाव करने की तैयारी में है। जिससे की कम उत्सर्जन हो सके।

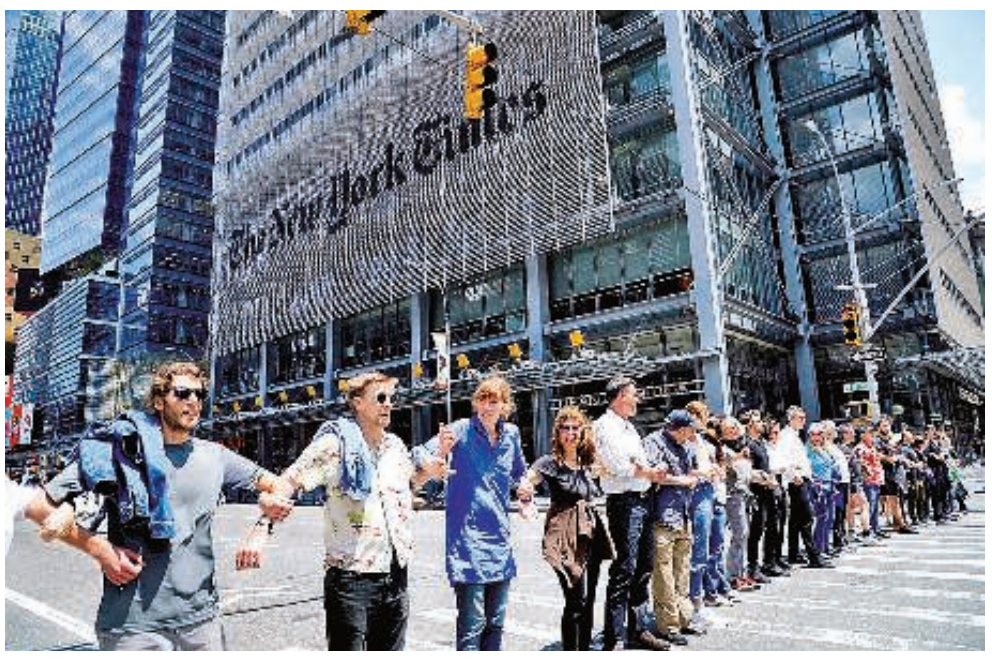

अखबार के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन : अमेरिकी के मैनहट्टन में 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की इमारत के सामने प्रदर्शन करते सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता। ये सभी जलवायु संकट की खबरों को कवर करने के मीडिया के तरीकों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस ने करीब 70 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जलवायु पर मंडराते खतरे को लेकर पूरी दुनिया में इन दिनों विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। रायटर

महिला मित्र से विवाद के बाद बोरिस जॉनसन दबाव में

- ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार जॉनसन से उनकी पार्टी ने मांगी सफाई

लंदन, एएफपी : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे बोरिस जॉनसन अपनी महिला मित्र के साथ विवाद के बाद अपनी ही कंजरवेटिव पार्टी के दबाव में आ गए हैं। पार्टी ने उनसे इस मामले में सफाई मांगी है। पड़ोसियों की शिकायत पर पुलिस जांच करने उनके घर गई थी। कंजरवेटिव पार्टी का नेता और उसके बाद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में जॉनसन को जेरेमी हंट से कड़ी टक्कर मिल रही है। महिला मित्र के साथ विवाद के बाद रविवार को समाचार पत्र मेल में प्रकाशित एक त्वरित सर्वे में कहा गया है कि इस घटना से उनका समर्थन कम हुआ है।

समाचार पत्र गार्जियन की खबर के मुताबिक जॉनसन और उनकी महिला मित्र कैरी साइमंड्स के बीच जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को खबर दी थी। जिसके बाद तड़के पुलिस उनके घर पर पहुंची थी। पुलिस ने वहां सभी को सही सलामत पाया था। अखबार 'द गार्जियन' की खबर के अनुसार, पड़ोसी ने खबर दी थी कि उसने जॉनसन के आवास से चीखने, चिल्लाने और उठा-पटक की आवाज सुनी। पड़ोसियों द्वारा अपने मकान से की गई रिकॉर्डिंग में जॉनसन की महिला मित्र कैरी साइमंड्स उनसे अपने फ्लैट से जाने को कह रही हैं। जॉनसन ने इस विवाद पर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ब्रिटेन की जनता देश के लिए मेरी क्या योजना है और मैं कैसे इसे आगे ले जाना चाहता हूं यह जानना चाहती है। टोरी पार्टी की संचार प्रमुख साइमंड्स के साथ उनका प्रेम संबंध पिछले साल सामने आया था जिसके बाद उनकी भारतीय मूल की पत्नी मरीना व्हीलर ने तलाक की अर्जी दी थी।

नवाज शरीफ को पाकिस्तान का मुर्सी नहीं बनने देंगे : मरियम

लाहौर, प्रेट्र : जेल में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के जीवन को गंभीर खतरा है। लेकिन उनका हाल मिस्र के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मद मुर्सी जैसा नहीं होने दिया जाएगा। यह बात पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने कही है। मुर्सी मिस्र के लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए पहले राष्ट्रपति थे। वह 2012 में राष्ट्रपति बने लेकिन साल भर बाद ही सेना ने तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उन्हें कैद में रखकर मुकदमा चलाया जा रहा था।

बीते सोमवार को मुर्सी की अदालत में सुनवाई के दौरान बेहोश हो जाने के बाद मौत हो गई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मरियम ने कहा, नवाज शरीफ की दशा स्थिर नहीं है। जेल के डॉक्टरों को भी नहीं पता है कि शरीफ को इसी सप्ताह दिल का दौरा पड़ा था। इस दौरान उन्हें कोई इलाज मुहैया नहीं कराया गया। 69 वर्षीय नवाज शरीफ अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में सात साल के कारावास की सजा काट रहे हैं। वह इस समय लाहौर की कोट लखपत जेल में हैं। मरियम ने कहा, शरीफ के पूर्व प्रधानमंत्री होने और उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने के बावजूद जेल के डॉक्टर इलाज को लेकर अनिच्छुक और लापरवाह रहते हैं। शरीफ की 80 फीसद तकलीफों का जिक्र मेडिकल रिपोर्ट में नहीं होता है। रिपोर्ट का हर शब्द जेल प्रशासन की इच्छानुसार लिखा जाता है।

मरियम ने कहा, तीन बार के प्रधानमंत्री को हम मुर्सी के हाल पर नहीं छोड़ सकते। पाकिस्तान मिस्र नहीं है और न ही नवाज शरीफ मुहम्मद मुर्सी हैं। मरियम ने कहा, वह अपने पिता को न्याय दिलाने के लिए किसी भी हद तक जाएंगी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि उनके पिता का इलाज संभव नहीं है लेकिन जेल के डॉक्टर उनका इलाज करना नहीं चाहते। इसीलिए वह पिता का इलाज विदेश में कराना चाहती हैं जहां के डॉक्टर उनकी मेडिकल हिस्ट्री से अच्छी तरह से परिचित हों। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने इलाज के लिए नवाज शरीफ की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था।

चीन के सिचुआन प्रांत में 5.4 तीव्रता का भूकंप, 31 घायल

बीजिंग, प्रेट्र: चीन के दक्षिण पश्चिमी सिचुआन प्रांत के गोंगशिआन काउंटी में 5.4 तीव्रता का भूकंप आया है। इसके बाद 31 लोग जख्मी हो गए। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। यह भूकंप शनिवार को आया।

यीबिन शहर के अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि उनमें से 21 को निगरानी और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की नीचे था।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि शनिवार को भूकंप आने के बाद, यीबिन के गोंगशीआन काउंटी में रविवार सुबह आठ बजकर 28 मिनट पर 4.6 तीव्रता का भूकंप बाद का झटका आया। गौरतलब है कि 17 जून को प्रांत में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी और 220 अन्य लोग जख्मी हो गए थे।

यूएन के खाद्य प्रमुख चुने गए चीन के क्यू डोंग्यू

रोम, एएफपी: क्यू डोंग्यू रविवार को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के प्रमुख निर्वाचित हुए। क्यू इस पद पर चुने गए पहले चीनी नागरिक हैं। उन्होंने पहले दौर के मतदान में ही जीत हासिल कर ली। क्यू ब्राजील के जोस ग्रैजियानो डा सिल्वा का स्थान लेंगे।

आधिकारिक परिणामों के अनुसार जीव विज्ञानी क्यू (55वर्ष) को 108 वोट मिले जबकि फ्रांस की कैथरीन गिसलैन लैनिली को 71 वोट और जॉर्जिया के डेविट किरवैलित्ज को 12 वोट मिले। रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी के लिए उन्हें ऐसे समय चुना गया है जब विश्व के देशों के भूख मिटाने के प्रयासों को वैश्विक तापमान में वृद्धि और युद्धों से झटका लगा है।

यह एजेंसी 194 देशों को एक मंच पर लाती है। पिछले तीन वर्षों में भूख के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। कई देशों में भूख से लोगों के जूझने के मामले सामने आए हैं। इसके लिए मुख्य तौर पर जलवायु परिवर्तन, अनियमित मौसम, आर्थिक मंदी एवं युद्ध को जिम्मेदार ठहराया जाता है। ऐसे मामले विशेष तौर पर दक्षिण-पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में होते हैं।

क्यू डोंग्यू। एएफपी

स्वस्थ शरीर

फलस्तीन योग उत्सव के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों में युवाओं ने बढ़-चढ़ कर लिया भाग, लोग आसानी से भाग ले सकें इसीलिए सप्ताहांत में हुआ आयोजन

फलस्तीन में योग उत्सव की धूम, जुटे युवा

जेरिको (वेस्ट बैंक), प्रेट्र: योग दिवस के अवसर पर जेरिको में आयोजित फलस्तीन योग उत्सव में युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। फलस्तीन में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय, ने पयर्टन एवं पुरातत्व मंत्रालय और बेत अल-शम्स सेंटर फॉर सेल्फ डेवलपमेंट के साथ मिलकर पांचवे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्सव का आयोजन किया।

फलस्तीन में भारत के प्रतिनिधि सुनील कुमार ने कहा कि योग दुनिया को जोड़ने वाली ताकत बन गया है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से भारत और फलस्तीन, दोनों देशों के हजारों वर्षों के इतिहास और संस्कृति को जोड़ रहे हैं। इसीलिए हमने चांद के शहर, जेरिको में यह आयोजन किया है। इस दुनिया के सबसे पुराने आबाद शहरों में से एक है।

इस अवसर पर सुनील कुमार ने राष्ट्रपति महमूद अब्बास के नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश भी पढ़ा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका में भी हजारों की संख्या में लोगों ने सप्ताहांत पर आयोजित योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को था, लेकिन ज्यादातर कार्यक्रमों का आयोजन यहां सप्ताहांत पर किया गया ताकि लोग आसानी से कार्यक्रम में भाग ले सकें।

वांडरर्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित समारोह के दौरान महावाणिज्यदूत डॉक्टर के.जे. श्रीनिवास ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में योग दिवस नहीं बल्कि योग माह मनाया जा रहा है। स्कूलों सहित विभिन्न संस्थान जून की शुरुआत से ही योग कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं।वहीं टेक्सास में भयंकर गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में लोग शुक्रवार की शाम योग करने के लिए जमा हुए। ह्यूस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने अन्य सहयोगी समूहों के साथ मिलकर पांचवे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मिडटाउन पार्क में यह आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों के मुकाबले अमेरिका के मूल निवासियों ने अधिक संख्या में हिस्सा लिया।

योग दिवस के अवसर पर फलस्तीन के जेरिको में आयोजित कार्यक्रम में योगासन करते लोग। बता दें कि जेरिको दुनिया के सबसे पुराने आबाद शहरों में से एक है। प्रेट्र

श्रीलंका में फिर बढ़ाई गई आपातकाल की अवधि

कोलंबो : प्रेट्र: श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन ने देश में लगे आपातकाल की समयावधि लगातार तीसरी बार बढ़ा दी है। गत अप्रैल में ईस्टर के दिन हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद सुरक्षा कारणों से 23 अप्रैल को देश में आपातकाल घोषित किया गया था। मई में इसे एक और महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। शनिवार को इसकी अवधि समाप्त हो रही थी।

चर्च व होटलों पर हुए इन धमाकों में 258 लोगों की जान चली गई थी। हमले के सिलसिले में 10 महिलाओं समेत 100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। हाल ही में पुलिस विभाग ने धमाके से पहले लापरवाही बरतने के लिए पुलिस महानिरीक्षक समेत कई प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ जांच करने की घोषणा की थी।

इसी बीच राष्ट्रपति ने आपातकाल बढ़ाने की घोषणा कर दी। सिरिसेन ने कहा कि देश में सार्वजनिकआपातकाल जैसी स्थिति है और इसलिए वह आपातकाल अवधि बढ़ाते हुए सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों को लागू कर रहे हैं। उनका कहना है इससे देश की स्थिति में सुधार होगा।

चीन ही नहीं ब्रिटेन में भी प्रताड़ित हो रहीं पाकिस्तान की महिलाएं

- शादी कर लाई गईं एक हजार महिलाएं बिना कारण के वापस भेजी गईं
- उनमें से तमाम महिलाओं के बच्चे अभी ब्रिटेन में हैं
- ज्यादातर महिलाएं स्पाउस वीजा पर पहुंची थी ब्रिटेन

लंदन, प्रेट्र : चीन के बाद अब ब्रिटेन से भी पाकिस्तानी महिलाओं की दर्दभरी दास्तां सामने आई है। पाकिस्तान से शादी करके ब्रिटेन लाई गईं सैकड़ों महिलाओं को जायज कारण के बगैर वापस भेज दिया गया। उनमें से तमाम के बच्चे अभी ब्रिटेन में ही हैं।

सन डे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार सर्वे में पता चला है कि इन महिलाओं से ब्रिटेन में बसे पाकिस्तानी पुरुषों ने शादी की लेकिन कुछ वर्षों के बाद वे वापस चली गईं। कुछ मामलों में यह भी पता चला है कि महिलाएं छुट्टी या अपने बीमार रिश्तेदारों से मिलने के बहाने पाकिस्तान गईं और उसके बाद वापस नहीं लौटीं।

विभिन्न स्रोतों से एकत्रित किए गए आंकड़ों के अनुसार सन 2002 से अभी तक करीब एक हजार शादीशुदा महिलाएं पाकिस्तान गईं और वापस नहीं लौटीं। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने फिलहाल ऐसी महिलाओं की वापसी पर रोक लगा दी है।

पता चला है कि इनमें ज्यादातर महिलाएं स्पाउस वीजा पर ब्रिटेन आईं। बाद में उनके पति ने उस वीजा को रद करा दिया, नतीजतन महिला को वापस पाकिस्तान जाना पड़ा और शादी टूट गई।

बच्चे पैदा करने की क्षमता खोने के बाद महिलाओं को इस तरह से छोड़ने के उदाहरण भी सामने आए हैं। लेबर पार्टी की नेता नाज शाह के मुताबिक गृह मंत्रालय को इस तरह के मामलों को घरेलू हिंसा और महिलाओं के अवैध व्यापार के रूप में लेना चाहिए। उन्हीं प्रावधानों के तहत कार्रवाई करनी चाहिए।

ये भी जानिए

फखर जमां, इमरान ताहिर की गेंद पर आउट होने के बाद विश्व कप में 40 की उम्र के गेंदबाज पर आउट होने वाले दूसरे पाकिस्तानी बने। मुहम्मद यूसुफ 2003 में नीदरलैंड्स के रोलैंड लेफबवरे के खिलाफ आउट हुए थे।

पाकिस्तान ने दर्ज की उम्दा जीत

दक्षिण अफ्रीका को 49 रन से हराया, हैरिस ने खेली 59 गेंद में 89 रन की पारी, आजम का भी पचासा

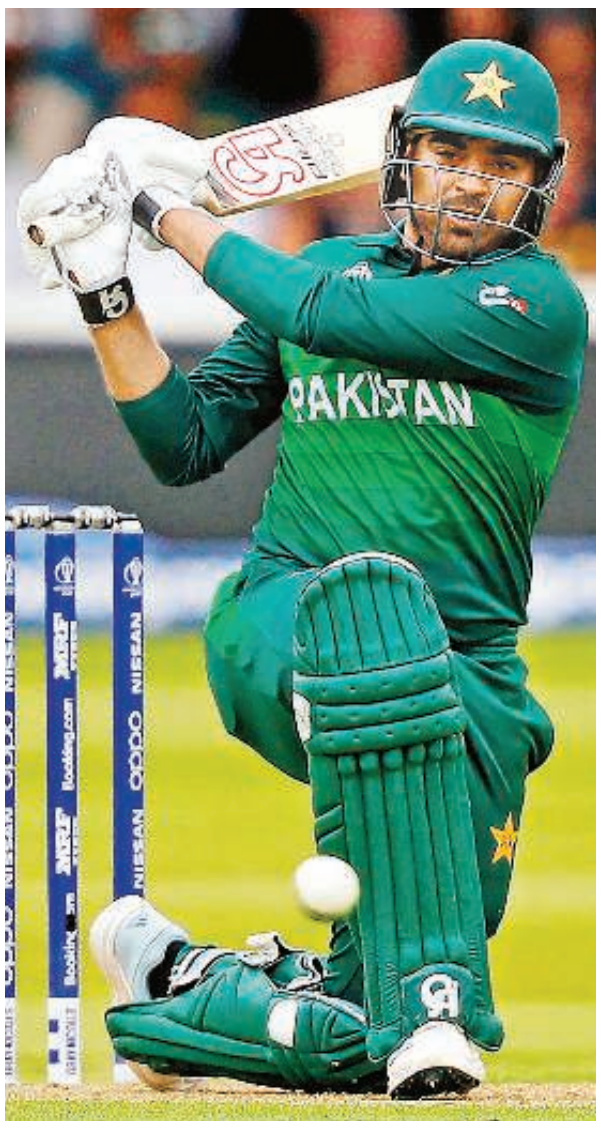

अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान पाकिस्तान के बल्लेबाज हैरिस सोहेल ● एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: जो बल्लेबाज 2018 से वनडे में 53.58 के बेहतरीन औसत से 643 रन बना चुका था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो शतक भी शामिल थे। उस बायें हाथ के बल्लेबाज हैरिस सोहेल को पाकिस्तान ने तीन मैचों से बैंच पर बैठा रखा था। सोहेल की जगह शोएब मलिक को लगातार खिलाया गया। अब उसी सोहेल की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने रविवार को लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में आइसीसी विश्व कप के मैच में दक्षिण अफ्रीका को 309 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट खोकर 308 रन बनाए। सोहेल ने पाकिस्तान की टीम की ओर से सबसे अधिक 89 रन बनाए, जबकि बाबर आजम ने 69 रनों का अहम योगदान दिया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 50 ओवर में नौ विकेट पर 259 रन ही बना सकी और 49 रन से मैच हार गई। उनकी ओर से फाफ डुप्लेसिस ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए वहाब रियाज और शादाब खान ने तीन-तीन विकेट लिए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज फखर जमां और इमाम उल हक ने पहले विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी निभाई। जमां को 44 के निजी स्कोर पर आउट करके लेग स्पिनर ताहिर ने दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। जमां ने 50 गेंदों की अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। जमां के जाने के बाद इमाम उल हक (44) भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके। उन्हें भी ताहिर ने पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद, आजम ने अनुभवी मुहम्मद हफीज के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों की बीच 45 रनों की साझेदारी हुई। 143 के कुल योग पर मार्करैम ने हफीज (20) को एलबीडब्ल्यू आउट किया। हालांकि, आजम ने पाकिस्तान की पारी को बिखरने नहीं दिया और सोहेल के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 81 रन जोड़े और टीम के स्कोर को 224 तक ले गए। आजम को 69 के निजी स्कोर पर फेलुकवायो ने आउट कर दिया। उन्होंने 80 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके जड़े। सोहेल टिके रहे और उन्होंने इमाद वसीम के साथ मिलकर तेजी से रन बनाए। वसीम 15 गेंदों पर 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे, उन्हें नगिदी ने अपना शिकार बनाया। सोहेल टीम के कुल योग को 300 के पार ले गए। वहाब रियाज (04) को आउट करके नगिदी ने पाकिस्तान को छठा झटका दिया। तेजी से रन बनाने के चक्कर में सोहेल भी पवेलियन लौट गए, उन्हें नगिदी ने आउट किया। उन्होंने 59 गेंदों की अपनी पारी में नौ चौके और तीन छक्के जड़े। कप्तान सरफराज अहमद दो और शादाब खान एक रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी नगिदी ने सबसे अधिक तीन विकेट लिए। इमरान ताहिर को दो, जबकि एंदिले फेलुकवायो और एडेन मार्करैम को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

स्कोर बोर्ड

टॉस : पाकिस्तान (बल्लेबाजी)

पाकिस्तान — **308/7** (50 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
इमाम उल हक का . एवं बो . ताहिर	44	58	06	00
फखर जमां का . अमला बो . ताहिर	44	50	06	01
बाबर का . नगिदी बो . फेलुकवायो	69	80	07	00
हफीज एलबीडब्ल्यू बो . मार्करैम	20	33	00	01
हैरिस सोहेल का . डिकॉक बो . नगिदी	89	59	09	03
इमाद का . सब (डुमिनी) बो . नगिदी	23	15	03	00
वहाब रियाज बो . नगिदी	04	04	00	00
सरफराज अहमद नाबाद	02	02	00	00
शादाब खान नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त : (लेबा-6, नोबॉ-1, वा-5) 12
कुल : 50 ओवर में सात विकेट पर 308 रन

विकेट पतन : 1-81 (फखर, 14.5), 2-98 (इमाम, 20.3), 3-143 (हफीज, 29.6), 4-224 (बाबर, 41.2), 5-295 (इमाद, 47.6), 6-304 (रियाज, 49.1), 7-307 (सोहेल, 49.5)

गेंदबाजी :
कैगिसो रबादा 10-0-65-0
लुंगी नगिदी 9-0-64-3
क्रिस मॉरिस 9-0-61-0
एंदिले फेलुकवायो 8-0-49-1
इमरान ताहिर 10-0-41-2
एडेन मार्करैम 4-0-22-1

दक्षिण अफ्रीका — **259/9** (50 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
अमला एलबीडब्ल्यू बो . आमिर	02	03	00	00
डिकॉक का . इमाम बो . शादाब	47	60	03	02
डुप्लेसिस का . सरफराज बो . आमिर	63	79	05	00
एडेन मार्करैम बो . शादाब	07	16	00	00
वेन डेर डुसेन का . हफीज बो . शादाब	36	47	01	01
डेविड मिलर बो . अफरीदी	31	37	03	00
एंदिले फेलुकवायो नाबाद	46	32	06	00
क्रिस मॉरिस बो . रियाज	16	10	01	01
कैगिसो रबादा बो . रियाज	03	07	00	00
लुंगी नगिदी बो . रियाज	01	06	00	00
इमरान ताहिर नाबाद	01	03	00	00

अतिरिक्त : (लेबा-1, वा-5) 6
कुल : 50 ओवर में नौ विकेट पर 259 रन
विकेट पतन : 1-4 (अमला 1.1), 2-91 (डिकॉक, 19.2), 3-103 (मार्करैम, 23.1), 4-136 (फाफ, 29.3), 5-189 (डुसेन, 39.4), 6-192 (मिलर, 40.5), 7-222 (मॉरिस, 44.2), 8-239 (रबादा, 46.5), 9-246 (नगिदी, 48.2)

गेंदबाजी :
मुहम्मद हफीज 2-0-11-0
मुहम्मद आमिर 10-1-49-2
शाहीन अफरीदी 8-0-54-1
इमाद वसीम 10-0-48-0
वहाब रियाज 10-0-46-3
शादाब खान 10-1-50-3

परिणाम : पाकिस्तान 49 रनों से विजयी

38 गेंद में अर्धशतक लगाया हैरिस सोहेल ने। यह विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से सबसे तेज अर्धशतक है। उन्होने मुहम्मद हफीज के 39 गेंद में लगाए अर्धशतक के रिकॉर्ड को तोड़ा

39 विकेट हो गए हैं दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर इमरान ताहिर के विश्व कप इतिहास में। वह विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीकी बने। उन्होंने 38 विकेट लेने वाले एलन डोनाल्ड के रिकॉर्ड को तोड़ा

44 -44 रन बनाए पाक के दोनों ओपनर फखर जमां और इमाम उल हक ने। यह विश्व कप इतिहास में एक पारी में दो ओपनरों का एक समान सबसे बड़ा स्कोर है। 2003 में नामीबिया के बर्गर और कार्ग ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 41-41 रन बनाए थे

बंग्लादेश के सामने आज अफगानिस्तान की चुनौती

अभ्यास सत्र के दौरान रविवार को बांग्लादेश के महमूदुल्लाह ● एएफपी

टक्कर

- बांग्लादेशी टीम के लिए करो या मरो का मुकाबला
- अफगानी टीम को अभी भी पहली जीत का इंतजार

साउथैंप्टन, प्रेट्र: सेमीफाइनल की उम्मीद कायम रखने के लिए बेताब बांग्लादेश की टीम को सोमवार को यहां होने वाले आइसीसी विश्व कप के 'करो या मरो' के मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम की चुनौती से निपटना होगा। श्रीलंकाई टीम के हाथों शुक्रवार को मेजबान इंग्लैंड की टीम की हार ने बांग्लादेश की सेमीफाइनल में स्थान हासिल करने की उम्मीद तोड़ दी और अब वह निचले स्थान पर काबिज अफगानिस्तान के खिलाफ जीत से मौके का फायदा उठाना चाहेगी।

मशरफे मुर्तजा की अगुआई वाली बांग्लादेशी टीम ने विश्व कप में अब तक छह मैच खेले हैं जिसमें से उसे दो में जीत मिली, तीन मैच हारे, जबकि एक रद हो गया। उसके अभी पांच अंक हैं। हालांकि, उसने टूर्नामेंट में अभी तक बहुत अच्छी बल्लेबाजी की है। शाकिब अल हसन को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजना विश्व कप में अहम चीज रही है। यह ऑलराउंडर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर से सिर्फ 22 रन पीछे है, जो टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। उनकी गेंदबाजी हालांकि इतनी अच्छी नहीं रही, क्योंकि बांग्लादेश ने अपने तीन मैचों में हर में 320 रन से ज्यादा लुटाए हैं और गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार कर अपने बल्लेबाजों पर से थोड़ा दबाव कम करना होगा।

वहीं, अफगानिस्तान की टीम को अब भी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत का इंतजार है और वह भारत के खिलाफ पिछले मैच से प्रेरित होना चाहेगी। यहां के हालात के उनके अनुभव को देखते हुए कप्तान गुलबदन नायब फिर से अपने स्पिनरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे, ताकि फॉर्म में चल रहे बांग्लादेश के बल्लेबाजों को सोमवार को जल्दी पवेलियन भेज सकें। मौसम के गर्म रहने की उम्मीद है और पिच के सूखेपन से ही गेंद स्पिन होगी, जैसी भारत और अफगानिस्तान के बीच मैच के दौरान हुई थी। अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को हालांकि मनमुताबिक नतीजा हासिल करने के लिए लंबे समय तक क्रीज पर समय बिताने पर ध्यान लगाना होगा।

अपनी बल्लेबाजी का इंतजार करना सबसे मुश्किल : जाधव

नजरिया

- केदार ने कहा, हमारा शीर्ष क्रम काफी मजबूत है
- अफगानिस्तान के खिलाफ बनाए थे 68 गेंदों में 52 रन

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव को बल्लेबाजी के लिए अपनी बारी का इंतजार करना सबसे मुश्किल लगता है, लेकिन उन्हें पता चल गया है कि स्टार खिलाड़ियों से भरे शीर्ष क्रम को देखते हुए उनके पास सीमित समय में अपनी उपयोगिता साबित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

विश्व कप के तीन मैचों में केदार जाधव को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने महज आठ गेंदे खेली थीं। इतने कम समय में प्रदर्शन करना भी चुनौती होती है और जाधव इसे स्वीकार भी करते हैं। जाधव ने कहा कि सबसे मुश्किल चीज अपनी बारी का इंतजार करना होती है और ऐसा टूर्नामेंट में एक बार ही होता है जब आपको इतनी सारी गेंद खेलने का मौका मिलता है। जब से मैंने भारत के लिए खेलना शुरू किया है, तब से यह ऐसा ही रहा है क्योंकि पिछले चार वर्षों से हमारा शीर्ष क्रम बहुत मजबूत रहा है। जाधव को अफगानिस्तान के खिलाफ ही 68 गेंद खेलने का मौका मिला और उन्होंने क्रीज पर डेढ़ घंटे (88 मिनट) का समय बिताया। इस दौरान उन्होंने 52 रन बनाए थे। महाराष्ट्र के इस बल्लेबाज ने कहा कि जब सब कुछ ठीक होता है तो मुझे क्रीज पर बहुत कम समय मिलता है। इस बार मुझे कुछ गेंद मिलीं। मुझे छठे नंबर पर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था। ऐसे में मेरे पास स्कोर करने का मौका था जो मेरी टीम मुझसे चाहती थी। आपको अपने आप को समय देने की जरूरत होती है क्योंकि तब आप दोबारा नहीं पूछ सकते हो। इसलिए यह महत्वपूर्ण था कि मैं इन ढेर सारी गेंदों का कैसे इस्तेमाल करूं।

नायब बोले, भारत को हराने का मौका गंवाकर निराश हैं : अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान गुलबदीन नायब को इस बात की निराशा है कि उनकी टीम के हाथों से विश्व कप मुकाबले में भारत को हराने का शानदार मौका निकल गया। नायब ने मैच के बाद कहा कि हमें इस बात की निराशा है कि हमने इस तरह की टीम को हराने का मौका गंवा दिया। विश्व कप में यह किसी भी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि होती, लेकिन यह भी सच है कि बड़ी टीमें आपको अधिक मौके नहीं देतीं। हमें भारत को हराने का मौका मिला था, जिसे हम लपक नहीं सके। नायब ने अपनी टीम के ऑलराउंडर मुहम्मद नबी की तारीफ की। नबी ने इस मैच में ना सिर्फ दो विकेट हासिल किए, बल्कि 52 रनों की पारी खेलते हुए अफगानिस्तान को जीत के बेहद करीब तक पहुंचा दिया था। वह अंतिम ओवर में आउट हुए। इसी ओवर में मुहम्मद शमी ने तीन विकेट लिए और अपनी हैट्रिक पूरी की। नायब ने कहा कि नबी ने अपनी क्लास दिखाई। उन्होंने दिखाया कि क्यों वह अफगानिस्तान के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं।

शमी का नया अवतार

- पिछले दो वर्ष शमी की जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर रहा
- तमाम विवादों को पीछे छोड़कर की शानदार वापसी

विश्व कप में दैनिक जागरण
अभिषेक त्रिपाठी ● साउथैंप्टन

मुहम्मद शमी ● एएफपी

मुहम्मद शमी की जिंदगी में पिछला एक वर्ष किसी बुरे सपने से कम नहीं था। पत्नी संग घरेलू विवाद जग जाहिर हुआ। बीसीसीआइ ने भी केंद्रीय अनुबंध से शमी को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। कोर्ट के चक्कर और चोट तक का सामना करना पड़ा। यह सब मुश्किलें किसी भी इंसान को अंदर से तोड़कर रख देतीं। चोट की वजह से उनका लगातार वजन बढ़ता जा रहा था। शमी ने फिटनेस पर ध्यान लगाना शुरू किया तो लोगों ने मजाक बनाना शुरू कर दिया। जिस इंसान को बिरयानी बहुत पसंद थी, उसकी जिंदगी का नया मंत्र फिटनेस था। इसी ने पिछले वर्ष इस भारतीय तेज गेंदबाज को टेस्ट मैचों में बेहतरीन स्पैल डालने में मदद की। अफगानिस्तान के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मैच में शमी के पास आखिरी ओवर था। शमी ने हैट्रिक लेकर भारतीय टीम को रोमांचक जीत दिलाई और चेतन शर्मा के बाद विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने।

शमी कहते भी हैं कि पिछले दो वर्ष का सफर मेरे लिए बहुत लंबा रहा। चोट के बाद मेरा वजन बढ़ गया था और मुझे यह महसूस भी हो रहा था। एक स्पैल के बाद मैं थका हुआ महसूस करता था और मेरे शरीर में कसावट हो जाती थी। मेरी सर्जरी भी हुई थी। उस समय मेरे दिमाग में चलता था कि अगर मुझे क्रिकेट खेलना जारी रखना है तो मुझे कुछ अधिक प्रयास करने होंगे। टीम इंडिया के ट्रेनर शंकर बासु ने भी हाल में कहा था कि शमी के लिए फिटनेस कितनी अहम हो गई है। उम्र के उस पड़ाव पर भी जब खिलाड़ियों को इस बदलाव पर विश्वास नहीं होता। शमी ने कहा कि लोग मुझ पर हंसते थे जब मैं डाइट पर निरंतर फोकस करता था। दरअसल, मैं कोई कड़ी डाइट पर कभी फोकस नहीं करता था, लेकिन यदि डॉक्टर मुझे डाइट पर कायम रहने का निर्देश देते तो भी मुझे यह करना होता। मैंने इसको जारी रखने का प्रयास किया। यह मेरे फायदे के लिए है कि मैं कोई मीठा या गेंहू के प्रोडक्ट (ब्रेड) नहीं खाता हूं।

माही भाई ने कहा, यॉर्कर डालो : शमी

हैट्रिक लेने में शमी की पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने काफी मदद की थी। शमी ने बताया कि हैट्रिक गेंद यॉर्कर डालने के लिए उन्हें माही भाई ने ही बोला था। शमी ने कहा कि रणनीति साफ थी। माही भाई ने कहा था कि मुझे यॉर्कर ही डाली है। माही ने कहा था कि आपको कुछ भी बदलने की जरूरत नहीं है। आपके पास हैट्रिक लेने का बहुत बड़ा मौका है। यह मौके बहुत कम आते हैं और आपको यॉर्कर करने की जरूरत है। तो मैंने वही किया जो माही भाई ने बोला। अंतिम-11 में जगह बनाना नसीब था। मैं इसके लिए तैयार था। मैंने सोचा था कि मुझे जब भी मौका मिलेगा मैं इसका अच्छे से इस्तेमाल करूंगा। जहां तक हैट्रिक की बात है तो यह विश्व कप में बहुत कम देखने को मिली है और मैं हैट्रिक लेकर खुश हूं।

कोहली पर लगा मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

अंपायर से बहस करते हुए विराट कोहली ● रायटर

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: भारतीय कप्तान विराट कोहली पर शनिवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान आक्रामक तरीके से अपील करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आइसीसी ने मुताबिक, कोहली को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की आइसीसी की आचार संहिता की धारा 2.1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अत्यधिक अपील से संबंधित है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 29वें ओवर में घटी, जब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद पर रहमत शाह के खिलाफ पगबाधा की अपील की गई थी, लेकिन कोहली अंपायर अलीम डार की ओर बढ़े। यह आइसीसी आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लघंन है जिसमें न्यूनतम सजा अधिकारी की फटकार होती है, जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस से 50 प्रतिशत कटौती, 1 या 2 डिमेरिट अंक होते हैं। कोहली ने अपराध स्वीकार कर इस जुर्माने को स्वीकार लिया है, जो मैच रेफरियों के एमिरेट्स आइसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड द्वारा लगाया गया था, इसलिए आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। इसके अलावा कोहली के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ गया है, जो सितंबर 2016 में संशोधित संहिता के आने के बाद उनका दूसरा अपराध है। कोहली के अब दो डिमेरिट अंक हो गए हैं। उन्हें 15 जनवरी 2018 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रिटोरिया टेस्ट के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। यदि किसी खिलाड़ी को 24 महीने के अंदर चार या इससे ज्यादा अंक मिलते हैं तो उन्हें निलंबन अंक में बदल दिया जाता है और खिलाड़ी प्रतिबंधित हो जाता है।

बुमराह ने अपनी योजना पर काम करने के लिए दिया था पूरा मौका

शमी ने मैच के बाद साथी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ चर्चा के दौरान कहा कि आपने (बुमराह) मेरे लिए इतने रन छोड़ दिए थे कि मैं आसानी से अपनी योजना पर काम कर सकता था। अंतिम 12 गेंदों पर 21 रन चाहिए थे और मुझे पूरा यकीन था कि बुमराह मेरे लिए काफी रन छोड़ेंगे। मुझे आपके साथ गेंदबाजी करके वाकई मजा आया। दरअसल, अफगानिस्तान को आखिरी 12 गेंद में 21 रनों की दरकार थी। बुमराह ने 49वें ओवर में मात्र पांच रन दिए। ऐसे में अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में 16 रन बनाने थे और गेंद शमी के हाथों में थी। शमी की पहली ही गेंद पर मुहम्मद नबी ने चौका जड़कर अपने इरादे जता दिए थे। इससे अगली गेंद शमी खाली निकालने में सफल रहे। शमी की तीसरी गेंद पर नबी आउट हुए और इसके बाद वह हैट्रिक लेने में सफल रहे थे।

यादगार था 2015 विश्व कप

इस विश्व कप में शमी बेशक तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका में हैं और बुमराह व भुवनेश्वर कुमार को उनसे ऊपर तरजीह दी जा रही है, लेकिन 2015 विश्व कप में शमी भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज थे। शमी इस विश्व कप में सभी मैचों में खेले और उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम सेमीफाइनल के अलावा सभी मुकाबलों में विरोधी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही थी। इतना ही नहीं, शमी ने इस विश्व कप में जिस भी मुकाबले में विकेट लिया, भारतीय टीम उस मुकाबले को जीती थी। शमी ने इस विश्व कप के सात मैचों में 17 विकेट चटकाए थे।

06 जनवरी 2013 को मुहम्मद शमी ने दिल्ली में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था। उस मैच में उन्होंने नौ ओवर में 23 रन देकर एक विकेट लिया था। भारत वह मैच 10 रन से जीता था

04 मेडन ओवर फेंके थे शमी ने अपने पदार्पण वनडे में। पदार्पण वनडे में चार या ज्यादा मेडन ओवर करने वाले शमी भारत के पहले और कुल आठवें गेंदबाज बने थे

64 वनडे मैचों में 117 विकेट हासिल कर चुके हैं मुहम्मद शमी। उनके नाम 40 टेस्ट में 144 विकेट और सात टी-20 में आठ विकेट भी दर्ज हैं

07 बार किसी वनडे मैच में पारी में चार विकेट ले चुके हैं शमी, लेकिन अभी भी उन्हें पारी में पांच विकेट लेने का इंतजार है, जबकि उन्होंने अपने पदार्पण टेस्ट में ही एक पारी में पांच विकेट झटके थे

श्रीलंका की जीत से टूर्नामेंट खुल गया

कुमार संगकारा
बिहाइंड द स्टंप

जब हमें डर था कि इस विश्व कप में चार टीमें हावी हो रही हैं तो ऐसे समय में श्रीलंका की टीम ने मेजबान इंग्लैंड की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए इस पूरे टूर्नामेंट को खोल दिया। कोई भी उम्मीद नहीं कर रहा था कि श्रीलंकाई टीम शुक्रवार को इंग्लैंड को हराने में सफल हो सकेगी, लेकिन उसने ऐसा कर दिखाया। मेजबान इंग्लैंड बेहद ही संतुलित व अनुभवी टीम है और अपनी चार साल की रणनीति बनाकर इस बार विश्व कप में उतरी है। इस बीच, श्रीलंका की टीम को इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत से संघर्ष करना पड़ा रहा था।

अविष्का फर्नांडो ने टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। दिमुथ करुणारत्ने और कुशल परेरा के जल्दी आउट होने के बाद उन्हें अच्छा काउंटर अटैक किया। उनके प्रदर्शन में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों की एक छवि दिखी। उन्होंने अपने पैरों का इस्तेमाल अच्छे से किया और शॉर्ट पिच गेदों का बेहद बेहतरीन तरीके से बखूबी सामना किया। एक बार फिर से श्रीलंका के मध्य क्रम की परीक्षा हुई। कुशल मेंडिस अच्छा कर रहे थे, लेकिन वह अपनी पारी को लंबी पारी में नहीं बदल सके। पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज ने दिखा दिया था कि वह श्रीलंकाई टीम के अच्छे बल्लेबाजों में क्यों गिने जाते हैं। उन्होंने एक छोर संभाले रखा और शानदार पारी खेली, जिसकी वजह से श्रीलंका की टीम सम्मानजनक स्कोर बना सकी और बाद में यह स्कोर मैच जीतने वाला साबित हुआ। इसके बाद तेज गेंदबाज लसित मलिंगा ने नई गेंद से विकेट लेकर मेजबान टीम को दबाव में ला दिया जिससे कम स्कोर का बचाव करने में आसानी हो गई। यह सभी गेंदबाजों का एक इकाई के रूप में शानदार प्रदर्शन था जिसकी अगुआई मलिंगा कर रहे थे और उनका समर्थन हर कोई कर रहा था। श्रीलंका इस जीत का आनंद ले सकता है, लेकिन ध्यान रहे कि अभी काफी काम करना बाकी है। इस जीत से टूर्नामेंट खुल गया और अगर श्रीलंका-बांग्लादेश अपने सभी बचे हुए ग्रुप चरण के मैच जीत लेते हैं तो वे भी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं।

शिखर धवन को खोना भारत के लिए निराशाजनक रहा। लोकेश राहुल सलामी बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं और यह बल्लेबाजी इकाई अभी भी संतुलित और खतरनाक है। रिषभ पंत को बुलाना उनके लिए अच्छा है। यह उनके लिए खुद को साबित करने का मौका है। मुझे नहीं पता कि उन्हें मौका मिलेगा या नहीं अगर उन्हें मौका मिलता है तो यह रोमांचक होगा।

THE ULTIMATE INVERTER BATTERY
EXIDE INVATUBULAR

विराट और बुमराह को विश्व कप के बाद दिया जाएगा आराम

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन अगस्त से खेली जानी है सीमित ओवर सीरीज, उसके बाद होने वाली टेस्ट सीरीज में कोहली और जसप्रीत दोनों खिलाड़ियों की होगी वापसी

विशेष संवाददाता, साउथैंप्टन: भारतीय कप्तान विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को तीन अगस्त से वेस्टइंडीज के खिलाफ अमेरिका और कैरेबियाई सरजमीं पर होने वाली सीमित ओवर की सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा। कोहली और बुमराह हालांकि दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वापसी करेंगे, जो शुरुआती विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'विराट और जसप्रीत को निश्चित रूप से तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा। विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के शुरू होने के बाद से ही खेल रहे हैं और बुमराह का कार्यभार प्रबंधन भी आला दर्जे का है। वे टेस्ट सीरीज से पहले टीम से जुड़ जाएंगे।'

विश्व कप के मुश्किल अभियान के बाद कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी इस सीरीज के दौरान आराम दिया जा सकता है। भारत अगर विश्व कप के फाइनल में पहुंचता है तो मुख्य खिलाड़ी 14 जुलाई तक खेलेंगे, जिससे मुख्य बल्लेबाजों और कुछ तेज गेंदबाजों को आराम देना जरूरी होगा, बल्कि बीसीसीआइ ने क्रिकेट वेस्टइंडीज के साथ मिलकर ऐसा कार्यक्रम बनाया है कि टेस्ट मैच अब टी-20 और वनडे के बाद ही खेले जाएंगे।

जसप्रीत बुमराह ● एएफपी

उन्होंने कहा, 'पहला टेस्ट 22 अगस्त से एंटिगा में शुरू होगा और विश्व कप टीम में मुख्य खिलाड़ियों के लिए आराम करने का काफी समय होगा।'

उम्मीद है कि कोहली और बुमराह 17 से 19 अगस्त तक एंटीगा में चलने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शॉ और हनुमा विहारी वेस्टइंडीज में ए टीम के लिए मैच खेलेंगे, जब तक सीनियर खिलाड़ी पहुंचेंगे वार्म-अप मैच को चतुराई से इस्तेमाल किया जा सकता है, चयन समिति ऐसा ही सोच रही है।

अब देखना होगा कि बीसीसीआइ की टीम विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट के खत्म होन के बाद किन भारतीय खिलाड़ियों को आराम देती है और किन्हें वेस्टइंडीज के लंबे दौरे के लिए चुनती है। जहां उन्हें टी-20, वनडे और टेस्ट सीरीज खेलनी है।

धौनी और जाधव के बीच धीमी साझेदारी पर खफा हुए तेंदुलकर

साउथैंप्टन: मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर निराशा जताई है। सचिन ने मध्य क्रम पर निशाना साधते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धौनी और केदार जाधव के बीच साझेदारी काफी धीमी रही। टीम ने स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ खेले 34 ओवर में सिर्फ 119 रन बनाए। ऐसा लग रहा था कि दोनों में सकारात्मक इरादों की कमी थी। सचिन ने मैच खत्म होने के बाद कहा कि मुझे मैच में काफी निराशा हुई। यह काफी बेहतर हो सकता था। 30वें ओवर में विराट के आउट होने से लेकर 45वें ओवर तक हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। हर ओवर में दो से तीन डॉट बॉल खेली गईं। मध्य क्रम के बल्लेबाजों को इससे पहले के मैचों में ज्यादा मौके नहीं मिले थे, जिससे उन पर दबाव बन गया। हालांकि, उन्हें सकारात्मक इरादे से खेलना चाहिए था। धौनी और जाधव ने पांचवे विकेट के लिए 84 गेंदों पर 57 रन की साझेदारी की। इस दौरान धौनी ने 36 गेंद पर 24 रन, जबकि जाधव ने 48 गेंद पर 31 रन का योगदान दिया। इससे बीच के ओवरों में टीम का रन रेट काफी नीचे रहा। सचिन ने इशारों में धौनी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जाधव ने इस मैच से पहले ज्यादा बल्लेबाजी नहीं की थी। ऐसे में उन पर काफी दबाव था। किसी सीनियर खिलाड़ी को आगे आकर स्थिति को अपने नियंत्रण में लेना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मेहदी हसन के सिर पर चोट लगी

बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाज मेहदी हसन को यहां विश्व कप में जारी अभ्यास सत्र के दौरान रविवार को सिर पर चोट लग गई। बांग्लादेश की टीम अभ्यास कर रही थी और इसी दौरान मेहदी के सिर पर गेंद लगी। मेहंदी अभ्यास सत्र के दौरान एक साक्षात्कार दे रहे थे कि अचानक उनके सिर पर गेंद लगी। हालांकि अभी यह नहीं पता चल पाया है कि यह चोट कितनी गंभीर है।

संन्यास लेने के बाद अब मेरी इच्छा कोचिंग या फिर किसी टीम को भविष्य में मैनेज करने की है। मेरा जापान के क्लब सेगान तोसू के लिए 23 अगस्त को आखिरी पेशेवर मैच होगा।
– फर्नांडो टॉरेस, स्पेन के पूर्व खिलाड़ी

न्यूज गैलरी

गायत्री को दोहरा खिताब

हैदराबाद : राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद की बेटी गायत्री ने योनेक्स-सनराइज अखिल भारतीय सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाते हुए दो खिताब अपनी झोली में डाले। इस सप्ताह चौथी वरीय आकर्षी कश्यप को हराकर उलटफेर करने वाली गायत्री ने महिला सिंगल्स और डबल्स में दो खिताबी जीत के साथ सीनियर वर्ग की ओर अपने कदम बढ़ाए। उधर, छठी वरीय लक्ष्य सेन ने पुरुष सिंगल्स में दूसरी वरीय राहुल यादव चिटाबोइना को 23-25, 21-14, 21-13 से हराकर खिताब जीता। महिला सिंगल्स में 16 वर्षीय और 13वीं वरीय गायत्री को तन्वी लाड को 21-19 21-16 से हराकर अपनी पहली सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट ट्रॉफी जीती। इसके बाद उन्होंने महिला डबल्स में रितुपर्णा पांडा के साथ मिलकर मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन शिखा गौतम और अश्विनी भट के की चौथी वरीय जोड़ी को 19-21 21-14 21-10 से पराजित किया। (प्रेट्र)

आइओसी के नए मुख्यालय का औपचारिक उद्घाटन

लुसाने (स्विट्जरलैंड) : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने 145 मिलियन डॉलर (करीब 10 अरब रुपये) की लागत से बने अपने नए मुख्यालय का रविवार को औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। आइओसी ने ओलंपिक गेम्स की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर अपने आलीशान मुख्यालय की शुरुआत की। मुख्यालय के उद्घाटन पर रविवार को आइओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि हमारी 125वीं वर्षगांठ पर हम हम पियरे डि कौबेर्टिन का भव्य नजारा साफ देख सकते हैं। एक भव्य समारोह का आयोजन जॉन लेनोन के इमेजिन गीत के बीच लुसाने के ओलंपिक हाउस में किया गया। (रायटर)

ड्राइवर महावीर पर रोक

ली कास्टलेट (फ्रांस) : फ्रेंच ग्रां प्रि में भारत के फॉर्मूला-2 ड्राइवर महावीर रघुनाथन को नौ पेनाल्टी अंक खाने की वजह से रेस करने से प्रतिबंधित कर दिया गया। डच लाइसेंस के जरिये प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले 20 वर्षीय रघुनाथन ने शनिवार की रेस में तीन आभासी सेफ्टी कार प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया। इसकी वजह से हर उल्लंघन के बदले उन पर तीन-तीन पेनाल्टी अंक लगाए गए। पहले से ही तीन पेनाल्टी अंक खा चुके रघुनाथन के कुल पेनाल्टी अंकों की संख्या 12 पहुंच गई जिसके बाद उन पर स्वतः प्रतिबंध लग गया। (रायटर)

फुटबॉल डायरी ▶ मेजबान टीम ने पेरू को 5-0 से हराया, पेरू के गोलकीपर पेद्रो गैलेसी की बड़ी चूक

कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में ब्राजील

कासेमिरो, रॉबर्टो फर्मिनो, एवर्टन, डानी अलावेस और विलियन के गोल

साओ पाउलो, एएफपी : मेजबान ब्राजील की फुटबॉल टीम ने पेरू को 5-0 से करारी शिकस्त देकर कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस दौरान पेरू के गोलकीपर पेद्रो गैलेसी एक बड़ी गलती की, जिसका खामियाजा उनकी टीम को एक बड़ी हार के रूप में भुगतना पड़ा।

साओ पाउलो में कासेमिरो (12वें मिनट), रॉबर्टो फर्मिनो (19वें मिनट), एवर्टन (32वें मिनट), डानी अलावेस (53वें मिनट) और विलियन (90वें मिनट) ने गोल करके ब्राजील को ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान दिलाया और पोर्तो अलेग्रे में होने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए अपने टीम की जगह सुनिश्चित की, जहां उसका सामना अर्जेंटीना से हो सकता है। मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही पेरू की टीम को अपने गोलकीपर गैलेसी की एक बड़ी चूक का खामियाजा भी भुगतना पड़ा। गोलकीपर गैलेसी गेंद को अपने डि के अंदर से किक करते इससे पहले ही फर्मिनो ने उनसे गेंद छीन ली और उसे गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इसके बाद से पेरू की टीम कभी मुकाबले में नजर नहीं आई। इस जीत के बाद ब्राजील के कप्तान डानी अलावेस ने कहा कि हमें पता था कि हम पहले या बाद में क्वार्टर फाइनल में जरूर पहुंचेंगे क्योंकि हमने कड़ी मेहनत की थी।

गोल करने के बाद जश्न मनाते ब्राजील के डानी अलावेस। एपी

वेनेजुएला भी अंतिम-आठ में पहुंचा : ग्रुप-ए में ही बेलो होरिजोंते में खेले गए एक अन्य मुकाबले में डार्विन माचिस के दो गोल की बदौलत वेनेजुएला ने बोलिविया को 3-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। डार्विन ने मुकाबले के 75वें सेकेंड में गोल करके कोपा अमेरिका के इस सदी का सबसे तेज गोल दागा। अंक तालिका में वेनेजुएला ने पेरू को एक अंक से पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। ब्राजील तीन मैचों से सात अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि इतने ही मैचों में वेनेजुएला ने पांच और पेरू ने चार अंक हासिल किए।

अलावेस ने छोड़ा पीएसजी

साओ पाउलो, एएफपी : कोपा अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम की जीत में एक गोल की भूमिका निभाने के कुछ ही घंटों बाद ब्राजील के कप्तान डानी अलावेस ने अपने फ्रेंच फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़ने की घोषणा की। 36 वर्षीय राइट बैक अलावेस फ्रेंच चैंपियन पीएसजी के साथ दो सत्र रहे। अलावेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कहा कि हर चीज की एक शुरुआत, मध्य और समाप्ति होती है। ऐसे में अब यहां पूर्ण विराम लगाने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने अभी तक यह नहीं बताया है कि वह पीएसजी को छोड़कर कहां जा रहे हैं। अलावेस ने उस समय में पीएसजी को छोड़ा है जब उनकी राष्ट्रीय टीम के स्टार नेमार का इस क्लब के साथ भविष्य संशय में फंसा हुआ है। अलावेस और नेमार 2017 में एक साथ पीएसजी के साथ जुड़े थे।

नन्हे मेसी को अपने हमनाम से मिलने का इंतजार

पोर्तो अलेग्रे, एएफपी : नन्हे मेसी मैयर ने बहुत छोटी उम्र में ही फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया था। वह अपने हमनाम और पांच बार बैलन डि ओर विजेता अर्जेंटीनी स्टार लियोन मेसी से मिलने का सपना पूरा करने के लिए बियरा रियो स्टेडियम के गेट के बाहर अपनी मां लिसिएना मैयर के साथ घंटों खड़े दिखाई दिए। पोर्तो अलेग्री के उपनगर अल्वोरादा के छह वर्षीय नन्हे मेसी ने बार्सिलोना की जर्सी और जूते पहन रखे हैं जिस पर मेसी का नाम लिखा हुआ है। उनकी मां ने कहा कि उसका नाम लियोन मेसी है। उसे फुटबॉल पसंद है और वह मेसी के खेल से बहुत प्रभावित है। हमने इसे मेसी का नाम देकर उसके प्रति अपना सम्मान जाहिर किया है।

अर्जेंटीना को करो या मरो के मुकाबले में कतर के खिलाफ यहां कोपा अमेरिका में भिड़ना है। हालांकि, घंटों इंतजार करने के बावजूद नन्हे मेसी अपने हमनाम से मुलाकात नहीं कर पाए। मैच की टिकटें काफी महंगी हैं जिससे उनका मेसी को लाइव खेलते देख पाना भी संभव नहीं है। नन्हे मेसी की मां ने उन्हें दोनों पैरों से खेलने की ट्रेनिंग दी है।

फ्रेंच ग्रां प्रि पर लुइस हैमिल्टन का कब्जा

ली कास्टलेट (फ्रांस), रायटर : मर्सिडीज के ड्राइवर लुइस हैमिल्टन ने अपने दबदबे को बरकरार रखते हुए रविवार को फ्रेंच ग्रां प्रि रेस जीतकर फॉर्मूला वन विश्व चैंपियनशिप में 36 अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इसके साथ ही मर्सिडीज ने अपने विजय क्रम को 10 रेस तक पहुंचा दिया। पोल पोजीशन से रेस शुरू करने वाले हैमिल्टन ने इस सत्र की लगातार चौथी और कुल छठी रेस अपने नाम की।

ब्रिटिश ड्राइवर ने अपने साथी ड्राइवर फिनलैंड के वाल्टेरी बोटास को 18 सेकेंड से पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। यह 50वां मौका है जब मर्सिडीज के ड्राइवरों ने शुरुआती दोनों स्थानों पर कब्जा जमाया। फरारी के ड्राइवर चार्ल्स लेकलर्क ने अच्छी कोशिश की लेकिन उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। रेड बुल के मैक्स वर्स्टापेन चौथे और सातवें स्थान से रेस शुरू करने वाले फरारी के दिग्गज ड्राइवर सबेस्टियन वीटल पांचवें स्थान पर रहे।

पिछले साल भी यहां रेस जीतने वाले हैमिल्टन ने कहा कि हम एक साथ मिलकर इतिहास बना रहे हैं और मुझे इस टीम का हिस्सा होने पर गर्व है। पांच बार के विश्व चैंपियन हैमिल्टन अब तक कुल 79 रेस जीत चुके हैं और महान माइकल शूमाकर के सर्वाधिक रेस जीतने के रिकॉर्ड से महज 12 रेस पीछे हैं। मौजूदा चैंपियनशिप में हैमिल्टन 187 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं जबकि बोटास 151 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

दिग्गज रोजर फेडरर ने 10वीं बार हाले खिताब जीता

टेनिस डायरी

हाले वेस्टफालेन (जर्मनी), एएफपी : स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने रविवार को यहां बेल्जियम के डेविड गोफिन को सीधे सेटों में शिकस्त देकर हाले एटीपी टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 10वां खिताब अपने नाम किया और ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट विंबलडन से पहले उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। 37 वर्षीय फेडरर ने गोफिन को 7-6, 6-1 से परास्त कर अपने करियर का 102वां सिंगल्स खिताब जीता। इस सत्र में ग्रास कोर्ट पर उन्हें हार का मुंह नहीं देखना पड़ा है।

फेडरर ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है। जब मैं पहली बार यहां खेला था तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां 10 खिताब जीतूंगा।' अगले महीने नौवें विंबलडन खिताब की कोशिश में जुटे फेडरर अपने रिकॉर्ड 20 करियर ग्रैंडस्लैम खिताब में इजाफा करना चाहेंगे। शनिवार को सेमीफाइनल में उन्होंने पिएरे ह्यूजेस हर्बट को 6-3, 6-3 से शिकस्त देकर 13वीं बार हाले एटीपी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया था।

नंबर एक खिलाड़ी बनेंगी बार्टी

बर्मिंघम, रायटर : साल के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने यहां नेचर वैली क्लासिक टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम कर लिया। बार्टी ने रविवार को फाइनल में जर्मनी की जूलिया जॉर्जेस को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इस जीत के बाद 23 वर्षीय बार्टी विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगी। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में होगी। अभी जापान की नाओमी ओसाका शीर्ष स्थान पर है।

भारतीय महिला हॉकी टीम का खिताब पर कब्जा

▶ भारत ने एफआइएच सीरीज फाइनल्स का खिताब जीता

▶ गुरजीत के दो गोल से जापान को 3-1 से दी शिकस्त

हिरोशिमा, प्रेट्र : गुरजीत कौर के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां जापान को 3-1 से हराकर एफआइएच महिला सीरीज फाइनल्स खिताब जीत लिया। इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शनिवार को चिली को 4-2 से हराने के साथ ही विश्व की नौवें नंबर की टीम भारत ने ओलंपिक क्वालीफायर के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया था।

इस मैच में भारत को खेल के तीसरे मिनट में हासिल पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर उसने गोल करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल की। भारत के लिए यह गोल कप्तान रानी रामपाल ने किया। इसके बाद जापान ने 11वें मिनट में मैदानी गोल के जरिये 1-1 की बराबरी हासिल की। जापान के लिए यह गोल केनॉन मोरी ने किया। दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन तीसरे क्वार्टर के अंतिम मिनट में भारत के लिए गुरजीत कौर ने एक शानदार ड्रैग फ्लिक से गोल करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। भारत ने 2-1 की बढ़त के साथ अंतिम क्वार्टर में प्रवेश किया। इस क्वार्टर में हालांकि जापान को बराबरी करने के कई मौके मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकी। भारत ने हालांकि 60वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल करते हुए 3-1 के अंतर के साथ भारत की जीत पक्की कर दी। रानी टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहीं, जबकि गुरजीत ने सबसे ज्यादा गोल किए।

जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य। प्रेट्र

असाधारण खेल, शानदार परिणाम। महिला एफआइएच सीरीज फाइनल्स हॉकी टूर्नामेंट जीतने के लिए टीम को बधाई। यह शानदार जीत हॉकी को भविष्य में और चर्चित करेगी और कई युवा लड़कियों को यह खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित भी करेगी।
–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अच्छी खबर है। भारतीय महिला टीम ने खिताब जीत लिया। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। लड़कियों को बधाई। लालरेमसियामी के पिता का निधन हो गया था, जब टीम सेमीफाइनल खेल रही थी। टीम के ओलंपिक क्वालीफाई करने के सपने अभी भी जिंदा हैं।
–किरण रिजिजू, खेल मंत्री

विविध

कोमल हैं पर कमजोर नहीं, बताएंगी बेटियां

विनीत मिश्र, आगरा

आगरा से करीब 1800 जाबांज सेना में हैं। 2600 पूर्व सैनिकों के परिवार भी यहां रहते हैं। अब यहां से बेटियों ने भी इस परंपरा को अपनाने की ठानी है। यहां 'द सेनाभ्यास एजुकेशनल सेंटर' पर सुबह हो या शाम या फिर दोपहर, कोई बेटी ऊंची रस्सी पर चढ़ने का अभ्यास करती मिल जाएगी तो कोई जंप करते। कोई मंकी क्रॉल करती मिलेगी तो कोई टार्जन स्विंग जैसी प्रैक्टिस। पसीने से लथपथ, लेकिन थकावट का कोई निशान नहीं।

नारी सशक्तीकरण

कासगंज की सोनल सोलंकी हों या आगरा की संगीता जादौन या फिर लता, गीता या लक्ष्मी। सभी अफसर ही नहीं, महिला जवान के रूप में भी सीमा पर देश सेवा की तैयारी में जी-जान से जुटी हैं। इनमें से किसी के पिता या भाई सेना में रह चुके हैं तो किसी के पिता किसान हैं। मसलन, सोनल के पिता विनोद सोलंकी सेना में हवलदार हैं। पिता के नक्शे कदम पर चलकर वह सेना में भर्ती के लिए साल भर से प्रशिक्षण ले रही हैं। घाघपुरा की संगीता जादौन के भाई ब्रजेश इसी साल एयरफोर्स में एयरमैन के रूप में भर्ती हुए।

भाई को देख संगीता भी सेना में भर्ती होना चाहती है। आगरा की लक्ष्मी त्रिवेदी के पिता पुलिस में हेडकांस्टेबल हैं, अब वह भी पहली बार महिला जवानों की सेना में इंट्री खुलने के बाद खुद को इसके लिए तैयार कर रही हैं। जिनकी पहले से सेना की कोई पृष्ठिभूमि नहीं है, वह परिवार में नई परंपरा डालने को बेताब हैं। इसी गांव की लता और गीता के पिता किसान हैं।

हम किसी से कम नहीं : लक्ष्मी त्रिवेदी कहती हैं, जब बेटे सेना में जा सकते हैं तो हम फिर किससे कम हैं। हमारे दिल में भी देश प्रेम का जज्बा है।

संगीता, लता और गीता कहती हैं कि ट्रेनिंग के दौरान हर तरह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हमें पूरा विश्वास है कि हम सेना में भर्ती होंगे और देश की सेवा करेंगे। बरेली की साक्षी शर्मा ने दिल्ली से फिजियोथेरेपी का कोर्स किया है, लेकिन इसमें उनका मन नहीं रमा। पिता रविंद्र शर्मा बिजनेसमैन हैं। साक्षी अब आगरा में रहकर सेना में अधिकारी बनने के लिए प्रशिक्षण ले रही हैं।

भर्ती के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करती बेटी। जागरण

किसान की बेटी भी कतार में

बमरौली कटारा के प्रताप भानु किसान हैं, लेकिन उनकी आंखों में इकलौती बेटी पूर्णिमा कटारा को सेना में अफसर बनाने का सपना है। पूर्णिमा सेना में अफसर के लिए एफकैट व सीडीएस की तैयारी कर रही हैं। करीब एक साल से वह पिता के सपने को पंख लगाने में जुटी हैं। गांव में परिवार के चचेरे भाई विष्णु सेना में कैप्टन हैं। पूर्णिमा कहती हैं कि मैं सेना में अफसर बनकर ये बताना चाहती हूं कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं।

पूर्णिमा कटारा। जागरण

अब तक हमारे यहां तीन दर्जन से अधिक बेटियां प्रशिक्षण ले चुकी हैं। अप्रैल में पहली बार पीबीओआर (पर्सनल बिलो आफिसर रैंक) में महिला जवानों की तैनाती का विज्ञापन आया था, तभी से तैयारी के लिए बेटियां आने लगी थीं। ये महिला जवान सेना पुलिस में शामिल होने के बाद दुष्कर्म, छेड़छाड़ जैसे मामलों की जांच करेंगी। सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ कैंटोनमेंट इलाकों की देखरेख करेंगी। शांति और युद्ध के समय जवानों और साजोसामान की मूवमेंट को संचालित करेंगी।
–ब्रिगेडियर मनोज शर्मा (रि.), संस्थापक, द सेनाभ्यास एजुकेशनल सेंटर

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

राजाजी नेशनल पार्क में इस मर्तबा घटी सैलानियों की आमद

राज्य ब्यूरो, देहरादून : उत्तराखंड में चारधाम समेत अन्य पर्यटक स्थलों में श्रद्धालुओं व सैलानियों का सैलाब उमड़ रहा है, मगर राजाजी नेशनल पार्क में इस मर्तबा पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है। पिछले सीजन की तुलना में वहां इस बार 11549 सैलानी कम आए। वहीं, विश्व प्रसिद्ध कार्बेट नेशनल पार्क में भी पर्यटकों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई है।

एशियाई हाथियों की सैरगाह राजाजी नेशनल पार्क के चीला, मोतीचूर, रानीपुर व मोहंड पर्यटक जोन में इस सीजन (15 नवंबर से 15 जून) में आए सैलानियों के आंकड़ों ने पार्क प्रशासन को भी सोचने पर विवश कर दिया है। इस सीजन में केवल 30810 सैलानियों ने ही पार्क में वन्यजीवन का दीदार किया, जबकि पिछले सीजन में यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या 42359 थी।

वहीं, राज्य में बाघों के प्रमुख घर कार्बेट नेशनल पार्क में भी सैलानियों की संख्या में मामूली रूप से गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सीजन में वहां 284807 पर्यटक आए थे, जबकि इस मर्तबा 283281। जाहिर है कि दोनों पार्कों में सैलानियों की संख्या घटने से राजस्व में थोड़ी कमी आई है। राजाजी को इस सीजन में 76.18 लाख की आय हुई, जबकि बीते सीजन में यह 80.30 लाख थी। कार्बेट में भी गत वर्ष 8.7 करोड़ की आय हुई थी, जबकि इस बार यह 8.5 करोड़ रही। राजाजी पार्क के निदेशक पीके पात्रो के मुताबिक अदालत के आदेश के बाद दोनों ही पार्कों में जिप्सियों की संख्या सीमित करने के साथ ही कुछ वाहन प्रतिबंधित किए गए थे। ऐसे में कुछ दिन तक पर्यटन गतिविधियां बाधित रहीं। नतीजतन इस मर्तबा राजाजी में सैलानियों की संख्या में कमी आई है।

... न अपील, न दलील और न कोई वकील

अविनाश चौबे, बरेली

25 जून 1975 को आपातकाल लग चुका था। 27 अक्टूबर की रात उप्र के बरेली शहर के थानों, कोतवाली, डीएम ऑफिस, आवास आदि पर सरकार विरोधी पोस्टर चिपकाए। इसमें एक साथी पकड़ा गया। उसकी मुखबिरी पर पुलिस 28 अक्टूबर को सहसवानी टोला स्थित मकान पर पहुंची। तत्कालीन कोतवाल हाकिम राय से बिना दरवाजा खटखटाए घर में दाखिल होने पर तीखी बहस हुई, लेकिन उनके हाथ सरकार विरोधी नारे लिखे पोस्टरों का बंडल लग गया था। उन्होंने गिरफ्तार कर लिया।

लोकतंत्र सेनानी वीरेंद्र अटल ने बताया कि इसके बाद कोतवाल बुलेट से कोतवाली के लिए चल दिए। हमें दूसरे वाहन से कोतवाली ले जाया गया। मैंने रास्ते भर सरकार विरोधी नारा लगाया। यह शिकायत कोतवाल से हुई। उन्होंने अंदर नारे लगाने की चुनौती दी। मैंने कहा कि बाहर ले चलो। पब्लिक के सामने लगाएंगे। इस पर कोतवाल ने डंडे मारना शुरू किया। एक-एक कर सात डंडे तोड़ दिए, लेकिन वह कुछ उगलवा नहीं सके। इंटेलीजेंस की सूचना पर उन्होंने पश्चिमी उप्र के आंदोलन की जानकारी लेनी चाही। हर बार जवाब न में ही दिया। गिरफ्तारी वाले दिन आधी रात का वक्त रहा होगा। फिर से बैरक से बाहर निकाला गया। उल्टा लटकाकर दो पुलिस वाले आमने-सामने खड़े हुए। फिर से इतनी पिटाई की कि दो डंडे तोड़ दिए। मगर कुछ भी उगलवा नहीं सके। अगली सुबह सवा नौ बजे तत्कालीन डीएम माता प्रसाद कोतवाली पहुंचे। उनके सामने पेशी हुई। सिगरेट पीते हुए उन्होंने पूछा, क्या करते हो। मैंने नहीं बोला, तो साथी ने कहा-एमएससी। पुलिसिया अंदाज में धमकाते हुए डीएम बोले, सब बीए, एमएससी धरे रह जाएंगे। परिवार वालों को भी बंद करा दूंगा। रातभर की पिटाई से मैं आहत था, इसलिए तपाक से बोल दिया- परिवार वालों को भी बंद करा दो। डीएम ने भड़ककर कहा, बहुत बड़ा देश भक्त बनता है तो मैंने भी कह दिया कि साहब इस समय कौन किसकी सुन रहा है। इस पर उन्होंने कोतवाल को इशारा किया। कोतवाल ने कांस्टेबल से प्लास लाने को कहा। जब तक कुछ समझ में आता, उससे पहले ही कोतवाल ने प्लास से दायें हाथ का अंगूठा दबा दिया। खून निकलने लगा।

हमारी पीड़ा देख टूट गया साथी : वीरेंद्र अटल ने कहा, असहनीय पीड़ा पर चीख निकल गई। यह देख हमारा साथी टूट गया। उसने कहा कि वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री श्रीनिवास आनंद को जानता है। वह सुभाष नगर में रहते हैं। तुरंत ही सभी लोगों को पुलिस की गाड़ी में बैठाकर सुभाष नगर पहुंचे। यहां बाजपेयी ढाल से नीचे बदायूं रोड वाले रास्ते पर उनका घर था। रास्ते में साथी को इशारा किया कि घर का पता मैं बताऊंगा। लेकिन पुलिस को गलत पता बताया, जिससे श्रीनिवास आनंद हाथ नहीं आए।

फरारी पर लगी मीसा, घर की हुई कुर्की : उन्होंने बताया कि आपातकाल के जुल्म, मुकदमा से बरी होने पर भी खत्म नहीं हुए। फरार होने पर पुलिस ने मीसा लगा दी। तीन दिन बाद ही घर की कुर्की करा दी, लेकिन फिर आपातकाल हटने तक पुलिस के हाथ नहीं आया। अब भी किसी को ये किस्से सुनाता हूं, तो लोग सिहर जाते हैं। वह दौर बड़ा ही खौफनाक था। उस समय न कोई अपील, न कोई दलील और न कोई वकील वाली स्थिति थी।

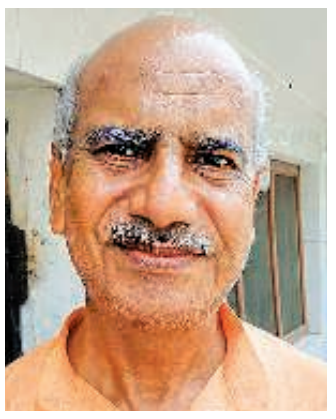

लोकतंत्र सेनानी वीरेंद्र अटल। जागरण

▶ प्लास से खींचे गए थे नाखून और उल्टा लटकाकर की गई थी पिटाई

पैदल ही ले जाया गया कोर्ट

इसके बाद चालान कर जेल भेज दिया गया। हमारे खिलाफ डिफेंस इंडियन रूल का मुकदमा चला। पुलिसकर्मियों को निर्देश थे कि कोर्ट रिक्शे से लेकर नहीं जाएं, पैदल ही कचहरी पहुंचें। वकीलों ने हौंसला अफजाई की। मुकदमा लड़ने की बात कही। अंततः मुकदमा प्रेम बहादुर सक्सेना ने लड़ा। छह माह बाद परीक्षा के लिए जमानत मिली। अंत में अदालत ने इस मामले में बरी किया।

युवाओं ने तैयार की 360 डिग्री सर्विलांस तकनीक

दीपक अवस्थी, रायपुर

छत्तीसगढ़ और उसकी सीमा से सटे अन्य राज्य नक्सलवाद से प्रभावित हैं, ऐसे में सुरक्षा के लिए तैनात सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के सामने सबसे बड़ी चुनौती नक्सलियों का सूचना तंत्र है। उनके सूचना तंत्र को ध्वस्त करने के लिए रायपुर के तीन युवाओं ने इंटरसेप्टर रेंज फाइंडर (सर्विलांस तकनीक) तैयार की है। खास बात ये है कि युवाओं के स्टार्टअप मेकर की ओर से तैयार सर्विलांस तकनीक का सीआरपीएफ बखूबी उपयोग कर रहा है। इस तकनीक से सीआरपीएफ के जवान जंगल में मौजूद मोबाइल और वायरलेस सेट को आसानी से ट्रैप करने में कामयाब हो रहे हैं।

तीन युवाओं अजय साहू, समता साहू और गिरवर साहू ने चार वर्ष मेहनत कर इस तकनीक को विकसित किया है। अजय साहू बताते हैं कि इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद रोबोटिक्स में लगातार काम किया। इसी बीच सीआरपीएफ के अधिकारियों से मुलाकात हुई। उन्होंने नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने में आ रही चुनौतियों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जंगल में नक्सलियों की गतिविधियों को जांचने के लिए सर्विलांस सिस्टम को हाथों में लेकर घूमना होता है। ऐसे में न ही रेंज पकड़ में आती है न ही चारों दिशाओं में सर्विलांस सिस्टम काम कर पाता है।

ऐसे दूर हुई चुनौती : टीम की सदस्य समता साहू ने बताया कि नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने लिए हमने नए तरह के इंटरसप्टर रेंट फाइंडर (सर्विलांस सिस्टम) तैयार किया।

इसकी खासियत है कि ये सीआरपीएफ के कैंप से ही कार्य करता है। वहां लगे 32 फिट ऊंचे टावर में 360 डिग्री घूम कर आसानी से नक्सलियों के मोबाइल लोकेशन और वाइरलेस सेट की जानकारी देता है। मौके पर आसानी से पहुंच कर सीआरपीएफ की टीम नक्सलियों की रणनीति फेल करने में कामयाब हो रही है। सीआरपीएफ झारखंड और छत्तीसगढ़ ने उपकरण का आर्डर दिया है।

ऐसे करता है काम

इंटरसेप्टर रेंज फाइंडर (सर्विलांस तकनीक) की खासियत है कि वो 360 डिग्री घड़ी की दिशा में और विपरीत दिशा में घूमता है। ऐसे में चारों ही दिशाओं में उपकरण की पैनी नजर रहती है और नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने में कारगर होता है।

पहले दल ने शुरू की कैलास पर्वत की परिक्रमा

संवाद सहयोगी, धारचूला (पिथौरागढ़) : कैलास मानसरोवर यात्रा के पहले 58 सदस्यीय दल ने तिब्बत (चीन) में कैलास परिक्रमा प्रारंभ कर दी है। दल तिब्बत में डेरापू में प्रवास कर रहा है। यह दल सोमवार को रात्रि विश्राम के लिए तिब्बत के जुंजू पूं पड़ाव पहुंचेगा।

आइटीबीपी की सातवीं वाहिनी से मिली जानकारी के अनुसार 45 सदस्यीय दूसरा दल रविवार की सुबह कालापानी से रवाना होकर दोपहर को 14 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित अंतिम भारतीय पड़ाव नावीढांग पहुंचा है। यह दल सोमवार की सुबह लिपू पास से तिब्बत में प्रवेश करेगा।

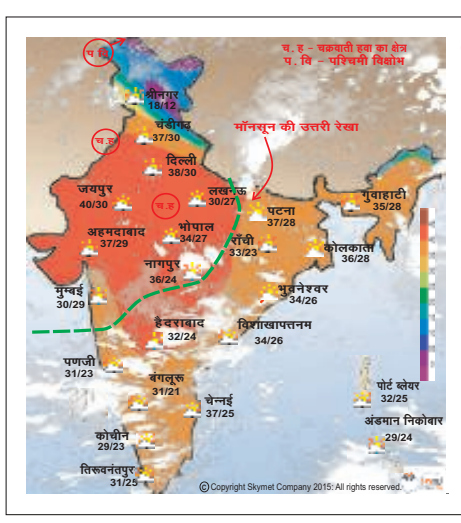

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर में अनेक स्थानों पर गरज के साथ वर्षा के कारण मौसम सुहावना और आरामदायक रहेगा। हिमाचल प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर वर्षा होगी। दिल्ली सहित मैदानी भागों में उमस में वृद्धि के कारण दिन असहनीय रहेगा। अनेक स्थानों पर तेज हवाओं के साथ धूलभरी आंधी व वर्षा होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	32/27/व	अहमदाबाद	38/27/व
कोलकाता	35/29/आंबा	बड़ौदा	37/27/व
चेन्नई	37/25/व	नागपुर	38/25/व
हैदराबाद	33/25/सा	इन्दौर	37/25/सा
बंगलूरू	32/22/सा	रांची	44/29/व
त्रिवेन्द्रम	32/26/आंबा	पटना	40/29/सा
गुवाहाटी	30/24/आंबा	जमशेदपुर	43/29/आंबा
गंगटोक	17/11/आंबा	पुणे	25/23/आंबा

मैरी पिकफोर्ड दुनिया की सबसे महंगी अभिनेत्री बनीं

कनाडाई मूल की अमेरिकी अभिनेत्री मैरी पिकफोर्ड ने 1916 में आज ही जुकोर से फिल्म प्रोडक्शन को लेकर 10 लाख डॉलर का समझौता किया। ऐसा करते ही वे हॉलीवुड ही नहीं, दुनिया की सबसे महंगी अभिनेत्री बनीं। अपने करियर में कुल 52 फिल्मों में अभिनय किया।

यातायात के लिए हंबर ब्रिज पहली बार खोला गया

1981 में आज ही इंग्लैंड के यॉर्कशायर और लिंकनशायर को जोड़ने वाले 2.2 किमी लंबे पुल को यातायात के लिए पहली बार खोला गया। अगले 17 साल तक दुनिया के सबसे लंबे पुल का रिकॉर्ड इसी के नाम रहा।

देश के महान विभूति रहे पंडित ओंकारनाथ ठाकुर

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक का जन्म 1897 में आज ही तत्कालीन बड़ौदा राज्य में हुआ। संगीत सीखने को बंबई के विष्णु दिगंबर संगीत महाविद्यालय गए। 20 वर्ष की आयु में ही लाहौर के गंधर्व संगीत विद्यालय के प्रधानाचार्य बने। 1934 में मुंबई में 'संगीत निकेतन' की स्थापना की। 1950 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के गंधर्व महाविद्यालय के प्रधानाचार्य बने। 15 अगस्त, 1947 को प्रातः 6:30 बजे आकाशवाणी से इनके सुर में वंदेमातरम का लाइव प्रसारण हुआ। 29 दिसंबर 1967 को इस दुनिया से अलविदा हुए।

इधर-उधर की

टोरंटो में विमान में ही छूट गई महिला यात्री

टोरंटो, एजेंसी: उड़ते विमान में नींद लग जाए और जब आंख खुले तो खाली विमान में घुप अंधेरे के बीच खुद को कैद पाएं। यह किसी डरावने सपने से कम नहीं। टिफानी एडम को भी पहले ऐसे ही लगा, लेकिन जल्द ही एहसास हुआ कि यह हकीकत है। टिफानी क्यूबेक से टोरंटो के लिए नौ जून को एयर कनाडा से 90 मिनट के सफर पर उड़ी थीं और एयरलाइंस की गलती से विमान उतरने के बाद भी सोती हुई उसी में छूट गई थीं। टिफानी ने फोन निकाला तो उसकी बैटरी खत्म हो चुकी थी। डरी-सहमी वह जैसे-तैसे कॉकपिट तक पहुंची। उसे टॉर्च मिली। वह मुख्य दरवाजे तक पहुंची लेकिन 50 फीट की ऊंचाई से कूदना संभव नहीं था। काफी देर तक टॉर्च से सिग्नल दिया लेकिन मदद नहीं मिली। इसी बीच सामान ढोने वाली गाड़ी वहां से गुजरी। टार्च जलाकर और चिल्लाकर उससे संपर्क साधा, पूरी घटना बताई तो उसने टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया। एयरलाइन के फेसबुक पेज पर उन्होंने अपने अनुभव को साझा किया है।

मंगल ग्रह पर दिखा गैसों का बुलबुला

मिले संकेत ▸ लाल ग्रह के वातावरण में मीथेन के प्रमाण से जगी उम्मीदें

न्यूयॉर्क टाइम्स से

सूक्ष्मजीवों की उपस्थिति को लेकर वैज्ञानिक कर रहे शोध

वाशिंगटन : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर यान ने मंगल ग्रह पर गैसों का बुलबुला देखा है। ग्रह पर ऐसा लगता है जैसे मीथेन गैसों का बुलबुला लगातार बन रहा है। वैज्ञानिक इसे लाल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों की उपस्थिति का संकेत मान रहे हैं।

क्यूरियोसिटी ने मंगल के वातावरण में प्रचुर मात्रा में मीथेन गैस की उपस्थिति दर्ज की है। धरती पर यह गैस प्रायः जीवों से बनती है। यान ने बुधवार को मंगल ग्रह पर इस संबंध में डाटा जुटाया था, जो गुरुवार को पृथ्वी पर स्थित नासा के केंद्र तक पहुंचा। वैज्ञानिक समुदाय इस तथ्य को लेकर बहुत उत्साहित हैं। परियोजना से जुड़े वैज्ञानिक अश्विन वासवाड़ा ने कहा कि इस डाटा के विश्लेषण से आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण बातें सामने आ सकती हैं। यह डाटा मिलने के बाद धरती पर स्थित केंद्र से रोवर को इस संबंध में नए शोध के लिए संदेश भेजा गया है। अब यान पहले से निर्धारित कार्ययोजना से इतर नए संदेश के आधार पर खोज को अंजाम देगा।

क्यूरियोसिटी रोवर ने बीती 12 मई को मंगल ग्रह से अपनी सेल्फी लेकर नासा को भेजी थी। एनवाईटी

मंगल पर जीवन की कई कहानियां : मंगल पर जीवन होने को लेकर हमेशा से कई तरह की कहानियां रही हैं। हालांकि पांच दशक पहले नासा के यान द्वारा खींची गई तस्वीर में यहां सिर्फ बंजर जमीन ही दिखी थी। अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिक मानते हैं कि करीब चार अरब साल पहले मंगल आज की तुलना में ज्यादा गर्म, नमी वाला और जीवन के योग्य रहा होगा। अब वैज्ञानिक इस दिशा में अध्ययन कर रहे हैं कि अगर कभी मंगल पर जीवन रहा होगा तो कुछ सूक्ष्मजीव आज भी वहां सतह के भीतर मौजूद हो सकते हैं।

मीथेन की उपस्थिति है महत्वपूर्ण : मंगल के हल्के वातावरण में मीथेन की उपस्थिति बहुत अहम है। सामान्य तौर पर सूर्य के प्रकाश और अन्य रासायनिक क्रियाओं के कारण मीथेन गैस कुछ सौ साल में विघटित हो जाती है। इसका अर्थ है कि अगर आज मंगल के वातावरण में है मीथेन है, तो वह बहुत ज्यादा पुरानी नहीं है। निश्चित तौर पर यह गैस कुछ सौ साल पहले ही बनी होगी। धरती पर कुछ सूक्ष्मजीव मीथेन गैस बनाते हैं। ऐसे में संभव है कि मंगल पर भी ऐसे सूक्ष्मजीव उपस्थित हों।

और भी हैं संभावनाएं : एक संभावना यह भी है कि मंगल पर जो मीथेन मिल रही है, वह करोड़ों साल पहले की है, जो चट्टानों में दबी है और अब बाहर निकल रही है। हालांकि नासा अभी इसे शुरुआती नतीजा मान रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बिना पर्याप्त अध्ययन के किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता है।

खनिजों का लगाया था पता : इससे पहले नासा के रोवर 'क्यूरोसिटी' ने मंगल ग्रह पर चिकनी मिट्टी के खनिजों का अब तक का सबसे बड़ा भंडार खोजा था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक बयान में कहा था कि रोवर ने मंगल के एबेरलेडी और किलमारी से चट्टानों के नमूने लिए हैं। खनिज संपन्न यह क्षेत्र लोवर माउंट शार्प के पास ही है, जहां पर 2012 में क्यूरोसिटी यान ने लैंड किया था। क्यूरोसिटी यान माउंट शार्प पर यह अन्वेषण कर रहा है कि क्या अरबों साल पहले वहां पर जीवन के लिए उपयुक्त माहौल मौजूद था। चिकनी मिट्टी का निर्माण अकसर जल से होता है जो जीवन के लिए अनिवार्य है।

ग्लोबल वॉर्मिंग : ग्रीनलैंड में तेजी से पिघल रही है बर्फ

- सदी के अंत तक बर्फ में 4.5 फीसद तक आ सकती है कमी
- वर्ष 3000 तक 13 इंच बढ़ सकता है समुद्र का स्तर

हिमखंडों का पिघलना पूरी दुनिया के लिए खतरे का संकेत है। प्रतीकात्मक

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : यदि ग्रीनहाऊस गैसों के उत्सर्जन में कमी नहीं लाई गई तो इस सदी के अंत तक ग्रीनलैंड से साढ़े चार फीसद बर्फ कम हो जाएगी और बर्फ के पिघलने से समुद्र में जलस्तर 13 इंच बढ़ सकता है। एक अध्ययन में जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति आगाह करते हुए कहा गया है कि हो सकता है वर्ष 3000 तक इस आइलैंड में बर्फ का नामोनिशान नहीं बचे। यह अध्ययन 'साइंस एडवांस' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

अमेरिका के अलास्का फेयरबैंक्स जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट के रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर एंडी एशवंडन ने कहा कि आज से 100 या हजार वर्षों बाद ग्रीनलैंड अपने वर्तमान स्वरूप में ही रहेगा यह कहना मुश्किल है। लेकिन यह अध्ययन भविष्य के लिए एक नजीर पेश कर सकता है।

इस अध्ययन में यह बताया गया है कि वायुमंडल में ग्रीनहाऊस गैस की सांद्रता बढ़ने के कारण बर्फ लगातार पिघल रही है और समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। वर्तमान में पृथ्वी में ग्रीनहाऊस गैसों का सर्वाधिक उत्सर्जन हो रहा है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि ग्रीनलैंड में बर्फ की चादर 660,000 वर्ग मील में फैली है और 81 फीसद बर्फ ग्रीनलैंड को ढके हुए है। वर्तमान में धरती के कुल शुद्ध पानी का आठ फीसद हिस्सा ग्रीनलैंड में है। यदि वायुमंडल में ग्रीनहाऊस गैसों की सांद्रता वर्तमान समय के मुताबिक ही जारी रही तो वर्ष 3000 तक बर्फ पिघलने से वैश्विक स्तर पर समुद्र का जल स्तर 24 फीट तक बढ़ जाएगा। इसके कारण हो सकता है कि सेन फ्रांसिस्को, लॉस एंजलिस, न्यू ऑर्लेयंस जैसे शहर पानी में डूब जाएं। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने नासा के हवाई विज्ञान अभियान के आंकड़ों का इस्तेमाल किया, जिसे 'ऑपरेशन आइसब्रिज' कहा जाता है। इस अभियान के लिए प्रयुक्त विमान तीन प्रकार के राडार और वैज्ञानिक उपकरणों से लैस थे, जो बर्फ की सतह को मापने के साथ-साथ बर्फ की भीतरी परत और जमीन का डाटा आसानी से एकत्र कर सकते हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर औसतन 1.6 मील मोटी है, लेकिन कई स्थानों पर इसमें भिन्नताएं भी देखने को मिलती हैं। 1991 और 2015 में, ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से समुद्र स्तर पर प्रति वर्ष लगभग 0.02 इंच की वृद्धि हुई है। यदि परिस्थितियां वर्तमान जैसी ही रहीं तो स्वाभाविक तौर पर समुद्र के जल स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है।

शोध अनुसंधान

पार्किंसन के इलाज की दिशा में दिखी नई उम्मीद

वैज्ञानिकों ने पार्किंसन का कारण बनने वाले एक विशेष एंजाइम की पहचान करने में सफलता हासिल की है। इस एंजाइम को निशाना बनाकर पार्किंसन का कारगर इलाज खोजना संभव हो सकता है। पार्किंसन तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारी है, जिसमें व्यक्ति को संतुलन बनाने में मुश्किल होती है। प्रमुख शोधकर्ता नारायण अवधानी और मृत्तिका चटोपाध्याय ने बताया कि इस एंजाइम का नाम माइटोकॉन्ड्रियल सीवाईपी2डी6 है। पार्किंसन के इलाज के लिए इसे निशाना बनाना ज्यादा कारगर हो सकता है। पार्किंसन का सटीक कारण नहीं मिलने के बाद इस शोध में वैज्ञानिकों ने बीमारी की प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि यह एंजाइम दिमाग में बनने वाले घटकों में बदलाव करने में सक्षम है। इस एंजाइम को कई दवाओं के असर को बदलने में भी सक्षम पाया जा चुका है। - एएनआइ

सब्जियों से भी सुपरबग फैलने का खतरा

सुपरबग यानी दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया के प्रसार को लेकर चौंकाने वाली बात सामने आई है। हालिया शोध के मुताबिक, सब्जियों के माध्यम से भी ऐसे बैक्टीरिया मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। अब तक खानपान के मामले में मांसाहार को ही इसका कारण माना जाता रहा है। अमेरिका में एक अध्ययन में पाया गया कि करीब 20 फीसद मामलों में दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया का प्रसार सब्जियों के जरिये हुआ। यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया की शोधकर्ता मार्लेन ने कहा कि इन नतीजों से पता चलता है कि दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया से बचाव की दिशा में प्रयास करते समय कृषि उत्पादों को भी ध्यान में रखना होगा। - आइएएनएस

नए जैव संकेतक करेंगे ब्रेन ट्यूमर की पहचान

- एनएलआर की भूमिका को समझने और दवाओं के विकास में मिलेगी मदद
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर और टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई के शोधकर्ताओं ने किया अध्ययन

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : ग्लियोमा मस्तिष्क (ब्रेन) में होने वाला एक घातक ट्यूमर है जो जानलेवा हो सकता है। एक ताजा अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ग्लियोमा की वृद्धि से जुड़े जैव संकेतकों का पता लगाया है जो इसकी पहचान और उपचार में मददगार हो सकते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर और टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई के शोधकर्ताओं ने संयुक्त रूप एनएलआर समूह के जींस और उनसे संबंधित प्रतिरक्षा संकेतों की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया और जैव संकेतक प्रोटीन एनएलआरपी 12 की पहचान की गई है। यह प्रोटीन प्रतिरक्षा संबंधी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अध्ययन शोध पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित किया गया है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि तंत्रिका तंत्र में न्यूरॉन की सहायक ग्लियल कोशिका माइक्रोग्लिया में एनएलआरपी12 प्रोटीन की कमी से कोशिकाओं में असामान्य वृद्धि हो सकती है। जबकि, अध्ययन में एनएलआरपी12 की कमी वाली ग्लियोमा ट्यूमर कोशिकाओं का प्रसार कम देखा गया है। ग्लियल कोशिकाएं तंत्रिका तंत्र में संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ मरम्मत में भी अपनी भूमिका निभाती हैं और इन कोशिकाओं में ही ग्लियोमा ट्यूमर बनता है। सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोग्राफी के बावजूद ग्लियोमा से पीड़ित मरीजों के जीवित बचने की दर कम होती है।

ग्लियोमा एक घातक ट्यूमर है। प्रतीकात्मक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर की प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर सुष्मिता झा ने बताया कि कैंसर जीनोम एटलस से ग्लियोमा ग्रस्त रोगियों के आंकड़े जुटाए गए हैं। इन आंकड़ों के उपयोग से एनएलआर समूह के जींस, कोशिका प्रसार के संकेतकों, डीएनए मरम्मत, ट्यूमर रोकथाम और ग्लायोमा पैथोलॉजी से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कड़ियों को जोड़कर उनका अध्ययन किया गया है। यह नेटवर्क उन जीन्स के बारे में जानकारी देता है जो ग्लियोमा में रूपांतरित हो जाते हैं।

डॉ. झा ने कहा कि एटलस के आंकड़े ट्यूमर ऊतकों से प्राप्त होते हैं, जिसमें ग्लियोमा कोशिकाओं, एंडोथेलियल कोशिकाओं (रक्त वाहिकाओं की परत बनाने वाली कोशिकाएं) और ट्यूमर से जुड़े माइक्रोग्लिया/मैक्रोफेज (ट्यूमर के भीतर प्रतिरक्षा कोशिकाएं) सहित कई प्रकार की कोशिकाएं शामिल हैं। इसीलिए, अध्ययन में सामान्य कोशिकाओं और मस्तिष्क ट्यूमर कोशिकाओं में विशिष्ट अंतरों की पहचान के लिए कोशिका संवर्धन किया गया है।

समुद्र के पानी से त्वचा संक्रमण का खतरा

वाशिंगटन, प्रेट्र : एक अध्ययन में दावा किया गया है कि समुद्र में तैरने पर शरीर में कई सूक्ष्म जीव चिपक जाते हैं और वे त्वचा के संक्रमण का खतरा बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों की जांच के बाद यह पाया कि समुद्र में तैरने के 24 घंटों के बाद भी कई लोगों के शरीर में समुद्री बैक्टीरिया चिपके हुए थे।

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया, इरविंन के शोधार्थी मेरिसा चटमन नील्सन ने कहा कि हमारा अध्ययन यह बताता है कि समुद्र के पानी के संपर्क में आने से मनुष्य की त्वचा की संरचना बदल सकती है क्योंकि जब कोई व्यक्ति समुद्र में तैरता है तो कई बैक्टीरिया उसके शरीर में चिपक जाते हैं। इसमें कई बैक्टीरिया अच्छे भी होते हैं पर कई बैक्टीरिया हमारे शरीर की त्वचा के रंग को बदल देते हैं और कई बार ये गहरे घाव भी बना देते हैं। समुद्र में तूफान आने और गंदे पानी के मिलने से कई समुद्री तटों (बीच) का पानी खराब हो जाता है और इसमें बेड बैक्टीरिया ज्यादा फैल जाते हैं।

गर्मी बढ़ने से बढ़ सकते हैं मगरमच्छों के हमले

कैनबरा, आइएनएस : ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए एक ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मगरमच्छों के हमले बढ़ सकते हैं।

चार्ल्स डार्विन यूनिवर्सिटी (सीडीयू) में रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द इंवायरमेंट एंड लाइवलीहुड्स (आरआइईएल) के जीव विज्ञानी एडम ब्रिटन ने समाचार एजेंसी शिंहुआ से कहा कि तापमान बढ़ने के साथ ही मगरमच्छ उन इलाकों में चले जाएंगे, जहां वे पहले कभी नहीं गए। उन्होंने कहा कि इनकी आबादी के फैलने का मतलब है कि सरीसृप ऐसे लोगों के साथ आएंगे जिन्होंने पहले कभी सरीसृपों को देखा तक नहीं है। ब्रिटन के कहा यदि ऐसा हुआ तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान इंसानों को झेलना होगा क्योंकि ऐसे में जाहिर सी बात है मगरमच्छ इंसानों पर या इंसान मगरमच्छों पर हमला करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी पृथ्वी लगातार गर्म हो रही है। इसका यह मतलब नहीं है कि मगरमच्छ सीधे इंसानों पर हमले पर उतारू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पृथ्वी के गर्म होने का तात्पर्य है कि इससे पर्यावरण में मगरमच्छों का वितरण भी बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया और उत्तरी उत्तरी क्वींसलैंड के आबादी वाले क्षेत्रों में भी अब मगरमच्छ दिखाई देने लगे हैं और कई इलाके तो ऐसे हैं जहां उन्हें लंबे समय तक नहीं देखा गया है। ऐसे में इंसानों पर इनके हमले की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

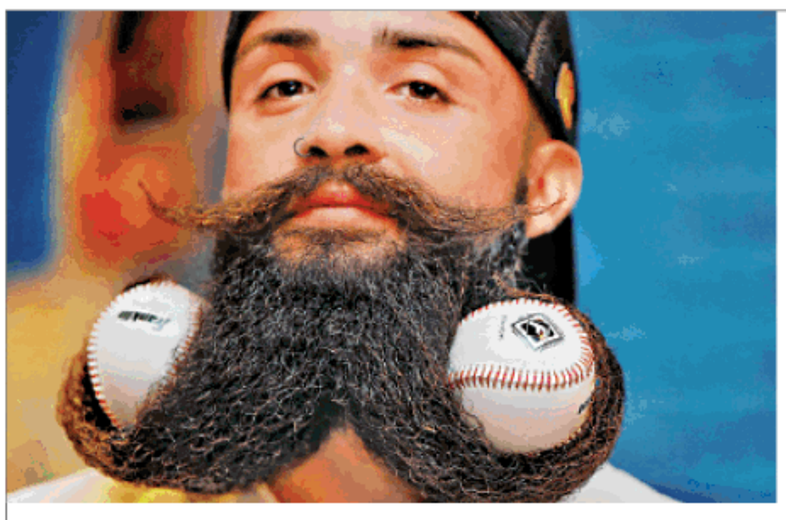

दाढ़ी का क्रेज

सदियों से पुरुषों में मूंछ और दाढ़ी का काफी क्रेज रहा है। इसे शान-शौकत और रौब का प्रतीक भी माना जाता रहा है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रतिवर्ष ब्रीड चैंपियनशिप का आयोजन होता है। इसमें एक युवक अपनी खूबसूरत और सजीली दाढ़ी-मूंछों के साथ शरीक हुआ। उसकी दाढ़ी इतनी बड़ी थी कि इसमें क्रिकेट की दो बॉल आराम से समा गईं। बता दें कि इस चैंपियनशिप में देश-दुनिया के सैकड़ों लोग हिस्सा लेकर अपनी सजावटी दाढ़ी और मूंछों का प्रदर्शन करते हैं। रायटर

भव्य मरमेड परेड

कला और प्राचीन संस्कृति को समर्पित अमेरिका के ब्रुकलिन में कोनी द्वीप पर आयोजित भव्य मरमेड परेड में शामिल महिलाएं। वर्ष 1983 में शुरू हुई यह देश की प्रमुख कला परेड है। इस मौके पर लोग अपनी पौराणिक संस्कृति के प्रति लगाव और आस्था को प्रगट करते हैं। लोग तरह-तरह के डिजाइनदार वस्त्र, हैट और अन्य सामान लेकर इसमें शामिल होते हैं और जश्न मनाते हैं। यह परेड गर्मी के मौसम में मनोरंजन का भी एक बड़ा और प्रमुख साधन बन गई है। रायटर

स्क्रीन शॉट

'जीरो' के बाद शाह रुख ने क्यों नहीं साइन की एक भी फिल्म!

बॉलीवुड में शाह रुख खान ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। उनकी पिछली फिल्म 'जीरो' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। उसके बाद से अब तक उन्होंने एक भी फिल्म साइन नहीं की है। यहां तक कि अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा पर बनाई जाने वाली फिल्म 'सारे जहां से अच्छा' से भी अपने हाथ तक खींच लिए। फिल्मी गलियारे में चर्चा गरम थी कि शाह रुख 'जीरो' के पिटने से निराश-हताश हैं। पर, अब जाकर शाह रुख ने कोई फिल्म साइन न करने का राज खोला है। उन्होंने कहा, 'मैं किसी फिल्म में एक्टिंग नहीं कर रहा हूं। आमतौर पर जब मेरी एक फिल्म खत्म होती है, तब दूसरी फिल्म में काम शुरू कर देता हूं। इस तरह मैं तीन-चार महीनों के लिए व्यस्त हो जाता हूं। लेकिन 'जीरो' में काम करने के बाद मेरा दिल नहीं कह रहा है कि मैं अभी फिल्म करूं। मुझे लगता है कि मुझे फिल्में देखनी चाहिए, कहानी सुननी चाहिए और अधिक से अधिक किताबें पढ़नी चाहिए। मेरी बेटी कॉलेज जा रही है और बेटे की पढ़ाई खत्म होने वाली हैं, इसलिए मैं चाहता हूं कि अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताऊं।' गौरतलब है कि हाल ही में फादर्स डे के अवसर पर शाह रुख ने अपने बेटे आर्यन के साथ खिंचवाई एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनकी टी-शर्ट पर लिखा था मुफासा और बेटे की टी-शर्ट पर लिखा था सिंबा। ये उनके डिज्नी की आने वाली लाइव-एक्शन फिल्म 'द लॉयन किंग' के किरदार हैं, जिनके लिए दोनों डबिंग का काम करेंगे। इसके साथ ही शाह रुख मुंबई में 'टेड टॉक्स' के दूसरे सीजन की शूटिंग भी कर रहे हैं।

'दोस्ताना 2' की हीरोइन होंगी जाह्नवी

खबर है कि इस साल के अंत तक जॉन अब्राहम और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'दोस्ताना 2' शुरू हो जाएगी। इस फिल्म के पहले भाग में जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा और अभिषेक बच्चन थे, जबकि दूसरे भाग में जॉन, राजकुमार और जाह्नवी कपूर को लिया गया है। फिल्म अगले साल तक रिलीज होगी। गौरतलब है कि जॉन अब्राहम की पिछली फिल्म 'रोमियो अकबर वॉल्टर' खास नहीं रही थी। वहीं राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री' सुपरहिट हुई थी। साथ वह 'मेड इन चाइना' में भी नजर आएंगे। बात करें जाह्नवी की तो वह अपनी हॉरर ड्रामा फिल्म 'रुही आफजा' की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं और साथ ही गुंजन सक्सेना की बायोपिक में भी नजर आएंगी। कुल मिलाकर, उम्मीद की जा रही है कि 'दोस्ताना 2' भी पहले वाले भाग की तरह मजेदार होने वाली है।

अध्ययन

विशेष प्रकार के घर कम करेंगे एसी की मांग

ऊर्जा की खपत कम करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन ने निपटने में मिलेगी मदद, इस वर्ष राजधानी में बिजली की खपत में 25 फीसद की हुई है बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली, आइएसडब्ल्यू : गर्मी के मौसम में देश के शहरों में एयर कंडीशनर (एसी) का उपयोग लगातार बढ़ रहा है जो ऊर्जा की खपत बढ़ाने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के लिए भी एक चुनौती बन रहा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि इस स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रकार के भवनों को डिजाइन करने की जरूरत है जो ऊष्मा का अनुकूलन कर सकें। इससे एसी की मांग कम की जा सकती है।

सेंटर फॉर साइंस एंड इंवायरमेंट (सीएसई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के हर घर में साल में सात महीने एअर कंडीशनर चलाया जाए तो वर्ष 2017-18 के दौरान उत्पादित कुल बिजली की तुलना में बिजली की आवश्यकता 120 प्रतिशत अधिक हो सकती है। यह रिपोर्ट राजधानी दिल्ली में बिजली उपभोग से जुड़े आठ वर्षों की प्रवृत्तियों के विश्लेषण पर आधारित है। रिपोर्ट में दिल्ली में बिजली के 25-30 प्रतिशत वार्षिक उपभोग के लिए अत्यधिक गर्मी को जिम्मेदार बताया गया है। प्रचंड गर्मी के दिनों में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इस वर्ष 7-12 जून के बीच प्रचंड गर्मी की अवधि में दिल्ली में बिजली की खपत में 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है जो औसत बिजली की खपत की तुलना में काफी अधिक है।

ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ाता है एसी का प्रयोग। प्रतीकात्मक

बढ़ रहा है ताप सूचकांक : भविष्य में यह समस्या राष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल सकती है क्योंकि ताप सूचकांक और जलवायु परिवर्तन का दबाव देशभर में लगातार बढ़ रहा है। भारत का ताप सूचकांक 0.56 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक की दर से बढ़ रहा है। गर्मी (मार्च-मई) और मानसून (जून-सितंबर) के दौरान ताप सूचकांक में प्रति दशक वृद्धि दर 0.32 डिग्री सेल्सियस देखी गई है। ताप सूचकांक में बढ़ोत्तरी बीमारियों के संभावित खतरों का संकेत करती है।

वर्ष 2030 कर बढ़ेगा बिजली का लोड : इस रिपोर्ट के लेखक अविकल सोमवंशी ने बताया कि ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का अनुमान है कि एअर कंडीशनरों के उपयोग से कुल कनेक्टेड लोड वर्ष 2030 तक 200 गीगावाट हो सकता है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2015 में उपकरणों का कुल घरेलू कनेक्टेड लोड 216 गीगावाट था। इसका अर्थ है कि जितनी बिजली आज सभी घरेलू उपकरणों पर खर्च होती है, उतनी बिजली वर्ष 2030 में सिर्फ एअर कंडीशनर चलाने में खर्च हो सकती है।

इस अध्ययन में पता चला है कि 25-32 डिग्री सेल्सियस तक तापमान होने पर बिजली की खपत में अधिक वृद्धि नहीं होती। पर, तापमान 32 डिग्री से अधिक होने से बिजली की मांग बढ़ जाती है, जिसके लिए ठंडा करने वाले यांत्रिक उपकरणों का अत्यधिक उपयोग जिम्मेदार हो सकता है।

शीतलन से जुड़ी पद्धतियों को प्रोत्साहन की है जरूरत : सीएसई की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉय चौधरी ने बताया कि अत्यधिक गर्मी से निजात पाने के लिए व्यापक स्तर पर वास्तु डिजाइन के अलावा शीतलन से जुड़ी मिश्रित पद्धतियों को प्रोत्साहित करने जरूरत है। इन पद्धतियों में कम बिजली खपत एवं ऊर्जा दक्षता वाले उपकरणों का उपयोग प्रमुखता से शामिल है। यह स्थिति राष्ट्रीय कूलिंग एक्शन प्लान के लक्ष्यों को निष्प्रभावी कर सकती है।

काम मांगने में शर्म कैसी : अनूप सोनी

सात सवाल

अभिनेता अनूप सोनी 'बालिका वधू', 'क्राइम पेट्रोल' जैसे सीरियल कर चुके हैं। अब वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहते हैं। 'द टेस्ट केस' वेब शो के बाद अब वह अपनी दूसरी वेबसीरीज 'बॉम्बर्स' में ग्रे शेड्स में होंगे। उनसे बातचीत :

लंबे समय तक टेलीविजन पर काम करने के बाद वेब की तरफ रुझान कैसे हो गया?

- एक्टर के मन में हमेशा अलग तरह का काम करने का लालच होता है। टीवी पर मैंने वर्ष 2014 से ही ड्रामा शोज करना छोड़ दिया था। 'क्राइम पेट्रोल' आठ वर्षों से कर रहा था, जिसकी वजह से दूसरे काम नहीं कर पा रहा था, इसलिए ब्रेक ले लिया।

'बॉम्बर्स' शो में किस तरह का किरदार होगा?

- मैं इस शो में महत्वाकांक्षी इंसान का किरदार निभा रहा हूं, जो जोड़-तोड़ कर अपना काम निकाल लेता है। मेरा किरदार विलेन नहीं, बल्कि ग्रे शेड का है। वह फुटबॉल खेलने वालों की जमीन को अपने फायदे के लिए हथियाना चाहता है। शहरों में खत्म होते खुले मैदानों की समस्या को भी दर्शाया गया है।

जीवन में आप महत्वाकांक्षी हैं?

- मैं महत्वाकांक्षी हूं, लेकिन उसके लिए किसी प्रतिस्पर्धा में नहीं रहा। मुझे निर्देशक को फोन करके यह कहने में शर्म नहीं आती है कि आपके साथ काम करना चाहता हूं। अलंकृता श्रीवास्तव जब 'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे' बना रही थीं, तब मैंने उन्हें अप्रोच किया था। अनुभव सिन्हा को भी 'आर्टिकल 15' के लिए कॉल किया था। सोशल मीडिया पर मैंने कई निर्देशकों को अप्रोच किया है।

'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे' और 'आर्टिकल 15' में काम न कर पाने से दुखी हुए?

- बिल्कुल नहीं। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मुझे अभिनय की वजह से रिजेक्ट नहीं किया जाता। किसी किरदार में न चुने जाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। अनुभव सिन्हा को जब मैंने अप्रोच किया था, तो उन्होंने कहा था कि वह मुझे साधारण पुलिसवाले के किरदार में लेकर मेरी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे।

शो में फुटबॉल की बात हो रही है। वास्तविक जीवन में कौन-सा खेल पसंद करते हैं?

- हमने विद्यार्थी जीवन में हर खेल में अपने पैर फंसा रखे थे। पापा की पोस्टिंग जयपुर में हुई थी, तब वहां हॉर्स पोलो की कोचिंग होती थी, जो महंगी थी। हमने साइकिल पोलो खेलना शुरू कर दिया। मेरा बेटा फुटबॉल खेलता है। अब हर खेल को बढ़ावा मिल रहा है, लेकिन क्रिकेट का अपना जुनून है।

क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है। मैच देखते वक्त फैन होने के नाते अंधविश्वासी होते हैं?

- अंधविश्वासी नहीं हूं, लेकिन जब टीम अच्छा नहीं खेल रही होती है या विकेट नहीं गिर रहा होता है, तो पांच-दस मिनट का ब्रेक लेकर बाहर चला जाता हूं।

टीवी पर दोबारा फिक्शन शोज करना चाहेंगे?

- नहीं। किरदार के क्राफ्ट को अच्छे से निभाने का मौका लंबे शोज में नहीं मिलता है। फिलहाल, मैं नेटफ्लिक्स की एक फिल्म कर रहा हूं। इसके अलावा 'बाहुबली' की प्रीक्वल वेबसीरीज में अहम किरदार में हूं। शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़ी मराठी पीरियड फिल्म में नेगेटिव रोल कर रहा हूं।

- प्रियंका सिंह